चीयः देयर क्षेत्र क्रिंग्सं प्राप्त क्षेत्र क

च्यात्र श्री प्रत्यात्र स्वास्त्र स

दे.ज.यर्ट्रम् त्यची व्रम.क्र्यंत्रम् स्थ्रम् प्रम्यत्यम् स्थ्रम् त्यम् स्थम् त्यम् त्यम् स्थम् त्यम् त्यम्यम् त्यम् त्यम्यम् त्यम् त्यम् त्यम् त्यम् त्यम् त्यम् त्यम् त्यम् त्यम् त्यम्यम् त्यम्यम् त्यम् त्यम् त्यम्यम् त्यम् त्यम्यम् त्यम् त्यम् त्यम

यः देवे पहेंद मु य देव पहन हिंद हिंद में देव पर देव से देव हिंग्या मु रेअयम्बिक्षः सुर्धेद्रयम्बन् दर्धे त्र्वेवययदे द्वर्द्वात्रम् सहित्रमा सर्वेद्वर्धे मुं स्वाया में विष्या देवा स्वाया देवा स्वाया देवा स्वाया देवा स्वाया स्वया स्वाया स्य र्भे इस तहन हैं न हेन हैन के देन के देन ता है के न सम्प्रे के न साम हो है इसराग्री वट वर्षास्य प्रत्याविषा स्यापित्र स्यापित्र त्या दे या प्रमेया यमायसप्देशमास्त्री पुडूप्यंचित्रा क्रियाममया देप्यस्या गुक्रास्त्री गु ब्रुवी ह्र-प्राप्ती वेषारवार्ह्मेब्रायाङ्गेयक्त्रपुटा देवेष्वरावकार्येऽपुटा यःयःमायसःयहेमसःसेन। युह्नुःयुःयेःन। नेसःस्यःश्चेत्रःस। ळेमामसयःनेःयतेः र्येन्या नायमप्रदेनमामे न्यान्यम्यान् स्वाचित्राच्यान् वास्यान्यम् रे भ्रीतार्राद्यायार्था केयायभ्रम्या विषयास्यायद्येत्। त्रापायायायायायाया वर्षायत्रव्योवायाने क्षेत्रावमा क्ष्यायाँ प्रमाया प्रमाया । अर्थाय वर्षाया । विवानु प्रिमीवा । ने श्विता सार्दित वार्योदित पायदी। । सम्मद स्पेन सामिव सम्मद सेन श्रेम् । विषायविष्यमुष्यते युराद्रस्याम्यायम् प्रयोष्ट्रम् । देशम्यायेष्ट्राम्यायसः वहिनामा सेन 'डेम'ये जेन 'नेम'य इसमाय र वर्देन 'दे। न्येर का नुहु यू वि क्रम यश्यम्। प्रम्यायायायायुड्ड्राय् यो प्रम्य महिन्यायविषात्री । विषा स्यार्झेव सम् ब्रेन्तुः अः इन्तः स्ट क्रून्नु व्योवाय स्थाद्नान्। देहू युःचे फ्रम् इ वेदे प्रेनिस्य या वया दशुर पुरवोया पदि र्सेया महित्या रे छित प्रवोया द्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र क्षेत्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्याच्यात्राच्याच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या

स्वास्त्राचेन्ना निर्म्याश्चरात् स्वास्त्राचेन्ना स्वास्त्राचेना स्वास्त्राचेन्ना स्वास्त्राचेन्ना स्वास्त्राचेन्ना स्वास्त्राचेन्ना स्वास्त्राचेन्ना स्वास्त्राचेन्ना स्वास्त्राचेन्ना स्वास्त्

यसाधिक यदे द्विमा वमाया देवाकाया से दादी । वासुस्राया दे ममाया वाया प श्रायम्बात्मराचीर्म्याप्री क्षात्मरी हैं शायचें सामान्त्री हियात चें सामान्त्री हिया है सामान्त्री हैं सामान्त् र्रेः विक्रियाने ने या वयायि क्रिंक्स वस्ता है। ने वाक्रिंद क्षेत्र वाह्म या ययेयवा क्ष्यारम्कुन्यास्रवाकन्त्रम्यस्रवाद्याः यर वया हम्भादेव श्वेर हो। देश इ. भेव रे मूर्य ताव वाव की र दें विवास र्देवर्त्यात् स्रोत्यर कुषायर यह्नवयर यद्वित्। क्रेंब्रस्ययायहेव व्ययप्तनग्या क्ष्याक्षरायर साय स्वापायापर यद यदे स्वापा स्वापा स्वापा स्वापायायाया क्रिंगः इसमायहेव विभायहिता सार्वे स्थाने दिया सार्वा दिवा या विभाय स्थिति । वेषावयायसम्बास्त्रास्त्रम् । सम्बीयुन्यास्त्री देदेया वयायते क्षेत्रमायस्त्री हैं। रदमी द्वायदे देव महब यायवाय दे। द्वाया रद्यु राय द्वा स्वित स्वीत अधिव प्ररायक्षव प्राप्त स्थानेत ने वित्र प्राप्त कार्य र रेवा प्रार्थ अप्तर अधुव प्ररा वन्द्रिक्षास्त्राच्यादेषायावह्रवायराष्ट्राचित्रेद्रिक्षायाचित्रवासुक्षास्त्रीः श्रीत्रेद्रिक्षा हें रदावम्यायमा युगमायदे हे मुह्मस्य स्याधन यदी विषासायमा समस ग्रीयरियायर मुर्दे वियाय ५८१ दे हिंदा साहित्या स्वाय स्व न्तुःसवे पङ्ग पर्केषायाय हुनायाय ने ह्वु रायाये में विषाना सुर्या सर्ने रामा

गलिट. उट्टेश. क्रूब. प्रथम प्रमान माने अक्ष्य होट. ग्रीश. मानी यात्र प्रक्षेत्र होट. । यहेव. वयायन्त्रम्यायार्द्धार् क्ष्यायर यह्न्यायवे ह्या व्याप्त विषाप्त विषाप्त विषाप्त विषाप्त विषाप्त विषाप्त विषाप या बदायदे 'र्बे क्रायह्म र्ख्या दु श्रु हो। इ मेरा क्रिया इस्राया रहामी सक्र हिट ग्रीया भार्चीयःतरःक्रिभःतरःयक्षेत्रःग्वेदः। यद्देषःव्यथःयय्येषाःतःद्भःयः क्रिभःतरःभःवर्षेत्रः 'डेट'। तर्नुन'यस'दे'निहेस'ळेंनस'कुस'यर'यक्षेत्र'यदे'ध्वेर। येनस'यर'यन्दर र्ने भगव्रायदेशस्ये वाकु के प्रयो क्चिं वर्षा यह मास्यार्थित है। स्यो से स्कु के पर्यः जभाकी द्रभारा के भारा राभारा के या राय है या राय राम स्वाप्त राय है विश्व साम राम है विश्व साम राम है वि यायह्नायादे। यदे दे याकु के प्रवे रे क्षेत्र मायह्ना क्या प्रवे प्रवे प्रके के'परि'यस'मु 'रेस'पा मुर्भापर पहूर है। इ'सेर पहूर परि यस या मेगापा केर દ્રાંતું . ક્રું . ક્રું . વર્ષ . તાલુ ને . તાલુ ના તાલુ . તાલું . તાલું . ક્રું . ક્રું . ક્રું . ક્રું . ક્રો पुरु.क्ट्रम.चमिषा उत्तर्धम.त.सूच.त.द.म.चर्डी उच्य.चेतु.म्री म.र्ज्ञ.त.२८.। येच. परिवें दिसंवीकात्मका वाप्तक वी दिन्दि विष्वाक्षात्य निहेष क्षात्य निवासी कार्य निवासी त्तु क्षिया शर्चर क्षुश्रात क्षश्राय वर त्तु हिरा द्वा के में स्वा क्षश्राय क्षेत्र वर्ड्सासाधिक यम रव्यूम में विष्क क्रिक्सिम सेन प्याधिक है। क्रेसिमी यन वासेन में विष् ন্ত্ৰ'ইপ.অঁশপ্ৰথ নেপান্ত্ৰ, স্থ্ৰু'ইপ.ফিপ.ন'স'ন ক্ষৰ'ন্ত্ৰ'ক্ম'ইবা.কুই'ট্ৰী'ন ক্ষৰ' पर्केषासु सेंद प्रवेश है र है। रद प्रमेयायथा केंबा मुग्न विषय प्रमाययायर चि.चयु.ख्री र. ह्येच.त. कुष.त्.च संय तालट. द्रचेषात्ता ख्रेट. ट्री किषात्तर वस्य तात्रह्टे. यर पर्दे द परि द्विर दे । विद्वार्धिक ग्री होना या प्रकादी कें का ग्री प्यद्वार के द पर कार्दर मकूर्यत्र अधुवार्थे वर्षे विषयामित्या वृष्ट्रे क्रिंशतपुरीय सुर्ध्य क्रिंश

इससायमार्सीसाङ्गेर्पिये के मानासुसादी देव के वाय से ए या या पर्नादि रहा *ऀवे प्रहेमा हेव प्रहेश*। व्रि.मेर येट क्यां मृत्यां मृत्यां वित्र क्षेत्र स्था वित्र क्षेत्र स्था स्था र्रात्यर कुर्यार्य स्रायह्र न्द्रा । स्थित्र अध्यान न्त्र न्या । विदेश याक्षीयहेबायो विषायमाय हिवा देवे देवा यहाब यहें बावदेवा वदे रा इब म्बर्भासम्बर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः दिन्'ग्रीस'र्स्नेन'यर'सर्वेन'प'यो। विस'यदि'यर'ग्वीस'यकन्। यसग्रस्य संविपयदे' N'यठु'ते। देन'ळेन'यदेट'य'यम। हे'ह्नर'दन'र्घम'र्घम'य'य। । दसन'य'म'ते' पक्षर प्रमा । दे प्रतिब सेना प्राक्ते के प्राप्ता । यह स्कूप से समा प्रमा प्रमा प्रमा विकास स्वाप्ता । विकास स विषयषप्रस्तु देशिद्वर्दा कुयायवे ख्रुषार्ये वदे धि सेस्राया पर्वे पाइस्स्रा विषयम्बर्ग स्रिन्डिमास्रिन्डिमायाद्वे ह्रेवियम तुषा विषयपेदे यम मुक्षायकना वन्यमानुवे माने देन केन विद्यान्त निर्मा मुन्त माने केन देन विन्यत्रा मानः द्विरावसायायादे सासेनाया त्वा द्वरामायायर मुराये द्विरा। विषायात्रमा हिन्यासारत्रात्रमासीस्या विषायवेष्यराष्ट्रीमायकन्। वि क्रिंट वो के भारति या है 'देव के वे प्रदेट 'या यथाय विता है 'ये देर 'ये सथाय है दि 'या प्रदेट ' र्वेगत्तुःस्वरासंत्रक्री रुक्षियेतुःपक्षेष्यर्श्वराय्रुरायर्रात्याः स्वराणीः येवाराणीय या यप्रमानस्यम्यायस्यम्यायम् विकायक्यन्याया युन्नमायन्त्रीक्षा विषायात्रमा मावरायान्त्रात्ते हिन्द्रायराच्चा विषायदे यरामसुरमात्रमा यह्नतः पर्ट्रश्रप्तस्रभ्रम्। प्रतित्वे प्रतित्वे स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप यर्वाची पर्योर् द्रसम् स्विम् राष्ट्री सम् । विस् स्विम् राष्ट्री मा विस् र्स्म ।

द्रिय। इ.पे.ज.वच.त.२८.के.क.चतु.झू.यश्वरदेव.ततु.चह्य.चह्य.वर्ट्य. यातकराक्ष्यादे हि स्नराधिक लेखा हे प्यराहिनास्य होनाया नस्स ही प्यति प्रमासस ठ८.प्री.क.प.क्षेट.इ.कुष.त्र.जा.पक्ष्ट्र.पह्र्य.का.क्ष्र.व्ह्र. क्रमालेमायक्षा रदायलेक् हिन् ग्रीमार्झेदायर सर्ह्येदायणी विमायदीयर निश्रम् है। क्विमान्मानिकामीकाक्ष्माक्ष्माहे केवर्यायार्थे स्रमाक्षेत्रायार्थे क्विमानिकामीका वया सैयाशक्षराग्रीयास्त्राक्षराही. है. हीया तक्षरा पाय हैव पार ही रा है राहे क्रेक्'र्ये'या अर्केन् पर्हेन् अहंन् परि क्रु अर्केक् 'र्येन् ने। क्रिक् पर मुवानिया हुवा र्यट.विट.श्रमम। विट.श्रमम.श्रुट.इ.कुर्य.तृ.श्र्यम.कुर्य.वर्षेश.तया.वविट्य.वेट.। क्षेट. मृ. कुष. मृ. चेट. श्रंश्वा. मी. की. यावया याव्या मी. याचा स्था. मी. यावया मी. य र्नेन श्रापामा वेशया वेताया क्षेत्राया नेता वेशया क्षेत्राया महिश्रामा व्यायहूना यशा ५८० र्येदे 'न्नर 'नु अ' अ' 'क्षेत्र 'में अ' ग्री 'द्रव्या पु 'में नि या गाव ब 'वा क्वें गाय अ' ब ' ने ' स्ने न 'हे अ' चि.जा झ.चन्टर.वट्ट.चर्चिमश्राचर.की.ध्रेय.कथ.की.थय.ह्यूस्ताजाश्राक्ष्टालट.हुँखेश्राट. दे । अप्तर्मानुष्पेदामा अप्यम्दार्षेदायमामान्वयायवे भ्रिमा द्येमानुष्य तमा भी भारत तर्म त्विम भी विशेषात्त रियट रि. ये भारत तर्म तर्म में प्रमुखा वामा <u>शरशः कैशः सें. पर्यु. तरु. ताभः भरशः कैशः ताभः कृथः सूतुः भू यो भः भर्यः </u> वयादे द्वादी विषय त्या स्थान स्या स्थान स्या स्थान स्य यर र्यार यथा अर्वेद में रेर मर्वा उवा दिय में या विर क्वार्य या लट.र्च.यञ्चच.तर.प्रची विट.क्व.त.ल.म्च.लट.रच.ये.पर्ट्रा वि.यग.यर्च.

क्वा.धेष.मूस.भ्रा.पचर.तरी । व्रमानमित्मा त्रम्या.पचर.री.वैट.क्वा.र्झ.माम्रमा क्रेब क्री चिर क्यू पर्रा क्षि साया र साया है से राया है बेर सेंद्र गुरा दर यें वेग के द की ' सुर क्यादर । महिषाय सुर क्यादेर खेंद्र त्रु जभावा में दे ता तम् वा त्रु दे विष्या पर्ते । विष्य । मिर श्रे सम्भावा सम्भावा । र्रे भेले ता क्रेंब से रारी स्राय परिय प्रवाधिय स्था से वासी यर या स्था ૹ૽ૢ૿[੶]ઌ૱੶ਗ਼ਫ਼ਫ਼ੑਜ਼੶ਖ਼ਸ਼੶ਖ਼ੵੑੑੑੑੑੑਖ਼੶ਖ਼ਫ਼ਜ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ੑ੶ਸ਼ਖ਼ੑੑਫ਼ੑਖ਼੶ਸ਼ੑ੶ਸ਼ਫ਼ੑਫ਼ਖ਼੶ਖ਼੶ਫ਼ਖ਼੶ਖ਼ਜ਼੶ਸ਼ਜ਼੶ਜ਼ਜ਼ विषयात्रेयः भ्राम्ति । यात्राप्ति । विषयात्रेयः विषयत्र् यायम्याक्त्रमाण्ची स्निन्दिन मिन्दिन विषयप्ये मिन्दिन विषय विष्ठा विष्रा विष्ठा विष् क्रुन्यायायहुनायमा ने किंन निन्दु क्रुन्याय विराधिन सम्मायम् रट.कैल.ज.टे.प्रि.ब.धेट.ह्र्चमातातत्त्रट.त्रु.खेंबाची.ही टे.प्रि.ब.धेट.ह्र्चमातामटमा कैमालमारम् १ वर्षे मुमालमाङ्गीतमार्रमातविष्यात्रेम। मरमाकैमालमा न्यत्रोति क्र्याकामित्रमाञ्चनकार्त्राक्कान्ता। क्षेत्रकान्वसमाञ्चन्यानुकान्नसमा ध्रिमा विष्ठेम इरक्षेस्रमायमान्स्रमायिः विषाद्वेनानु मरायसानु ससासित्रा वर्ष्ट्रियःयाक्षेत्रपार्क्षेत्रभावमेत्रपाक्षावम् देशे सम्साक्तुसायसाम्बुवायमः क्रायन्तर्यसम्बद्धरम् नेत्। रत्कुयारत्यसः तुक्षास्त्रिक्षः स्वीत्रायायतः श्रायवर पर्य द्विम। ४४ व्ह्रामा या स्वा हो। यञ्जाय प्रायक्षम प्रमुख प्रम

वेषायार्वेष्ठिषायाः क्षुरायेषा वष्ठाः विषाः सुरायसायार्वेष्ठिषायायसे त्यरासी सुषाः यासाधित्रपरिष्ट्विम् देन् १८ तम् १८ मा विष्यापर्यम् विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय दिन पर्योपन निमानि वर्षेन निमानि समानि स्त्री कि सम्मिनि स्त्री स क्रिन्यामिकार्ल्य में मिन्या क्रिन्या में मिन्या में स्वाप्त में स म्बर्यायम। सर्द्रम्यरायम्यायिः देन्ति मुद्रम् क्रियः क्रेवः विद्रम्यर मुद्रम्यते । त्रिम्ब क्षेट हे या स्वायाय के स्वाया ये स्वायाया स्वायायी के स्वाया स्वया स्वायाया स्वया केव र्च र्सेन्य ग्रीय बेव प्रते प्रसेट वस्य रहा। ये विय विवार्केन्य ग्री विर्टेन्टर नसुरस्यये द्वेर विन्दरी इदर्रा विन्दर्भ नस्य प्रस्ति वस्य प्रम् सवायाधिक यम माना विकास विता विकास वि यम्बारायात्रात्राच्या वर्तेन्यवात्त्रीय वियासे वेरास्त्रियायायावात्री विराधिरायनग्रम्भायायधिरान्नीशयविष्टिरान्याष्ट्रियान्नुसाङ्गेरिधन्दि । विवायवेः र्यट.तृ.थु.स्टस.क्रिस.धुर.ता.चि.झी चीय.त्रपु.झै.यर्चे.त्रपु.धेय.प्रट.चेट.स्रसस. चार्येश्वर्यात्वर्षात्वर्यात्वर्ष्ट्रक्षर्योत्ते स्वरः स्विचार्यश्चरात्वर्ष्ट्रकाः स्वरः चिरः चचाः गम्भुम्भून्त्रे वार्याम्यस्य वर्षुः रायरः सह्तः प्रविः श्वेतः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः क्रम् क्षेत्र मुक्त प्रमान मुक्त प्रमान मिन्न क्षेत्र मिन्न ৾৾ৼৢ৾৾য়৾৽৻ঽ৾ঀৢ৾৽য়য়ঢ়৾য়৾৾ঀ৾৽ড়য়৾৽য়য়ড়য়৸ড়য়৽য়য়য়৽য়ৢয়৽ঀয়য়৽ৼৢ৾য়য়৽ वर्षित्राचित्रात्रत्रात्रराष्ट्रप्ताचेत्रक्ष्यात्रम्यात्रात्रात्रात्रेत्र। वेताम् वेत्रम् देन्य उद्यास देन अस्ति हो त्या स्ट की मुद्द स्तुन स्रोदेन मुद्द मुद्द स्तुन स्ट कुया था दे'से'रेन्यर्से'क्षस'म् सप्पेम'मे। सर'कुय'ग्रेस'र्केस'र्वेस'प्ये'कें'दे'य'सर'ने'

विरक्तियंत्रीयवैनिग्राम्। कें स्वर्णमान्त्रम् देशस्य यवेविन विष्यये विष्य यक्तरायमा देखेर नेमायमाया के तदेन। श्चिरमाय प्रमाय संविष्णारा। श्चिर यम्बन्द्राप्यन्त्रेन्यम्। देशयम्यदेवियव्यूम्यशयिवन्ते। विश्वन्त्रा र्यः भाराका ग्रीता कृषाका भाराका क्रिका सम्भागा मुद्दा स्वापा । विकासिका सम्भागाता बर्याक्। ।रदायदयाक्त्रयाक्तीयाक्षेत्राक्षी ।यहेवायासेर्यरार्यातुःही ।वेषा येशेंटशा ४४.४८.वींच.२घर.जग.क्षेश्रेश.थी वींच.२घर.योर.जग.उविंदश.से.थी शरशःक्रिशःविरःक्रियःमुभगःदेतयःजभावविरमःतुरः। विषाविरःमुभगःवनावविरमः तर.वोर्योटको वि.य.५। ५.९१.५वोब.५। चैट.श्रुष्टाय.येथा.येथ.येथा.लेय. पर्वः द्विमा ने स्प्रेन ने इसस्यायम्या क्रिया ग्रीया है प्रमाय स्वर्भनायाय स्वर्भनाय स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्यम्य स्वर्भन्य स्वर्भन्य स्वर्यम्य स्वयस्य स्वर्यम्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स ध्रिमा नियम् स्पुनियम् पुनि त्यसः स्त्रुसः यास्री त्यस्ति । विष्कः स्त्रीति । विष्कः स्त्रीति । विष्कः स्त्रीति ने इत्येसम्बर्धस्य स्टास्टानी क्रूर्णूर परि कुषायदे स्रमाधिक पायने कार्सेन ग्रमा हिम्मुवायदे स्रबायाधे नायदे हिम्मे दे स्रब्धा सुवाय स्रवेश ग्री वा मैजायुरमैं रावकीं रायुर्भेर। ट्रालटाबोब्यासेय्यामी विटायराजया देशका मैजा चतुःक्रिरादक्रान्। सरसाक्रिसादसम्बादाः इससार्याः ने ने रावे नुः क्रिरायदे गुरा क्वामेमम्द्रम्यायायम्यविद्रम्याये स्थित। यह द्रवाय यह मृत्य वह वायायमा स्थान मुश्रमः क्षेत्राच्तुः कें र.पर्के र.प्रे। मरमः क्षेत्रायस्वीमः तः क्षेत्रायद्वे स्वेतः डिना हो ८ मो ब ८ में स्वाप्त स

भट्टे.इं.जम.चर्यटम.त.तप्रुथ.यू । वि.शुच चिट.मुभम.इभम.कैज.सॅम.लुच.त. जायमभभाष्याकुषाचिवाचिवासुषासुषाद्रियाक्षावन्तर्ते। देव्हाम् स्रमाव्यमासुषा त्युत्पर्थः अष्टुः भ्रेयः तार्थः प्रष्टुः जयः भ्रेयः तरः विज्युतः द्विरः रू । देः सरः विटः स्रथयः इसराक्वितायतुः क्रिंत्र वर्षुः सूत्र तायते तायते ताय क्रिया वर्ष्ट्य त्य राज्या चिर मेम्रम् यायस्वामाय सहत् यायी ने मेन् प्रस्वामायमा देत् सुरम् ने प्रविष्ठ नु मार न्या राया राया राष्ट्र नि प्राप्ती या सुर स्तुरा से स्राया राया स्राया यास्त्र मान्य विकास मिन्य प्राप्त के प्राप्त बु.यो चिर.क्वित.श्रभग्य.रतत.जम.यु.ट्र.प्युय.योज्याच्यमात्रभग्य.पचिर.ट्रू.। १८. विश्वास्या वहाः स्वर्मित्र व्यक्ष्वायाः सहदायाः विश्वायाः विश्वायः विश्वायः विश्वायः विश्वायः विश्वायः विश्वायः त्तरं क्रि.सेंच.सेंच.सेंच.स्च.तंच.सेंच.सेंच.सेंच.संच्या.संच्या.संच्या.संच्या.संच्या.संच्या.संच्या.संच्या.संच्या जायर्चे या तथा तया त्या प्राचित्र का का त्या के वा त्या कुर्यातुर्भी.वी.जा.वी.कृषाः श्रीषार्वाक्षाराः क्षेत्रः वीट.श्रुषाषाजाषार्यः ट्रांत्रातुः वीष्रषाः श्रीयषाः शुःक्षेवात्तरःत्वाद्यसःश्चित्रःक्ष्यःत्र्यायश्चितःत्वरःच्यात्रःव्यातरःव्यात्रःव्यात्रःव्या र्थिन्यवे द्वेर। ने या ही वियानु सकेनि यहेन प्युवानु ज्ञानमायवे क्रम स्टान्टा महमा क्रमानुदासेसमायायदेराद्देमासुसस्टित्यहेंद्रास्रासह्दायदेतुःसस्तर्युःसस्तर्येद्रादे चषुत्रःस्यत्रःक्रिःवासकूर्यःचर्ह्र्यःचिषायषान्त्रःस्रष्याःग्रीटःरूषे ग्रीषासकूर्यःचर्ह्र्यःखेवाः

र् सिंद्रायदे धुरा दर्र र देवा रे प्रवि कु प्रमुष सु र देवा से प्रवि स् हे के द र्पे हे साम हा प्रायं के द र्या दे रही राष्ट्र के द से विकार के द राष्ट्र राष् मुश्रमः प्रमिः चियः रेयरः तमारे हूमः मीरायरः क्षेत्रः सुर्यमायरः चया ४४. रत्यिक्षाने स्राचास्कायाम् विवास्वर्थाम् कार्येकारीकारे प्राचास्कायायकारे स्राचित्र न्तर्भभभग्गुरार्धेर्यदेश्वेर। बेन्ना मान्निराङ्गी वन्ररायविभायादेश्वर वर्ष्ट्रवायक्षे देविष्ठ्रवारी स्वायम्यात्वायात्र वर्ष्ट्रवार्ये वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत र् 'प्रिम'या चिराम्रम्भागी स्याक्षिराहे 'या सुनाया में 'येन्स्य सुन्देन्य प्रायः सिम्या हें अबर्रा मुन्द्र विदायमाद्रा मुन्द्र विदायमायमायम् विदायमा श्रमभाने मार यम हिराने मा क्षिर हे वे स्रमभान मानि मानि स् क्वारोब्यवार्ष्वे कुवार्ष्यवार्ष्यवार्ष्यवार्ष्यवार्ष्ये विष्यां कुवार्यात्रे विषयां वि क्षेर्-ह्रिवायप्ये:वेय:रव:रव: च्वट:क्व्य:ग्री:य्रेययावायुर्याययायविद्यायरःवायुद्या ने द्वर अह्र प्रतिविष्ठा है ने केन प्रति प्रति प्रति विष्ठित प्रति । हेब प्दीया वियासेनायार्मेट रु र्इस्यायाया यहेब प्येरी विरावा पदी मासुसामाटा म्रीक्रिं प्राचित्र प्रित्र श्रेष्ठ स्राच्या त्राच्या त्राच्या प्राचित्र प्राचित्र स्राच्या प्राचित्र प्राचित्र स्राच्या प्राचित्र प्राच ने संसम्प्राचक्किन सम्बन्धिया केन वसानुन्या सुन्देन निर्म्याय दिन हिंदा ्वेट्रम्बाबात्त्वः वेबात्रयादेवः क्रूरावह्वायायायाः स्वावन्द्र। न्वाराक्षस्यस्य चिट.क्व. ऐ. मुश्रम् त्यञ्जे देश हेर हिर हिट हिन स्वायात्य नेया र पक्षा ताया न स्वा

ल्रुन्यदे ख्रिम् अ.मेन्य प्रमास्यानम् मे क्रुम्यवन्यदे मुह्यस्य स्तर् यक्ष्ययः स्वापुर्ता अव कुं स्वि निर्मे सुर्मे पुरि चुरि स्वापि स् वर्गवायर वर्गुर रें। विषा दे भूत वर्ष परि र्रेष्ट्रिक पुर वर्ष रेष्ट्री मार्थ यिष्ठायावर्षाक्षात्रेत्रायम्। इत्यावर्षात्रेत्रे विष्णुत्रायम् । विष्णुत्रायम् स्रायमे प्रविः क्षेत्र श्रेन दे। यहेर विष्या अध्यापार देश प्राप्त हिंद न्य विष्य राज्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान ब्रें अभगनभ्रिट स्थितात्त्र स्थित्रात्तात्र मित्रात्तीत्वर्धे भगत्ते । मुभयानश्चित्र रहूर्या सात्रा सुर्या हे त्विष्ठ राष्ट्री स्था स्था सुर्या स्था स्था सुर्या सुर वक्कित्रवार्ष्ट्रमान्यस्य के कित्रवार्ष्ट्रमान्य वित्रवार्ष्ट्रमान्य वित्रवार वित्रवार्ष्ट्रमान्य वित्रवार व विक्रयाया चुन्यि स्थित। ने मित्रकाया त्रिकाया प्रविक्र के या प्रकारी क्षेत्रा प्रवास मिन् वर्ष्य प्रति हे त्या हे त्या त्या है । इस प्रत्य स्वाप्य स्वाप याने प्रविष ह्या पर्राक्षेत्र । भेर द्वारा के प्रविष्ठ प्रविष्ठ प्रविष्ठ प्रविष्ठ । विष्ठा प्रविष्ठ । ततुः र्रुष्ट्रियः प्राप्ता निषात्रु विष्ता मुर्ग्युष्ट्रियः स्युर्ग्यास्य स्वर् स्वरा स्वरा ब्रे.इच.कुष.कुष.कुष.चभ्रेट.ग्री.षक्ष.कुट.हूचकातासट्य.हूचका.केष.तका.चपट.ता. यायवृत्यवे कृ। ध्रिकाके र्येनानी हेनाया अवयानना येनायवे अळक हिन। वर्ने या र्थेरमणी महेन हेरणी रराविन रुख्राय सरमा मुमाहेरायर विवायर वर्रेर याधिक की विकाम सुरकाय सूर में विषर हैं र छिर हैं निकाय वे कारवा चिराम्रम्भायमान्दार्याप्यत् क्रूराम्रायवि स्वित् स्वित् स्वित् स्वित् स्वित् स्वित् स्वित् स्वित् स्वित् स्वित ठव.रेयर.सेज.क्षम्य.रेट.तूर.विट.क्य.रे.मुश्याता हीरी ट्राइंस.हेट.हेर.हेर्याय.

पर्वः क्षं या वर्ष्क्ष या यो वा प्रवास के वा विकास के वा विकास के यायद्वायमा ट्राइमाम्राममायक्षेत्रायराचितायद्वीराह्या र्यासम्बर्धमा सर र्वाःविषावर्ष्ट्वाःक्ष्रिवःवन्द्रः । र्द्वः न्याः इष्ठाः यस्यः देषः श्वः न्याः । द्वः प्रवाः । द्वः प्रवः । द्वः प्रवाः । द्वः प्रवः । द्वः । द्व न्यवसायह्मान्त्रेवाया ।क्षिराहेग्गुवानुग्वक्षेत्रावसास्या ।वर्मेर्न्वान्त्रेत्रान्यरात्या क्रिया विटक्षियः भ्रुष्का स्रविषया स्त्री व्रित्तः श्रेटा हे स्वायक्षेत्रा स्त्री वियः यव्यत्त्रुवातुन्यायम् । विष्यायव्यात्त्र्यात्त्र्याय्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा चिरक्तिश्रेमभापञ्चेतित्रमा विवासदायस्याविष्यमञ्जरम्। निःकीप्यर र्याः वेषायर्क्षेत्रायर्क्षेत्रा विषयम्बर्धरमा विष्ठेम सरार्मार्रायरे हेषाय सराया वेषाम्बुर्षायाने यसानु सानु म्रायि स्नू नषा सु कि हि स्वते निय नु सह नि ग्री यस विचेत्रात्ती, चेर क्षियाम्रम्भारताया कुर हिर हुचे मा कुर प्यमा विचायर प्यम् । दे ब्रे.श्र.तबर.र्। जैर.र्नेश.रर.त्र्र.विर.क्व.पं.श्रश्रश्यश्रवीत्री रे.ह्रंश.ह्रेर.क्षेर. हेन्यसप्तरे स्वापायर्के वापते होना केन हो देनसा उन निमाय स्वापाय सिमा दे प्येत न हिंदि 'ग्री 'खेनाका दे 'विनाका परि 'श्वेर । दे 'न दि सा दहना पान का नासुर का परि वसायक्षवायर व्यापी विवाय देन या धिवाते । यसाय में न खुवाने विकेटिंग <u> २२,९५८६ वार्षःक्रे२.२.२१,२५५५,वार्षःवित्र</u> देव:केर'र्'वे वद्मत्याव लाव व्याचित्र क्षेत्र की हिना केत्र की देना राष्ट्र के प्राप्त की साम त्तुः ही र वृत्य र विट क्या श्रेम श्रेष क्या श्रेम सम्मा की विषाप्ते विट

वस्तरम्भूष्ट्रभायतेः रेन्द्रम्यूरम् वहत्रम्यते स्रोध्यायक्षेत्रः विश्वस्य स्रोध्यायक्षेत्रः यम्बर्भात्रात्रात्रात्रात्र्यं त्रात्रात्र्यं कृषावार्षेत्रात्री विष्यार्थः प्रथान्त्रात्रात्रात्रा मल्ट केंग ने पदेन पर सह न पर है रा लेना साम्य है। देन के न पदेर বরি'ঝেন'বম'য়'য়৾ঽ'য়ৢঢ়'ঊৢয়ৢয়য়য়য়য়য়য়ৢঢ়ৢঢ়ঢ়য়য়য়য়য়ড়য়ঢ়ড়য়য়য়য় यक्षेत्रप्रमा चिरःमुभगत्त्रग्रद्रान्त्रःचेरःचेरःकेचःग्रीःमुभगत्ग्रीःरभग्नाम्मः ब्रैंट प्रते क्वें के न प्रते वा प्रते के न के प्रति के प्रति के न के प्रति के न के प्रति के प्रति के न के प्रति के प्रत ग्री कु मालक महिषा ग्री सम्बर्ध पर द्यूर खुवारे हि द्वर प्येक लेखा देवे खुवा पेरि रो म्राम्यायभ्रीत्रात्री स्वायाची क्षेत्रायाची देखास्या भ्रीतास्या भ्रीता हिमा चर्यट्यातास्त्राच्चायाकाकाता हूट्युराह्नेचयायदानेयात्राची सामाने र स्वाची र्वटर्नु मुक्षाक्ष सेस्रमायक्षामुक्षास्य मुक्षास्य स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वापति स्वाप्ति स्वापति म्बर् र्यट्रं क्रिं राया हिंगायह्याक्री स्यायर्गायह्रम् स्वरायारे सायायहेमः बिटार्झेटायर्ने राष्ट्री। झिटायायाय नायहें का की खेव प्याय में नाय में का या राष्ट्रीं हैं वया ने प्रमानायि हिंदि हिन्दिन स्वायायि स्वायायि हिमायि हिना वि हिन क्रेबर्यानक्किन्वमा नेदिर्देगानुः हिन्दिन्दिन् हिन्दिन्ययाय छिन्या या विषा वे नाया श्रायवरारी वर्षातिर्धराष्ट्रमा द्वीराहे क्षेत्रमा मिन्नीराय है स्वार् हिंदि हिन हिन स यदे स्याप्तर प्रमुत्यदे स्वर हो। देवा चराय देवा महेर की की प्रमुख स्रवाद्यः इत्याद्यः द्वाद्यः विश्वत्यः विश्वत् ंधेरा ने 'स्रर'त्र'णर'स्ट्रर'यवन'य'नर'के'विषयो है। हेर्रिकेन हेर्गका चेत्र'र्सेका

त्तु.र्यट.र्.शह्र.त्तु.हीरा कै.शक्ष्य.र्.स्श्वराज्ञितायी कै.यशिश.की.यट.येश. क्षिर हे क्वेब यें नर्डि र्ये प्येब बिषा क्षेब या या नर द्विर यसे छे र कु या यदे यें हिना सुब क्रिन्यायदेत्। वियास्त्रिम्यायियाम्यस्याम्यस्य। देनम्युसाम्ची स्टान्या स्थितः हे के दर्भ ने से प्रमान के तर के दर्भ यार्चिमा अवयानराम् सुसानु ग्वायाके निये द्वीरान्ति। विमासराम् याके नासानिकाः सुन्तु। चर्रानु ग्वायक्ते चर्कु खुन् क्षु नु। वास्त्र ग्वायक्ते चर्यन्य सुन् क्षुक्र पाक्षु नुः प्रकारिक मुरा न्दर्भाष्मिन हो। क्षेराहेवे सर्मेन सामन्यन मुयानवे सुर्ग् सी वर्ष्ट्राण यथ्यः वर्वे द्रायुः द्वे राष्ट्री अभगः क्षेर् ईंगी यक्षेतात्रभायक्षेतायर वर्द्र राष्ट्र क्षेरः इ.क्रथ.त्र.जर्मा ईंच.पर्ज्ञजाजरायश्चेजायायर्ट्र.यर्चा.य्रुयाचेत्र्रःश्चेशायत्रः संचायरा ८८। दे.तथ.स्रम्भः १८५ हेष्ट्रं सर्थाक्ष्यः व्याप्तः तर्द्रः तत्रं स्रम्भः पश्चितः मक्ष्यं देरे मूर्यायाय देय तर हो राजा दे लिंदा महिषा सी से राजी सा सकूर तर्र ब्रिय सूच मार्थ हिर तर्र र य शाय वीय तर मार्स प्रमास स्रिय देवा हो। वस्त्राचेत्र व्यादेशयम वहुन यदे द्विम केत्र केत्र विद्या विनाय केत्र ये ग्रान्तिग्यमा क्षिराहे र्हेन्यनहर हें रिग्नुन रहा । यो नेम दे सासे रायन रया। श्रेम्या विवादे त्या ह्वेत्। विश्वाम्यत्य। यहेशाया ध्रेमा हेता हेता हेता स र्वेब मुका नुराक्षेस्रका मुम्बा परार्थे राय मुन्ता परार् क्षेरा हे वे स्कूका परार्ता लट.री.भ.पर्वेश.य.प्रस.तर.४य.४८.मी.चैट.क्येंच.पे.सैट.चर.ठर्केंर.जा पर्वेश. बरे दिन क्षेत्र के त्यू र प्रवे द्विरा निष्ठा प्राप्त के विषय प्रवे के प्रवास के विष्ठा के विषय के विष्ठा के व ग्राट क्षेट हेवे क्षेत्र याद्र प्राचयात्र वित्र या सार्वेट सायर द्राग्तिया द्वाया के सार्वेत स्त्रीय्वत्या अव्ययम्यविद्यत्ये स्त्रीया क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्राच्या स्त्रीयः स्

चृट्याचे स्वार्क्त स्वार्व स्वार्क्त स्वार्क्त स्वार्व स्वार स्वार स्वार्व स्वार स्वार स्वार्व स्वार स्वार स्वार्व स्वार स्वर

मिषायर्चे विरा यने पर्चे र पर्चे रायायय पर्ने स्था के वर्षे प्रे विषाय पर्मा ने विवा यदे बर र् प्वेंचर प्वदे कें सृध्वेदे में रे अरे अर् गाय प्वाविव र् । वर्षे प्व इसस्य विवर यर विष्र प्रवेश हैं के स्राम्य प्रवेश है क विषय मुख्य प्रवास का मी है के विषय मुष्टेश्चरा तयमार्युद्धेषायय्वायाय्वेषाची मृष्टुद्धेद्वार्यमास्त्रवाया विवार् हिमा भ्रामुषायान्द्रा देखिमारे प्वतिमार्विमायि क्षेत्राया पर्विमाया पर्विमाया विमाया क्षर्याद्धेष्र, प्रतावेष, ईवी, यर्जनाविषा, वीषा, ईवी, यर्जनाय प्रतावेष, कुषा, येवी, व म्नुष्यायर प्रतुः भ्रिमा यर् सिमाय स्वापायार मुखायालूर हो। समा स्वाप्त क्रिया वित्यर पर्नेत्यमा क्षेर हे क्वेब ये प्रक्षेत्र प्रमेष्यर प्रह्म गुर प्रक्षेत्र स्था यक्षेत्रप्रमा दर्भराने स्वेत्रप्रकेतात्र क्षेत्रप्रमा कुष्म मी त्राप्त मा त्रुवार मा त्र पक्रवादी श्रेम्बार्यक्र श्रीत्वापादम्। सम्प्रविवासेदायवेद्यस्याचे खुण्यायादिः ने इं कु बर में 'ञ्चे पाने 'ञ्चन 'ठेग' से 'से प्यायदि मायान राञ्चायका है राया सुरा के सका ठव इसस्य ग्राट स्नेट रेवा वीय स्ने प्रहेवा सेट पर्टा रट प्रवेव सीय प्राप्त सेट र यदे द्वेर। नाय हे। अर्के र पर्हर प्युय र ्यूर परि हैर हे या यस सानुनाय थीं क्षेराहे 'तर। वर स्रेस्रमाग्री क्षेराहे 'तर। सरस क्ष्माग्री स्रेते हे 'तर मस्स गार्भेर्न्त्र। अपयारदेर्र्ययमेयायम्। यदेन्ने मुद्दास्यस्य स्वराह्मस्य मित्र इ.स्रम्थात्र्यं तार्म्यवारात्। विषाक्षेराइ.पश्चेरातात्त्रियःस्रम्थास्या यद्रायन्यायाया विषा भारमायाते। देनम्बुसामासकेद्रायहेदाणुयादुःशुरा पर्वःक्षेटः हे प्येष्वः ग्राटः । विवास्तरे क्षेट हे विश्वेर्यं प्येषः याया द्वेट्यायरे क्षेत्र । दे यान्वत्रात्री क्ष्रम् । न्या क्षेत्राच्छे त्रे त्रे क्षा क्षेन्य का क्षेत्र व्यान्य क्ष्रम्

यभायश्चित्तात्र त्युं न्यादे स्थान क्ष्या स्था व्यव्त स्थान स्यान स्थान स्थान

निव मु केरी विषामासुरमा महिषायाची सेसमारुव त्यान्स्रेमसायरे हिर हे केवर्यो केंबायानुभेगवायये क्षेटाहे केवर्यो नुभेगवासेन यानुभेगवायये क्षेटा इ.कुर्य.त्र. राजस्थाल्या दे.वोस्यापुरस्यात्राष्ट्राम्यस्य स्वापस्यापस्या यर पर्टेर परि इस पारुव पीव प्यमा इस परि क्षेत्र का से परी र से र भी। दसे गमा युवानी क्रेंबिकावने न्याये के कार्यान क्रेंबिका के स्वायान माने के स्वायान स्वायान स्वायान स्वायान स्वायान स्व मु ख्रुवायवे ह्र अपेरि 'तु सेरि 'यम 'तिर 'यम 'तु र यम 'तु स्वर्भ यो से सेरि 'से सम्बर्भ यो दिन से से सिर 'से स हेगम्युस्यस्य रदायित्रं क्रीसासे द्रायसामुद्राय र तु मुस्य रिसेस्स र यादि सेम्स यविष्मेममान्य क्रियायान् भेषामायविष्ट्विम। विष्मामे केर्मान्य निष्मामा रश्चिमाराष्ट्रःश्चिरः हे निष्ठेयाययाय्विषायायाये स्थानस्य स्थानस्य श्चिरः हे त्यहेना त.मृ.पचर.र्। र्.चमिषा.मा.मृष्मम.२४.ता.र्भुचम्य.त्र.क्षेट.ह्र.मार्ष्ट्रमात्र.ह्रीय. हें क्षेर हे र्र येवे स्नवश्रा वर्जे व क्षेर हेर कुर वेशर्र । धु सम्बर्भि स्रवसःसुःवर्षे वाष्प्रिंवा देशावर्षु हायस्यो । विष्त्र। साम्ववाद्गे। से स्वायान्या रट प्रतिव सेन प्राचित मीय गुट प्रिन प्राच या प्राचित प्राच या प्राचित प्राच या प्राचित प्राच प्राचित प्राचित प्राच प्राचित प्राच पर्वःक्षिरः हे व्यक्तिं मी पर्श्वापानुषान्त्रा क्षेत्रषा क्षेत्रषा क्षेत्रषा क्षेत्रपान्त्री मान्या विष् यहेर्पिते भ्रिमा यर मानवारिया क्षेर हे र्रायेश हवा मिने मार्मित स्वरं मि स्रिम्म १ वर्षा वर्ष यद्रा देविष्ठिष्ठित्रीः स्वारे द्वारा देवाया विष्ठुत्या स्वरायका विष्ठुत्या स्वरायका विष्ठुत्यर मुद्रेम्मान्मीमाग्रामान्निन्यम् नुस्यानुस्यविष्येस्रम्भात्वान्यविष्ट्रिमान्यविष्ट्रम् यदे ख्रिम् ने त्याव केव वर्ने क्ष्रमन् सेम्रम क्ष्रम क्ष्रम क्षेत्र हो स्थित यम वया भ्रम्भारव्यावम्भारवर् यान्भ्रम्भारायः श्रीताहे प्रमायवाहीमा विभायान्ता लट्ट्रिया अभगत्रम् त्रिम् स्वार्थिय हिट्ट्रिल्य स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित स्वर्थित पत्रे क्रिंग तर्राप्त असी । इं रायका या पि क्रिंग क्रिंग ता र क्रींग क्रिंग ये के स्थाप ठक'री'ह्रम्'यर'ह्रम्बर्य'द्रा द्रीम्बर्येद'ख'द्रीम्बर्यदे'ह्रेट'हे'बेसबर्ठ्र रट प्रविद से प्रयम हिन्य विषाने रापासी येन्य है। क्षेट हे न्युसान सेस्य उद र्रेयायर्ज्ञयात्रात्रात्रेत्रात्री म्थायाय्य त्या क्षेत्राहे याद्यायायहे महत्या श्राभविषातान्त्रिभात्त्रीयमावातात्रामुष्यात्त्रीयात्राम् स्वरामान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्र त्तुःश्चेरः हे किर् र स्थानी यारा अवात्त्र थे। श्रम्भान्य श्वेता स्थान्य हिना त्तर्ता रश्चमाराभरायार्भमारायाः श्वेराहे क्रिंत्रहे क्र ठव रर प्रविव से र पर हैं गया प्राप्ति प्राप्त र पर्दे र दें। गयुस प्राप्त सक्स स है। क्षेर हे क्रेव र्रा है। द्यापदे र्पट र् पुषाव होग क्रेव प्याया वृग्याव वारा वर्ष प्राप्त स्था स्था गुःषदेग्वराद्रा र्शेषेदेग्द्रवरातु गुर्वा वायाद्रवा कुर्ते वातु हो स्वार्वे वातु हो स्वार्वे वातु हो स वास्त्रभगान्द्रम् स्वायकुन्यस्यस्य स्वतः न्त्रीयस्य स्वतः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर त्रित्र विद्धेव सरमाक्ष्मार्थी सर् द्वेर हे वास्त्रामार्स्प याद्वसायम् र्यो द्वेरमा यर मुेरपने पर्देरपमा हुरपणे के लिए। हिए हे मुस्स से प्रमाय पर्देरप लट्मी वर श्रिक्ष या लेक हैं। विका नेका यर मुर्वे। विका वका मुर्वे विका करा मुक्ते करा पद्र-विराश्रमभागी क्रूर क्रुर पदे क्रिए हे नासुमाना प्रिंत नमाने के हो हिए हे नाबन निहें अप्येन प्राप्य है 'ने निषय अने प्या निष्ठे निषय अने प्यान अने अपिया प्राप्त है निष्ठ प्या

लट.र्इर.वैट.श्रुश्वात्रात्वात्रात्वात्र्वेर.र्हूट.कुट.सूच्यात्वात्र्वेश.रच.ट्रेस्यात्र. विगःकेवःग्रीःरेग्रयःठवः ५ पटः देवः धेवः परः ५ पुः सः कुवःग्रीः युटः ५ ८ राज्यः प्रवृतः यास्त्र पदीर प्यत् भेषायर मुर्वे । प्रविष्यास्त्र देवा भेर देवे स्तर हेवे स्तर हेवे भार *२,*७७७४१८१८ने तर्वेषायप्ट्रमायास्त्रम् अभ्ययास्त्रम् स्वापस्याम्यास्य वर्जेन्यवे क्राया उत्राधित यथाने न्स्रन वहेन्यवे ख्रीर है। रेत क्रेत व्येत्य प्रा ने के क्षिट हे या यह वा हे व क्ष्य । ने किन ग्रीय के प्युव केट ग्रीय या । विया ग्रीट या ताक्षरार्ट्या हि.क्षराक्ष्यकासीयवर्तातवासासक्षरीतरायह्रियेसा कुर्यातरा इस्रायरुवायाद्रीर्भासुःसासह्दाणुटा। क्रेंबिस्सेदायादी। इतुःसास्टायादा। देवासा यानुगानुगानविकाने । देरविकानु कें अध्यानकायकर सहद क्षा सकेंद्र पहेंद्र दिया सु'स'सह द'य'यवेस'यदे ह्वेद'णेना 'स्'तु'यद' रेंदि | | द्वास'य 'यद्वाप'हेंस' यर पर्ट्र व्यवस्था स्वाप्त प्राप्त प्र प्राप्त यः भूरे ही विश्वास्त्रीय संस्थाय कुराय विश्वी वयाय दि की कि यह ता स्थाय है से प्रमुख ग्री पर्हेर् प्राप्ता वर्षे यापहेन नमार्त्य अस्पवि र्वोत्साय प्राप्ता सुर् र्बेट संध्येन या द्वा स्थित देन समारेना या द्वा सम्बन्ध समायन द्वा स्था सुनाय र हेन्यायाप्त्रम्यायप्ताप्ता यङ्गम्यस्यात्रेषाश्चार्यम्यायस्य । इन्यायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप्तायाप वर्गेर्न्यम्बर्भः स्वर्वाणे केरान्वेषान्ता वर्ष्यान्ते अर्धेवाया सवराष्ट्रवाके केरा र्नेषा केटर्नेषर्नेषर्नेषर्भयायर्दा र्नेषर्भयार्नेर्नुयार्दा पर्हेर्नुयस्त यर्डेश'य'रमा'यश'य'यर्त्रेय'यर्दे | विंत्र | क्षेर हे के दर्गे य'दर्गे श'सकेंद्र पहेंद्र सह्रे. द्वर स्वाया अस्य प्राय र साम स्वाय स् यायवेषम्याधिकालेका धेरादे। देवाक्रेकायसेराववेष्युरास्ट्राद्रस्यायासूरा ५८। यात्रज्ञायययागुरा यात्रज्ञाकिनानी इसान्वनानासुरयायायहेव वया र्यः न्वायः स्वाया स्वायः स्वाया स्वायः स लट्रिबर्भाश्रमभावभ्रीत्र्राचन्यवायदेश्यावर्द्धत्रेत्रिक्षी वर्षेवायायमा हिट्र कुपारोसरान्यवाद्मसर्याणु वनायासेन्यवेषाने साहिताहै त्यारेन स्याप्त विद्यारेन कर इसम्पर क्षेत्र वात्र वात्र विवादी त्राप्त क्षेत्र हिंग हुं। लूब मिथ क्षेत्र में विवादि कर् र्रे । इतिषानासुरसाने। वीनासाङ्गिराहे किनारीसानेन छेरारे विज्ञानायासे रायते । चिर मेममार्गी भ्राद्धेना त्राप्तेमार्चना देव त्यापदा चिर मेममार्गी स्वराद्धी द्वार है। यक्तराह्मायराष्ट्रीयाद्वरम्याद्वादायार्थेवाद्यायात्रुर्वेद्वर्षेत्रेहरा। वेदिन्द्वर्षीयाद्वा यश्रदेष.रे.वीर.तराकाषाख्यात्वर.तर्व.स्री.र्ट्य.स्थरावर्यरम् । त्रवाताश्रदे यदि यो विषानेषान् सुर्भायदे रिवें है। यदे द विषे ही सारे माया दरा देवे यमा क्रम्याम् पुरानेयामञ्जूरायायाञ्चमायस्यासु प्रविमायवे । जन्म प्रविमाया प्रविभागाया । विषायानुःह्रे। क्रेनान्मषयायषा सारेनायदेः रतारेतार्रात्यातार्नानीयो विषा वण्यासेन्यते प्यायाणी र्रायाची स्वाया हिसान्सा है। स्वाया स्वर्ण है। <u>พर.พ.चर्ने, योषु.भथभाषेवयाला, जैयाजी, सैचया, में, यट्रेय, यहूय की, मार्या, सरी</u> भार्यवात्र्यवाक्ष्वाकाश्चिषावञ्चन्यायम् अत्। भ्रष्ठभावाववायम्ययस्यायदे हेषा रुषे। यरेकप्रहेक्षिक्षां अप्यक्षप्रश्चर्यार्थेर्डिया स्वकुर्यक्षप्रदा र्या वर्रेम्भःयःनिष्ठेभःयाने सुन् द्वेन ग्री मानेनाया बन्यमाने भावसुन्या सेन हो । स्थितः

र्चेत्र'यर्देव'माबुट'र्'अ'र्रम्'यदे'र्य'र्रय'र्रय'र्र्य'प्वय'प्वयं'येव'र्ये'भेष'वेष'वेष'मासुट्रस'यदे' देवःसःहेन्यस्यावः छेन्। सःदेनायः ५८:देवेः यनाः कन्यः देनायः सेषः ग्रीः वियः ग्रीः द रे.चैम.यमा र.च्युम.बर.त.य.ल.प्रम.ह्चा.तर.उर्ट्र.त.रेटा उत्तवीम.त्यु.मधम. म्बनायां में प्राप्ति स्थाने स क्षेत्रस्त्रह्मात्र्या विष्यविष्यस्त्रिय्यात् स्त्री विष्ठुत्र्ये से यायर्ह्रे । विभाग्रमभाग्रीभाने विष्कुत्रमहित्यमामुस्मानेता केमान्द्रीत्मा नर्ह्सेन्यायमण्यान्। देव्ह्रेन्यायमण्यान्याये वीमा । द्वार्क्षेत्रम्यादे सम्बन्धा न्ययाना के स्वाया विदेत किन्या विश्व के स्वाया के स म्रोग । ने 'हेन 'देन 'गमया' संभिन हों । विषा है 'कु मारी 'मिम 'हे सा उन से मायह ग त्र में में भारत के प्राप्त के प् त्र दे अ.पम्रेचेश.पीट.क्ट. चेशवायद्र मुश्रमाश्चर त्र श्रायकी त्र प्रमायकी विकास है। ध्चेरा ने न्वाक्षेत्र के ने बन्दार्थ का प्रकृतायम के के विषय के कि का कि का कि पह्नम्या दे प्रह्मा गुरम्य प्राप्त म्याप्त म्याप्त स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त स्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त हें भूषे भेषे भेषे बार अ. ब्रु. से अ. व्रु. से अ. व्रू. से अ. व्रु. से अ. व्रु वृहायां मित्र अभागे हातु । यसे या पार्टी वाय विष्ठा प्रमा विष्ठा यर'त्रा इस'श्चेत्र'में 'श्चे पार्मिर'त्रम'र्मेर'त्र्ययापदे निर्मात्रम्भागार्मे । १८ মিলেইটা প্রত্রেমন্ত্রেম্পর্টির প্রক্রান্তরী অধিপান স্থান স্থান প্রত্রিমান স্থান প্রত্রিমান স্থান স্থান প্রত্রিমান স্থান প্রত্রেমান প্রত্রেমান প্রত্রেমান প্রত্রেমান প্রত্রেমান প্রত্যান প্রত্রেমান প্রত্যান প্রত্য यश्रिमा यम्रीमात्र त्रयमास्य पञ्जात्रमा पत्रिमा पत्रिमा पत्रिमा प्रमा

क्तित्र में प्राह्मेर स्वापर्दे व्रिशी यैवात्र में प्राप्त सवीय स्वापर्दे व्रिशी पर्दे थे तर.में.य.सिवा.सिवा.यरीश.सेवा.यर्थे.वाष्ट्रेशा चक्चेट.तर.हूंट.वाश्रेश.मी.हूंट.कुर्य.तूतु. वहिना हे म की विस्तर्भ भी हुवा स्राप्त भी कार्या दिन प्रमान कार्या दिन प्रमान कार्या विश्व कार्या दिन प्रमान कार्या विश्व कार्या कार्य चरमाभ्रेराउर्वभास्यावर्द्धार्म्याक्रीयारमार्यासम्भाषा वर्द्धायरमारमा गुःवित्यहेर्द्रास्यदायत्याम्यहेर्द्रास्यदास्यास्यस्याम्या त.मृप.तपु.सु.म। यथुभातालूर,र्। यापर्वे.र्जामानायायात्री,यासु.यासु.यासु वर्वः क्रेंवसन्दा यस वर्षेद्रपर्वः क्रेंवस मेंदि स्मार्मेद द्रावसेया वर्षः विद्रापर विवा ततु.हीरा वर्षेश्वतातूरे। यर्टातूर.हीय.तु.त्रर.हीय.वी.धेशवा.तुय.हेवी. त्रम्भा चुरुमात्रम् ख्राधिममा चस्मात्रम् प्रम्भा चल्चामा चल्चामा र्जि.तर.यमभ्यविषे वैवी.तर.चुम.रच। चर्षे.तर.घचमा चक्रीर.तर.सूर्य. त्रमा रची.तर. हूँ यमा पर्वे.तर. ल. प्रमा. जैमा. जै. सर. हु में . धे भ्रमा. जुम. हे च. श्चिरायतः केवार्त्ततः श्चीतायह्रयायया यक्ष्यायर श्चीरायवी यय्यायर स्थायहः इ.चोरीशा चर्धात्रारवंचा चेजा कि.तर्रारचेवा देवा.तर्रावर्सेवा.रचेवा चर्षे यर निव्यत्य प्रत्य द्वार प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य स्त्र प्रिय प्रत्य स्त्र प्रत्य प यहमाहेबा परुपर हेंदामाशुक्ष की हेंदा केव रेंदि यहमाहेब की प्रक्षा था द्वार श्चर प्रतृत्विर त्र्या श्चिर भिषा श्चर भिषा देश प्रतृत्वे प्रतृत्वे राष्ट्र स्वर्ष स्वरा स्वर्ष स्वर्प स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्य स्वर्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्य स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं यन्त्री ट्रेंबर्न्सर्यदेश्वदेर्न्नर्र्, चित्राकी संस्थित स्त्रेन्स्य से स्त्रे हिंदा से स्वर्ण से संस्थित से स ध्येत्र. प्रमास्त्रमा सार्च प्रमान्य स्त्रम् प्रमास्त्रमा स्त्रमा स्त् स्त्र्रित्वी द्वाप्ति स्वर्णा क्ष्या क्षया क्ष्या क्ष्या

त्तृत्व, यत्त्वम्यत्त्वची ट्राह्, हैं हे, हैं स्ट्रे, य्य-यहें थे। चृष्यत्त्र त्त्र क्षेत्र स्ट्रे, हैं स्वर्य स्

वर्ष्याने वन्यवे द्वेरा दर्धे व्यवस्था महायादर्धे विषये विषये विषये सक्षेत्र मियायदे त्रित्र प्रमायन्। दे म्या मुणा प्रमायनिया मिया से मिया से मिया से मिया से मिया से मिया से मिया र्षेत्र प्रत्य प्रति हे त्र सामान्य या मुख्य की सामानित सामानित्र पार्से मुख्य मुख्य की र्षेत्र प्यत्यत्रत्रिम् ग्रेशसाचीयः है। यसग्रासम्बर्धाः साक्षेत्रः विवाशविवाशसः यार्टर्ट्रहेशसुं अद्युव परे द्वट्या है नवा ही खेव प्रवादित प्राप्तिव प्राप्ति દ્રાત્યનાવેશનાત્વું ત્યુદ શ્રેમશાત્વું તાતાદ શાય માત્રા કુર્યા કુર્યા કરી તાતા કર્યા તાલી કર્યા કર્યા તાલી કર્યો કર્યા કર્યા તાલી કર્યા કર્યા કર્યા તાલી કર્યા કર્યા તાલી કર્યા કર્યા તાલી કર્યા કર્યા તાલી કર્યા તાલી કર્યા કર્યા તાલી કર્યા તાલા કર્યા તાલા કર્યા તાલી કર્યા તાલી કર્યા તાલી કર્યા તાલી કર્યા તાલા કરાયા તાલા કર્યા કરાયા તાલા કર્યા તાલા કરાયા તાલા કરાયા તાલા કરાયા તાલા કર્યા તાલા કરાયા તાલા કરાયા તાલા કરાયા તાલા કરાયા તાલા કરાયા તાલા કરાય तातर्विट्याया पर्वेषात्र हिम। यू.यो श्रम्यात्र मूच्याया विषया विषया प्राप्त N.भक्तभग.थेथ.ह्यूस.प्री.ह्यूर.तमार्क्षय.विश्वतातायभारवीर.त.८८.श्र.भवीय.ब्री. क्वेंब अन्ते वेंब अन्य अन्य विषय का क्षेत्र अन्य के का अन्य कि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्व वदेववर्षाणुर्षाक्षेत्राष्ट्ररावेदायाद्वा वदेवेदास्रिंगुर्राय्ययावतुर्षाणुवदाद्वेद्या यर म्मायायते स्थित। दे स्व। युम्मायदी यायदे व यह व रहे व स्थित प्रदेश प्रदेश न्वन् ग्रीका वर्नेन्यवे सकाय सुकायवे यने व वर्षेन् वर्नेन् कें वर्षे व प्राप्त प्रका ब्नायान्वयां मुक्यान्वनां हे द्वरातु क्रुयाः वा नगरायायाय्वे ना वहिनाहेवा पर्वः क्षेत्राः श्वरमः सुः शुः सुर पर्वः श्वरः प्यारः स्रोतः स्रातः स्रोतः स्रो वियम्भामम्भागः सम्भानम् वियम्भानम् वियम्भानम् वियम् स्वर वर्दे रावे समावस्था गुणार अवा वी यद्व प्रस्त विस वेत द्वेस यस। वया वर्ग् रावदे के शास्त्र मुन्मु मुक् स्रीता साधिक या रासा से स्राची साम्या स्रीता है। मिट्यान्टर्यम्बुअम्बुअस्वर्तन्त्रक्तर्र्यः रेष्यर्ग्यः क्रेंद्रक्रम्वर्यः ५८। विषयम्भवन्त्रस्य अत्राप्त विषयम्

दें न। यर्ट्यू १४४ १४४ १४८ १५ वाया मी या मी या मी या मी या पी या प्रीया मी या प्रीय सक्य निरातियात्। दे वे निर्वे निर्वे स्वाचित्रक्ति कि स्वाचित्रक्षेत्र क्षेत्र हे किया से देवा निर्वे स्वाचित्र विषाधिव है। व्यवसायविद्यक्षाव्य त्यका देवाषात्री प्रायदे स्रास्ने प्रायत्य के वार्यवेर र्ये मिर्डि र्चिर क्युर पा म्रम्म अरु र गुर्ग रेम् मर्गी प्रम्म के प्रके प्रवे प्रवर्ग में अर्थ मुभागर्बेन, है। १२ प्रवेन, रेने म्हेन, क्षेत्र, भ्रम्भ रततात्रम् त्राचित क्षेत्र, भ्रम्भ पश्चेर वर्षा देर में अप्येष या दे प्रविष मिवार्षा प्रक्रिय भी मुख में दिय है मार्थ सुर्थ तथायीरा। वीराकियायी.मुभ्यत्रार्टराङ्गेराङ्गुयारीयरायीयाथेय.सूर्यार्टरा। परायर्था कुषायुव देट दु स्टर्षायर हुँदि या इस्रवाबिय क्रिया पृष्ठित हि। दिग्या ग्री पुरर्दे हार्हे। रेनर वे वे शामित हिंद मी देनद में किव में ते सुवाना ही का से द में सा र्येब प्राये मोर्नेन प्राये क्रुट में प्राया प्राया क्रिया क्री प्राया क्रिया क याने है। ने प्यमानाबन यदे नु दे के निमाना सुमाया नुमाय मुन्याय र्थेन्यासाधिकार्के । नियनिकानु ग्रुमाळ्यासेससान्यय ग्रुमाळ्यानु सेससान्मार्थे यश्चित्राया ने प्रतिविधानिकासाय सम्मायता हिमानी प्रतिस्थित होती से प्रतिस्था में स्थाप प्रतिस्था में स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स र् 'यर र्ना यर वुराना वयास्रावय हिरानी र्नार रेवि सुन्नु साम्रावस्य उर् सिव् प्रथित्र में अभ्यान में निर्माणिय में निर्मा यमभायार्भेरमासुर्वायवे भेवावी सेंब न्वायार सेवायारे है। यञ्जवायायकु हैंटा र्देशत्तर्भे विद्यात्राचे विद्यात्राचे स्टायर्थ के या विद्यात्राचे स्टायर्थ के या विद्यात्राचे स्टायर्थ के या र्भः भेषेमामस्या वर्षेयायन्तरायमा ग्रीटास्त्रान्त्राम्भेराम्भेराम्भेराम्

भार्त्रेन पार्वे भारता वित्रक्तान् से अभगरता राज्ञीत पार्वे भाग से प्राप्ते हेन गाँव ्ट्रियः श्रेस्यायञ्चेत्र यायम् । दे द्वे स्था देवाया क्षेत्र या यदेवे यह स्थाया या या प्राप्त स्थाया स्थापन पश्चित्रायां स्वित्राम्याचे प्रति स्वित्राम् स्वत्राम्याचे प्रति स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वयाः स्वयाः स्वयः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयः स्व N. ट. मू. बेथा, लेब तार वार्येट शताया। ट्रायपुर वार्याचेया विवाधाता कुथा, की वार्याचु प्रमुखा हा अ सु:क्रेश्यापाद्या देविवानिन्यापाद्यस्यायतःहित्नीद्यतःर्वेकवर्येवे क्रूट्र इ्टायामिक्रमामा सार्टार्ये क्रमाधिकायराय वितार्ये वितारिका सुटा सुर्वे मिक्रमा र्यास्मित्राच्यासाम्रिन्यार्देन्याचेन्यायवाद्वीराद्वा हेन्यायवाद्वात्वास्मस्य *ॡॱ*दर्भेत्रिकायाम्दायाम्बुकार्मेदानु द्वरकायविः कोई विदेवे देवायहुकायवि क्षेत्राद्वा अप्तर्देविः भेंत्र प्तत्र प्रकत् न्त्रेत् ग्राम् भेत्र प्यवे न्त्रे स्प्तरा ने स्वा अत्र न्त्र स्वतः ग्रीः श्रेयश्चर विश्वास्तरम् व्यवश्चर सिव्यास्तरम् स्थितः स्थितः स्वित्रास्तरः *ৡ৾*ঢ়য়৾৾ৠয়৸৾ৼৢ৾য়৸ঀৢ৾৾৾৾য়ৢয়ৼ৸য়ৼৢৠয়য়ৼঢ়ৠৢৼৢঢ়ৢৼৢঢ়৾য় यः नेति सन्दर्भिते सेसस्य मुक्तेन स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य र्रे । इत्रायतास्यात्रीतिनाः सनायि यससायाः सित्सासुः तनायि सेनानी स्पेतः हता चरात्रेयात्रेयात्र्यात्र्वाच्याय्यसान्वाचित्रं सेस्याच्युन्यात्रेन्यात्रेन्यात्रे से से स्वाया क्र अधियात्त्रेर रं स्थायत्र मुद्देर त्रात्य विचात्त्र हूं यय ग्रीय विया विया विश्व स्थाय है ત્રશ્चેટ ક્ષ્માં ત્રમમાટ્યા તારા મુમાત્ર મુમાત્ર ક્ષેત્ર તારા કર્મા તારા કુમાત્ર કર્મા તારા કુમાત્ર કુમાત્ર તા ५८१ अर्दे :क्रंब में दासर क्रेट हे ते प्रतर में शाबेश मासुर संवेद। युट ख़ु महिश च्राज्ञीर्यात्राज्ञी ।

ज्राज्जीर्यात्राज्ञी ।

ज्राज्जीर्यात्राज्ञी ।

ज्राज्जीर्यात्राज्ञीत्राच्छात्रीत्राच्यात्राज्ञीत्राच्छात्राज्ञीत्राच्छात्राज्ञीत्राच्छात्राच्यात्राज्ञीत्राच्छात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्यात्राच्याच्यात्राच्यात्रच्यात्याच्यात्रच्यात्यात्यात्यात्यात्यात्रच्यात्रच

वित्रक्ष्यणी स्रेस्रमणी स्वित्र प्राप्त प्रति मान्य प्रति मान्य स्वित्र स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत

क्ष्यायषश्चर्यायहुं शुष्रश्चरायुं शुष्ठश्चरायुं । ।

श्चार्यः स्त्री इत्रश्चर्यं शुष्ठश्चरायुं शुष्ठश्चरायुं । ।

श्चार्यः स्त्री इत्रश्चर्यं शुष्ठश्चरायुं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चरायुं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्वर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्वं शुष्ठश्चर्वं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश्चर्यं शुष्ठश

र्त्त्व। सर्वाप्यस्मस्त्रक्षर्त्वत्त्रम्यत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्त्रम्भत्ति

ये नेम या दे हिंद प्रदे तुम पर येद प्रकृ सक्त मुक्त येत दे ति म भे प्रवाद दे। 'युगरा'देरे'या'यरेक'दहक'र्देक' श्चेय'र्र् र देवे'यग'क्रगरा मेरा'श्चेय'र्दे, यन् र देहरा। यग कन्याने स्यानकुन्यान्यान् स्वानित्रायान्त्राम्यान्त्रायान्यान्त्रायान्यान्त्रायान्यान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्य धुरा यर सः द्विते खुनामा यहें मान देना मा दुना या सम कर दुनि हो यहें मान र्वे_{१ ५}वेषात्रेरापक्षायहरो हिर्मयायक्षायहाहराययशङ्खेयाविवयामुरा वर्तृत्यमार्देभयावर्क्वयायायाचे राविता देवे र्झे म्माहितारे वर्दे मायावहुणाया षानुषायास्रव कतानु स्थेत किया वतुव याव वार्षित यावा वेषा होता सेता यहि स लट खट ता सूर्य सामा द्वेय सार्चियाता स्वरं कर भी ला ने सार्चियाता है या स्वरं सा चकु ५ पदे भो ने साया सर्दे त ५ सार्चे न सा च ५ ५ पदे र भो से सारे वा सर्दे ५ ५ सि न सा यदे कु अळव जी शप्येव के ले वा श्रेप्य न ने के रिया के वर्षात्रात्रात्रात्रात्राक्षेत्रायदेष्ट्वेत्रा वर्षेयावन्तरायम्भवम् वर्षादेःस्रवमः सुविर्चायस्यायत्रह् नायम् मुविरङ्गस्ययि सस्य हैना नी स्वयान न न न स्वरूप सम्य รูๆ'य'अब'क्ठ 'रु'अर्दे 'य'र्सेन्श'यदे केंश'ग्री'अळब 'अ'अर्दे 'रु'क्षे'ग्रे र्यदे अळब ' सेर्गी 'यस सर्वित। तत्व पावमारे वितायवे कु सस्व मीमा प्रवित विदानित यः यद्भारम् । यद्भार्यादे विष्कुत्रि भी है निषायये हेट क्षायन निषायये धुरा तिगाळेव ररायुग्याची च्चाया हे पर्दुव रेता सत्य पळेव रेवि ग्रम्याया रायर्वे याव्यात्रेश्वराष्ट्री स्निर्द्धवासावितातात्रवीवातात्रात्रार्थः स्वतः वासिर्वे स्यान् १ १ वर्षा १ १ वर्षा १ १ सम्य १ १ सम्य १ १ १ सम्य १ १ १ सम्य १ १ १ सम्य १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १

लयाम्बर्धान्यान्त्रम् विवाद्यान्त्री महावीत्वितान्त्रिकान्यान्यम् विवाद्यान्त्रम् ८८.४८.४८४.किस.मी.ची.प.चभभ.२८.जम.तेष.ऐ.उ८४.त.लाच.कु.बुस.तंत्र.वीसीट. म् वेशत्रात्राज्यवारात्राच्चरत्रात्रात्र्य । स्तर् द्ववारावेशताचि ह्ववराणी स्तर् लुबेख्रा रेवरासेरे. क्र्यासारे कुर्वे स्थान क्षारे स्था सेरे. क्र्यासा देवःद्रम्यायवःद्रम्यमाववः स्निन् द्ववासायार्गीयमः स्निन् सायनु स्यमः र्ह्विवः स्थित्रात्र विष्यत्त्र क्षेत्र प्रम्य क्षेत्र प्रम्य प्रम् र्वेचन्या देव्येच्य्याण्याच्यास्यास्य कर्णुः श्वराष्ठ्रास्य स्याप्य विर.तर.रे.विश.धर.धर.धेय.वी.थश्वाय.ज्या.कुथ.झेच.तपु.धूंचश.वीश.ह्य.तपु.रे. विविविक्तित्यानुःहे। देः यदास्यावत्वायां चित्रयविक्तें स्वर्देवत्तु नुस्यां वे साधिवार्वे । ने द्वरण्यता देत्र पुर्वेत्यदेर यदे के न्ना देवा निम्न देवा यके यवेवा तरत्रियात्वीर वृष्ता विषायत्र त्रमेवातरा वर्म्यायात्वा क्षेत्रश्रायर वर्ष् बे यद द्वायरे अवयय अर्डे अरायर यह वाय ये बे यरा दे प्वति है दे या वर्षे वाय विषान्त्रायरायहूरारी वर्षरार्झेषायास्रमान्दरावयात्रायरावर्धरायतुः स्विरासी ।षा वर्षायार्यस्य द्वार्यस्य वर्षे राष्ट्रमायार्थः वर्षे वायार्थः वर्षे वर्ष गुः कुयाप्तरे स्रमान्ना मुदास्त्रमान्नस्य स्रमान्यस्य स्यस्य स्रमान्यस्य स्रमान्यस्य स्रमा रतत्त्व्यात्रात्राङ्केशशत्रम्यद्वात्राङ्गा चिटःक्वाश्रेशश्राद्यात्रात्रदेः

यान्त्रम्भप्यते मुह्मस्य स्वराक्षेत्रम्भम्य द्वा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्म लट. उर्मुच. त. त. हुं श्रमान र उर्दे च. कुट. र्रेट. हो। उर्मुच. त. श्रम् च. रीं श. टे. चे म. खेरा. ब्रे.म्र.विद्री विषाक्रियायमाम्बरमास्री विषाविष्यान्यायस्याप्रेयो हे. वायक्रम मर्चेनातास्मयक्र्य देवीह्र्ममार्गी स्नेट्रमास्मानुनाताक्र्यक्षेट्रावादह्मा व्दरमित्रभागासी त्रभायासी प्रवादाय विषा केत्र में सेंश हें दि में अर दे व्हर बुषायाधिदायवे धुरावे व। याष्ट्रवाङ्गा र्येषार्श्चेदादुः सेय्ययाद्वादे विविद्यात्रिया र्रेषिक्वानुः अर्थेदः प्रशङ्केदः प्रावितः ग्रीनिदः देषद्वायानु श्राद्युदः दुरः यहुवाः स्टानेतः यंग्रे'न्गवः यर श्रेम्रमः न्दे विष्कं केन् कुः यक्तुः यत्वमः यायत्वे मन्दे विषक्षः यायायह्नाः स्टानी रह्नेयादे प्रिया ने स्वास्त्र स्वास्त् ग्री न्निन् केना सम्मिका त्याकें सक्ति । त्यानें मिक्निका वः नुषाने याकेषान्तेन यास्व सुसानु यह्वा सूरा विषया सुसायसान्नियायर वशुराया ने वर्नेन वा के बाहित हैं वे खुंया श्री बाहित कर के बाहित अर्दे न स्वारं र्नु हैं निषायमानियायमार्गुमार्गी। निषाने मान्याने मान्याने स्वीति स्वीति स्वाति स्वाति स्वाति स्वाति स्वाति स यर क्षेत्र रद क्वें वा के वा के वा पर प्रकर्प या परि क्षेत्र वा पर वा विकासी का वा त्त्रयषायकेवायवे क्रेंबा सेटाटी वहीर शास्त्रम्था की प्राप्त प्रवास की साही की साही की साही की साही की साही की स वरुप्यायावहेवावयाधेवावेटा। सर्देदेख्या याद्राचीयाववयायया व्रवासटा क्रमार्ट्न द्रमासेमसाय हुँद्रित्रीय विषय हुँ त्रीय विषय हुँ त्र सेमसाय हुँद्र ग्रीभाञ्चियामुक्ताम्बित्रमुक्षयि मुद्दायम् स्वेष्ठ्रम्भाम्बित्रमाय। देवे स्वेष्ठामान स्वर्भाहेन्सा यमञ्जयान्त्रीमान्त्रेत्रायाधेत्राङ्गस्यायदेःर्देन्सायाः ह्याप्यस्य राम्यस्य विकास

याम्बर्भाचेयामुक्ताम् निम्नास्त्रम् निम्नास्त्रम् निम्नास्त्रम् निम्नास्त्रम् निम्नास्त्रम् निम्नास्त्रम् विवानुः प्यमः स्नायमः सुः ययः यथे श्विमः। विवागुमः सः नमः येथे स्पिवः नवः वर्षिः विवासः वर्षः यास्रामिन्नस्रास्यत्वाप्यत्राप्यत्राप्त्रम्भ्यान्त्रम्भित्राप्त्यत्यान्त्रम्भित्राप्त्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम् याष्ट्रप्रविरायबुद्धात्रमायपुत्रपार्चियायये छे 'त्रवार्य दे क्रिया के वा क्षेत्रपार्चित प्रवितायये हे त त्रं भूष भेष मार्श्व मार्श्व म्या तकर हो र लुष हो। सामर्षे सामासिर मुख्य मार्थ स्था दे द्वर वेय मुक्ष मर्वे व परि र्धे व प्तव मर्डे पेर परक द मे द साथ व परि रहेरा वितर रुष्ट्रम्ययंत्रे अर्दे देश्यक्ष स्वरं या के का स्वरं या के का स्वरं या से का स्वरं या से का स्वरं या से का स्व हे । दे द्वराया महत्राप्ता दे द्वरा विषया से दाया समाय है द व्रेन्'ग्री'रेग्रयमम्बर्भमम्बर्धस्यायदे'द्वेर। ने'वेन्'यय। युर'यने'यय'वर्षनेस ८८.४८.४८४.भै४.४४४.ज.ल.७५.३५४.घ४४.२८.८७७४.९८.८५५४.त.८८. थेरि दे बिषा द्वायर याषयायर देश है। दे ख्ला साधिव व दिश्व में रूट प्रविव सेर यर खेरमा मुन्याय प्राप्त विकास मा प्राप्त कर्म में मार्थ प्राप्त कर्म मार्थ प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् વઃક્ષરઃદેઃદ્વાઃગુદઃશેશશઃદ્વ:તૃંગુંદ્વાંતૃકુંદ્વાંતૃંગુંદ્વાંતૃંગુંદ્વાંતૃંગુંદ્વાંતૃંગુંદ્વાંતૃંગુંદ્વાંતૃંગું इस्रायर न्युन प्यमागुन जेया कुमान्त्रेत्र प्यर प्यूर या क्षेत्रेय प्यापित क्षेत्र प्राप्त विमानु परि २वा.व्राथायात्रायात्रायात्रायाः क्रियात्रायाः क्रियात्रायायाः व्याप्तायाः व्याप्तायाः व्याप्तायाः व्याप्तायाः व ना बुना या स्वीन या पेर महाने हैं कि त्या दिया प्राप्त की कार्य की कि ती महाने कि ती है कि ती है है से निष्ट क वनानी यन ना सेन प्यार्हे निषायर प्यतः से त्युरि है। यन ना नु निमायि सुरि सुत र्ये या इसेन मार्थ हिरारी विभाग सुरमा देग मार्थ मार्थ सह देश रहता पर्छसा

থমা ৰণা বহুমাৰী 'মনামানী 'ৰ্মানা হৰ নীমান্ত আন মৌ 'মাৰা ক্ৰণ থা বেই ি 'কলামা २८.चेज.पयु.२८.सूट.पथुषी लट.५.२०.मुमाविष्यमाचीश्रेष.थ.मुस्. चस्रकान्त्र स्वर्थान स्वर्था स्वर्थान स्वर्थान द्वेता द्वेत स्वर्थान स्वर्यान स्वर्थान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्थान स्वर्यान स्वर्य परि यस जन परुषा वि रम्मा भी दसाय रहत हिन परि ही रेवाय पित्र की । यद दे.रच.च्रीस.सेंट.सूचस.ज.चर्षेत्र.तप्र.खेष.तप्र.खेष.ती.खेष.ती.सेंचस.क्रीस.स.च्रियस. यरम्या हमसम्भारिवे भ्रीता वर्ते द्वा दे दममिसम्बर्गायदेव स्रोत क्रिंट ह्रेंचर्य ग्रीयाया हेन्य या सम्बद्धा विता हे। विता हे वित्य विता विता हे वित्य विता विता विता विता विता वहें ब प्रवे प्रदे ब 'की 'बेब 'प्रवाहीं में प्रवाहीं का की का विवाह प्रवाह की की जार बनायनेक्यायहेंक्यियेयनेक्यहेंक्ची;लेक्य्युयार्स्स्यकागीकाविन्धायासीयव्हन परि द्विरा वर्रे न वा नार अना नी पन्ना सेन सक्त हैन हैं नाय पार्से र हैं प्रया गीय यगानायि हेन्दि हिन् सुर्से प्येत यदे हिन निम् निम् निम् निम् यदे हिन यदे यदे यदे नि वहें क 'मान 'मा मा 'पान मा 'वहें क 'पीक 'पवि 'द्वी र 'है। सुन 'र्से मा पाने क 'पार 'वहें क 'पवि ' परेष.तह्रब.क्रूब.ग्री.परेच.तह्रब.लुब.त.चेर.खुवी क्री.भक्ष्व.भव्धेरब.तहुरी खुबा. तत्। विद्य श्रीट हैत्या ग्रीय विद्या स्था है र पर। वट वव वी पर है व शी । वेब 'युवा कॅन 'समाविषामा परि चार 'बना 'येब 'बा केंस 'ग्री 'पन वा 'वहेंब 'ग्री 'वेब 'युवा' कुयार्यायमा दिः स्रूर वित्रेष्टी स्मान्त्र मानी यत् वेषात्री विषयः पत्रेष्व गानुषयः

<u> मृ</u>षाञ्चिराची ष्रेयारा ईरायायमा यर्गाञ्चायरारातरारायसम्बन्धायमः कर नेया विस्रमण्डम् वस्रमण्डन है प्दर है प्दर केंब्र गुव नेया विस्र द्रास्तर क्षयार्चिमास्यर वर्ष्केयायवे क्षेप्तर विराज्य माना अन्य माना अन्य माना अन्य माना अन्य माना अन्य स्था देवे द्रेन्यरायान्त्रवर्षाः श्रुद्रयः यासुद्रसायते श्रुद्रा यदः क्रिसः ग्रीः यद्रवः श्रीः नेवः युवाळॅ८ समाविषामायदे याट अमाधिम माट अमाबी याट मावहें में मुले से प्या क्द्रास्त्रभाविनास्याये नार जना धित द्रेषिस्य र वर्दे द्रायाय र द्रेष्ट्र याय र द्र्या स्त्र यर हेत्र यहेवाधित त्र यहेत्र यम केट्र यहा हुया द्येम त्र के वेट त्र हो हुट्र यहित्र क्षे मञ्जून अपन्त्रम् प्रतिमा निराजन गुरि हेम राये वा विष्य परि हम सार्चे र इस्रान्ना तर्नेन या स्रायम स्रायम परि द्वि केया इस्रान्ना प्रिन प्रमासी स्राम्य । वालक वं श्रे.क्ट.वट.ची.चिट.त्रविष.ची.चीचेबाबातक्ष्य.इंब.त्रचेत्त्र.ची.देवाबा.चिंवाचा. क्ष'तु'वनेब'कोन'नु'क्षूव'यवे'काद्युब'न्येर'वर्जे'खुगकान्म। गठिग'मे'क्ष'र्ये'ग्नर'धेब' यः इते के गाँव की कि मानव ना विकास के ना विकास के निकास कर की कर है। अप्रायदेर देवायाय द्वा निर्मा वित्र है। वित्र यार श्रास्ता स्वाभावरु दुवा स्रोदेव सुसार् वाषर र दिवास या दिया हैवास विका

द्व, नुं मुम्म तर नुमायायमा देव में मिर्म प्राप्त निमाय निमाय है निमाय न त्तु.ही र.प्रे। ट्रे.श्रम.वर्सुस्यत्त्रत्यस्य वर्तुं द्रेष.त्याच्यत्य स्वरः त्वीं ट.प्यु.स्यः वर्ग्चिरस्रहेन सुसामुवायवे भ्रिमा ने नामिया है। ने वर्षा में वर्षे रास्त्रेन स्वावर्ग्चिर सर्वेन सुअ'मुत'गुर'दे'र्रअ'सर्देब'सुअ'दु'म्बर'दु'सर्वेद'य'सर्वेद'यस'स'स्वर'वेद'। हेन्। ইন্মান্ত্রন'র্কুন'র্ন্ডন'র্নুমম'ন'র্ন্ধুম'অম'ম'অর'নম'র 'নাইম'গ্রীম'র্ন্ডন'র্নু ম'র্নির' र्टायरुषायार्झेटायरायन्याप्टा सवरार्यायर्ड्यायर्झेयायरायन्यास्स्रमः इटर्नेन नेप्रियाय उन्न नुष्योयाय विश्वे मा नियम न स्रोधाय स्थाय स्थाय बुटा वहेंन इसाम्बर्यायायात्रः हिट् छेट् छट् समामुयार्म सर्मेसमाय रेवेट् यदे हेट म्मा चकु'त्र'यस'क्षे'स'म्सुस'चर्मेत्यर चन्त्र'य'त्तु'स'यस'त्र'देत्देन'तु'रम्मेय'वादिन र्वे । १ हेन् १ हेन् अर्हेन अर्जेन अर्ज १ हेन अर्जेन अर्ज १ हुन अर्हेन अअर्ज हेन अर्ज थेर श्चि प्रविषाया दे प्यरास्मार्थाये द्वराद्वा प्रविषाया के महा महा स्वाप्तर मु ख्रायंते द्रशार्थे ५ द्रायंते पद्रिव यात्र पद्रिव यात्र दिव यात्र विष्णु र पा ५ द प्रायंत्र पर्वे वाया बिया मुर्केसया देसप्युद्धामिसस्ययविद्धा महात्रमास्ययये त्त्रीव.मी.सभातायधु.झं.पक्चेर.भारूय.सीभार्ये.धू.योग.तायु.मु.मी.मूर.कुटा। ईं.यो.पीय. मु द्रमायायम् ८ तालट देश र्यम्य त्ये प्रति ही मा स्वत्रे भी स्वार्थ मिन्न यविष्यन्वायहें ब्राह्मस्यायविष्यं विष्यायां स्वायायि । वारा वारा वारा या वारा विषय से वारा वारा वारा वारा वारा तर.शरूथ.सीश.टी.सूचेश.तपु.तश्रुचेश.तपु.सी.पचिट.शरूथ.सीश.टी.सूचेश.तपु.सू.

श्चेष्या श्वार्षां क्षार्यायायायाया यहेत्राक्षराष्ट्रियायायविषा द्वासायसास् । विद्वा इंवागीयकी प्रभातातासायवासायकी विदासप्राधातहीर. बेरफेरधरपरावृद्। दिन्त्रक्षिम्भायकुर्वगाम्बन्धम्भायकुर् निर्मा क्षिः में यायान्त्र मुक्ता में प्रति क्षित्र में प्रति र्'दर्म् र'रे'बे'क्। ब्रे'दर्म् र'याके'रे'मिक्षायासर्दि याक्षायम् रपदे'क्रिकार्सेर्स सर्दिन सून निर्मेद सुना की सुना मी मिन प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के वन्द्रप्रदेश्वार्येर्म्यास्वार्व्यम् वात्र्यं वात्रप्रदेश गुराव हिंदे राष्ट्रवास्य स्वार्ये वात्रप्रदेश गुराव यर्ट्सासी देशान्त्रीयायमासार्वे यात्रसायम् परित्राच्या पर्देसाइसमा र्देशकारायुःवासाराक्षेत्रस्यायसास्त्रास्य वितास्य वित्तास्य वितास्य वितास्य वितास्य वितास्य वितास्य वितास्य वि वनानी प्यर्ना सेर् सर्वे सुसर् हैंनिस प्यंते प्यसंहित सेरिस प्यस रहें से सु में प्य हेर ८८। वाबम् इसस्य दे प्रञ्चे प्रत्ये व्यवस्य सु गु प्रविष्य प्रति। गुम् प्रत्य प्रया प्रवा श्रेन्यवे प्येन होन् र्रोका हेन स्वान स्वा चतुः चवर्षासुः वसुद्रस्य प्याद्वा स्थादवोषायर्षा गुरा हिन्दि द्वाप्यसार्वेषाद्वीयः मुं भ्रेमियासम्बर्गासादे दिवाधिवा विषामसुरसा दे स्रमायमेयायासहदायसा E ऋ८ प्रचर प्राप्ते द कुषा श्रमा के कार्य विषय द्विते प्याप्ते विषय प्रमाणिक की विषय हिंदि । वर्षायमावर्ष्ट्राच्यसम्मावर्गित्व। विकारी हिंद्रास्थानसम्बद्धान्याया र्राचित्र सेन् परि हेन् हिन् हिन्स से निकाली से हमा सेन्य पर्यु नुना सर्देन सुसान् सर्वेद प्रवेश्यसाम्भिषार्दे कार्सेद सायसाम्वियाय र प्रम् र प्रवेश्वे र । विसाने।

देखेर यथ। यदेव य अर्घेट यथ मुँच य युग्र मुँग । हिंद छेर अर्घेट यथ छ विषा वः विषान्त्रास्य भारत्वराते। स्टायविष्यान्यतः हिन्द्रात्रे स्वायायर चिट क्वान्म सुमानाट प्याट के विचाय राष्ट्र स्तु सामी स्त्री स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स् वया र्ट्यास्त्रिवर् नेयान्य वाह्य याह्य यात्री हेयान्य स्यापार्टा कुर्वान्य ष्राप्तः क्षेत्राक्ती, तप्तावश्यात्वरः विष्तः हिष्यः त्री हिप्तात्वरेषः विष्यः विष्यः त्रासूचेमान्यवरत्त्रमान्तुं प्राचेमान्त्री देख्यानामा चराष्ट्रीपान्यमान्यमा वर्रे है। अिर्यम् मुह्य स्वर्थर्य यम् मुह्य । विश्व मुह्य मान्य प्यम् । यह्नम्पर्वः स्यार्देम् द्रम्पर्वः द्रवोः ह्यार्द्यः द्रवाः पर्वेमः पर्वे द्राप्यम् विष्टाः विष्टाः प्रमान्त्रम न्ने क्वेट हेन ग्राट प्रविन पुर केन प्रस्था के समायने मार हेन की प्रस्था प्रमाय चरुषायदे त्यस क्रीषा श्रम तर्षा श्रेष्ट्र तर्षा श्रेष्ट्र तर्षा श्रेष्ट्र तर्षा श्रेष्ट्र तर्षा श्रेष्ट्र तर्ष ब्रिट छे ५ 'गुट '५ गाव 'यर 'या वर्षा । श्रेस्र स्वे '५ से या घर 'दि स्वार प्राप्त । स्व ट्य. तर्यायत्र द्यादाय मायया विषाम्य स्था देख्या द्वि स्था स्था स्था त्तर्याचेष.रे.क्रं.यचेर.तर्य.ताषा.क्ष्या.क्षेषा.क्षेष्य.श्रूर्या.क्षंरया.ताषा.क्या.या.या.व्या.या.या.व्या.या.या इस्यद्रत्युन्यस्य द्वा दे त्य्नेन्य है। सर्वे या नस्य प्रम्प प्रत्रे हैं नस्य सर्दिन मुर रे बिना स्ट्रायि रे सामन किन से दिसा अर्थ में विवादा विवायकाष्ट्रियायमावया द्विग्रकासूरकानेविद्धिमा लेकायास्ना नेविनायका नेविन्ना सम्बन्। पुरे र त्यूर री विकानसुरमा वर्दे र से सुका है। सर्दे न पर स्वापन पर

त्तुंध्यःश्रूप्ताश्रूप्तं वीराता मृत्या भूता विवासिता विव ग्रम् दे द्रमाया विकारी मुकाया क्षेत्र प्राची विकाम सुम्का मुन्य मुन्य सु क्रिंट हिन हिन्स य द्रायाय विषय मान्य पर्देश सम्मान स्वर्थ प्रिंच स्वर्थ प्रमान स्वरं प्रमान स्वरं प्रमान स्वरं *ફ્રેવ.જ્ઞુ*દ્યાનું કુવા.તવીવીયા.ગોદ.વીટેવે.જૂવી.જીવ.તતા.ક્ષેત્ર.કુવ.જીદ્યા.જાદૂવ.ગોંધ.ટે. याक्षेत्रात्रायायाये स्रोत्रास्य । विमानसाया स्त्रास्य स्याम स्त्री विद्यास्य स्त्रास्य स्वास्य स्त्री । विद्यासे स्वास्य स्वा त्रतः क्षेत्रमात्र दिया प्रविषा विषाया सिर्मा विष्या है। यमा श्री स्वामा सिर्मा विषया वेषायां क्रीप्टन्न दे। इस प्रमित्यं प्रमानेषायाता होता के प्रमेता है। होता प्रमान प्रमान के प्रमान के प्रमान क मुन्यवि सुर मेर है। ने हिन्यमा रे बिना हेर येन सेन्य है। सिन केम देश पंतरि देव। विषानिश्या हन्यान्य हो यार्चयाम्यान स्रीयान्या यासर्वि, ताब्र भावति, ताल्ले मान्ने मुन्ति सुर्वे स्थान्य विष्यान्त्रे साम्याने साम्याने साम्याने साम्याने साम <u> શ્રે</u>ન્યાયાયામ અદેવાયાનુષાયન્ય પાસ્ત્રમ નુષ્ઠિન સેંદ્ર શાસન સાન સોના સુરાવેન્ડ <u> ३८.५ इ.५.५५२.तयु.जभारे मुभशतात्र प्रेशतात्रशस्त्र तायशतप्तरात्र रा.स</u>.५. मुं मिट अमा प्रतामु सुरायदे ह्या प्येत पुरिदेश परि के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स त्रतः म्रोतः त्रान्ते विषाः र्ह्मिषाण्याता वादा अवास्तर प्रविष्ठां की मानुवाय स्वर्धे का प्रविष्ठा प्रविष्ठा व वह्रम्भीमार्यस्यात्रम्भरायात्राक्ष्मीयवास्त्रम्भराप्ता मेर्नावर्षम्भरायाः क्व सेव प्यता । ग्राव सेत्य प्रतिव र के से से न । किय म्यूर्य ने प्यत मत য়ঀৢ৽৴ৼ[৽]ৼৄয়৻য়য়৻য়ৢয়৽য়৴৽৻ৼৢয়৽য়৾য়ঢ়য়ড়ৼয়ৼয়৽য়ড়য়৽য়ৢঢ়৽য়ৼৢয়৽ श्रेम् त्रिम् वर्षायि माने माने वर्षाय के त्रिम् वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय वर्षाय ह्रे'दे'र्सेट'क्ष'गुट'तुद्'सेद्'दे'रेद्र'य'से'ह्र्व'यर'धेद'य'त्वेद्'रेद'। से'ह्व'य' र्टास्नायस्यायर्ट्स्रिट्यर्ट्स्रिट्यर्ट्स्यर्विय्यर्भेर्यर्भेर्यः देहे क्ष्रमं दुर्भमम् क्षेत्रेयम् दिन् देव प्रति । याचेत्रिता श्रेष्ट्रमायात्रास्य स्वायस्यायात्रास्त्रीतायात्राम्य स्वायस्यायात्रास्त्रीता वायग्चीर त्रवःश्चारेतः श्चार्ट्व त्रार्ट्य त्रार्ट्य त्रार्ट्य विष्यवायायम् श्वा । प्वर्ट्य स्व त्य र्या ग्रीयायगावः सुव्याय। देवायाग्री पुःवदे हो दवो र्स्चेट प्रटादवो र्स्चेट स्याद्रा दवो प्रस्नेयः ८८.८चे.पक्षेत्रभाष.कुच.भाक्षेत्रभाष्ट्रभार्भेत्रभार्थः भार्यः भार्यः भार्यः भार्यः भार्यः भार्यः भार्यः भार्यः याचे ५ किता क्षेत्रवाया ५ त्र्वाय स्वायस्याय ५ तः स्वित्या ५ त्या व्या विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व थान्ते न्यामान्यिकायाने न्वामान्ने न्यायाना विकास स्वामान्य स्वामान् देर्गायायमार्झेमपायमेर्नेविषामाञ्चारे देर्गाने येगायमानुषायि वेषाम्बुट्षाय्याद्व, रटाययम्बायायाद्वस्यात्री केषात्री प्वरम् सेर्द्धम् । विषामुक्तायस्य स्वराजनात्री स्वर्थान्त्र स्वर्थान्त्र स्वर्थान्त्र स्वर्थान्त्र स्वर्थान्त्र स्वर्थान्त्र स्वर् यवि द्वि र है। युर वि भारत र र वस्त्र भारत स्वर् र ये प्रदेश प्रद वह्रव कुं बिव प्यापास्व सूरायरायह्रव पवि स्वेराने। युरवर्ष सञ्बारायसम् यमःसुटःर्येग्वदेवःयमःवर्द्धदावमःक्षेत्रःस्वायःर्भेव्यमः<u>स</u>्वरःखेदःखेदःयःक्षेत्रः यानामाने सुमार्चा सुमार्चा स्वाप्ता प्राप्ता सुमार्चा सुम सुब साधुर पायापन् परि धुर। दर ये मुप्त हो। युर विदेश सुर ये परे ब पर वर्त्वराक्षाक्षास्यायार्क्षेष्ययाष्ट्रराधेनायाचेनायान्। क्षु्युवराचनाक्षेत्रायान्।

वसार्जुवात्तराविवासातराविद्यात्त्राद्वीरा ह्वीराक्षातासाङ्गेरात्त्रावाराज्ञवाची ह्यीर यायने ब हु ब मार मी ब गुर वि द प्यर दु ख चु ब प्यरि खुर में या द के माब ब ब प्यहें ब यार्चेना नेबासाधिक गुप्ता दे उसाय द्वेस्य यायाय हे व व बाह्य प्रवित्य वित्र हे व भूरताम्प्रमूच विष्याचारा सामित्र विषया मान्या मित्र स्थानित स् हेन्यरायदे नेया स्वाद्या प्रयाचित स्वाद्या । या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या भेर में नमायते यस पेर पाये के नियम प्रायम सम्मान स्वीति स् भर् क्रुचाच्चरत्रं दिस्यात्रात्रया तह्रात्रात्रत्रविष्यात्रम्यात्रात्र्वे न्नायहिः स्राचायित्र न्या अविदायमा अयमा छत्र स्वित्र छे विनायित्र स्रोयमा स्वित्र केर्येन 'तृ'शुर्या इस्र शादिर 'या यद 'दनाया साधित या यदी 'यस यद दायर से 'यशुर र्रे भ्वेषार्थेण्याणुयादे सूरायस्वायविष्ट्वेरात्री युरावदेषायदेवायविष्टे स्थाया चलित्र दुः स्रानेशात्र वित्र चायश्य स्रोचेयाचर चक्रूत्र या मदित्र चित्र चित्र चित्र चित्र चलि है दूः यायविक पु म्वेषायवि देव प्याप दे प्राप्त विकास प्राप्त स्वर्थ प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र · इर प्रवि प्रवे प्रकार्यका प्रश्लेष का प्राप्त के वा का स्वि प्रवि प्रवे प्रवे के वि र्शेट्यायर्ट्यक्रियाये हित्यायाया वर्णायावस्य उत्वत्रे क्रियाया क्री वित्र ने'वक्के'ववि'नुष'ग्री'कें'रूर'त्रेन 'क्कें'व'येब'यर'अर्वेर'व'ब'षरष'कुष'य'वे'र्कें अ'र्वेष' त्तुः भ्रेषात्राक्षात्राक्षयात्रव्यात्रक्षवात्राक्षवात्रात्राक्षेत्रात्रात्राक्षेत्र। विभ्रेषाता म्पारे देश देशदायमा वहमाद्याया के मायवाया मायवाय मायवाय मायवाय मायवाय मायवाय मायवाय मायवाय मायवाय मायवाय मायवाय

तर त्री। वेश वेश तर् वार्त वार्ति वहसार त्रा मार मेश वर्ते हिर हास राज्य स श्चिषायर अर्घेट पादेश है। ईवा पर्वेश लिया स्था नेषाय स्था निया में शास्त्र स वस्रमान्य विष्ट्रात्त्र विष्ट्र विष्ट्रात्त्र विष्ट्र विष् वीयःक्रियः मध्ययः छन्। यान्त्रः स्वाययः ययः यन्त्रः यान्त्रः यान्त्रः यान्त्रः यान्त्रः यान्त्रः यान्त्रः यान् र्'विश्वाताल्येषात्री । योटायेशाक्त्र्यावस्था उर्'खेष'प्'साञ्चेषायर सर्वेटाय देशाहे यस्य मुस्य प्राप्त में विषया सुर राय रेशी दिन यदे स्सर येग राय से द नर्गिषानि। ने साधिन व अव में बार्या के वार्या के वार दैवा. सुषाता द्रषा तावा भ्राप्त तावा प्रवास्त्र वा विष्य हिषा त्रवा वा वा ताव हुया. मुषा वसम्बन्धन्यन्दन्न्यान्वर्ष्व्यम्भेत्रे क्षेत्रः विषावसम्बन्धन्यन्यस्त्रुरः वहेनसः त्रीःर्रुवाळेबःर्यायववाया देःस्ट्रस्य प्रायान्त्रदायेष्ठात्रक्षेत्रयायेदावास्य स्वरायान्त्रदाया वर्वेर.पश्रा । रे.क्रं. त्यर.पश्चित.पर्थेश श्चित.ततु.मुचा.तशक्ष्येश.ता.सूचेश ड्विट.यर.पर्कीर.य.श्रुथ.खंबातह्य। ति.र्युतार्या.मि.पह्य.पर्देय.पर्देय.र्ये चमिरमास्त्री । यार इचा नमन तस्चमारा या क्रमा की या नमासे नमारि वासा स्पिन यधीव है। हैं हे मुर्चे प्यायमा स्वाय हैं स्वय दे हैं क्षेत्र दु में स्वय हैं व दे हि मुं यायदी क्षेत्रानु यदमा मीका क्रुव नु खुम्का ययदे य व्यक्ष यु विचार्य क्षेत्र सु क्षेत्र प्रकार क्षेत्र क्षेत्र प्रकार क्षेत्र प्रकार क्षेत्र प्रकार क्षेत्र प्रकार क्षेत्र क्षेत्र प्रकार क्षेत्र क्षेत्र प्रकार क्षेत्र प्रकार क्षेत्र क्षेत्र प्रकार क्षेत्र वर्चे र मुभागर्थियाय। वर्ष्ठभास्त्राव्यकारे हे भाषम्भार्थे। १ देवे स्त्रु र दुनि मा रु'बुग्रथ'य'बेर्य'यच्चैर्दे । बिर्य'र्टा यर्डेस'स्र 'यर्य'ग्य'हे' क्रुन'रु 'बुग्रथ'य ट्रे.वर्ट्र.क्षेत्रा.टे.वट्चा.मुल.क्रिय.टे.खेचल.ततु.वचल.वे.झ्च.प्ट्र.क्षेत्र.टे.लुलल.त.र.कीर.

कः ने:हेन:नेव:यनमानु:पहेंक:यम्प्युम्यायम्बाकाकी । क्षेत्रक्षण्डकःनु:पहेंक्यः रटा। ब्रुचार्थं यह्रयत्रारटा। चटा चवार्थे यह्रयत्र प्रचीर वाचेशास्त्री । विश गर्यटमःभेटा वर्यमाग्रमः द्वीः भागस्य वायादादे वित्र द्वी मुद्दस्य प्रम्म स्थमः ग्रीमः र्ने करि पङ्गक प्यति श्रिका ने प्येका है। युमारे का क्रुका लुगका ग्रीका प्यने का यद्दे का श्री लेका लेजास्य सिंदायर प्रक्षेय त्रायु हिर हो। जैट हेया क्या जीया प्रीया पर्देय हो. वेब 'णुवा सुब 'सा सुट 'चर 'चनवा चीका प्र चका पुर्चिच 'चि रहे स्था पुर्चि व 'यर 'च हूब ' यदिः श्वेरः है। युरः देशः क्रुवः तुग्रायः यदेवः यरः यत्रुरः वर्षः यद्गायीषाय द्रवायः य विनिर्नि क्षसानु सिप्देन पर निक्ष प्यानि विन स्निम्य पदिवे निक्ष पर पदिन से यह्रमानेमात्रुं रूपानेमायह्रमानी निमालयास्म मासूरायान्य प्राप्तायानी राज्या यवे द्विरा न्दर्भे गुद्दिश सुन विष्युव त्वुग्य गुर्य देव स्वा नेवे कुर 'या नार 'बना 'नी 'यर ना 'यहें न 'गुन 'यह नामा 'र्ये र 'यर 'वय 'य 'यसेन 'यर 'सहर 'यदे ' म्चिमा ह्याकायहिकायायुवाह्री इकायम्दायका क्रुवाल्याकायीकायदेवायमा तर हुंब त. शुब हो । रेब बु ही . स सम्माणिट . तेब तर होती । वेब मार्थित । येवर वर्रिः संहें न्यायाया देन वर्षे वर्ष डेश'यर्नेब'ब्रथ'इस'यन्'व्यानु'न्ग'हेन्'य'न्। क्रुब'नुग्रा'ग्रीश'र्र्र मी'वर्ष्य तु'यने ब'यर 'यदे ब'की'यदे ब'रुका'या यक्षयाय बारी न 'या तुर हो 'ये ग्रम यन न 'तु' सा

यानेनाक्रेन नी प्रस्न पर्टेम नी मेना ने रामेन हैं। देन क्रेन प्रसेट प्रायम। हे होन सुर र्ये र प्रदेश र्थे द या । दे शेद दे प्रकार र प्रदेश है दा । हर प्रदेश र्थे द अपन यम है। दि यम यद है है प्यापेदा | यस मसुस हैं न सह द द्वार से द या | दिंदर चवः ५ में चवः वर्षेत्रः समायाः साधा । ५ में वायवित्रः स्वायः स्व स्व स्व में । । क्वा क्वा वर्षे बै'विविर्धरायर'व्यूरा नि'बै'र्स्समाब्बनमिवैष'गा'र्म्सा निष्णमधुस'वैर'तुवस नसुरस्य म् इस्य भी सार्वे दे दे दे दे निस्त परि द्वि र दे। युर दे स हो न द्वि र स्तर हो न पर्टेकाक्रीभास्टार्यापदेवायहेवाक्री विवाय्यास्व सुदायि क्वें विवायहेवायादे । तर इट्यातर प्रस्व १८८१ तथा विश्वास्य प्रमानिक की मान्य प्रमानिक विश्वास्य प्रमानिक विश्वास्य प्रमानिक विश्वास वर्ष्मेम्भयायायमायित्राचयायमार्मेयाचयासुम्यायम् मुप्तमाययासुम्याययासुम्याययासुम्याययासुम्याययास्य ८८.त्र.वीय.है। जै८.८४.से८.त्र.वर्षे त्रह्मे वी.खेष.लेज.सीष.श्री.श.सी८.वर.वह्मे. य'दे'क्ट्र-'य'र्भेद्र'य'दे'श्चेद्र'द्रस्य 'यदे'यदे म्'क्षेत्र'बेब 'युव'सुब'सा सूद्र'यर' कुर्'यार्थेर्'यार्मा रे'र्थेर्'क्'यशर्मरामिश्वेष'यिर'मराक्कुंपराम्हर विवा न्यायर्डेसायायसान्यमाचेसाय्विमायमाञ्चायमा क्रायदे में रायद्या क्षेत्र यह वा स्वार राष्ट्र या स्वार या स्वार क्षा क्षा यह वा स्वार या स्वार या स्वार या स यर प्रक्रिट प्रति प्रथापर्शेषाय ५८। दे प्रथा ५ यह की था प्रति र प्रराष्ट्री विश्वास्था परि श्चेष्वन्दी अपन्त्रायास्र कन्त्रायहिषाः स्पेन्यात्रायान्यात्राया यदेव पहेंच की विव प्याया सुव सासु हायते द्वार द्वार हो की से प्रहेग सामित

उसायासाधिक है। वेसामसुरसायवे द्वीरसायाय वदाया सूराधिकाया वदे है। ह्ररमी परेव पहें व मी बेव प्यापा सुव साधू र परे र पर र सह र के सामा र र विवा यर प्रण इस्तर अध्ये प्रण्य दि प्रमाधित है । यह है । यह है । यह स्वाधित स्वाधि गुराधु परार्चे मानेन देवे वेना मृत्या देव के वारे देव प्रायमा चेना दसवाया क्रिंश ग्रीयन मा सेन हिंग साय सेनियन मासुर सा है। ने ह्मर स्पर न महियं बिस है। विर्मेर यर्देब्रसेद्रानेषात्रषात्री। क्रिंस्रेट्रान्ति स्त्रान्ति विवर्ती। विवर्षासेट्रानेष्रान्त्री वदवा विषादे विष्कं केदा भी देव समें दिवस में माने का माने के कि विष्कं के विष्कं के कि का माने कि का माने के कि का माने के कि का माने के कि का माने कि कि का माने कि कि का माने कि र्शे १८८७ द्वर मुस्यायादे १३ व र मानी द्वर दु सह द व्यामस्य या साधिव र्ने क्ष्रम*्च्यम्भस्य स्थानुः ह्वा सुः* ह्या स्वायन्य विकायवे सिन् विवाय क्षेत्र नु। दे क्षेत्र.विर.क्व.मुम्म द्वारा विवृद्दा विवृद्दा विवृद्दा विवृद्दा विवृद्दा ध्रे×:र्रो । इन्हन्नशन्त्रसुस्यः भ्रेन'दस्त्र व्यः केषः ग्री'यदन्यः सेद'हेन्नश्रयः प्रेद्रायायः विगान्सम्भी सर्देव नेमा होन स्पेन हो। वन विमाय मह्म प्रवेस में प्रमा वन व्याम्ययात्री द्वेष मूर्या त्रु म्रीयाया मिरायर विषयि हिरात्। वा मेर्गया मेरिया यर्षायायदा क्रिंग्याकुणीकुपुरायदा वित्राविषाञ्चेगकुःद्वापुःही विद्रावितः क्षरावृःकुःविद्यविष्। विषयपरावेषायाञ्च षाद्वरा विषयपेराच्च क्रयान्। विषान्यास्य प्राप्त वार्षा स्याप्त विषानी वार्षा स्याप्त वार्षा वि.य.५। प्र.य.पीट.कीतःश्रभभावग्रीजाजमा हैंय.तथा.थय.मूसामायासीट.त्रा. द्ध'दर्ग वर्ष्यस्यस्स्रस्यस्यर्थ'दे'द्वा'द्वु'च'स्व्रिष्यःद्वे'दर'दर्'चर'चवद्। ठेसः

विरात्र के बेबा विषय प्राप्त कारा की त्रा के कि को हैं के के रही है कि व यट्रमा हिट्छिर् के में भाषा दिर्मा हर्ष हर संस्था विकेर स्था विकेर स्था विकेर स्था विकेर स्था विकेर स्था विकेर यक्ष्यः प्रमुषे । क्ष्रिट्याता दे, देवा त्विरायमः त्यम् । विषया विषयः विषयः यदः चेना 'द्रस्त 'यः कें भः ग्री 'यद्रना सेद हेन साया पेद 'या या चेना 'द्रस्त 'च्री 'सर्दे दे 'नेस' व्चेन र्धेन न। देनकाय नुना कु यदे रव्येवाय र न्दर का यदे विनान सद क्ये सिने रवा क्रेर'र्'्रचु'र्यवे'म्र्'्य'चु'ष्ट्रेम्'र्भम्'र्भम्'र्भ्याः अर्वे'चु'र्यट'र्'्युअह्र्रम्भा म्रट'र्र्स्याः वर्ष्ट्रवायदे अप्रायम स्वर्मा देवायम स्वरम्य वृत्तम कुराय अत्या उर्रेट.क्यामारटाचिताचा उर्मुयातास्त्राचरान्त्राचा स्वाचह्यानान्त्राचानम् सक्सराश्राञ्चीर विटा श्रायविट श्राञ्ची यत्ते थे खे या यह थे मा व्हें सारा है। यह क्षे. क्षे. प्यंट. त्रु. व्याय अत्या क्षेट्र या वर्ट्ट क्ष्मिय द्र चिजाय। उर्मुचाया श्रीमाम्बर्गायशायन्त्री विषाम्बर्गम्याम्बर्गायाः स्थानाः र्ये र्रायतिक क्वीका भ्रे से रायह्मक प्रयोधि राति। युरादे खका सुराये वसका स्वराय यदे बद्याय सूक्याय महाविष दे दि से मिलके का मुं स्वर्ष स्वर्षे स्टायिक स ग्रीभाक्षेषुः से ५ 'र् 'यक्ष्रव 'या पित्रभार्देव 'पित्रण प्रमान स्वाप्तिव 'या स्वाप्तिव 'या स्वाप्तिव 'या स्वाप म्नुवायि स्निवसासु मासु स्वायि द्वीर हो। दे हित यस। मिनायके यस स्नु से वास्त्रा। नालक क्षे : बन र पर्देश । वन र र र के क्षे रेन र ने । विकाय रे क्षे र पर्वे र यर क्रिया विषाम्बर्धा म्बरायरा ह्रमाय के क्रियं से से रे दे से राय हरे

यानित्रभार्त्रन्त्रमञ्जायाध्येत्रात्ते। देत्राञ्चयास्याध्यायस्त्रात्रस्त्रायदेश्चेनात्स्रत्रात्त्र चर्ट्यात्रपुः क्रिंट् ग्री श्रीट प्यट्याया महिषा स्नैट स्नैय प्यत्र हो मा 'द्राय स्मार्गेया प्या देवःम्बेम्याद्द्र। रटक्ट्रिंग्णे कें वदेवःस्टार्यवे द्वटार् विश्वस्य साम्या इत्यायक्षा वित्रपद्यर्भि है निष्ठी स्वरं स्वायस्य ही प्रतर्भ्या र्द्यायर्ज्यायविष्युं अस्स्रम्या स्रीत्रायस्य स्रीत्रायस्य स्त्रायस्य स्तरस्य स्त्रायस्य यद्रा स्रोधिस्रम् स्राप्ति स्रापति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्रा र् नुषयित्रे विवान्स्रवित्रे विवान्स्यवित्रे विवान्स्यवित्ये विवान्स्यवित्ये विवान्स्यवित्ये विवान्स्यवित्ये विवान्यवित्यवित्य इत्रामान्याप्रेन्त्रेन्द्रम् द्रम् क्षेत्रम् व्याप्रम् व्याप्रम् ने भं क्रिंक सिर्मा साम्याप्य स्थान स् रट.प्रविष.मीश.वर्.त्रपु.त्रम्याता.श्रापूष.चे.चे.त्रश्चा.याष्ट्रभावाषया.मु.ह्.य.पर्वे .क्रॅट. म् इंचा अभ्यान्य के त्रा के त त्युः इंश व्यात्री दूर्यं सीट क्रुयेश त्युचे सीट की सीचा आर्ल्य त्यु की ट त्यूचे शास्त्री त्यु श्वरायन्यासुयहेनायविः भ्वेर। यनेवे नियर नुगुर्यास्यासुरायन्या नियर्वे । म्र्यात्राचित्रम्बरात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रम् । यत्रात्रात्रम् वित्रात्रम् वित्रम् र् निकायका रे हिकास्चि प्यरुकाश्चिर पर्यकार्ष में निर्मा प्रकार का प्रकार भेर्यर भेस्र है। इस्तर वस केंद्र मुस्य तसर स्पर्य सुर में र्राट्य पर से र्या पर्रुमान्त्री कुन् भी कुन प्रमान्ता सुन में ने निमान के माने किया प्रमान के माने किया प्रम के माने किया प्रमान किय

तत्रक्ति, भी शिरावर्था विश्वाप्तविषात्र मूचित्र त्रिया राज्य स्वित्र विश्वाप्ति स्वित्र विश्वाप्ति स्वित्र विश्वापति स्वित्र स्वित्र विश्वापति स्वित्र स्वत्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वत्र स्वित्र स्वित्र स्वत्र स्वत्र त्रु त्रम्वा क्षेत्रमायन् त्रमा विष्युर्ट त्रु त्रम्वा क्षेत्रमात्रम्वा मान्या बुः १२२.म.४८.कै२.त.४भभ.वेष.बुर.शूट.चतु.चन८.त.त्रुतु.क्षेट.यम.कॅर.टरम. यदे मेग नमन में महेंदे हेन पकर या नहें माझ या इसमा ग्रीमा पकर पहें नि ग्री र चन्द्रायां से बार्या से वार्या से वा यमः स्वरं वर्षाने देने गुरायत्वानायायाया स्वरं प्रेरं ही स्वासेन सुरायन्या यदेख्या क्षेत्रावराच्या देयात्रकृतःच्या हेत्रकेंट्यान्दित्त्रयाचराक्षेत्र र्भ भेलेकप्यान्मा ने हे ने पार्नेन हुक अन्तर्भ अन्तर्भ के का मुन्या प्रति प्राप्ति प ८८ म् इत्रार्थेट न्यास्थित हे विषामेषायर मुर्वे । विवत यह मेषा दस्र वा केंशा ही यन्नासेन्द्रिन्यययर्भेन्ययञ्चन्नान्सम्ब्रीस्त्रित्रेन्त्र्याचेन्द्रेन्द्रिन्द्रेन् सुर्ध्यम् भुः बरः ऋषः यसम्बन्धः यान्। प्राप्तः यान्। स्वार्थः यान्। द्रीकार्यः सरायिव मुक्ते र्ल्य-त्राच्या चाक्षर-र्जेश्च-त्राचिष्ठशायात्वाचात्रायहर्न्यत्रः हिराहे। इ.मे. यमा वर्षेमः द्वाप्तर्मा प्रमुद्धान्य । मानुस्य । मानुस्य । स्वायम्ब्रेस्प्रियः प्रम्या । स्वेर्यः विश्वमायः प्रम्या । स्वेर्यः विश्वमायः स्वायः । स्वेर्यः विश्वमायः । स्वेर्यः । स् यः स्र-रे । विदे द्वाकी शक्ते विद्यायः युदः हो प्रति हो वाया के वर्षे विदे हो हो दि द त्राच्याचात्रात्राक्षेत्रत्रात्र क्षात्र द्वीं शत्वेच दे स्ट्र होचा दशव हो हो हें दें दें तथा हिंसा गुःपन्नासेन्पस्त्रपादनेः सुन्यायापसून्याने। स्निप्निस्यास्यास्यास्या

श्रीभारता हो न प्यत्र विषय प्याप्य विषय मा विषय मा स्थाप स्था स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स सेन्यरम्ब्रुद्रस्यदेन्द्रिक्किंश्वस्रस्यदेन्द्रिक्नित्मुस्युव्ययसेन्यदेन्द्रिक्नु यया विषारवार्श्चेव सायषान्वावायसम्न सुवानमा नेवायमारामिन यदे देव की येगमा स्वापन्दि प्रते देव के देव के का केवा केवा प्रस्वाप देव के देव वशूरारी विषा देवा हैरानेगाळेबायस्वायार्नेबासेरानुवासेरान्या विषाक्रेवायमार्क्रेमाणु पर्वासेरापङ्गवायार्रेवासेरार् प्रमुकासार्वेवासेरा मावियाङ्गी क्रुमाग्री प्रचेता स्रोत द्रमाय स्रेषा पर्य हिता हिता है। हैं हैं ता सिर्मा तासाल्य तपुर्वि राप्ते। इचाक्र्य तमान्ने चित्र भ्रम्थानी सम्मन्तर । ह्रिय स्वामा सर. त्रुव. क्री. क्रींट. ता. ट्रा. क्रींव. ताथा. ट्रा. क्रींच. क्रा. क् ข้ามสูงมารูาอูการพังสูงการจากการทางผมข้างมาตุการณิชังจำราขกา क्रेंबर्यते द्वेरा दे सूर अट रहा व्यापायमा नह विनानय हे रहत वेस ग्री वेन यायमागुराकेमायापन्नामेरायापस्माना देवे के सेनायाकेमायासम्प्राप्तस्मायादेन बेर्'य'वेर्'र्'द्यूर'र्रे क्षुबर्'र्'रेक्षुबर्'र्'बेबब्यर्'रेवे'युन्बर्'रे'य्यर देन्यायार्'र्'य्र वर्षायायम् हिष्रास्त्री । व्रेषायाक्रेष्रे ये प्रह्रष्य यस्त्रे क्रियायापन वासे प्रायया विगार्झेन'यर ग्रेर'यासाधिन ग्री। देखा के लेखा ग्रदासुय सेससार प्रवाससा ग्रेष्पात्रा सर्हेषातृ भ्रिवायात्रा भ्रिवायमात्रा क्षेराहे यार्थेषायायात्रा लूरमासीय कूर्यातरा क्र्यामा अधिमारी प्रमासीय भी वियान पुरक्षि भी राजी धिव दी हि न्नू ५ ५ देव केव प्रसेट प्रायमा विव हिमाने मारा दे प्रमाने । विट क्वारोबिकार्या क्षेत्र विद्यात्र क्षेत्र विद्यात्र विद्यात्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विद्यात्र क्षेत्र विद्यात्र क्षेत्र विद्य क्षेत्र क्षेत्र

स्रम्भात्रात्रात्रात्रात्र्यम् । विटाक्त्यार्ड्डी ताम्मन्नात्रे देन। । सर्टे हैं यस्त्रे चर्यायः अः कुर्या विवादाः केः यथायायः कुर्याया विदे द्विरः अविश्वायः इस्रश्रं कुराय विदः।। वेषःसेन्षाकुःकेरःचन्दर्भे । नायःहेःस्निषःनहिषःयःस्ररःद्वेदेःपयःपद्मियःयः એન 'ને | ફન 'ર્સે માં 'ગ્રે' ક્રેને 'યમ 'ર્સે માયા પાન ના એન 'યા અર્ને માસર્સન 'યા સંસાય મા श्चा क्षेत्र वा विवा केत्र व्यवादी केंब्य ग्री प्यत्वा क्षेत्र क्षेत्र व्यव क्षेत्र व्यव क्षेत्र व्यव क्षेत्र हें रदावमेवायमा कैमाग्री पद्मासेदायम्बयपद्मा मुन्दवे स्थिता स्मापा केंबर्ये पक्षव याया देवाया केंद्र दे। कुषायर पक्षव या पहेंद्र यर परेंद्र येवे क्षेर र्रे । ५८४ व्हें सामी विषयायायमा है के सामी यदमा से दाया से दें रास है ना संस्था है मा यम् । व्रिन् ग्रीकाचमायाकेन प्यमानुस्का । ने व्रिम् व्रिन् ग्रीकाचेना केन प्यका ने दे क्षर पर पश्व पायम्य। विषामसुर सर्भे। विषायम्। दे द्व। ध्रेमायके कुर नि हे हैं र र के अणी पर न अर हैं न अप र हें ब अप हैं ज र र र हे न के अणी प्रथा र्वर केंबरणु यन वा को र हिवाबर यर क्षेत्र को क्षेत्र की खिर यर क्षेत्र र विवाद विवाद विवाद विवाद के यदे देन मह धन क्षमान वन दि स्पर्त दे। हो मा केन प्रमान के स्थान स्थान स्थान यःस्त्र। ग्रिन्गठिनायदेवासेदःदुःस्त्र्यायायापदःस्त्र्यःदेतःग्रीःसेन्यायास्यःस्तर् त्रश्चे द्रयायात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या कु.क्ट.्मे.इं.ड्रॅंट.टें.क्ट्य.ग्री.यटचे.श्रट.ड्रंच.त.क्य.यर्झे य.त.स्य.

चर्चा.शर्-हूंब्यता.हूंब्या.स.हूंब्या.वर्चेंट.चरु.हीरा ट्रे.हेंर.त्ट्र.चरु.की.श्रक्य.त्तर. र्थिन 'दे। व्रव 'र्रा द्वराया वे 'र्वे व 'र्ये द्या र्ये प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे व प्रवे याने दे विन केतर में देन सर्दे र पहुंचाया दे उस हैं नवाय वा केन से न केन पा इसका विषाञ्चिताञ्चिताञ्चिताञ्चरायेषाया देःयादेःविषाष्ठितायावेषात्रवासकेदाष्ठ्रपाञ्चे विषा प्रक्रियायाविना नुम्यायवे छिन। ने त्याव छेन। वन अन मन न्या वर्षेया तमायर्वातह्रवात्रेयाह्रवायायरामाञ्चरयायराचया व्रवारराञ्चेतायायस्वाया त्रमान्यत्रमान्नेराम्बेर्याह्मम्भायत्राञ्चेत्रा वेर्यायत्राप् यसवासायस्य वर्षास्य वर्षेत्रास्य वर्षेत्रास्य वर्षा देशायन्वासेन विहेशः <u> ह</u>्यमात्र अः ह्यमात्र द्विर। वेषायः इष्ट्विषाष्ट्र यो त्येर ह्यो व्यवस्था सर हेनिषारेनिषान्त्रसम्भात्रम् । यस्त्रम् विषान्त्रसम्भात्रम् । विषान्त्रम् विषान्त्रम् । য়ঀ৾৽য়৾ঀ৽য়৾ঀ৽৴৻৾য়ৼৄঀ৾৽য়৾য়৽৴৾ৼৄঀ৾য়৽য়ঢ়ৢ৽য়য়ৼ৽ঢ়ৢ৽য়য়য়৽৻ঢ়ৢ৽য়য়ৄৼ৻য়য়৻ড়৽৻ঀ৾৽ৼৄঀ৾য়৽ द्रम्याम्बुस्याद्रम् यस्यानेसम्बद्धसम्बद्धम् वेसायसेस्यादर्द्दायः लिब ही । वि देव दे की तब दे दी विवाक बे मार बवा वी कु द री हिंद हिन हिन हा त्रत्रे ह्वामा देवामा क्षेत्र म् इंट कि न क्षायर हेवामा प्रते हेवामा देवामा क्षेत्र प्रवेमा विवान्त्रात्र की वार वा वी कुन की हिंद किन हैं वार्य यदे हैं वार्य देवार वार्य की किंद वित्यार्दिर पश्चा हे हिनायाय वि हिनाया रेनाया प्यात प्रतियाय वि स्वाप्त या साम्या हैं। हैंट हिंदे कियायर हैं नियाय दें हैं नियार निया दें निया दें निया दें निया दें निया हैं निया है निय है निया है निय त्रत्रें ह्वामान्नवामानिकारवावायमानुमानुमानिकान्नवामानिकान्यायमानिकान्यायम् ब्रमायुन्नमायदे या दस्रव यसार्स्ट्रव सार्स्ट्रिन स्वस्य मि स्वर्म क्रिम्य स्वस्य स्वरं

ह्येतपानिक्षणाः ह्यतः पुरे निर्देश्या के स्वाप्त का स्वाप्त क्षेत्र । विष्ट्र स्वाप्त स्वाप्त । विष्ट्र स्वापा यान्यायन्यत्रार्केन्यायन्याय वर्षेयायान्यायम्यायन्यत्रार्केन्यायन्याय नु नुषान् विन्ताने वन महाययन्य स्थलिय की महिन से निर्माण के प्रमान ने अर्देन हैं नवाकुन यथा नवुर देन हैं नाय बेंद खेर दरा यह नय के बेंद हिर्देश्या दिवाकीयात्रार्थान्य विदायया । यह द्याप्त स्थापर वियापर विवाय विषारमाकुषाकुषायम्भाविषायापायनेवायहेवाहिनास्त्रीत्रवायरामसुम्यायानमा लट.ध्रुय.शूटश.चेय.चे.जम.चोर्यम.ची। विभय.ही र.झूच.म.चम्.रे.देटा। कीज. ष्रभारम्भभागी द्याराह्म विभाग तुरायायाय देवायर एट्वायर पदेवायर पदेवाय विभाग ब्रैन'तृ'मशुर्याययार्थे विका र्रेडिन'येऽ'रे। मलुर'स्'र्रेडि'मिहेयार्थेपदेर'रे' क्षरावह्मकागुरा द्विवशादरायेंचा केवागुः द्विदवायाद्वियावे द्विया विवाया वे म ५५ र र साधिव। हिव यदे के वा ग्री मुन्या विषा दि यो र में प्रति या प्रति वा स्वार यहूरी विषात्तवास्त्र प्रदायस्वायातास्य सम्भाग्नीयाक्त्र मुग्नियास्य । नस्टरायदे स्रिरंदर्। कुर्ना विषयोगासहर तसन्य सेरानदिसा विषया स्राप्त देनाबाग्री स्नावबासु सुव रूट रायसनाबाय इसबाग्री बार्केबाग्री प्यान ना सेट हिनाबाय दिए। ञ्चनषानिक्षायान्दान्त्वासुर्यायवे ञ्चनषासुरिक्षयान्त्रेषान्त्रेषान्त्रेत्वासा रट.ची.जभ.चेबा.तवा.जबा.चेबा.हूंब.त.वी ४व.रट.ची.रचबा.२व.४वथा.हंबा.वी. पर्वट प्रतृति द्वीर प्रतृत्व या हेरा सुपर्व पर्वति क्षेत्र क्ष

यामुरामित्रभार्ये दिया देमित्रभायाप्य द्वियाक्रेमास्या ययाकेरादेवः तमामी समानिया मरारी निर्माति ही में हिंदा ही में कुर में में में प्रमानिया है या में प्रमानिय है या में प् विष्यात्र त्यात्र विष्यात्र विषयात्र विषयात्य विषयात्र विषयात्य विषयात्य विषयात्य विषयात्य वि तालुबाकी। क्रियान्यवायायायाक्ष्याक्ष्यायायाक्ष्यायायाक्ष्यायाया मृ्यःत्रश्चियःत्रमः उत्तवायः श्रमः ग्रीमः त्रवेर। क्रयः वर्षम् अत्यः वर्षाः सम् ्रियाः स.म् । यसवास्राः स्वारिकाग्रीकाः मेवाकाग्रीः यम्यायाः मम्याः सम्बन्धाः सम्बन्धाः सम्बन्धाः सम्बन्धाः सम उन्ने वन् मामान्या मुक्ता में मामान्य प्राप्त में मामान्य प्राप्त में मामान्य प्राप्त में मामान्य प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र विद्यासुर्द्रस्यास्याद्वर्रात्रस्यायाय्याहेरि हिन्देन्ययायर प्यत्रायाद्वर्राया र्यः अञ्चलक्ष्यः प्रत्येष्वे विष्यं अप्यव्ये हे दे द्वर्यम् प्रत्यं विषयः प्रत्यं विषयः विषयः ह्ये उं अत्वर्भ ह्रिट छेट् अर्टे ब सुअर् हेरे वा बायर अर्द्ध द बाया या द वी द बाया आवा हिवा था। वस्त्रम्यायाने स्रोहेन सुसानु हिनायाया विवायम स्रोपितेन सम्भिन्न तिमाम लट. टे. क्षेत्र. तम् जात्रत्र क्षेत्र देश देश क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र गुरः वयाय गुरः परः विषायेष दिवेषायम। क्षेः देव यवेषायये दिवः सार् श्चे द्वेद्रायमाय कुमार्मे । दिसामा कुमार प्रायेद द्वेदिसाया वयाय कुमार प्राया मान त्रम्यायायात्रिषाण्चीषात्रम्यः कृत्रप्तायायायायायायायायायात्रम् । त्रेषाण्चेषायायायायायायायायायायायायायायायाया वृद्

यहेब परि र्धेब फ्व हें ग्रास्त्र ख्या दा हु के परि ग्राव परि पाय के विषा भूचमाङ्ख्यान्यमिष्याञ्चमा भूजूत्राङ्गेज्यान्यान्त्राच्यान्यान्त्राच्यान्यान्त्राच्यान्यान्त्राच्यान्यान्यान्त्र त्मृ त्यः यम प्रतम् तम् तम् विष्यः क्षिण क्षियः क्षियः विष्यः क्षियः विष्यः क्षियः विष्यः क्षियः विष्यः क्षियः ब्वैव यमिर्हर ख्याप्ता ब्विव याब्वेव न्यायेव समिर्हर स्वा विवासीन्य विर्धिगामिकमानेषान्त्रेव प्रतिष्वर प्रतिष्वर प्रति प्र यायाया है। वर्ते वास्त्र प्राप्त वास्त्र विश्व के विश्व क गुः क्षेत्र प्रते प्रत प्रति मुत्र सिंह साधित प्राप्त । गहः स्वित प्रके प्रत् गायके प्रत् गार्कसः ર્શ્વાચાનાના વાર્યા તાલુકા કો કાર્યા કારા કરાય છે. તાલુકા કારા કો કાર્યા તાલુકા કાર્યા તાલુકા કર્યા તાલુકા કાર્યા તાલુકા चेकुत्र्य प्रह्र क्वितर्या हास्य विषक्षिय क्रिया क् ब्लिंगा गुरु ग मे अप गुर से अस अप गु क्षेत्र पदि कें 'द गद गद दि पद कि ग केंद्र पद पद से अस प पर्द क्षेत्र विद विश सेवाश के विश्वाना विश्वानी सामुद्र सेसस के वास क्षेत्र प्रसाधित है। म्ने.र्ट्यात्र्यप्रधायात्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र च.ज.शूर्याश्वराद्य.र्ईयो.चर्चज.च२२.तयु.द्वे.४.चर्ड्स्थ.वयीश.चश्चश्वराद्य.र्क्षज.चर्चथ.ता श्रुचयाल्ययात्राक्षेत्र। ययरातास्त्राचिराश्रुभयाश्रुज्ञीयायुषाणीःसूचायस्याल्यर गुरा अर्चेत्रव्यवेश्वेयव्याचेत्रपायायठत्याववेवात्र्युवाय्य्याचेत्र ने । तसम्बन्धाः प्रमायाः अहिन ग्री हिन ने प्रमायाः प्रमायाः विष्याः । विटासू या के कार्ये वे क्यां विषा पेरि या। देर या वर्षि वार्ये ट्रास्य स्थाय विषा या चित्र या यम् देरःविरःस्रुप्यःङ्गनास्रादेष्ठस्ययःदिःङ्गसःद्र्यदेन्नेयठन्यदे । यदनारुनः वे अप्यठन् पर्वे क्षु अन् के अअअभिना ने न्या वाहे असु कवा अपान् निर्वे हि

यः भेर दी हिनायार दिस्यायर हिनाया भेर दी । चिर क्या भेभ भार परि या बेर यने स्यापुरन्य पेर पेर के। ये वे नियम पेर का सुरम्य सके नाम साम प्राप्त पर प्राप्त पर प्राप्त पर प्राप्त पर पर मध्यायात्र्येष्ट्रे विषयास्ट्रियायात्रा देवाळेवायस्ट्रियायमाग्रीया देखा जैयाक्षितायक्ष्यात्रा । लिटाक्षी क्षेतायक्ष्यायाया लिटा । हे से क्षेटा हे या पहिना हेब'ह्या । देखिद'ण्रीयां बेप्युब दिरामाबया । वियामासुरयायाः सूरार्दे । दिवा ह्या यमान हिन परिष्य हिन सेन्य परिष्ठ न माने न प्राप्त परिष्ठ न परिष्ठ न परिष्ठ न यास्त्र्यायद्रम् द्विषायाष्र्रयायाष्ट्वम् यास्यास्यास्यास्यास्यास्या यर्रेवानुः ध्वैत्रायर च्चेत्रायेत्राचेत्राया श्चिरात्रा श्चित्रायेत्राच्यर ध्वेत्रायेत्र छेत्रा नसुरस्ययायमा इस्मिन्निर्ने निर्मे निर्मातिकारी है। यासर्रियानेशानु पाने मारायविरापिर प्रिम् अर्केवे सरायम् अर्मार्म केन मूर्यात्राचेराचेषाचेतुःस्त्रैयाताशाजीयात्राच्यात्रात्राच्यात्राच्या कुषानि द्वा विषानि । विषानि सम्मिन स्वाप्ति । विषानि सम्मिन दिन्। धेवलेवा पन्दर्भेरदी यहेगहेव यसप्दर्भपि मुहर्भेस्र भी होवा ८८। यहमान्त्रेम्परीयुरासेसमाग्री ह्वेमायम्हिमासुर्ये सेमायह्रमायरे हिमा यह ब्रेन्यन्मा वावार्ह्स्यक्षित्रव्यस्त्रम् स्वाचित्रम् वाच्यान्यस्य विकारम्यान्यस्य विकारम्यान्यस्य विकारम्यस्य भाज्ञेब या द्वेद या दु र अर्थेद या द अब या अर्थेब अर्थेद वी द्वद से अब स्ट्वें र या अ त्रु ब्रियानार लुयावह्याहेयात्रु यहार श्रेम्या ही क्रिया मान्या हिता हिता है वार्ष हिता है वार्ष है वार्ष है व अट्डिट्र अट्ड्ड अट्डिट्र अट्डिट्

र्ट. भक्ष्म. म्था. प्रिंटी. त्यात्म त्यात्म. युवा । ब्रम. प्रम. प्रम्थ. प्रम्

श्रेश्वरायश्चेत्रायात्रेश्वरायात्रात्रास्त्रात्रा

चवि यस वदि वस विवा च सु रक्ष र त्या । विकार्सिवा का क्षीं वा विकारी विकारी विकारी विकारी विकारी विकारी विकारी क्यानिस्राह्मनायान्या नयानेने के निस्राह्मनायान्या विसार्सन्या हिं गाम्बर्गाम्बर्यात्रिस्याद्वस्य स्थायर द्वायि कृष्वत्र पङ्गत्य यार्श्वस्य स्थाय स्थाय चिष्ठभाराने स्तराधिक है। ह्विक राया खेट या ह्विन रचा है विषा खेन या ना निह या ही या ब्रुवायन्यायने वर्षेत्र ब्रुवायम् वर्षेत्र विस्रायाय वायस्य प्राप्त मान्यायस्य विस्राय उर्ने ख्रियात्मेरात्मेर्थात्मेशात्मेशात्मेशात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरत्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्यरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात्मेश्वरात रमायमयान्द्रा महास्यान्त्रात्राच्या स्वाप्त्राच्या म्यायम् र्वे.ज्.या.चे.क्च.त्वेशक्षंत्रात्विश्वश्चरः चेताचे.त्वरात्वे.त्वरात्वे.त्वरात्वे. ८८। ट्रे.हीर.केज.पथ.हीय.तपु.चेथ.शह्र.यथा विषाश्चिता.त्र्यामा.यु.ची. मैर्थाञ्चेत्रपरिमान्सानीःहेरासुः खुंयानिसरागीः मानसासह्तापरिम् सर्वे स्वरंतराम् र्थे क्रें दें समय दर वासुर क्रेय दर। विश्व सेवाय क्रें गा विश्व सेवाय क्रें वा वीश सर्दे समें दर हराज्यायान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रयान्त्रयायान्त्रयायान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रया द्या नयानेने में मिस्रान्या स्टायबिन स्वा विकारी वस्यायस्य सम्प्राय स्वा ब्रिसम्द्रम् त्रिर्मा क्षेत्र के क्षित्र के देश के क्षेत्र का क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के कि का क्षेत्र क रायुः र्र्वियार स्त्रियं के विष्या विष्या क्षेत्र प्राप्ति विष्य प्राप्ति र वी प्राप्ति प्राप ब्रिट प्रिन न हिट हिट हैन मायमानिय तर हैं। या श्री जीवामा है। हे सिर न। हिं अर्द्ध्यात्रम् । अर्थः अर्थः विश्वस्त्रम् । स्त्रीयः विश्वस्तरम् । स्त्रीयः प्रविश्वस्त्रम् । स्त्रीयः प्रविश्व यदः श्वेर। रटः युग्रायां है। देः क्षरः ग्रायुट्यायदेः क्युः सळवः येदः दे। यदेवः यहेवः यासुयायकवान् न्वमायवे सुवायकवानी विवायवास्त्रम् सासुदायाने वान्ने विद्यायवे प्रमान्त्रक्ष्मा ।।

श्रेश्वराम्ब्रीत्रम्यस्य स्वर्ति हित्या

क्रिश्च सार्थिशत्तर स्ट्रीची तात्र स्ट्रीची सार्थि सार्थ

ष्रायाम्या वर्ष्ट्यमायदे प्रज्ञेन प्रमान स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप कु.वी.इ.यध्यायत्रूर.ता.याधयाह.संस्रायक्ष्यात्रःक्ष्यार्टा ह्यायायरयाक्याग्री. चिट क्वा क्वेर पर्देश ग्राटा विश स्वाश हैं गा मुखा में शरा हिंद पर प्राप्त र विद र्वे.य.र्टा य.र्र.के.त.संय.यमभाविष.भट्ट.प्रेय.रटा विष.मूर्याय.ग्रीय. रायर्ट्र प्रचिर्ययुर्यात्रात्रात्र्येष्य प्रचार्यस्य प्राप्तियाः स्वीत्रात्रात्र्ये । स्वार्यात्रेशः यने द्वराधिक की वर्षेत्या मुक्यायक लेकाय क्या की वर्षेत्या धिक सुरात्रा द्वरा वर्ग्रेर हुँ र पर हो । विषयवे पर मिट पायर्ड हुष विट वि द्वापर के रेग्या ५८। वर्जेर्यमयन् वेन ५८ वर्णयाधिन ५ न इसमा हेर्दे । विमार्सेणमा त्तर्वेशत्त्र्य्त्रत्त्र्यं स्वेशत्रत्रत्यं विश्वत्त्रत्यं विश्वत्त्रत्यं विश्वत्त्रत्यं विश्वत्त्रत्यं विश्वत हैं नर्बेर या मुक्य या बोका र्या का र्या का र्या का निकार में का या का राम का निकार के निकार के'पर्शावर विराद्य रेश देवा शाय दर्ग हैं ब दु शाय धि वेश सेवा श हैं। गा विराद्य वेश के वा वोश भ्रिमाग्री स्वापस्याम्भायर्दे प्याप्ता वर्षे प्यम्भाने प्राप्तिमायस्य प्राप्ति । चट. द्वेर. के ज. खंबा के बार त्यांत्र का ना विषा सूर्य वा धुंबा के वा ची वा के राजिय. इट्रात्र विषात्तप्र देवी पार्य्ह्र भषात्र षात्र विष्य र भ्रास्त्र विषय पार्य विषय । सु'द्ये द 'ठेट 'द स'य' लेस 'र्सेन स'र्सेन मार्चिन 'वीस'से 'यं बेद 'यं दे 'र्सेन सट 'ये 'यस स्याप विटार्सिट्नाना रेनायायर पङ्गवाया सेनाया धिवायते सिरा विष्वा निटासीर सुवा मिन्य सम्माता विमान्य । विमान्य विमान्य विद्यान्य सम्मान्य विष्य प्रमान्य विष्य प्रमान्य विष्य प्रमान น'นฮู *'ฉผๆผ'น่นิ'รฺค้าน'ฉัยผพ'น*'นครฺ'ลฺ'รฺินิ'みู๋ณ'นโัยรฺ'น*'ซฺิผ'ผิๆ' केषा भ्रम्यायदेन प्रमन् प्रवेशम् नीयार्मि प्रवेशहेष प्रमाणा व्यापि प्रवेशप्रवाहिषा

गान्दरमेस्रम्भी द्वर्प्त्र प्रम्ति यात्रे न्युस्य यास्य मे स्वित्स्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य हें देखेदायमा इसक्तासेसमाद्रयायायायाविषाचीमा हेसामसुसाची `क्रॅंट'केब'र्येदे'दिदाहेब'क्ने'विसम्मासु'वोर्हेवमायदे'सेसमाउब'वसमाउद'वार्ह्नेस' यद्रा वक्षर्यद्रा र्ष्युवायद्रा विःस्र्रिं क्षेत्रवेष्ययदेव चैट.क्वेंच.मुश्रम.रेतत.ता.म.र्नेंट.खेट.मय.त्रर.मु.टर्केंर.क्वी चेट.क्वेंच.मुश्रम.रेतत. यर. येथ. येर. क्य. भ्रम्भारत्य येष्ठ्या या च.य. येष्ट्र. श्रम्भारता च.य. र. बे इंट में सेसस पश्चेताने रस में भी मिट क्विय सेसस दिया था में स्ट्रिट बिट सम तर्विरःह्ये । दे.कुठुःह्येरःखे.यो चाता.धे.देशःवश्वश्वः श्राह्येषः स्वात्रः श्राह्यः यहराम् वराक्तां सम्भाषान्य स्वराक्षेत्रकार्य स्वराक्षेत्रकार्य स्वराक्षेत्रकार्य स्वराक्षेत्रकार्य स्वराक्षेत्रकार्य ८८। व.प.८८.र्इ८.प्यु.श्रमश्ह.र्श्ने८.प्यु.प.ट्र.र्श्ने८.ग्री.पश्चेत.या.स्त्री.क.व.चू. लट. प्रमृत्रेष्याक्षी विकामस्टरायकाक्षी दि.लट. लेकाकाक्ष्याक्षाक्षा गार्भेर्गुरा हेवविर्भे क्वेर्रा हेवर्षे केर्रा क्वेर्रा क्वेर्य क्वेर्रा क्वेर्य क्वेर्रा क्वेर्रा क्वेर्रा क्वेर्रा क्वेर्रा क्वेर्रा क्वेर्य क्वेर्रा क्वे चिंद्रप्रभुः भ्रे.मृत्रात्रात्रा । भ्रिद्रप्रचिंद्रप्रभाक्षेत्रप्रभुः प्रभाक्षेत्रप्रभावित्रप्रदि। कुर प्रकाके प्राया दिवाय दरा युवादर हेव सहस्रयस सहस्राया विवाय दरा อีะ.ศูทพ.พ.ศูช.กพ.อิะ.ศูทพ.ส.ฮูพ.ก.2ะ.โอะ.ศูทพ.ญิพ.อิะ.ศูทพ. माण्येत्राचार्च्याचार्चा चिराम्रम्यास्याच्याच्याच्याच्या यद्र दुवायमा दर्धेवे द्रवर दुः दुम्म वार द्वेर विमार्भेवाम की वात्र देते. मुश्रूर्यायाये के विष्यान्यया क्राय्य देवाये के देवाया विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या मिंपिरिंदिर्विपितेष्ये प्रति पश्चिष्य प्रायक्षित्र प्रमाणायि प्रति प्रवेष्य प्रति ।

तर मेरितारे दे भी विष्य मित्र चिर अभ्यापन्या हेर क्रेब रेंग्बिय हेब की चिर अभ्यारें या बुर प्रयापार विया स्था महिषायानुर केसवार्ह्स्पवार्द्ध्यायान्त्रे पायाने वार्षे वार्ये वार्ये वार्षे वार्षे वार्ये वार्षे वार्ये वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वा र्वेर.पर्इष.भ्र.सृय.तपु.वैर.मुभभागीभागीर.पर्द्धय.सृय.तपु.वैर.मुभभागागीमारची. **ॸॖॱॴॱॺऀ॔॓॔ॸॱॻऀॴॱॾॣॸॱॻॱॐॴॱॻऄॗॸॱज़ॱॴॸॱऄॴॴॸ॓ॱॻऄॗॸॱज़॒ॸॴॱॻऀॱॻॵॣॴ** त्र चित्र था में कि त्वर्गे देवें बार मा बीर बार दि ही र है। ईंट ता यथा जीर वहें थे. भ.वृत.वैर.क्व.शुश्रभ.रतय.वर.वृवा.वृशा जिर.वर्ष्ट्रय.वृत्व.शुश्रभ.वृत्व. त्रक्रियाचेराया वित्राक्षेत्रास्त्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक् यर मिले क्र अ में कि पर्वे दिवेश से विकामसुर सा मिले क्र अ में कि पर्वे दिवेश सा पश्चेतात्तरः ह्वेरात्वस्त्राचितातरः योष्ट्रियात्रस्त्राच्चेर्यात्रस्त्रस्ति विद्र्ये। पिष्टे ताचिरामुम्यान्त्रात्त्र्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र क्र. प्रमुष्याय रायवर है। क्विर प्रदेश तथा पश्चिय प्रमुख प्राप्त प्रमुख ८८.घट्र.चेर्चचेर्चमामा विच्या श्रीतिका विच्या श्रीतिका विच्या विच येश्वत्रेयाच्यात्रह्रियात्रात्र हिर्। विश्वायात्रिरासी विदे दिः वेरिः दे वस्त्रीयात्र विदे यमन्यायि द्वी इत्रें सम्प्राय राम्युरमायि खुरायायहे व व्या महिषाया दर नभ्रवायात्रकुःवयाञ्चनायाद्वा क्षेत्रयाक्त्र्दात्ययाक्तेयावा<u>वि</u>यावादे प्रयाणाद्वा

त्तु.रेम्.इ.८ह्स्स्रात्रान्त्रम् संस्तुरात्तुःहीर् कि.ताचिराम्राभाग्नीसाचिराम्राभागा धेव यायार्विषाव केषायायक्के रासेर गुरामिव वर्षामिक यर्गे र्वेषायासधिव है। मेरि र्रेट्रस्यत्तर्र्ह्र्र्यम्भियाम् ह्रिंट्रक्ष्याच्चित्राच्या स्थायम् स्थायम् स्थायम् यर.मुभायक्षेत्र.तयु.क्षेत्र। यैचाताचिर.मुभाषा.भालुष.तथाचिर.मुभाषा.मालुष.ता. यार्चिमान्न द्वो स्वयद्वम्याय रायम् द्वी वसमान्य रायम् विषय स्वर् स्वर् स्वर् मानु रायस्य यमुषासुः इत्षायायाया निवार्श्वेतः निवानिवार्श्वेतः विषायदे द्वारः भू नित्रेष्ठेतः सकेन हेब याप्यब यमा मसस रुद ग्रीस सुमा यळवा है। सेसस द द पर ही द पाया हैसा पर्दुन याने व्हार्यम् राष्ट्री । निवार्श्वेट निवानिवार्श्वेट रिवाहि स्वयाविवार्श्वेन यदे रेवेन न्यमाळन्यकुन्वियविष्ट्रित्वमार्थराष्ट्रीयविराधियाषुमायविष्यराष्ट्र। विष्यादे र्यूट्यार्श्चेर्यर त्य्यूर र्रो विषाच पात्रमा रे त्रमळे प्रत्य स्वापिर मुषा वर्डेमः व्हन वद्याना यावादे र विनया सुम्वया से हुर वावतु दारे। वर्डेमः स्व प्रवास प्राची स्व के अपि कि से मिर्ट अस्व प्रवास के से मिर की प्राची प्राची प्राची प्राची प्राची प्राची प्र इन्दर्भातुरक्वानरम्बुरबात्वा वर्षेत्राञ्चत्वात्वान्यत्यान्ते प्राचित्राचार् वस्रवस्यान्द्रम् स्राम्यानुस्यद्रम् स्राम्यान्यम् स्राम्यान्यम् स्राम्यान्यम् । इ. क्षेत्र. क्ष्ट्य. ताया क्षेत्र. ताया मासूरा वा मया वियापा ने क्षेत्र. ब्रे. ट्रमास्मस्मित्रः द्वेत्राच्यात्रः देशः द्वोत्यत्रः सः प्रक्रेम् स्ति द्वेत् द्वात्यस्य स्या न्या भ्रिम्बासुः कुरावान्या भ्रिम्बासुः अन्ययायः वृक्ष्यः देशः ।
तेष्ययायः विषयः देशः

न्या भ्रिम्बास्य ।
तेष्ययायः विषयः देशः

निषयः देशः

नि यमान्द्रित्रमायनायायायायाया भेसमाग्रीमान्द्रित्यरस्यानुत्रा इसायरानेमा

त्रान्त्रम्यतेषायाः भ्राष्ट्रीयाः भ्राप्ता विषान्त्रम्य। यान्त्रीन्याः स्टमा तामक्रिकात्तराष्ट्रीतातात्रिकामान्त्रिकामान्त्रिकामान्त्रिकामान्त्रिकान्त्रिकामान्त्रिकामान्त्रिकामान्त्रिकाम इ'वर्हेम्बराय'वर्षेषा'भ्रे'नुष'हे। त्रु'व'र्स्चेन'भ्रेवे'मर्ने'व्यषा यन'स्वन'पर्नेन'यवे' मुभमासीयोट होराता रि.ज.क्याह्मिमाह्ममासमास्त्रियासाहीर। विममायोपमा थेब नुरक्त्य अर्धेन नर नु के बन नर के कि कि के बन निकार के निकार क चर्यात्रमा चिरक्षित्रप्रमायर्ह्समात्र्र्यक्ष सम्मान्त्रमावृत्राच्या बेरपां के प्येनका है। इट के क्रका प्यत्ना हित्र के कार्ये वे प्राय्वे क्रका प्याप्त प्राय्वे ततु.हीर. रहा भट्टा महूत्र र मूरमान में मिर क्वा में य हूं मानतु र में कि प्र प्र में मिर प्र प्र प्र में मिर प यरे.योचेयामाक्र्यामाक्र्यामान्त्रमामान्या यक्षेत्रायर्ट्यायर्ट्यामाना चैर. खेरा उचैर. यस। ह्विराता र द्विता विश्वराता सार्वा र विश्वराची सार्वा सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे स म् भ्रम् पर्चर प्रास्त्रेन्न प्रथम सुर प्रदेश का से स्वर्थ का से स्वर्थ का से स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ सेन्द्रिन्यायदे नेयारमण्डीयास नेत्रायदे पर्या प्रस्ता न्या की किन्या हो। देने स्टाह्म स्टाह्म स्टाह्म स्टाह्म स मेषुभारी र मेर्गित्यात्राम् । पञ्चात्राद्राद्धेय त्यापञ्च देग्रीयमार प्रवास समा ब्लेब निर्मात के वार्ष के निर्मात के निर्मात के निर्मात के निर्मात के निर्माण ৗূরস্ক্রিমান্তার বার্ট্র বিষ্ণার ক্রিন্ট্র रट खेबेबाचर्स्ट वेशवा की क्रूबेबाची का प्रवास कर हो वे प्रवास कर है वे प्रवास कर हो वे प्रवास कर हो वे प्रवास कर है वे प्रवास

यायश्चित्राक्षेत्राक्ष्यास्था नियम् वार्याक्षेत्राम् वार्याक्षेत्राम् विवासी विद्यापायहेत् व्यामित्रवार्त्रेवार्यानियात्र्वेषात्रीन्त्रीयाञ्चर्यायते देवायात्रीयात्राच्या N'यदेर'यर्जेर'यरे'यर द्वेत'कु'द्रसमायेत'क्ष्मा'यावित्रर'वर'द्रस'ते त्रा स'येत' हें प्रमानियान्त्रे प्रमानि कर्मियान्त्रे विश्व विष्य विश्व युष्री भट्टें तर क्षात क्षा रेंचा चेंचा स्था की कुंचे सूर रात स्वराय ता विश्वरा चेंद्री स ৾য়ৢ৽ঽ৾৾ঀ৾ৢ৽ড়ঀয়৽ঽ৾ৼয়য়৽য়৽য়ড়য়ড়য়৸য়ড়৸ড়য়৸ড়৸ড়৸ড়ঀৼ৽য়৾ঢ়৽ঢ়৾য়৽ঢ়য়৽ र्अहर्यक्षा अर्द्र कुण ख्राच्या या प्रमानिक अर्द्ध क्षाप्त । विकास सुरुष तथार्श्री रि.मेशकार्त्वयात्तर्भे शक्ष्यात्तर्रा गायर्र म्हिमार्ट्रा वह्रयात्त्री पश्चित तायाचिष्रतात्राय्ये करात्राय्वेचाताराता वताक्रियाचकु में विष्रां से में स्वायं ब्रषायर्देन र्पिब्रायाञ्चनायम ख्रेन यये यदेन ञ्चा ब्रह्म स्रम्भागी यदेन यये यदेन क्रम्म वर्हें अषायर 'ग्रेन 'यार्श्वेन षाणी' पेंब 'हव 'र्झें प्राये 'श्वेर ने 'स्व वर 'ग्रुन 'श्वे अषा ने ' *क्षेर.* इ.८८. श्चॅराजभाग्री. ८०८. श.चार्य्यभार्यात्राचनभाग्री. ८०८. योग. विस्तरामित्रस्य भेतात्रेन त्राम्य स्तरामित्र स्तरामित्र स्तरामित्र स्तरामित्र स्तरामित्र स्तरामित्र स्तरामित्र परक्षुंपक्षेत्रेष्ठेरप्राप्त स्टार्येयप्रास्ट्रिंद्रम्ययायम् देपम्यमम्ब *ॅ*८८ मा बुवाया क्रेन प्यतिः क्रें क्राया प्रस्वापार पर्दे वा पार्यने 'त्वापार क्रें क्राया पर पर्दे वा छिट 'स्टर लट.चेट.रें.चेट.क्वंच.ग्री.लथ.जच.लूटश.सी.क्ट्यशतत्र.वर्चेर.व.श्रमूट.व.र्रर.कुट. रु'यमसमाने क्षेत्र'यसप्तान्वयये द्वर्षिमा क्षेत्र'यस में निष्या सम्मिन्यर मेशस्रे क्षेत्र विषम्पस्यस्य स्यास्य । सायदे र र्मामस्य मे क्रिस्स स्यामस्य त्तरमार्झिट प्रमानामुह्मारिय परि देव प्यान ने देश मान निर्देश सुर्खिट प्राय प्रीव मी। इस

यवर्षण रे.लर.सूभाझरम.ग्री.धूभ.सूरम.सैभ.कु.एत्रुट.रेंच.स.च्छेम. त्रम्यत्र्वर्यरेष्यरं मुक्षर्ष्ट्वर्यरेषायद्वर्षः स्ट मुक्षरम् । विषान् स्ट स तास्तर सुरा सिट बार्युव सेट बार्स्स सुवा केव सेति केव सेति विता केव स र्येदे खुर रु, । दर्वर में क्रेबर्या दर्वर में दर्वर में दर्वर में खुर रु, हे रु, मारेस यायविष्, दें त्राच ताथा हूंचे आ सूर मी सामधिसाता चे साय विषाय दें या हुए । यह बट्यं यात्राची से सार्वे प्राप्त होता है से सार्वे के से स वस्रवस्यवस्थार्स्ट्रित्ययः द्वीदस्य यदी । इस्य वन्द्रिण वस्य स्वर्देदे द्वीदस्य यः तकर्तात्र। विक्रियाचेवाकेवाची क्रेस स्मार्थेवासे स्थाप्ते वित्ता विक्रित हो विक्रिया स्थाप्ते स्थापते स्था चतु. ह्ये या कुष्र, की. ह्ये साझे दश्रेष्ठ, सूर साक्षेर, टी. ह्ये र त्ये श्रेश की. क्षेश्राची संशाची प्राची र श्री र्टायदेर्द्रवर्ट्द्रा यटावर्डिय विवास्त्रवर्श्वेस्याञ्चरयार्द्रवर्श्वेद्रयाय्वेटा मी:कुट:टु:वा:सु:रम्बामामिक्रमासु:सु:ब्रमारम्बामाय:द्रस्व:व्यस:ह्रिक:टु:स्रासेट:वदे:सा पर्वायिः इस में वायस वसा श्रम् । या से से साम्या वायिः सामा सामा वायिः सामा सामा वायस्य । भेर 'यम'ग्रीम'र्नेस्म'सु र्झेट 'बेट 'म'यकुर 'य'र्झेट'स' वन 'यदे 'चर 'कर सेर 'यम' ऀॻॖऀॺॱॿॸॖॱय़ॸॱख़ॖॸॺॱढ़॓ॺॱढ़ऀॻॱ**क़ॱऀॾॣॕढ़ॱय़ॸॱॻॖऀॸऻ**॒ॸॸॱॸॣ॔ॱॶॖॖॖॱॴॴॺॱढ़ऻ॓॓॔ढ़ढ़ॸॕॖॺॱ ्यी. स्रुमायमा क्रवे. ता. स्रुमायम् अपार्मा ना स्रुमा स्रमायमा स्रुमायमा स्रमायमा श्चर चुर पर्दे द देने भा दे पर्दे द रिष्ठे क क द रिष्ठे व कि के व रिष्ठे व रिष्ठे द रिष्ठे व रिष्ठे व रिष्ठे व क्रियायसम्बद्धाराष्ट्रेत्र क्रिक्ताम् वाचाराया विकासमान्य स्वर्षः स्वराप्त स्वराप्त स्वराप्त स्वराप्त स्वराप्त यवुःसिर् योष्ट्रभारायरःश्रातवर् हो श्रुवःस्यायर्यात्रायाविरायरुषायाभारात्वः

यवै प्रमः क्ष्य स्थान स्राम्य स्थान मुजानमान्त्राच्यात्राच्या हिनायर सामकुराय सामिनमा मन्त्र सम्माणीः श्नुर[®] केण वास्राप्तरळ र सेर प्यसर् छेर पासे प्यवर प्यस्सी विश्व प्यरे रियर मकूर्यत्य सार्थे वीतात्र हिंग ह्या तावायमात्र मुममार्थ तायाय यात्र यात्र यात्र यात्र विद्या हिंग हिंग त्येत्र में कुट दुः र्श्वेट प्वते श्वेर दुः केंबा हो दाया अटेंब सुआ दुः अहआ पर मानवा पा बा न्ने द क्रिवान्दर्धे स्ट्रान्द्रिय नुदेशन्द्रिय ग्री विद्रवेश में स्ट्रान्त्र स्ट्रान देश। अन् देनामहिषाया क्षाया नुवायि यम कन सेन व्यापन प्रविषाया क्षे.चे.क्षे। याक्षयाद्वा.याद्वा.याव्याय्वाटायाच्याद्वाटायाद्वाच्याः वयासहस्यावना मृत्ये प्रति प्रति । प्रति । प्रति । प्रति । प्रति । स्व कुट'रु'र्र्स्नेर'म्बुस'म्चि'र्न्टेश'म्बेब'र्-्यूर'यदे'श्राम्मुर्'यदे'यर'कर्'सेर्'यस'र्टे' चे.च.२८.त.चमिथेभ.२८.१ ५.चमिथेभ.कीभ.८५ूभ.मी.२८४.त.च.च.५.त.५४भ.मूज. क्रियायाध्येषामुद्रमायाध्यदाक्षायन्तराहे। ५७६८ मायकुरायवे प्रसास करासेरायस ५८० क्रामुंवात्वरायरायदाः भ्रिव र्वत्यम् यदाः भ्रिव र र विष्याया स्वाप्ति र र विष्याया स्वाप्ति र स्वाप्ति र स्वाप **अ**ॱसॅट ने सप्तकु द्यां वित्र अवन्य प्रते प्रस्क द से द्या प्रस्क ने स्वार्थ के त्या स्वार्थ के त्या स्वार्थ के त दह्रमःस्रमःभ्रीमःकेटःदेःसूरःचास्रमःगाःनेट्मःस्रिःसूटःब्रिटः। नेःजमःनेट्मःस्राःस्यायाः क्रार्चियायमान्दिमासुरद्वेन्यान्दान्देरेहेमासुर्येन्याङ्चेताङ्केतायमाचेन्यायमान्। यमा कर भरे जभारे छेर भारत्या सम्माती प्रमासम्बद्धा भरे जभायमा सिर दी सिर पर वेमा

ताकु.पर्यः सूर्यं स्वयः त्रावे स्वरं त्रीमा राज्या स्वरं त्री स्वर दिन यामया स्निन द्वेया साया द्विया यीमायाने मायहे मायह या मान यह या मायह या साथा हिमा या हिमा या हिमा या हिमा य में. ह्यूट प्रम्यायीत्र मार्ग्यवेष ह्या । दे. स्म्य चिषा व स्थाय पर त्या हुव स्थाय स्था ठ८.श. ३८. तर्रे नेषा स्रिता श्री स्ट्रिय विषा स्रिता वेषा स्रिता वेषा स्रिता वेषा स्रिता विषा स्रिता विषा स्रिता स्रिह्मर्ट्य विभागसिरभातात्तरात्रम्भात्रत्रदेशस्य रिक्निस्त्री विद्वयात्रात्र यन्द्रशोत्मस्टरदेशकुन्द्रम्यम् सम्याधमस्य स्वतः सः सः स्वतः सः स्वतः सः स्वतः सः स्वतः सः स्वतः सः स्वतः सः स বাবনাক্তনামান্ত্ৰীবাৰোন্নিদমান্ত্ৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্যাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্ষাবাৰীক্য क्री.चेन.झेंट.इस्ट.च.भ्र.वर्म्ना.झे। म.चर्चेन.ता.भ्रष.करे.जा.चेनग.तपु.म्रामग.रतप.समग. ग्रीमानेमाझितासित् विद्यासित्यास्त्रित्य प्राधिमानमासित्य स्थानेद्य प्राधिमान जीयात्राचीतात्रभूत्री विषासूचीयात्रीयात्राचीयात्रात्राचराक्रत्राचराक्रतात्राचितात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राच्यात्राची मुःस्टाम्यान्यात्रे विषाङ्क्षेतायम् यदे द्वियावेषा क्षुतामुन्दार्ये सार्वे । *ॱ*ढ़ॱॺॱॻॖॖॖॖॖॸॱऄॺॺॱॸॖ॓ॱॾॖॺॴॱॻॖऀॺॱॺॴॹॶॱऄॺॱॾॗॆज़ॱॻॖॸॱॾॖॸॱॻॖऀढ़ॴ॔ड़ऀॸॕॸॱॻॖ॓ॸॱय़ॺऻ देशम् कर्रियम् कर्षेर्यायम् क्षित्राक्ष्म विष्या क्षेत्राक्ष्म विष्या क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र क्षे हिरा विशेषातालयाम्याम्यामे। नेष्ठीः वेषाङ्गियाग्रीः वियासाय्यायायाः लानुषाग्रीक्षान्द्रियान्वात्राम्बर्धार्यम् स्थार्यम् स्थार्यम् स्थार्यम् स्थार्यम् स्थार्यम् स्थार्यम् स्थार्यम् यान्नित्यापदिः धुरा देन। वन्नियान्नियान्य क्रियां में मियापार्ट्य नुस्ति प्राप्ति मियापार्ट्य नुस्ति । स्रेस्रम्भी स्वर्वे तास्त्रम् कर्र् र्यास्त्रम् स्वर्भे तास्त्रम् स्वर्भे वास्त्रम् स्वर्भे वास्त्रम् क्षेत्रप्रायम्यम् स्रिमान्। वर्तेत्रप्राचेन हो। । इस्रात्रिंत्रण्णे सम्प्रिन न न्नियमायतेवः तिगाःकेषःमीः देवेर्धाः स्त्रितः स्त्रितः स्वरायायायायावाषाः प्राचित्रः साम्रीतः हिना

श्रेश्वरायश्चेत्रपति यार्वेत्रपर्स्या ।

यहूर स्वेट क्विय्क्विया सर्वेय स्वेया सर्वेया स्वया स

श्रेश्वरायश्चेत्रस्य श्चित्रत्यावरया

भूर स्थायं वर् की विशेष तात्वी हूँ ये जूबे या सी शहर वर्षा रिवास रूप की राज ५८। श्रेम्बर्स्यत्रियुन्बर्यायायायात्रेन्वान्तेन्द्रेन्द्रम्यत्रेन्यराचन्द्रे देवरम्यायदेवर्यवरम्बन्याद्यः विषयन्त्रः व्याक्षः श्चेन्यायम् । श्चेन्यादेवर्यायवेवर्यायवेवः क्द्रिं पुर्वाना चु से द्वीय हो। के या द्वीद या प्रस्ति या विवागीय. नुःस्रानेबान्। श्रिनायाम्बुसानुः इस्रायमित्राया । बोस्रवारुवायानेबायानेबा यदा क्रिमाग्री द्वीत्माया स्वाप्तळ्या यत्ता विष्टा देखेदाञ्चरायायमा ।दवायादेखेदाञ्चारका ।क्रियाग्रीःञ्चाप्यरादे त्रात्रश्चर त्रद्यात्रा क्रियाश्चर याष्ट्राय स्थित। क्रिया क्रिया क्रिया स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स मुंशद्भार्या निया में त्या में द्वार के त्या में त्या में त्या में त्या के निया के निय ত্তৰ ব্ৰিট্ৰন্ম তথ্ সন্থিত নেপাইপ ক্ৰিল্লে নিপাৰ কাৰ্যন্ত প্ৰথম বিৰ্ণ্ডিট্ৰ্ वहें के 'की 'दें अभागुर 'द्र माद्र में भाषा द्रमाय 'छेद 'वा वर्मे मायदे के 'बेर 'वा प्ये के ही ।दे यायर्गेगायने कर्ने का याने का याने का याने वा याने के का के न प्रतान के का विकास के न प्रतान के वा वा वा वा वा यंत्रेर'तु'र्योयवेर'य'यर'हे। हेर'व्युब'क्वेब'र्सेर'र्केष'त्रेर'ठेष'रीर'गेष'यह्नर' यावाण्यरात्तृतायाः वार्तिवाया इस्रायम् व्ययम् व्ययम् व्ययप्ते व्ययप्ते व्यम् प्रायः वर्षे व्ययम् बिटा सर्भ्रिव्यत्रिम्रम्मयाय्यार्म्याययेष्यायाया याप्यस्त्राम्यम्यायायेषाः क्रुमान्नेरामान्यान्तरायान्तरायान्य क्रमान्त्रामान्यान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तरायान्तराया

वर्गुमान्तरेषः रटक्रुमान्नर मान्तर्भात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या यदेव देव त्रायि यदेव यर यवेद यये विदाह केव ये इसमा ग्री यवेद या सूर व ब्रे.पेर.द्वेब.क्वे.भर्ट्य.श्रेचम.तर्ट्रर.चक्षेष.तत्र.लट.ट्यात्त्र.भघत.ट्र.च्यंष्ट्र.यंचत. विनायायम्दायम् मार्वेष्ठेत्। विश्वायमेनायदेवाद्या देयविवाहेदाग्रमः ५५.२.चम्परमान्यः हिरा दे सम्मान्यम् क्रिमान्तरमा दे प्रविवानिकार् क्रिंट छिन प्रता ने कि के छिन क्रमा अर्दे के पुर क्रमाय दे वि ना न सम प्रता के साथित यर व्यापित वर्गेना परेन दे दे दे समम धेन परे हि मा वर्दे द ना दे समम था শ্বস্থা শ্বস্থা প্ৰত্যা কৰি প্ৰত্যা প্ वर्ण् र रे । विविधायर अर्चेर विधा स्था मुवा विधाय विषय विश्व से स्था प्रविष्कुर ग्री सेसस परे ब प्यर से द प्यर दिया है दे सुद मी सेसस सिंह सिर साम दे ब प्यर है व वशुराया ने वर्ने निषा सेससा उत्राचसमा उत्तर सेन मुर्जीया परा चया परि क्विन'र्'वर्ष्ट्रर'पर्वे क्वेर। इ'पर'स'हिप'र्वे निन्न। हिर'सेसर्गणी सर्वेर'वसाइस म्वियायमाम्बिमार्क्रमान्ते नाममान्त्र स्मिन्यमान् ने कियानममा उर्णे केंग हिर अर्दे अस्त मुस्य र् हेंग्य प्रदे हिर् ह्या स्वाय प्रयाय सेंस्य विवा वालक यर देव र सायदेव या येव वा प्राची प्राची वा प्राची का क्षेर येव देव र सा यदेव या धेव दर्गेषाय राष्ट्राया दे धिव व हिंद छेद धेव दर्गेषाय दे हिरा ह गरा विषा वर्देन से मुष्ठाने देव नसायने वाया से की नमा सामि की सामि શ્રે.શૂર.તમ.મ.ધિવ.તમ.તમર. કુષ.તા. કુષ. વધ પ્રાંત કુષ. વધ પ્રાંત્ર તા. કુષ્. તા. કુષ્. તા. કુષ્. તા.

श्रेयश्वक्रिट्रव्यायास्त्राट्यूराया

हु, चि, व्यी श्राट्रीची, ता. व्यूच, ता. श्राट्ट्य, टे. क्रीं म्याह्य, ट्रायुक्त, क्रियान, व्यूच, व्याव्य, व्यूच, व्यूच,

प्याम्भी विरायर यादा विवास वायर पर्वेच के वा देवे के अळव खेर दे। यास या द्रथ.कुष.ठस्ट.च.जम। येच.त.भट्य.हीचम.खम.चेम.ही । मटम.केम.क्रूम.ज. भट्ट हिर्मे अ.हिर्म । ष्रि. चेष्य अ.हिर्म अ.हिट . प्रह्मे श्रम त.हिर्म । पर्यू च .पर्यू च .पर्या किरात्तरु द्विर । रि.ला. में शातर द्विय तरा स्री है.ला. के ता त्ता राज ते ता त की रा । ये थे. র্মার্মমান্ত্রীমান্ত্রামানমা ব্লিদান্ত্রে চেক্কিনান্তর বিত্রি বিধানাম্বনমা च्रियात्त्र क्रियास्त्र क्रियास्त्र स्त्रिया क्रियास्त्र स्त्रिया क्रियास्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स त्रत्येवाक्ष्रिममार्चेषाम् मार्चियाम् । मार्च्यामार्चेषमार्भेष्ठाः वित्राची क्षमायेन स्वापासे प्रमायविवा हैस्ममा सुन सेंदास यो नाम सेंदा परि ही र है। रद वम्यायम। मिटक्वासेसमान्यसम्बन्धाः यस्याम् निर्मास्यानुः स्वीताः लूटमासीट्रेयात्रासार्थात्रेयात्रामासार्थात्रात्राच्यात्रात्राच्यात्राच्यात्रात्राच्यात्रात्राच्यात्रात्रात्रा हेब उँ र प्रवेष प्र प्रवृह पा अव र्सेव हे हि सर्वे प्रवे पुर क्रुव सेस्र प्रवे है। वेषार्याणी सर्र्या पृष्टिब या पेटिषा सुन्वायमा वर्षे वा या वियाय र व्युर मी स्ट्रिया तृतियाधिवाते। विवासयाञ्चनायराश्चरायाकोत्यविञ्चिराते। श्चिवायायाकेनिवाया सर्ज्यानुः द्विवायायुवानुः त्वृतायान्तरायुवायायाः विवायायाः विवायायाः विवायायाः विवायायाः विवायायाः विवायायाः चमिरमा द्रमा द्वम्भूरमाण्यम्यद्यत्त्र्वाम्भूमम्यरा देवः न्यान्यर्यः मुक्र सिन्यते प्रमेना क्रेंसमानिका है । सुन्यु निमाया पर्ने न्यापि । पर्ने प्यापा `ठेन' द्युक' सेंद 'दादे 'दर्नेन' क्रिंस का ग्री' इस 'नावन' से 'द्ये द 'ठे क' ने रा व 'ठेन वय' त्युराविश्वुत्रास्त्राध्येत्राध्येत्राविश्वेषाङ्ग्रीस्राप्ता रहासुन्यास्त्रास्त्रास्त्रा

भूट. तपुर तपुर्वा क्रिंशका खेका तपुर हा क्षेट्र ही टी टिट तुर भुर जुर्वा कर ही लट क्रूट तया म वा बुवा राय कुर या वर्षे वा या खेया वर्ष खेर क्या या कु रहें स्राय पर वा रहा वा स्राय के स्राय है से स्राय है स जैमामर्थे ने ने मुर्मायायवा ने मुर्माया वर्मा में स्थाय से मास्य स व्रेन्ग्रीक्षायक्ष्मायाविषागुरायवेन्द्रनेषायविष्ठीम। गरिकायाप्यस्थायेषाकाने। वर्षेवा तर्दा इस्राचन्द्रमादिक्षगादिक्षगादिक्षगादिक्षगादिक्षगाद्वामान्त्रमा यवे द्विरा रट खुन्य हो। ह्यु केंद्र पार्नेट पु प्वत र्या द्वर केंद्र कु. ४ शरा जुष . सैच. ता जारा चिंदा मूचरा चुंचरा चुंचरा चुंचरा कु. ४ शरा जुष . सैच. तरा चुष . पदः क्रीं ब्रथः क्रें र 'वा अर्दे ब 'सुअ' र् 'अह्यायर 'म्विम 'पदे 'अह्याम्वम 'पो नेष' यायह्माङ्गा रदायम्यास्र प्रविष्ट्राचा इस्रायम् व्याप्ति । यार्क्षेम्रमायरायर्वायासुक्रेस्यायेक्यायदी क्रायायेक्यायायेक्यायायेक्यायाया तालकाचीयात्वातुम् हो । हे स्प्राचिकायाकार्यात्वातुम् स्वराम् विवासकार्या वर्ग्नन हुंस्सर सु से 'र्रेट हो वुक सेंट प्टान्ट वुक सेंट साधिक प्रवेश कें स्राया यर.लर.भ.लुष.तथ.सू.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.चीर.तप.वीर्त् । स्थेतथ.उर्दुत्र.चेत्र.प्रचायेषा. तथात्र्य्याताह्यात्रार्व्यात्रा विषात्रवात्र्य्यायात्रात्रा द्वान् अत्रिक्षायात्रे त्वृ्यात्रायद्वात्वीर्ष्टा विषात्वात्व्याव्याव्यक्षाश्चात्राद्वात्वात्वा यां वे प्युत्या उव रव में नायि हैं ब्राया पहुना दिना कुन प्राप्त प्र प्राप्त प पविन हेर लिन प्रमार्थी। इस्मार्था महिराया मुपा है। हे स्मार विराय के मिरापान वेषःश्रेन्षांग्रेषाय्राम् प्राप्तेन् प्राप्तेन् प्राप्तेन् प्राप्तेन् प्राप्तेन् प्राप्तेन् प्राप्तेन् प्राप्त

चलेक दी। ह्विक स्मामान्य देवेक दिन्दी स्वाय समामानेक दिन दिन प्रायहेक ववृत्नी ने विक केन ने याये ने या स्वाया स इन्यायमा नस्मायिन नस्मायिन नस्मायिन निमायिन निमायि निमायिन निमायि श्रे नेष में र विराद मायर माय कुषा निषर र र से न से न से र पर देवा है त स्यदी । दिश्चन्यानुः सेदायमानु दास्य स्वाप्य स गुर्हेर् यायमण्यूमा र्यम्बा स्वाप्त स्व डिप्पट क्री क्रांचेंट प्राप्तिव रुप्तार प्रदेश में र खुट प्रका ह्वीव पर्पेटक सुपार्नेट प्रदेश विट.क्वाश्रेमधान्तराक्षाचरावृत्। ।रवाववृत्रावदीःक्षाक्षे। द्यराष्ट्रा ब्रमायट्या *৾ঀ*৾ঀ৾৾৻য়৾৾৻ঀ৴৻য়য়৻য়ঀ৾৾৻ৢঢ়৻ড়য়৻য়৻য়য়য়৻য়য়য়য়৻য়য়ৢ৾য়য়য়ঢ়ঢ়ঢ়য়য়ঢ়ঢ়৻য়ঢ়৾৻ चित्र नु 'ग्राट 'न्रेटिंश चेर 'स्राञ्चट 'चर्मा ह्वेत 'या प्येट सा सु 'ग्रीन 'न्रेट 'चर 'सु दा से सरा र्यरःक्षापरःचुर्व विश्वान्युर्शयाद्देःक्षापायविश्वी सिन्हन्यशान्युस्यायानुपः हैं। दे हिस् र दे प्येशक्रेश वयक्रिंश हैं ग्राया विशय वशा दे वे देव दु ग्राहेर यसायसायदीसाहरूपार मुक्षा विषायदीयर मुक्षा हेरायमुरामी दे विष् चन्द्रप्रदेश्विष्ट्रिंद्रप्रदेश देशेद्रदेश्यमायम् विद्रास्त्रीय विद्रास् मी'ने'केन'नर्देश'वळन'यवे'धेम। नट'र्यवे'वर्ध्वभन्ने'हे'सून'यवन्यवे'ळे'य'ने'नट' द्यापित हे ब प्युट्यो ने विव के दिन हे नियापित नियापित है वा प्राप्त है व वयातकन्याधिवावे ने सार्चेवाची खेटार्चेवाची स्थानेवाचित्रा र्ये मुन्यो पुराया पहेन नमायकर केषा हैन पाया है दूर दे धेषा नेषा में ग्रा निर्मा देन। वसन्यायाः स्वाचित्राचे निर्मा के स्वाचित्राचे निर्मा के स्वाचित्राच्या स्वाचित्राच्या स्वाचित्राच्या

हेमायाहे सूराधिन के मा युरायमा नेमाना यरामनेममायमा द्वे र्धुममाहे र्वः पुष्पुः दुने । । द्वोः र्श्वेटः द्वयः स्वतः क्रेटः यावाषः या । देः श्वेटः याः विषायर्वेदः यः हैं भ्येन्द्रम्भेन्यवे द्विष्यविष्य । । स्थि होषायविष्य हेष्ने न् । । ह्वि सेन् वर्ग्वेर्य । विषामध्रम्य। देःस्रमःयुरः यस्रवः यर्वे व्याम्यः सुनःयदे हो। मार्थमः दिन न्याया वया यन न्या द्विताया वया यन्याया वया यन्याया विष्या चित्रा विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया वस्रयः उर्णेयः सर्वेदः द्वार्यायः विषान्यः यारे छिरः क्षेत्रः स्वेतः यायेव यायेव हो। क्षेत्रः क्रेव यथ। गर्बेव व रदे र सुरव यथ यद र व र र्य प्व र मु र्येव य व र सु र व र स् चि.चतु.रेगु.झूट.रे.वींर.वेश.रेतु.चक्षेष.ता.कीश.तर.चीश.धे। श्रवर.रंच.थे.रेट.चतु. र्दर् छेषान्च प्रदेश्विद रुप्पे वेषायन्च द्वानम् वर्षाद्वर् छेषान्च प्रदेशक्या वर्षा वर्षाः गर्यस्य। यहस्रान्ययास्यकृत्यस्याम्। यस्त्रान्यदेन्सान्या सळ्तानेः र्रायद्राया वीद्वायकुपत्वाषायरप्रवर्दी सिर्वेकेवेस्सर्यका वीस **'** चुं मविंत्र तुः यहे माहेत्र घस्र अठन 'ग्री सास्त्रें हिंदा प्राप्त प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत चक्चित्रञ्चायाः ह्रेंब्याये अळवायळ टायवे प्रमे ह्रिंट पुर्वा राष्ट्रेव या कुषायर चुरावर्षायिकुर्येव प्रदेर्वा दुर्वर वावर्षाय दे प्राप्त कार्य प्रत्य वावर वावर्षाय वावर्षाय वावर्षाय विदे यर र्ह्मेन द्रिन यदे यदे यदे यदे त्यु र प्रमुक दु प्रमुक प्रमुक्त प्रमुक र्चिमायबेरारे। वास्तुःमिह्नास्त्रार्मितायाः मुन्तिमिह्नास्त्रायाः यहेब पर्दा | सर्चे के प्यथा निषे क्विं रे या पन्ते या पन पनि के रा ने सून चन्द्राच्या ह्राम्मस्रस्यस्यवायायमः ह्यूचास्री सुवाक्रिसः विवादिन विवा यः हेन्। यस् कुर् तुन्यस् सुन्य प्राप्त । युर् न्या सुर प्राप्त कुर सुन्य सुन्य ।

र्देन। हेन प्रद्युर नि ने विन के नि न प्राप्त प्राप्त है न्ह्र मु नि न प्राप्त के नि न नि वा चि. ट्रमायह्रमाया मृ.मू. मु. पूर्व दिमाययर मुंदाया के राम्यामा म्यायर्वाम्बरम्या मर्यायुः देःयाहेन्यत्वुराने देःविनिनिन्ति केरियम् हे क्ष्युं विवाय हु हा वे वा दे प्रकर्याया दे पारे पी हे शासु पर्वे परि पी का हता वर्त्वृत्। विश्वर्श्वम्थाम्तायात्रुवाम्बर्धाः देःक्षायुविःवित्वायुव्याद्वेत्वायु दे।विष्कुत्रिप्रविष्यप्राप्तिकुष्यप्रविष्यप्रविष्यप्रविष्यप्राप्तिकुष्यप्राप्ति वयकिरक्किवेर क्रियाताःशविद्यात्रात्रेः भ्रुप्तिद्यो विद्यार्श्यवाद्यान्यात्रात्वाद्यस्य साम्याद्यस्य यामुनाक्षे। देखिदादेणसावसूदास्रिकालेसायक्षा इसादिंदायां सेस्या यर.वर्केरा विषात्तव्रयर.क्रीम.क्रुम.क्री.यर्व.श्रर.क्रिमातर.रेटा ध्रुय.श्रूटमा क्रियः इसस्य सार्यस्य देवा स्त्राम्य विद्याया विद्याया ने सिन् स्त्र प्रायन स्त्रास्य सिवाया दर्भेर्भेर्भेष्ट्रम्भायराष्ट्र। विषायदेष्यराष्ट्रीषान्। वन्नानेपर्नाकेर्भुषाया ५८.पर्वा.भूर.पर्रे.धु.प.इस.चूल.हुरा विकातायका रे.रेवा.रे.सर.रपा न्यञ्चनमा वेषायवे प्रमञ्जीषा हिंदा हो । यो प्रचार स्वापाये निया प्रचार हो मा ८८.मूचि.ही ट्रेंथेट.ट्रे.जमावचित्राचेत्रम्भा ट्रेस्य विश्वास्याम् र्याम्मायाः विष्यामुन्यान्त्रे । स्वाप्तान्त्रे । स्वाप्त द्यायक्यायवम देवेदे यथायव्हर वार्यवात्त्र प्रवादायर योदा संविधा त्रम्भ। भ्रत्यत्रत्यत्रेर्त्यत्रेर्त्वाः संविषाः स्रिन्यः स्राधे महिष्यः प्रति । विष्यः परि य र क्रिषाः ने छेन कुषायर 'वळन्। वार वी श्वेर वायन्वा 'नर वाववा 'नर विषया। 'यथ 'श्वे 'नर प वेषायाम्नरायामहेषाग्रीषास्रवरायवे यषाक्षे यायमानायषान्ययान्यरे देवायन्या भूचमालुष्ट्रात्राह्येत्र। २८.तृतुत्रात्रह्यमालाजी८.जमाचीरमाक्ष्रेतायु। ४८.ठच्चेता. यमा ने यक्ति इसमा शी पर निष्य पर है से पर है ने जिर्लाम् है। है से रें तस्त्रीमा मान्ये तालमा की कियान्तर में मानि हिंद चिरक्ताक्षेत्रकार्यते कार्यायायाय द्वाक्षेत्रे केवा स्वरास्त्रेताय द्वाकी । यसु न्दिक्ष के के प्रमासकार के किया में के किया में के किया में किया म क्रिंशवसम्बद्धाः स्वतः वित्रास्य स्वतः स्व रमा अञ्चेषयारमा रवेषयारमा गर्रेरास्रास्रस्य स्थायर र्गायरमा ह्येष यं सेर्यं प्राप्ता व्राप्ता सेर्यं प्राप्ता केरा घर्षराष्ट्र क्षुं साक्षातु प्रता के व्यय प्रता के विषय के प्रता विषय के विषय ५८। वर्षित्रक्ष्यः १८। व्यापाक्षः तुरास्रक्षयाः छे ५ ५८। के बार्षा छ ५ इर्हेशर्ये इर्हेशर्ये के इया पा किया सुरक्षेत्र प्यम् अवस्था के देश के स्था के स्था के स्था के स्था के स्था के स वसराक्ष्रे, में प्रतायविष्टे, स्रिम् प्रताये हुं विष्टा हरा सी सिविष्टे तातु ता वृत्ते युर्वे विभाषायमुप्यते युराविरमासुष्य महिन्दे मसुरमा देषारा हेषाया से प्यर अष्ठअप्यक्षेत्रप्यक्षकत्त्वत्त्वत्ता च्चत्त्वत्त्त्त्तेत्रप्यक्षत्रयाः अष्ठभायाः वेत्रप्तिषः विष्याप्ता क्षुं अः क्षेत्रं युः सेवासः यतु संविषापत्ता निर्देशः ये प्रितः विषये स्थान हीं ज्योबन्यन्त्र स्वन्त्र स्वन्त्य स्वन्त्र स्वन्त्य स्

यदी-तान्न प्राप्त प्रविकान्त प्राप्त प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त प्राप्त

ग्रुट:र्स्रेन् कन्यावस्य उत् यायट द्नायर द्रिय:र्येदे यद्ना केट क्षे. तुर के पर यक्षेत्र'य'सर्वेद्र'यर'त्व्यूर'हे। देवे द्वेर'दे 'द्वा'नी 'यसस्य पवे 'द्वद मीस'द्रेस' र्ये हुव यदे रे में वस्त्र उर्दे गाव हैय दुर्जे याविव विषय विषय मुद्रिय यायमान केमान्नमानि निर्माणके प्रमानि । या स्मानि । या समानि । वी'चुब'र्सेट'स'प्पेब'पंदे'र्से्ट्र'युवाबागी'र्देबाबबानुपायर दिहेब'पंदे'र्सेच'पदेब'र इन हुन स्वार्थित हैं निर्देश स्थित तर्ह कार्य निर्माण स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थि बयरा हैनायाधेरायां इसायमरायमा स्नाळनमारे रनानीयमसायां र हेनायावित्रसाधिकाकीहेनास्रात्री सेमायायायाय हा है। देनिहमारी प्रात्याया स्रिन्यर्यविवाम् विषयास्रित्यायास्ररः ही निःस्रवदरम्पिः नुःनेषान्नेयरम्बनः तासहर विभानतु सहर तार्त् वे ह्वानावि व लिव है। ला वेषा हैर र्त्य प्वाना हा यरेव, वीयः ह्या शरी रेयर क्षा ता श्री केर यर यथर ता खे त्रकृ रेत्व क्षिया ही ती वा व र्रेन में मुक् सेर संभित्र परि हेन युग्या में हैं राष्ट्र स्वर्ण मुन्यर परि से परि हैं परि स इसराहेनायि नियानिकायत्वा उसासाधिक यस स्टानी मुक् सेट साधिक यदि हिन युग्राक्षान्ते में क्राय्य का हिंदाया देव द्याय देव या साधिव के। इसाय विद्याय दे द्वरात्र में वार्ष प्रति प्रति प्रति प्रति मानि का प्रति प्रति में प्रति प् र्यर.ब्रेश.यथचे.त्रु.क्र्र.जीचेश.श्रुर.चे.यथचेश.त.क्श.श्रुय.त्रुचे.त्रुचेश. वर्रे यां के विवाय मार्युं का या विवेश में प्राप्त विवाय में विवेश के विवेश

द्रवाक्तित्रक्षः विश्वाद्यः स्विश्वाद्यः श्रम् विश्वाद्यः विश्वादः विश्व

हेब परी । इस हें न प्येब लेब फेर राजी प्रचारी । केब पर हे न हें न प्याप पार न न याउँ अर् प्यम् उँ है । यही यक् या यश्राम् । है नाया अर् यस परें रिक्ष न्या था। र्शेन्रायार्थेर् हेर्पेर् सेन्ता । यह र्नार्रेन्र रमहेन्य नेश्वा । व्रेर्ट् सुंविनायहें वा विसन्तस्य विदा देवे य मेवायायसाम्या हेनाया से नाया से नाया कि वर्षार्थेन यात्रेन प्रता हैनाया सेन यम र्थेन यात्रेन सेन याने प्राची मास्त्र साम्या तर विचात्र पर्कृष्ण भाषा यापन विचाय परि विचाय स्टर्म परि विचाय परि विचाय स्टर्म स्था स्था वेशवनात्यायाञ्च्यार्थाञ्चयायाते। हेनायशयरायहनम्भायार्थस्यास्यान्तिन्यवना वि. ४८. ट्रमान्यम् बैतारी भार्यीयात्राच्युचारी हे. त्रात्राच्युचारी त्रात्राच्यात्रम् वे. व्याप्त मुंची पर्यापन्नवार्यात्रसासान्त्रिन्नासार्यात्रसाम् विष्यायात्रमा देवः केंब प्रस्ट प्रायमा भिष्ठ प्राया में केंब प्रस्ता केंब प्रस्ति । से सेंब स्कूट सेंब प्रसाय सेंब । क्रा-वेशसाध्येव गाँव श्रव वा १८ व्यय नविव व क्रिय निया विव महीय प्रदेश विस्रय इ्वारे रे प्राप्ता र्केवियाया क्रेकिया प्राप्ता के वित्ता दे प्राप्ता के वित्ता के वित्ता वित्ता के वित्ता ये.श्ररे.प्रेटा श्रटाक्रश.मीश्रायचेवा.तपु.भीशायी.पर्ट्वा.तप्राचीशेटश.जी चीट.त्रची. ৾෫ঀ৾৽৸৾৻৽৴৸ৼয়য়ৣ৾৾য়৽৸৾ঀঀ৾ঀ৾৽য়৾য়৸ৼ৾৽ড়ৼ৽ঀ৾য়৽৸ৼ৾৾ঢ়ড়য়য়য়ড়৾৾ঽ৽ড়৻য়য়য়৾৽ড়ঢ়৽য়৽৻ঽ৽৸ৼ हिरारे वहें ब कु वर्धे प्राप्त हु प्रायम मुख्य वर्षा प्राष्ट्र में प्राप्त है में प्राप्त है में प्राप्त है व कुषे उत्रिर्यायमा भिष्ठीमातीयममार्चे वा उर्वे मात्रात्रीमा विष्टार्वा माले वाही क्ष'यर। १२'यत्वेष'विश्वश्राक्षेत्र'रे'रे'यर। १०५४'र्धेर'यर'५ग'रे५'र्'श्रेष्ठा विश रम्बोक्षर् अप्दर्भयायायहेन्नम्भयन्तिम्भयदे श्वेरन्ररम्भयम्बुययासः

लुष्ट्राच्या लिंद्राच्या विष्ट्राच्या विश्व विष्ट्राच्या विष्या विष्ट्राच्या विष्ट्राच्या विष्ट्राच्या विष्ट्राच्या विष्ट्राच्या विष्ट्राच्या विष्ट्राच्या विष्ट्राच्या विष्ट्राच्या विष्ट्राच श्रम्भाष्ट्रमा विष्यास्त्रियायम् विष्यम्भाष्ट्रमास्यायाः र्थेन। १ने द्विर क्षेट स्वयं क्षेन गुट स्वेन। १ व्हेंर न्दर व्यन् विषायन विहास वेषायवृह्ययाञ्चातुरा । वन्नायवेषानु केष्वया वु देशे । ने द्विरावस्य दुना न्यायेन प्रमुक्त प्रदेश । प्रदेश हेन नेन नेन नेन प्रमार्थन। । चेन नेन प्रमार्थन । र्द्यायर सेन्यान्या वाक्षुन्नु सेरार्द्या ग्रीकायत्वनायासानिन्निकारीय्यासीन् यर म्युरम् दे द्वर हैन प्रतित्वर नियानियानिया स्थाने या स्टास्ट मी मु हित वस्था कर त्वर त्यं के क्रिया र टार्ट्स की त्योया सहर सम्भागी सर स्था सर्था की सा पश्चित्रप्रद्रा वि.य.क्.र्रा श्च.यद्र.खयर्थाम्बर्भाग्वेश्वात्रव्यक्षायाय्यव्यक्षायीः ट्रमूट्यायायम्यायम् स्वातास्य स्वतास्य स्वातास्य स्वात्य स्वातास्य स्वातास्य स्वातास्य स्वातास्य स्वातास्य स्वातास्य र्यतः निमः निमः प्रविषा संभाभाषी कर्यते स्पेन स्परः यहे कर्यते हिं की के भाक्ष सम्भायने कर עדיקבין לָקיקאיעדיקבין שביקקיעדיקבין דביצאיקאיקבין דבי म् अक्ष्यं द्वेर ग्रीकार्लर त्रम त्रह्यं त्रा द्वेष मुक्षा सु द्वा देवा हिमा परि र पर मिका प्रविमा द्रभाभात्राक्षेत्राचाराक्षेत्राचारा है स्वापाद्यक्षेत्राच्या ने सिन् वित्राचित्राची स्वापाद्यक्षेत्राची स्वापाद्यक्षेत्र स्व इंस्वियं के क्रियं में हित्र देश के प्राप्त के किया में प्राप्त में प्राप्त के क्रियं में क्रियं मे यमा क्रेम्प्युःक्ष्माचेत्रःक्ष्युःहिनायमायहनम्भास्यासाधित्यविःधिन्यमाविद्या यट वयायी प्रद्या प्रदेश प्रदा है अपतु दे दे अया दू अव अप या दे व्हार प्रदेश पार्केश

ग्री पर्यातह्रम् त्राम्य प्रम्य प्रम् यायन् गान्ते भाग्ना प्रति गान्ति मान्ति भाग्नी स्थान मान्य प्रति स्थानि स्थान मान्य स्थान र्रायिक में। दे सेद य के यदमा सेद यदि। दे यह के सद मह वम में दिहे यस्त्रस्यायान्त्रिसासुर्हेनासाह। क्रियाग्चीयद्वासेद्रायाद्वा नदावनानायद्वा भ्रेर.त.खेंबाचेत्र्। विषाचारीत्वातारेता चर्चाभ्रेर. वर्ते हे वर्षे प्रक्रम के वर्षे मा कि बार्ट मार अनार हे प्रवास समानिक मार्थ रहा। ৾ঀয়[৻]য়ৢ৴য়ৢঀয়৻৴য়য়৸য়ৢ৾ঽ৽৾য়ৢয়য়য়৻য়ৢ৾৽য়ৼ৽য়ৢঀ৾৽৾য়য়য়৻ঽয়ৢৼৢ इन क्रेम महिमासु र्येन केट ने प्रतिक नु किमाग्री प्रम्मा प्रदेन या प्यट महिमासु नि गुब यह गुषायाय प्राप्त वा यह ब र गुषाय थे और जी बा यह वा या यह ब ब ब वा यह वा वह्रमःस्रम्भिम्म। पर्गावह्रमःस्रमःभ्रमःभिमःतम्मियःसम्पर्नरःम्भिःभागमः यम्भी द्रास्त्रीया की सिर वि किंदा प्रति प ब्रिमा द्राया के अन्तर के अन्तर के मान्य के मान्य के मान्य के अन्तर मान्य के अन्त यदेव मुयामी क्याय रुव प्येव है। क्षेत्र के रूट रि मेथा यथा हर रि के यथा पेर यः संधितः पदि पदि न पितः दि द्वारा पदि । प तर वृष्ट्री वृष्यम्बर्धरम्य पर्टा इत्यायर वर्षेत्राचर मुस्या युःह्री वर्षेयायम् नेयायहेषाः स्विष्यायाः ह्रायां के मान्याने हार्युवे क्रायर विवाधारा विवार परिवाहित क्रायर विवास र परिवाहित इन क्रेमायाद्वा इसायवे क्रेमायवे क्रेम्प्र क्षेमाय क्षेमाय क्षेमाय क्षेमाय क्षेमाय क्षेमाय क्षेमाय क्षेमाय क्ष धायमायद्देवायदे यद्देवा सास्त्र स्त्रुवा स्त्रुवा की प्राप्त कि प्राप्त की प् धियित सेना सुर्भेन मास्य धित है। दे धित ता यहिना सुर्दा के मारी यदिना यहित मृद्धिमार्श्वायम्य विश्व मार्थि मार्थ र्भेग्रायान्भ्रेग्रायात्रयात्रम् विष्ठात्र्वे क्षेत्राणीयान्यात्रात्रम् यहेत्रायदे प्रतापित्र विष्ठ ८'धे'पर'वहेंब'पवे'वहेग'क्षुक्षक्षेत्रभागट'वग'वी'पर्ग'वहेंब'स'धेब'पर'प्यन्। श्चेष्यव्यत्ते। राधिष्याम् वयासाधिन गुरायद्देषाः स्ट्रिन स्टर्मासस्त्रेन श्चेरा म्यायमार प्रमुच प्राये प्रमुच स्थापे स्थापित स्थापित स्थापित प्रमुच प्राये प्रमुच स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप लब्रायदे द्विम् । साम्विम्बा पुस्रायाम्मानी सक्षवि द्विमानीयायमा दिहेव यदि । यह्मान्स्रावमान्नरमायान्नेमायाम् सम्यान्निमान्नमायान्नमायान् यही र.ल.चतुः सक्ष्यं चित्रः सुना संस्थान र.ल.चर तर्रेट् र में सारा चित्र ग्रीस र्भे दिन् राद्रामा प्रमाणिकाराधिकाराधिकाराविकायिवादिकाविकातिकाराधिका कः महाविषायमा वहेके वहना ने वे क्रिका हाम विषय । क्रिका विषय विषय विषय । क्रिका विषय विषय विषय विषय । क्रिका व परि द्रिभार्यिते इसायासायुषायायासर्दि यमाने स्पना विद्यापित हिना सादि मा

८.ल.चतु.भक्ष्ये.चेषु.भूची संज्ञान्त्राचा त्याता.लू.चु. वः क्रेंब्रिक्रेन्द्री देवे व्यहेनाः सन्त्रेना स्रार्थेन स्रार्थेन स्राप्तेन स्रापतेन स्राप्तेन स्राप्तेन स्राप्तेन स्राप्तेन स्राप्तेन स्राप्तेन यथायनेवायराम्बियरावेवायरे नेवाद्यां मुद्रायरे स्थिता मेरि पुर्दे स्नित्यवर य: इसका ग्रीकार प्यापादे प्रकृत के का प्रतापाद वा पादिका विकास स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स लट.श.ल्येन.त्रं नेत्रांस् । ने क्षेत्रं ये प्रेण क्षेत्रं वेषा व्यवस्य विद्या अर्घरक्रिन केन से सम्भार्यात्र प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । स्वापि प्रति प्रति प्रति । स्वापि प्रति प त्तृ व्ययावित्राचित्राचित्राचित्राचित्राच्या हित्तिव क्षेत्र क्षेत्र हित्तिव क्षेत्र स्त्र वित्र क्षेत्र वित्र यंक्षेत्रहें त्रेवर्ये केंद्रेर्त्वेद्र प्रविद्याय र बुद्या किया दे प्यट याद वा यी यत्या पुरदेव ततुःस्र द्रवातार्टा क्रूमाग्री त्वर्वात्तुं स्र द्वायते साद्रास्त्र वायाः स्र क्रितः ग्रीकायस्य तास्रमात्रीमात्रिरावदास्यानेदान्त्री ह्रिट्खेरावर्षे में त्रात्मा क्रिंट्रके चीर्या । दे.जयात्तय.जचा.चर्चे.च्येथ्य.उर्चेटा । विद्याउर्चेटाच्या.च्या.जा या द्रवायाने र्ह्नवायायाने विशेषाण्चेषाय बुदायाक्षराण्चे यादवा स्नेत्राया स्वाप्त विशेषा याधिकायिवाधिकाति। देविदायका स्मान्यासिंदाधिकादिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्द्धिकार्यकार्यकार्धिकार्धिकार्धिकार्धिकार्यकार्धिकारित्तिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारितिकारि चेमामान्यामान्याच्या । देवे मान्याप्यापमान्या । देवे मान्यापम् मुद्रेश्वरवाचा विषर्दाता क्रिंश्चित्र्याय हूरिया व्यवा वर्षा प्रत्या विषर त्रे : प्रतिब से प्राप्ति । विषाप्ता प्रविष्यक्त प्राप्य प्राप्ता युवायाप्त्र ग

ने प्रविष्ठ नु न्रमाप्ठय मान्रम मासुमाया प्यतः ह्व र प्यतः प्यतः प्रवि र नि र र वर्षेवातामा वभातान्वभाष्ठीत्व्ये विषरात्रात्वभाष्ठीत्व्रे हे मे विषय वेषानु नवे क्षु वन्य प्यम्ने क्षुवे क्ष्याम्य किष्ठे म् मे किष्य प्याप्य हिन चुपप्रते अवयप्रम् द्रि। । मर द्रमामी स्वापहेन प्रते स्वाने स्वापहेन स्वापहेन वर्हेन्यरी ।नेश्व भ्री न्द्रवानी न्द्रिश में इस्राही खुवान्दर् श्रान्द मुवायवे भवतायम्यापरायन्मायमाञ्चेराञ्चन्यासाधिकक्षी विशयन्त्रः ह्वरायराचित्। वेषर्रा नेपवेष्र्र्र्व्यावरुवयाम्बुर्यायण्या हुरावरात्र्वे विषाम्बुर्या देः यदः युवाकुः द्वदः वीषायुवादवादः विवा दुः व्यूदः ग्यूष्ठाः श्रेष्ठः वाद्वा दुषायीः द्वदः वेषायषायर्गेषायान्तुः सायवे गुवासववे न्वर ग्रीषा सी कुष्पर । न्रेरेषा सुप्तवे । चैतःभवतुःरेयरः मुभः भ्रेतभः श्रेभःताचीतःभवतः चरः भरः प्रेभःतभः तम् वात्रभा र्ट्याञ्चर्त्रः युवायाया भ्रेष्ट्रेष्य महिष्य महिष्य विश्व विद्राम्य प्र ৾ঀৢ৾*ॱ*য়৽ঀ৾ৡ৾য়৽ঀৢ৾য়৽ঀয়ঢ়ঽঽ৽ঀৼ৸৾৾৾৾৾৾ৼয়৽ঀ৾ৡয়৽ঀৢয়৽ৼঀয়৽ঀৼৄয়৽৸ৼ৽ঀৢয়৽য়য়৸ धु वर में र्रे रंप इसम केंग रुवा रर प्रविव में मारी हो हो। सह र प्रविव मर न्द्रायम्भः भ्रेष्ट्रिम् विषयमान्द्रिमः निष्ट्रियम्भूषः नुर्भेष्ट्रिम्यस्थात्वनः ने। निद्रा मरयायिके स्वित्रमार्ट्स स्वित्रमाया सम्बद्धाय स्त्री स्वाप्त स्वित्त स्वित्त स्वित्त स्वित्त स्वित्त स्वत्त स्व चब्रेब क्रिक से क्रिया स्वावाय व्याप्य स्वीय प्रति स्वीय प्रति स्वावित क्षित स्वीय प्रति स्वावित स्वीय वर्दरामाध्यम् विषानु पावर्दे। धेर्पाय क्षेत्र भी सूच ने द्वारा प्रमासी पार्टिया

क्चै : वें प्याप्त के का के विकास में कि की कार की कार की कार है। विकास में ५ मान्यत्यायति से देशक्षायुष्य हेन् वया देशकाययाय सुवायते स्रीतायम् । दे क्षेर'रे'यम'द्युट'स्रेम'म्बम'र्ग'यम'ङ्ग'म्याबेग ।म्किम'गा'यम'ग्राट'स'यम कुं सेर्यम ने माया थेरि। विर्मायम सम्मिन विमान्य परि देन मार भिन्या रे नि रें केर रें प्यमाय शुर स्रोम निमा श्वापा प्याप्त में। रे प्यनिम रु ः इस्मा साया प्यर हु साय र चुर्त्। विभागस्त्रा ५६ भार्यास्यवरावि यभास्री मुन्दे वसूव चुने दे नगगा चु यर्द राष्ट्री से दार द्वावाया भेद है। के वा वा बया वा बहे वा हे दा दे वा है क्षेत्रञ्च र्योत्या विस्रमञ्चत्रेत्रम्भेत्रचे यात्रेम्यात्रेम्यात्रम् यमान्यान स्वानायाय वित्याय स्वित्याय स्वित्याय स्वित्याय स्वानी स प्रविक सेन प्रिये देव प्रविक की विकान है। है सासुन्य मायान माने मानक की निका चरुवःचःवर्षेषायःस्थाम्भःवन्यायःस्व स्थितःस्व । वेशः स्टः चवेषः म्थितः यर'न्रअ'यरुष'य'दर्मेन्य'य'र्छ्य'न् 'बन्'ग्री ने'यशम्बन्धे ही'ब्रुयपर'न्युर्ष्यय ५८१ ने प्रविक पुर्विर्च रुवा पर्ने स्वेन प्याप्त प्याप्त प्राप्त प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप तर्यम्येषात्रात्रा भूरातराययेषात्रात्र्यूयाः ही भवताय्येषात्रात्रायाः न्तुःस्वेःवस्यः क्ष्र्न्यः वर्षेत् । वेश्यश्याः मृतः क्षेत्रः वर्षेत् । वेश्यश्याः मृतः क्षेत्रः वर्षेत् । वेश्यशः गुतः क्षेत् । वेश्यशः गुतः कष्ठः । विश्वशः विश्वशः विश्वशः विश्वशः । विश्वशः विश्वशः विश्वशः विश्वशः विश्वशः विश्वशः । विश्वशः विश्वशः विश्वशः विश्वशः विश्वशः विश्वशः । विश्वशः र्वे भ

र्त्ता न्यायापिक्षण्याः द्वात्त्रम्यायापिक्षण्याः द्वात्त्रम्यायापिक्षण्याः द्वात्त्रम्यायापिक्षण्याप्त्रम्यायापिक्षण्याप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायापत्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायापत्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायापत्रम्यायाप्त्रम्यायापत्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्यम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्याप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्याप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यापत्याप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्त्रम्यायाप्याप्त्रम्यायाप्यस्यम्याया

पठ्ठच.केज.स्वमानेटा चमानुष्यासे प्राप्त क्षेत्रात्म क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प

यदः ह्रायालय यह या हो मा विषास्य मा विषास्य

वर्मुयात्तर्दा याताहे के भर्तिय र भ्रिया है वियाय की र भी विषय प्रमा है विवार्यिन या साधिव की विवायिय या मी वा की सामित्र या मी वा विवायिय में विवाय में विवायिय में विवाय में विवायिय में विवाय में व धेवयिष्ट्विम नम्प्रें मुप्ते ने वी वेषयावषा ने किन नम्बे प्रदेश हेवन् लर. र्यमारा माले में विमायत्य प्रमाण वर्षे वाया सहर प्रवास प्रमा वर्षेनाः खुंयान्मा वन्नायमा क्षेप्य वर्षेन्य वर्य वर्षेन्य वर्षेन्य वर्षेन्य वर्षेन्य वर्षेन्य वर्षेन्य वर्य वर्य वर्षेन्य वर्य वर्येन वर्य वर्येन वर्ये वर्ये वर्ये वर्ये वर्येन वर्ये वरमेन वर्ये विषर्भेगषःक्वैंगाःगञ्जानीषास्यानेषणस्यानेषणस्यानेषणस्यानेष्ठेन्त्रवानिष्ठाः क्ष्यानह्रम्यते श्विम नम्यानुन हो ने मे ने मानमा ने प्यमान नुम्यून वर्गुर दे श्वेर वर्द ने विषय के ज्ञान विषय विषय के प्रति के दे विषय के दे विषय के त त्रु.चीयःश्रघतःश्रोषयःमीशःयर्याःभीःयरूरिःत्रुःतीयशःतम्याःतःरिः। यरःस्रिरः क्रि. खेच वे त्राप्त में द्राप्त प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प श्चे मुवासवर्षार्वे सावश्चे रावदे वाक्षरातृ व्यार सेराया राष्ट्री राष्ट्री रावदेशवाक्षरातृ वा यमाय्युटाबेमार्यातृ वहनामायायदी विषासेन्यानादी विषासेन्यानादी विषासेन्यानादी याम्बर्भागी देवावस्थावस्य वस्वायति स्थित। तत्त्रीति स्थ्याचे ग्रात्मा रुवावरे दे किरादे त्यमाय वृत्तां भ्रमाने मार्थी यह निष्ठी विषय के स्वीता कि स्वीता विषय के स्वीता का विष् ॻॖऀॱॸॖॣॺॱॺॖॱਸ਼ॸॕक़ॱय़ॸॱऄॱॺऻॺख़ॱय़॔ढ़ख़ॕख़ॱॻॖऀॺॱऄ॔ॸॱय़ढ़॓ॱॹॖॱॹॖॱख़ॖॱज़ॖॱख़ॱय़ॕक़ॱख़ॺॱॿॗऀॱॿऀॸॱ। गुवाह्री कुर्षासुरसेदायदेर्द्रसार्याङ्कीयास्त्रावहर्ष्ट्रमा कुर्षासुरम्भवायदेर वन्यानुः क्षे प्राप्य की विषाने मा वदी वर्षे नाया क्षेत्र दिव NEN.केश.पश्चेंट्रश्चीश टेंट्रश.त्रीश टेंट्रश.त्री. केश.प्रचें. त्रा.की.

क्कें पर्देन सेन परितर्भ दिया निवासी से कार्य से कार्य से कार्य कार्य के से कार्य कार्य के से कार्य के से कार्य र्ने । के हे पेंन् गुर हे के के का पर के हे नर के त्यूर में । विषामसुरस परे यार्श्चिमार्नेष येनकार्स्कारित राष्ट्रिमार्श्चिकार्स्चिमार्स्चार्मिकार्या विकास विका वर्ते वाया किया वीषा दे के देवा षाया साधिक हो। वा तक किया षा पर दिन साय हिन यदःक्रमाध्यम्पदःस्त्रमा स्नयमाधःर्मेन यमायक्ष्मियमम्भवस्य देवः श्चे प्रत्वर्षात्रुन्द्रप्रक्षायात्रेन्दुर्व्यक्ष्यप्रता श्चे प्राध्वापार्येन्यराव्यूरः यदुःस्विरः वीयःतदुः स्रघ्यः ८८ द्यायायर द्युरः र्ह्या विषाः स्वितः स्वा विषाः मार्थितः स्वा र्देवाची येन्यान्यान्वाराचेदावाची प्रदेशाची समयान्यान्यान्या स्रीपारी विषा यः से देन्य के विषयः के नायदेश दिसारी इससायद्वा क्षेष्ठे साधि स्पर ह्यू यायदे । द्रम्यायर प्रमाप्ता अध्वाप्ते यापर प्रमास प्रमाप्त हिन प्राये हिन प्रमापत स्माप्त स्माप्त स्माप्त स्माप्त स्माप रुष्रचिषायन्नायमाञ्चीत्रात्री विषायतः देष्यामाञ्चीतः त्रास्यास्यामा बिक्रयरि रत्न्यानु प्वन्या याया क्षेत्र मा युव बिक्र प्व स्वर् प्राप्त रहेन यम् १८१ र कुरे १५ मा सु स्मार्थ स्मार् तुःदेरः वयायाययेक् का क्षेष्ठः वक्षका विष्या विषयः

म्राम्याहे द्वार प्रिन्द र त्योव क्रिमा विकाय क्रिमा विकाय करा ने निहिंगा मृ.क्षरायर्वाञ्चे.श्र.लुबे.तर्ज्ञेय.त्यु.स्वोश.लट.र्वा.पे.पक्षेथ.तर.घजा उर्देश. दे ख्रुवार्गीक्षणस्य प्रवादिता अध्वादियास्य प्रवाद्य के क्षेप्य देवा स्वाद्य के स्वाद मुगासे ५ 'दे 'दे सूच 'ग्री 'ह गरा पर ५ ग 'तु साय हुन। यद ग 'ही 'पेंद 'न 'ही 'य देन से द ८८. में वे. श्री प्राप्त हे में विश्वास्त्र के स्वास स विषा चर्रायाञ्चा क्षेत्रादेरावया चर्गाक्षेत्राये त्राक्षेत्रावर्षेत्राक्षेत्रादेवाके न धेव परि विताम के नावित होता नुष्ठा स्थान वितासित स्थान स्था यर्वाक्षुंक्षाधेक्यरळ्र्क्षणायुप्यदेखार व्यव्यक्षित्रदेखेर। देख्र प्या इ.जेद.क्ष.तत्तर.तत्रा ट्रेंब.८८.विच.श्रट.क्ष.श्रव.ता परच.क्षे.त्र.ट्रेब. र्नेषायि भ्रिम्भे । देशकार्नेन में क्षानिय क्ष वर्देन का नर्देश से इससायन मायस है। या सेना देश विकास वे नर्देश है के ही। निकास वे नर्देश है के ही। यरुवःवर्ज्ज्ञिनःयरः वया वर्देनःयानार विनासस्ट्रिसायवे स्विता वर्देन हो हो या ৾ঽ৾ঀ৾৾৻য়ঽয়৻৴ৼ৾৾৾য়৾ঀ৾৻য়ঽয়৻৴৻ৼৣয়য়য়৻য়ঽ৸ড়ৢ৾৻য়য়৻য়ৼ৻য়ঽ৴৻ঽয়৻য়য়৻য়ঀঀ৾ঀ पर्वः क्षेण्यातेषात्रः स्वायापारा न्याप्यात्रः स्वायापारा न्यापारा न्यापारा न्यापारा स्वायापारा स्वायापारा स्व यसेन्द्री विकार्सेन्वार्णी वर्षेयायि द्वीत्रायम न्वर्षायम ख्या वर्देन्य न्य विग यनगः क्रें भेरि ने विश्वाते ह्यु र से रहरा यनगः क्रें से न्यं भेरिया निर्देश र्ये इसमायर्गा तमा ही त्या हो विषायते विषायते विषायी हिनामा विष्या सामित

श्री साम्यात्य म्या में स्वाका सुर्या सुर्या स्वीका में ति साम्या सामित यमर्देशविन मी हमामर्मेन निमान निमान निमान निमान निमान निमान भर्ष्ट्रदश्यत्रु, हि.र.प्र्। डि.ज.स्चेश.चर्ड्ड्य.त.र्संप्र.चेप्र.श्रुट.तश्री चरेच.स्री.प्रश यर पठन रंभ भेन या प्रेंनिय देने के वि । यदे वि या के भागी स्वास प्रेंनिय सामिन हें वर्ष्ययम् विषयम् स्याञ्चर्याये भ्रियाची विषया स्वर्ता वर्ते निषया वर्षे का निर्वास मानिक विषय मिला है स चित्रयम् क्षुतयि विक्षुत् वृत्ति चित्र क्षेत्र त्रा सेन्द्र न्त्र न्त्र विक्षयि खुत्र क्षुत्र विक्षयि स्तर क्षित्र विक्षयि स्तर क्षुत्र विक्षयि स्तर क्षित्र क्षुत्र विक्षयि स्तर क्षित्र क्ष र्दायम्यायी विषाक्षेत्रः श्चांविदा वयाय गुराग्री र्वदार् गुराकाया । र्देषा ૾ૺૼૺૻૺૺૠ૱ઌૻઌ૽૽ઌ૽૽ઌ૽ૹૻ૽ૢૢૺઌ૽૱૽ૺૢૺ૽૽૽૽ૡૺઌ૽ૹ૽૽ઌ૽૽૽ૢ૿ઌ૽૽ૼઌ૽ૺૡ૱ઌ૽ૹ૾૽ઌ૱ૢૺ૽ૺ૽ૢ૽ૢૺૺૺૺ यर्देब्रसेदर्घाष्ट्रा रहासूवर्ष्वर्ष्वर्षासुराष्ट्राच्या स्टर्म् व्याम्भेर र् विषा र र कुँदे र् भ सु युव बेर पदे ख्विर विषापदे विषापदे सुर विष्ठ यक्षेत्र, त्रम्या पर्दम्, यादश, क्ष्यं, श्रीश, यादश्य, श्रीतिश, यादश्य, स्वतः विष्यः विषयः विषय अर्घेब्यिरिक्षेत्र। वर्देद्वर्येद्र। क्विनावदेशः क्षेत्राचेब्यः प्रक्षाद्रमः मुन्नावक्याद्रदेशः र्चे इस्रयायन्ना ययात्री हु। यर हुन्यये दिन्य यया यर्ने न यानार विन वयाय सुरानिहरू में प्रति । यहिन विकास विन प्रति सुरा वहिन ब्रायुः ब्रुपःग्रीः गुपायवायः प्रदायायायः स्ट्रायाविषः क्री विषाचे स्राया स्रीतः स्रीत ঀয়৽ৼয়৾য়ৢয়ৼয়য়৽য়ৢয়ঀয়৽ড়৾৾ঀ৽য়৾য়৾ড়ঀ৽ড়য়৽য়৾য়৽য়ৢৼঀ यतः हेषाय यहा । वा रेवा वेषप्यतेर्देनपळ्दप्यम् नर्देषप्यम्भवषावेषार्भेगषाग्रीप्रमेयार्क्रमानीस्नवषावदेर।

रट.कैंट.की.बोधब.क्रुबाब.की.टेवट.टी.विश्वब्यात्वटवा.की.उसूबा.बाशा चलाटकीर. मुः दयर दुः चुरुष दर्भायदमा स्कुः वर्षेम दर देः स्वरुष र स्कुदः मुः द्रेयः हम्मरुः भायर्ह् रात्रभाष्ट्रीतवर् ता द्वीस्त्रभा द्वीयाचेर् भारत्रेष्रभारतेष्वतात्वीर विभार वर्गेना क्षेत्र प्रथम वर्षेत्र प्रथम वर्षेन प्रथम दे द्वित्र में प्रवेश के स्थाप वर्षेत्र प्रथम वर्षेन प्रथम वर्मेन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्येन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्येन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्षेन प्रथम वर्येन प्रथम क्रिंगरुवा स्रम्पर है। यदिवासे प्रमानिक स्वाप्त क्षेत्र हैन। विषायिः वयाय्युरम्भियार्ज्ञिगार्देव मावव भ्रिष्ठायिव प्रस्ताया मान्याया प्रवास्तर स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्तर वनवाया वेनम् द्वाम् वयावण्य राम् रामिक वर्षा विकास मिन्न विकास वित भ्रि.य.भ्रटे.ट्री प्रमास्त्रीयमात्री.यम्या.क्ष्यी.यट्रेट्र.श्रीयमासी.यत्तरमानामार्थीयमा वेशे क्रमाम्मयायमा वयानरायम् रापाने मार्यादे वर्षात्राया क्षेर् प्रमेयाम्। विक्रिकम्बे साधिब है। स्रायार्स प्रकरपासेर प्रवेश्विम विषा শ্বস্থান দ্বীন্ত্ৰ নহমান্দ্ৰ বাত্ৰ সাধান্ত্ৰ স্থান্ত কাৰ্য কৰি দ্বী কাৰ্য কৰি নামা महिम्या मिर्चित्त्वास्याप्यस्यावस्यायेष्यस्य मस्यस्य स्याप्यवेषास्रेत्त्र्त्यस्य विसा बेरा क्षेप्यन्तरने येग्रयः स्वरंश्वेषा ने न्यां में हुं या ने का क्षेर्यं के न्यां के न्यां के स्वरं यदे यहें द्या या श्वर प्या की देव प्या प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त भ्रियायान्वीयायासेन् केयायदि क्विनावीट दिनावित्रया सर्देराय स्वतः क्वियाय सन्तः न्वेरिशन्वेशयायाने अन्वेरिशयवे हिरान्। क्षेत्रान्यवाक्षे सुराने वान यन्तिम्ययम् अर्थेन्यवे द्विम न्नयं मुवाक्षे वेषामयक्षेत्रसम् न्नेषाया इस्रयायन्वायमाञ्चेत्राभेन्ते। वेसार्स्यम्याद्रम्यान्यम्या [૿] કેન્-નુ-પ્રેન્-યાત્રુઅશવ્યાપ્યત્મ ક્રેક્કુ 'વાલેશ'ર્સેન્યશ્ચાન્દ્રન્સ'યાવા કૃૃ' અळॅब 'લેના'વનન

द्वासायते स्वास महिसाया वा ता से किया महिला महिला से निका से महिसा से महिसा से महिसा से महिसा से महिसा से महिस मुरायन्ना क्षु त्वेना प्रते व्यापम् रामित्र में निर्मा प्रमानिकार में य.श्रेर.द्री खेबाश्रुचेबाग्री.तम्बाबाक्ष्याची.सैयबासी.तसटबातप्रत्रस्थात्राच्याची. त्तुः क्षित्रः हे। दे सामाना न येना मास्न मी क्षुत्र या महमा मुमान हिमारी इस्रयाञ्चरायराञ्चे पार्टेकापरुषाद्रा व्यापरुषासुपरेट्राङ्गसायवे देवाषायाचित्र न्में बाराया ने मार्थाने त्यन् योग्बास्त्र यात् सुदायाम्बास्त्र स्था है । वर्ष्ट्रम् यायदेशन्त्रे खेन्यायास्म मुक्ताम् स्वराया स्वराय स्वराया स्वराय स्वराया स्वराया स्वराय स्वराया स्वराय स्वराय स्वराय स्वराया तत्तरमान्यन्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्यायमान्त्रमान्यमान्त्रमान्यम् र्यः क्षेत्रं अदे रवमेया केवा वी देता रकत्या दर्द अर्था सम्मायन वा यमा क्षेत्रं या अतः देः वेषःसेन्याग्रीयाञ्चेपादेवपठयाद्यनापठयाद्देयारीद्वययापदनाञ्चायाय्व तर ब्रैंच त्रु स्वायाय र चे प्रेंच के वा रेट्य हु अया वाव अया श्री पर उत्तर या यावराञ्चररान्वीराने। नर्देराया इसराञ्चे विरायन्वा यरा से हो विरायस्य त्तृः स्वायायया वीयायवुः द्विराहे। क्वेयायाय नवाक्वेया विष्याक्वेयाया स्वायाया क्र्यंक्ट्रात्रम् । विषात्रमा सवाक्रमः हूटा त्रुवा की मार्यात्रमा विषात्रमा विषात्रमा श्चार्यकाश्चरी वेषार्याः भ्रित्रायाचा रहेर्याः दिस्याः विषया विषया हिष्याः विषया यद्रा विश्वासुर्शयये मावद्रात्र मावद्रायश क्षेत्रे विश्वायये मादिर मादिर

तृ'पत्रुट'क्'के'र्केर'प'धेव'ते। स्'अ'प्रवा'श्चे'क्स'यर'पठर'ठंअ'यरापावव'य' यानन् मृत्विता क्षेत्राने न्द्राक्षेत्र न्द्राचर नेषा श्चानवे क्षेत्र। यत श्चित्र स्था मून'ग्री युर'यम'म्बम'म्बे'दर्। क्वे'न'र्देम'दर्। मुग'नरम'से'निदेरपदे गुरासवदार्दायम्यावेषायम्। यदीयाङ्गावेदाहस्यायम्राप्तिरायासङ्ग्रसः यर्थं सामार्तिन्य प्रमानाया सहदि वदर। हिर्मे हिन्दु के वर्धे रहे से येन्य प्राही ज्ञामा स्वापित त्रताला त्रवेर त्राप्त त्रक्ष त्राप्त हिमा वेषात्र वेषा त्रम्या सम्भागा विष्य त्रम्या विष्य त्रम्या विष्य त्रम् ब्रःश्चितः द्र्येब्रःश्चुब्रः रुषाय्चित्रायातुत्र्यातुत्रायात्व्यःश्चेश्चित्रः श्चेश्चित्रः श्चेत्रः यात्व्यः य यन्दर्वयाययम्बन्तिरमायवर्ष्केयान्त्रेन वर्षेयायम्दर्भावर्षेनाम् वेषार्भेनः . की. जीट, ट्रेच, र्इंच, प्रचंद, तार्टा, सार्वेच, तार, यी. प्रवंशी विषय अपर था. की था प्रस्ति सार अपर था. की था प द्धेर ग्रीशमानम भ्रीमेर पार्सेच र्रोम मी पने राम प्रकर परि मुपास वर राप प्राप्त विषाः भ्रेरा विषाः रणः भ्रेति स्पर्हेत् सहत्। सहत्। सहत्। स्पर्धेताः स्विषाः स्विषाः स्विषाः स्विषाः स्विषाः स यदे खुंय है। इट सें महत्र केंग्र इट । इये सम्हें इपदे खुर । वेश्या यद्ग क्किं स्रोत्यार क्ष्याया स्रोत्या क्ष्या विषया व रमा ने द्वर ह्यू प्रयंते मानम मानम भी मानम के माम निर्मास परि प्रयोगिया मानम विषाचेरा नर्द्धारी प्रवान ने न्तुरायायी का रूट क्रून भी महत्र के मुषायर न्नाम्बरायेक् से देनका प्रकाष्ट्रियाये हैं साने केना न्या न्या स्याधिक का सरा

म्रीकिर्भ्यक्षित्रम्भात्रत्यात्रम्भात्रस्यात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम् यं सेन् प्यते ही मा ने स्नन नुवर विस्तर सम्भा सेन् नर सेन नर सेन् सेन् केन निरायार्द्धनिषात्रे व्याद्भावार्या । दे त्यायुक् के के कि त्या । व्याक ना विक्रा । व्याक ना विक्रा । वैयासालुवी वियानवरारी हिर्मे श्रिवालयात्या विवाहे म्यानस्यावस्याव थेंदा दिसान प्राक्रीन दे स्ति। दि स्वादसाय स्वर सेदायसान । दिने क्रीन सेदा विकाधिन। विवादिकार्यकात्राक्षिण्याचिकार्यते। दिन्द्राश्चिमायविवादिक्षेत्रास्य बे भ् भुष्युयायवस्यात्र्वेत्रियायम् व्यव्यात्रेत्। सिन् स्वीत्रायायाम्यायस्यात्रेत्। विसानम्य विषाम्बर्धरमा महिषायाक्षरमा यार्रेयाची र्यमाहेनाय क्रियायायाय नाक्षे स्री यर क्षुवायवे नावन नावन ग्री नावन के नाव पर प्राप्त प्र प्राप्त र्नेषायास्त्रायहिरायदेष्ट्विराबेरारस्या क्विरादेष्ट्विरावेरास्त्रायास्त्रायास्त्रायास्त्रायास्त्रायास्त्रायास् ५८। ५२.ल८.२०.१.१५६.५५५ विषात्रेमा ५८.५१११५५५ विषयः मे दिसारी इससा क्रिया उन् श्वर प्यट हुँ पार्टेन से दार हुन से दार र्क्तुर्र्भास् र्ह्ण्यायर मुपायते स्थित। वेषायते व्याप्त स्थायाया वहेत वया क्षेत्रेच्याम् यारवारवारक्षेत्रप्रेच्यार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवारमेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवार्मेवा वुषावामान्याच्वादेशकात्रेन्याकेन्याचेन्याचेन्याचेन्याचा गुर र्येन हेंन पर्ट्ेन अप्तर्भ मारमा उन प्रमान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स रु'रुअ'यरुव'र्द्र य'श्रे'वर्रेर'यवे'यर्ङ्ग्रिव'वर्रेर्द्रिय'य'धिव'व। रुतु'अ'यवे र्रेंर् 'त्रुर शुद्धाः विद्य सद्याक्षया सुद्धार्या प्रत्येया स्त्रेषा या सुद्धार्य । यह वा परि । यह वा परि । यह वा परि । यह व मान्नासप्पेनानिन मुर्जिन्याने स्वाप्यास्य प्रमेनानिन स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स

इस्रान्यमायास्त्रियम् न्यायायात्रेन्यस्यायम् मुस्रायाधेन्यये श्वेम केम नम्यायमा क्रिन्दे द्वाच्यम्य उद्दे देवम्य या साधिन यम विवेष उपानि साधित र्रे इंदे सूर ले का ने प्यारे लियायात्र के या शार्या निया या हेन प्यारे स्थित र्टा वेशन्यर श्रुभाय देशे श्री रेन्य श्री विदेशी र वेश वार मे श्री र पर्वा बे प्यट क्रियाय पर्वे माया सम्मेर विराप्त चुनाय से दाय स्पर्या सित्र *'*धेर'हिर्रेडम'में र्केर्यं देवर्यं प्रवार्यं प्रताया प्रताय प्रताया विकास स्थाया प्रताय वनवायाधिक के विषास रेवारीय वन्नायष क्षेष्ट्राय र वर्षेत्यायावर्षे प्रस्ते व धिव दी । वार व्यवाचा त्रवेष वाष प्रता द्ये व्यविष्य व्यव्यव्य प्रताय विषय वशुरावावि रहे अलिया वी भावस्ताया के सार्वे वा ये विभावे वा या से सिन्द्र मा द्र्य. हे। त्र. रूप. त्र. रूप. विश्व विश्व विश्व त्र. त्र विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व क्की देव के दें के से प्या के द र्यो कर मान के के मान द राम देश महिका र्यो का राम देश महिका राम के मान के किया यरक्षेर्यकुरप्रेत्रे । विर्वेष्ठग्रें क्षेत्र्यप्रस्थित स्वर् ते_{ं भे}रेते भ्रुरा क्वेंपर्येन ने मन्त्रामा का का सम्मान स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त का में देश यर मा केर हिषा सुर्यया याया दाया प्राया केर स्वर्धे या या में दिषा यसिरमा श्चिरस्रिवरम्यार्ट्सर्ग्यस्थस्यर्यन्याःश्चिरस्यरम्यस्यम्यस्य ॔ॻॖऀॱॸ॔ॻ॓ॱढ़ॻॺॱॺॱॻ॔ॾ॔॔॔ॸॱॻ॓ढ़ॱॿॖ॓ॸॱॿ॓ॸॱॺऻ<u>ॗ</u>ऀऀड़॓ॺॸॺॱक़ॖॺॱॻॹॖॸॺॱॻॖऀॺॱॺॱॻॾ॔॔॔ॸॱ यः संभित्रक्ते। दर्देश्वर्ये इसस्य पद्वायम् क्षेत्रके दे। दे द्वाकी क्षेत्र प्रदेश दे

यक्षेत्रपुरविः श्वेरा वेषयात्रा नर्देषये वत्वावी वत्वाकेत्रपुर्वेत्या इसरायने यत्रे स्पर क्रे प्राय दर्गे राय से द रेश या निर्ध सार्य है राय हे व क्षिर प्राय निर्ध सार्थ ने 'न म में 'बेस'य' न म । यन म में 'यन म रिन 'र् 'येन 'य' बेस य' महिस स्वेर 'य हून ' कुषायम् १८१ में मुद्दायायर प्रकृर यदे द्विरा नेषाया ५ हे हे पेंद यम्द्राध्येषु या देर्वाची वेषाय द्रा यद्वाची य निष्यं क्रिन्यं में क्रिया है के के देश के देश है ने के का मान्या विषय श्चैप्यायान्त्रीयायास्त्रेन्छेयाययाञ्च्यानुदेष्ट्रियान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यायाः क्रिंग उत्र दरा इसमाने मार्य सर क्रिंग मीमा समुद्र दि पर्दे व परि द्विर है। क्रिंग नम्यायम् रिक्षेष्परार्द्या हेमासुर्वायम्यम्यवायायम् विक्रिस् यर चु पा धेव दे । विष्व । दे प्यर हिंदा देव अर य कुष पक्ष र य किर य हिंद य हिंद धिव की हि द्वर वे वा निर्मे हिर देश के प्रदेश में देश प्रवासीय की निर्देश र्ये इसस्य वित्वा व्यक्ष क्षेष्ठे वित्र से देश हैं वित्र से वित्र से वित्र के दिन कि कि स्वा कि स्व ध्रिमानमा विषायवनायवे ध्रिमा ने याने निषावेषा द्वायावनेषा वेषा सम्वीयन्या किन नुर्धेन या यहें बर्या धेव की । किये ही संवाबा विन हम सम्मी प्यन्या किन नु र्थेन्यन्नायने यर क्रेंप्यायन्ने रायक्षेत्राचे विषान्यायने ने सर्देरायन्न यदे रमा देवे रम्मेयायदे रमा प्रमाय रमा प्रदेश में में में मान मान प्रमाय स्वाप्य स्वाप रवः नुष्वाविषाया वर्ष्युवाय राष्ट्राचा निष्वाय राष्ट्री न्याये के बार्षा राष्ट्री वर्षा राष्ट्री राष्ट वर्त्वरायाधेवार्ते । देशास्टावी यद्वाकितातु । स्विधातु यावेशातु । यावेशातु । यावेशातु । यावेशातु । यावेशातु ।

वहें ब या भी ब दें । क्षिप्य दें ब से द या हि द द व सुर या वे से ह या वे साहाय विषा है या विषा वे पह्मियायर प्रापित क्रियायहिक याधिक की विश्वामा सुर्या क्षेर ये पहुंचा रूट लट. क्रे. प्र. हे । लूट तर्व हिरा विरालट क्रे. प्र. विष्य के तर्व के तर्व विषय हिरा रगरवा क्रुर्वा अस्वायर्वा विषया विषय विषय विषय विषय विषय र्ट्यार्यापवित्रा विषापियावत्राम्बन्याम्बर्णामहत्रक्षम्बर्णाप्याप्यापिकार् चन्द्राचित्रवायायहेंद्रांगुः वयायगुरुषा द्रेषां द्रिषांचा इस्यायद्वाया क्कि.प.भूट.ट्री विषात्तपुत्रत्वेता.क्रुच.व्येषा.ट्रियासी.पक्षेयाती ट्रे.पक्षेयातीया. व्रःस्रवर्यायदेरः दर्भासुः वह्नव्याये ह्वयाय् स्रुतः हो द्वारे हो स्राप्ते व द्वारा हो द्वारा हो स्राप्ते व द्वारा हो स्राप्ते व स्र यम। वयापर्यापर्वेनार्देवायार्याण्यारमारुवायी।प्रमायेवायार्वे रापासामित्रमा र्यः यायाव्यामी प्रविषाया राष्ट्री स्वर्णाम्ययाया वयाय राष्ट्री रापदे पर्वेन परि देन दर पर पर दें ये दें देन पर्वे या प्रेन की विक्त का दें साधिन है। रटायान्स्यावरुवायासेन्यवेष्ट्वेरार्ते । नेविष्ट्वेराविर्वेष्ठमायामुवायवेष्स्रववान्टा यहूरि.ग्री.विजातकीर.खेश.यहूरि.तरु.की.शक्षा लूटि.त.रट.श्रीर.श्री.त.ट्र्य.तरुश. चुनापरुषाक्षेत्रन्वयायम्। येद्याद्रमञ्जूरायम् क्षेत्रप्रक्षाचुनायरुषायन्या बिटा ने पहें ने प्रते क क्षार्शी विष्ठा है। मुबका के परें ने प्रते खाया प्रयम्स यान म्वयाके मार्यवाद्ये देन। म्वयायाय सेन मावन र मार्वि ग्री मावमायेन दर्वी मा यश्रस्रहे न्नर प्रवर्षां सम्माने विष्तु रहार्यवेत सेर प्रवेत स्माने स्माने स्माने स्माने स्माने स्माने स्माने स

ट्रे.क्षरायस्यायद्राकृषाद्व। ट्यं.श्रायश्चायश्चेत्राद्र्येश्वरत्रेक्षेत्रश्चेत्राच्या उब या शे परेंद्र या वया पर प्यम् भायते 'क्षेत्र भारते भारते । या दे स्वा पुराया दे पि पि जिला सर्देव पर पर्दे दिया धेव बिटा क्षेत्र दिव मुं क्षुत मुं पुन का क्षेत्र के सार्थिन पर्दे इस.सी.यचर.पपु.श्चिप.देत्ये.सरस.भिस.पश्चेरम.पु.त.प.यायय.मी.याय.पापु.सीयस. ८८.पश्यात्राकुषाः श्राचारीता वातातकी राक्षीता व्यातका प्राचित्रा विश्वाति वाता त्राचित्रा विश्वाति वाता विश्वाति विष्याति विश्वाति विष्याति विष्यात वस्त्रयास्याचीत्रयाद्वा हिन्दीन्ती श्रुम्मस्यमादित्र हिन्याये सुर्यायाचीन्त्र । यःतूरु यर्ह्र तर्ह्र भी रचर रे रख्ता यात्रा वर्षे यात्रा रचि यात्रा यक्षेत्र खयात्रा या वर्ष्ठित्रायवि क्षेत्र्रायित्र क्षेत्र विष्ठा विष्ठ ने । क्रिनान्त्रयायमा वयायायमायक्तिनायायसुवसायमार्स्यार्यायानेमायासा र्थे के रक्ष पु क्यू र पादे रक्ष विदिष्ठ मा स्रोहेन पर परेंदि पाविन प्येन प्यमा महायमा রূঝ.নব্য. রম.প.বের্লনে স্থ্রিন. ২ নূথ.পাশ্রেপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রিপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্রেপ.বাশ্র क्रिंग'ग्रमुट'प'छेर'ग्रा'य'र्थिर्। स्ट'प्रविष'ग्रेर'यस'श्च'प्रम्'र्स्ट'प्रविष'र्र्ट'प्रठमः तर्भ्यात्राताचतात्रभूतायात्र। वयातायकात्रभूतायते देत्रकात्रभूताया वर्ग्य रहे। म्रि. म्रा. धिवयम् मुन्यसाधिवर्ते। विविक्तिवा वुषयाधिन वर्ष्ट्वयर्दियर् उर्देट.त्रु. इंश. सं. द्वेट. त्राल्य ह्या विश्वामस्त्रा द्वा चेटश. क्ये. की श्रास्त्री में য়৴৻৸৻য়ৢ৻৸৴য়ৢ৻ঀ৾৾ঀ৾ঀয়৸ৢয়ৢ৻ঀৗয়ৢ৻ঀয়৸ঢ়৾ৼঀ৸৻য়য়য়ৢঢ়ঀয়৸ ट्रेंबर्झ्बर्सुस्यरायस्य स्ट्री विषा साधिकाते। सुसाराधितः सेलेसाय सुरायसः र्नेबर्झेबरपते बुषया प्राप्ता वर्हेन पर्नेन प्येन या महिषाळीं मार्थ के मान में बाय परे हिमा दें मा चन्ना क्रुं त्वेना यदे व्याद्युर निष्य दस्य या वाने में स्याधन यर व्या हें वयाव शुराविकाणी पर्वेषा दिवाय वेषा पर्या राज्य राज्य विकास की वेजा अन्याना यार्ययान्याच्याच्याच्याचीत्र्याना व्यापन्यानी स्यापन्या स्थापन्या यर् रह्मा ब्रुवायवे के र र प्येम यवे ख्री र है। के मामस्यायस्य रेवे ख्री र ख्राया मूनपाने पर्रेयारेविन्मावरवावर्गिनापारमानी विषात्रमान् सम्प्रेया विषा यायमायक्तिंगायदे दिन छन् पुरायण्य प्रायाणिन की विमानस्परा क्किं चर्ह्र-विश्वभायाविष्याचारमाञ्चमात्रीयाञ्चरायदे हेमायायायायदे हेिष्यायार स्वाप्य ने इं यह अप्यवि नुषा शुः अर्दे क्ष प्य र अप्माष्य प्यवि खुं या गुष्य प्येन प्य र परेने प्यवि हः तुम्राश्चरायराञ्चरविषायराञ्चरकारुद्रियम। देश्वरायगानादक। श्चरायरा क्कें प्राप्तर क्षुत प्रमाणुय विकास मिष्यः क्रम्यायाष्ट्रियामितः क्रम्यायः क्रम्यायः मिष्यः स्वायः मिष्यः स्वायः मिष्यः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः तर.वोशवायपुरळ्वाचीशासूर तर.वर्ट्र तपुरइ.त्येश.सर.लट.भ्री.ट्र्वूश.तर.वीटश. ठक के परेंद्र प्रमा दे छेद सम्बन्ध दिय र मेर मेंद्र प्रमा मिन के मिन प्रमा मिन वर्गुर मित्रभागिकें भारत के पुर्वा प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश के माना भारत के माना प्रदेश प् ८८.८म.भ.वर्ड्ट.ता.भालुब.ता.वचवराष्ट्रची.में.भाज्य चिष्य.श्रेषा. यास्यायस्यायवदासाधिकार्ते। हिःह्सरावेषा मद्रशास्त्रवासाद्रवासाद्रवासावसा परि पुरायासिंदि पर मामायापरि रूट पित्रे के के सि प्यार सिंदि पर मामायापर सी

वर्देन केरा ने केन वर्दे र न्ये केन न्युवयं वर्षे के प्यवे खेराया कुषायवे ट्र.च्र.ची.४.क्षट.श्रट्रये.त.४.चोशका.चतु.४८.चधुय.२४.श.लुय.त.श्री.य.यगोवी.तथा. विर्पर, रे.वेशत्र्यं प्रमें पर्में पत्र वि.प्रमान्त्र ताले प्रमें हिर मी पत्र ताले प्रमें प्रमान ૹ૽૾ૢૺૹૢ૽ૼૼૼ૱ૹ૾૽ઽ૽૽ૼૺૣ૽ૼૡૹઌઌૹઌ૽ઌ૱ૹ૽૱ૹઌઌઌઌઌ૽૽૱૱ૹ૾૽૱ઌ૽૽ૺ૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱૱ૹ૽૽ૺ૱ देवः द्वे र र र जो हे स सु द्वापायम त्याया पार्यहें द या मु प्यार है । सू द सु स र वे रहे स यायर्हेर्याकेर्यवे क्षेत्र। मन्न क्षेत्राञ्च सायवे के साया सायसवाया सेराय केरायी देवः श्वेरः सुकः वर्ष्वेकः यावदे 'दणाके 'वर्षेवाया सेदः याक्षेदः हे 'विषा मेषायरः मुर्वे । विषाः यसिरमा स.रूज.तू.यर्या.भ्री.८रूर.त.सूर्यमा.ग्री.यीय.भघत.घज.टर्कीर.ग्री.सू.यमा. वर्गेनायं वे सर्गेव रेंग्युं क्षुवाणी प्रवेदायाधेव हो। क्रेंनामध्यायशा दे द्वराया र्श्चित'न्द्रेन'ने। नम'सिवद्र'सक्ष्य'हेन'स्'र्द्र्य'न। निम'सिवद'र्हेन'बन'र्लून'मा थिव। । मायाने अळव यथा हार सुरावी । अळव हिर येर तर हाया पर र सुरा। वेषान्च पान्ता ने प्रवेष न्। वा बुवाषान्ती कु के या वा निवाय पान वा वा बुवाया वा चित्रवास्त्री कुं स्रेन्यम् । विवायमायकुं माने देवामायमा । कुं स्रेन्यदे वाना वयर सेना विषाद्याय नियविषात्। स्राप्त स्वापन स्व विवे अळव हिन् वयायर वशुरा । मान्य प्रके या सेनाया था । नर्दे सार्थे प्राप्त पा माल्ये में विषाचित्रात्मा स्वासानसाम्या क्षेत्राचा में या प्राप्त में या प्राप्त में या प्राप्त में या प्राप्त मुःह्यिमरास्रेयात्रम्सर्दिःही विसामस्रिस्या विस्तरी वयादमुमास्याम् ग्वन र्स्ट्रिग्य सुन प्रचेन प्रार्स्चित र्पेन की ग्वन र इसस्य की रेन स्थान की सित र्पेन *૾૽ૢ૽*.ૡ^ૡૻઽૢ.≇ૹઌ*ૢ*૽૽ૢઌ.૽૽ઌ*૾*ઌ૽૽ૼૻઽૣઌૣઌ૾ૺઌૹઌ૽૽૾ૢૢ૿ૺૣઽઌ૾૽૱ઌઌ૽ૹૢ૽ૺૺૺૺૺ

त्या प्रत्कृत्यी स्वाप्त्य प्रत्या स्वाप्त्य प्रत्या स्वाप्त्र प्रत्या स्वाप्त्र प्रत्य स्वाप्त्र स्वाप्

यः यदः येन्। यः द्वा की शर्दे ब 'द अः यदः स्रेना 'यः स्नेन्। यद्वे 'यद्ना 'यसः क्रे 'यद्वा 'यसः क्रे 'यद्वा 'य र्थेन्यवे भ्रीमा न्येम मा नेषया थेन्य केन्य विकालेष वर्षेन्य सहना ने के श्रेयवर्दा केमानेमानुभयार् स्रियं केमामान्या यमा मानवायर हेनामाय पर्वमाय निवास हैन हेनामिय पह्ना पर्वमाय निवास प्राप्त मानवाय याउँ अविगाय ह्रवायर पर्दे नाय प्रत्या अवि । हा या प्राये वा विवाद । प्रायः । कुन गुः क्चिर प्रवेष्ट्रमायहित्यम् प्रवेष्ठायाते के का क्षेत्र प्रवेष्ठिम् वर्षा मान्य शुंर्हेग्राक्षान्। देव्ह्रमानेषाने व्यामे विषाणाट वदी स्नून पुंचिम स्नुविक्रिया कुर विष् यदी र्नेन्स्स्य वर्षे हे सकेर् क्ष्रकर्षण्यर्ग ख्रा हे या सेर्प स्मानित वर्षे यदे हिर देर के नेकाय र्ले पा हिर प्रविक के विकास साथ के की विकास सुर का केषायायम् पुराधिनाते। देवात्यायमानेषायाये मुन्यमाञ्च मायायात्रीयायायेता यवः भ्री र ने भ्री व विवासी के भाषा विवास र ने स्था में में भाषा के भा क्षायापराविरायरारे द्वराष्ट्वरायापर्वेषाया स्रेराये दिये विराधीया है। कैया क्चे'च'क्रूर'य'क्र्रेंश'क्ष'मुप्र'विर्'यर'रे'क्ष्रर'क्षुर'य'य'र्नेक्ष'य'क्षेर्'यते क्वेर। ५८' त्राचीय है। इ.धूजर्वे अत्रम्भवर्षे में अहू व.धे लट विश्व श्रास्त्र है धूज चैतःश्रचतःत्रम्याः स्वायात्रः द्विम। च्यियायाचीयः ह्या तह्वाः हेव या इययायायात्रः वीया सर्धरत्तरः भ्रेष्वेषायान्यसर् हेनायदे ध्रिरः र्या । सः हमस्यानिकायाः केषान्यस्या लटाविट्रत्रर्भे स्त्रेर्भे राज्याने क्रिया कर्ति हो है है र कर्मे क्रियान वास

यायास्रामुवायवे श्वेत्र। गुन्ने हेव पुः पेर्पायवे स्रोमार्स्रे मार्से मा र्वे । इंवेजा ने प्यत्र के प्रघन ने। क्षे के या मान्य प्रकाय का मान्य प्रकाय के विका रें परेक्रपह्क्ष्मरामेशगुराष्ट्रियरर्ज्ञानुकायविःस्रम्रेष्क्षेत्रकार्क्षियां वि भ्रायम् दे। दे यद्वे भ्रेम भ्रम्भाम भ्रद्रायवे भ्रुम हो। भ्रम भ्रम था स्ट्रायम भ्रम बः भेगःभेंगभःर्देबःद्रभःयरःभेंद्रःयःयःकंदःसरःभेंदःद्र्गेषःयदेःध्विरःहे। भेगः र्शेन्यर्थेद्रयाथाळद्रस्र स्रेट्य् सेन्सेन्यर्र्य्य स्रिन्याथाळद्सर र्शेट द्वेष यथे द्वेर है। येद यद्दा रट रेष द्वा येद या विषे रेष विष यदे द्वेर। हन्याय रेवार्ययापया महत्या निवरण्या सेनार्यन्य र्थेन रेवार्यया वया देखेग र्सेन्सर्रेर्म्सर्रे हिंदा देवारा हिंदी है। वर्देर वा भ्रेम संम्यादेव प्रायदेव या प्रवेच या प्रायदेश विदेंद से सुर्य हो। स्व ममयायमा द्विन के खेन ५८ द्विन के सार्यमाया न न न न न मा मिना गुक्रें स्वाद्या देव द्यामहिषायम्याय स्वत्याया विक्रे दे द्वास्य चित्र क्षेत्र गा.ज.श्रद्येथ.कैट.रे.चैंच.त्रु.श्रुच.श्रूच।श्रूच।श्रूच।श्रूच।श्रूच।यंचेट.रे.लूर्.त्र व्या.धे। श्रूचश. क्रमाममान्ने त्वतापदे दूर ह्या स्वापर ह्या प्राप्त हो। क्रिय स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स शर्चे अस्तर्ते, चीय तर्तु तर्वे र त्यु क्रिं र विश्वात्त्र श्रु स्वाता र र । वश्वाश्वात्त्र भूवः , प्रचाना प्रचान का स्तित् । स्तर प्रचान का स्वतः स

धिरा वेजा नयेर्नेव के सक्दरमाने। धिः सानयेव न्निनमासुगाव हिनायान्धिन या लयत्राम्याम् वास्त्री में वापित्रभागा वास्त्रम् स्टर् मुन्यवायते के शास्त्र पत्र पत्र प्रा ૽ૺૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹ૽૾ૢૺ૾ૹૣ૽ઌૹ૾ૹ૽૽૽૽ૼૼૼૹૻઌૹઌ૽૽ૢૼઌૹઌ૽૽ઌૹઌ૽૽ઌ૱ૹૡૢ૱ૡૣૻઌઌૢૼ૽ मुययायवनाद्रमायावरे भ्रिमाने। क्रमाम्मयायमा द्रयायायमायद्राया स्पेदाया माण्यामे विमानम्परमा देखा भूतान्यिन येनमान्य पर्वेन यानहेन परि हेमा तास्रम्यान्त्रिट्रप्रटायायटायह्वायप्रस्थायम्यान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान देन व्याप्त मुक्ता प्रतास्त देश मुक्ता मुक्ता मिला की प्रोक्त के दान के लाग दिन प्रतास मान र्देबःसाम्चर्यामरायर्देषायये ध्वेराते। क्वेषायासयायस्य वायाते याववाग्री हेसा सु'न्यम्य'न्म'य'र्सुंक्'हे न्नेन् ह्वस्य'य'त्विक'न् 'र्र्रा मी हेस'सु'न्यम्य'य'यप्रहे अत्र क्षुर्यायदे के साय राष्ट्र या प्रत्या मित्र के मित्र के मित्र साम्याया विषय साम्याया विषय साम्याया विषय स र्सेन्यरपदे हुँ व दे हिट् दु र व्यु र या संधेव वसा देवे हु र न प्वि गा या हुँ व ट्र वश्य रायादेशका मुक्ता वायमवायय राष्ट्री हु। देशका श्रुकि वदी द्वा व्यवस्था छन्। श्रीरिष्यायर विश्वर देखिया वर्हेर यर द्या है। रह वी कुर श्री हे या सुरियण या श्चायात्रमायात्रेसायायदीरायण्यात्री। विर्धिष्ठमान्नीयराम्भात्री धिव परि द्वि र रे । विष ५८ । विर्धि ठम मे द्विमाय य है स्नू ५ प्य १ प्रीव य रह्म यमायार्षित्। डेब्राम्बुत्यायाङ्गरारी । मुःह्युतात्मित्यायाञ्चाय्यस्यायेरा मिल्या । प्राङ्कितः येमायायम् १ १६ १ द्वे ५ १५ मियायायि स्वरा । येमायाः स्वरास्त्रामीः त्यासेयाम्डेयायाम् । उत्रात्रामेहितारेम्यायते हे हेयापर्डेस

देन। मलक्षयमहेक्षक्षयायाने मलकालेमाय हुरायर यशुराक्षी लेखा यात्रमा हिंदि हिंद रहेत रहेत रहेत हैत सेमायर श्रीमा विमायदे पर श्रीमायवित क्षे प्रमुच क्षिता है सिर लाये खे थे। हे लिए रूट की से सिर्ध सिर्ध की प्रमुख की प्रमुख की सिर्ध की सिर क्कें स्त्रेर स्त्री वालक रवा त्यस स्वापाय लिया के साम स्ने त्यहर है। वालक क्कें प्रेर यवे क्षेत्र है। क्षेत्र मे निर्देश ये इसस्य रहा नहार प्रतिक वार निर्मु स्थित के यवु व्ययम् क्षु प्रमास् व्ययम् स्राप्त स्रिम् विषा बेम। यदे मिल्ट मीयाय मेना क्ष्यार्थित् दे। येत् केषाद्र देवि कित्र द्वा प्रमुवायायवा विषयायायवा कत्री वालवा क्कें प्येर्ट्रायि र्सेन्या क्कें राद्यायाया प्राप्ता वा बुराया सेन्या राष्ट्रे वाया सर्वेदा विदा वेशयासम्बद्धिया सेस्रश्रस्यये सुन्याने विनाम् वर्षेनायवे स्रिम् ५८ र्थे मुयः ह्री वदे त्रमाय बुदः ह्री महिमाहिदाय देमा के प्रवासिमा वदि । देश. छे. छ। विश्वास्त्र प्रमाणीयाविष क्षेत्र प्राचीया प्रमाणीया प्रमाणीय प्रमाणीया प्रमाणीय प यम्बर्यदिवादेव स्प्रेन स्वरं स्वरं प्रयापिता विकायात्रका मलवायका क्रीयादिवा हेब यश गुर सेन्। । डेस यये पर मुसमाबन हुं प्रमान य य यह न हेब मुं मुर्वेन याझरायादरा। वाराध्रेराध्रान्यायाचेत्राचावत्रक्षेत्र। विश्वस्विशः श्रीनाचित्रा वीर्यापात्रवार्श्चे प्रमापायि व्यवि प्रमाप्त प्रमापत विषायात्रषा हिंदि हिन्द्रनायषा स्वानु ही पर रच्यू मा विषायवे पर की षा स्ट प्रविक मुं भे प्राप्त प्रमार प्रमार प्राप्त प्रमार प्रमार प्रमा प्रमार प्रम प्रमार प्रम प्रमार प्रम प्रमार धुरा विशयक्षा धेर् ठेशप्ट पेर्वि छेर पुष्ठ प्रमुक्य प्रधिना विशयिय पर

क्रीमायने मामित्रमा करानु स्टायिक क्रीमा क्रीपायमा मारि स्प्रिमा क्रिमा स्टिमा धिव यदि द्विरा नर ये जुन हो। देने व षान बुर हो। षा खुदे या विव प्यार वे ने धि श्रेव के मानव के दिन दिन। विषय परि पर मी श्रामानव के ही ही र निमा पर निमा ही मी षार्चेब र्द्र वे रुषा सहसार्थे र या साथिब हो। विषय वषा के हो रे से र के व रदे यानेमानायन्तर विकासियाय में क्षायाय में कि स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व यर में द्राया प्रश्चेत प्राया के प्राया के प्राया प्राया के प्राया वन्यानुःयासुःचित्रः नधुन् स्वयान्वतः क्षेत्रः नवायायानस्व यास्वायाधितः यदेः ध्रिम्। र्रायेते स्वाकी मानव मुन्ने मिका सरायर कार्यका है। युराद्र राया विदार रेगा का यमगुरम्बिन्यमार्थे। । नर्यायेन्ने। मायुःसूरपवे सर्यायमा सरानर मञ्जम्भागुः शुं मु १५६ १ पद १ पद १ में भारत १ मा मान्य मु भारत १ मान्य १ मान्य १ मान्य १ मान्य १ मान्य १ मान्य जिरमात्त्र्राट्टात्यवात्त्रात्त्र्रा यहेशतात्र्री क्र.च्रा कें.ट्टातयंशतीयावर क्षेर्रात्रा विष्णायर तहरायर श्रायश्चर हो। क्षु र्रा यहामानु विष् ५८ कुं सेन सक्दियायर प्रमुरा विषामसुरयायि रेग्याय दे हिन परि र हें य हे.चन्द्रात्राच्चाङ्गी दे.लाट.शु.झै.जश्राश्चेयातवीयात्त्रातवीयात्त्रवीटाच्यावा शाश्चेया. क्षेत्रस्यविष्णीश्यावष्णेष्णाम्य श्रीत्रा श्रीत्रायश्रीम् प्रियः हैं अुव या को हैं जा की हिंसाया प्रतिवाद्या कु मु सार्पिव जा हैं साया के दाय है सा हें अस्युगामहिषारदाविषाणीयामुदायदिष्ठा ५ प्रवासिषा ત્રાલય ત્રાત્ર કર્યા ત્રાપ્ત કરાય ત્રાપત સ્થાપત સામા સ્થાપત સ્થા वया स्वायास्यादेवास्त्रीया वयावश्यायस्य स्वार्धियाद्वेयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीय

तर.वर्यर.तर्म.र्जर.वर्यर.त्यं.वर्या.श्चे.त्यूचे.त्यं.वर्ज.वर्वेर.रट.श्च.वर.वर.व्रम. तर वेद्। १८ संय वावय स्रेदावावय स्वावय स्थावयास्य विवास एक विवास प्राविय स्थाप चैंच.तपु.चांचेब.लुब.तमाचांचेब.भ्री.विमासटमाची रट.चंचुब.म्री.मास्माज्ञेब. र्वास्याप्ता हेरायवेयाकी क्षेप्तास्याविषावरा व्याप्ता रताविषाकी साक्षी यावराञ्चरराक्षान्वीरायरावासुररात्री क्षेत्रावारायरा क्रेत्रित्रदेशास्त्रा ৾ৢ^ৼৢঽ৾ৼয়৾৾ৼৼৼ৾ঢ়৾ঀয়ৼৼৼঢ়ড়য়ৼয়ৼড়৾৾ড়ড়ৼড়ঢ়ৢৼঢ়৾ঢ়ৼৢ৾য়ৼৼৼ৸৾৾ৼৢৼৼ द्रम्यायासाध्येषायदे द्विरार्द्री । क्रिक् छेरायरे या खंसाविमा मिला सर्मा की। की <u> २८.५चर्याती, योष्ट्रमाल्य क्षेत्राक्ष्यात्राक्ष्यात्राक्ष्यात्राक्ष्यात्रात्राक्ष्यात्रात्राक्ष्यात्रात्रात्र</u> र्देशर्ये रदाविव रदावर्षायर ह्या पर रव्यू राया साथिव है। विकामसुद्रमा इ.ही.य.ज.वावय ही.उत्त्वायात्र र्ट्यात्रा ह.हे.स.स्टायी.श्रयंत्र यहियास्त्र त्रे'न्यद'न'न्न । ठेयर्थेन्याः क्वैंगामित्रयां ग्रेयाने स्ट्रंप्यानायायर्केन्यः क्वेंप्यान्य नयाने सेनानी हैं या र दानी हैं दार देश मुक्ता विषासेन मानिषा हैं ना निषा सेना मिषा क्रि. पच्या. रें या अध्याताता चावय क्रि. र चाचाता च इंच ता सूर्याया लाय तर हिरा यार्झेटाळ्यायावित्राचे सुम्मायावित्राचित्राचित्राच्यायावित्राचा त्रात्रात्वरात्री सरामर्वामार्चात्रम् मार्थात्वामार्थे मार्थे मार्थि मार स्थिता हो हो हो स्था स्थाया स्थाया हो स्थाया स्था स्थाया स्था स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स् धेव प्रकार्ये द्रापा अपने प्राप्त विकास क्षेत्र प्रकार के त्र का का का कि क

यदे मु या भेरि केर मुर्पाय स्थान सार्थ स्थान सार्थ स्थान सार्थ स्थान सार्थ स्थान सार्थ स्थान सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्य सार्य सार्थ सार्य सार ररायवेषामुषायुवायवे मुप्ताप्ता मुप्ताये रार्थे रार्थे रार्थे का स्पान्य स्थापरा दे ॱख़ॱॸढ़ॹॖढ़ॱॸ॔ॺॕॴॴॱॱॸ॓ॱख़ॸॱॺॱॼॱॻऒ॔ॸॱॸॖॖॺॱॿॺॴॸॸॱॸॖॖॱॿॖ॓ॸॱऒ॔ॱॸॸॱऄॸॱ र्प्युम् मुः अर्थः क्षुः अळव मुक्षः चुः यः स्टायत्वेषः मुक्षः मुवायाः अर्थः यः स्ट्रेषः यः स्ट्रेषः स् ययिने में में ने स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स वीयारमाञ्चायाम्बर्यातेयायावया वहिनाहेबाययागुमायेन छेयायविष्यसंग्रीयान्। श्चि त्यावायायायदिवादेवाचे वार्वेदायाश्चेदाळ्यदि स्रम् धेवावे वा देवे ळ्या धेदा रे मर्मेशविश्यक्षा मयिनेश्वयक्षयक्षिक्षेत्रिक्षिणा यार्झेटाचार्टा वाटास्ट्रेरावहेवाहेबाराचेबास्कायहवानवा विशासेवाशःक्षेणाः म्रिमाम्बर्धाः स्वर्षाः स्वरं म्रिमास्वरं म्रिमास्वरं म्रिस्या स्वरं म्रिमास्वरं म्रिमास्वरं म्रिमास्वरं म्रिम यने यह्न परि द्वेर दर्भे व्याप्त है। वर वेश लेश सेवश हैं गाविवा वेश रहे वा हेब क्वेर पार्वे र पार्वे के पार्ट । इना सम्मारी सम्मारी साम प्रकार प्रकार के र पार्वे र पार्वे के र क्रिं पाने दिया है। या इस वाया में वाया है। या वाया यायायदेगाहेकान्नी अर्घेटायमानुर्वेदायि द्वीमा विवाहे। यदेगाहेकाया इसमाम्या 'वी'ख़ॖॱ**य़ॱय़ऻॺॳॱॺॳॱढ़ॎॾऀॴॱढ़ॆॺॱॿॖऀॱ**ऒॿॕ॔॔॔ॱय़ॐॸॖॱऄॕॸॱय़ॸॕॸ॔॔ॸॱय़ॴॱऀॿॺॱॸॖॱॿॣॕऀ॔॔॔॔ॺॴॸ॔॔॔ॸॱ

क्षान्त्री तक्ष्य प्राची विष्य क्षेत्र क्षेत्

न्हें भी बेत्र त्या क्षेत्र त्या कष्ठ कष्ठ त्या कष्ठ त्या कष्ठ कष्ठ त्या कष्ठ कष्ठ त्या कष्ठ व्या कष्य व्या कष्ठ व्या कष्य व्या कष्ठ व्या कष्ठ व्या व्या कष्ठ व्या व्या कष्ठ व्

क्रयायाष्ट्रिकाके प्रमास्त्रकाते। यदे द्वाद्वा गुकार्टे वाद्वादिकार्या । दे त्या ৾ঽ৾য়৴য়ৼঢ়ৢ৻ড়ৼ৻৴ঀ৾৻ৼ৻ঀ৾৾য়ঀয়৸ৼ৻য়য়য়৻ঢ়ৢ৻ড়৻ঀ৾য়৻ঢ়ৢ৾৻ড়ৢঽ৾৻য়ৼ*৾*৻ঢ়ৢ৻ড়৻ড়৾৻৴ঢ়ৢড়৻ यन्नानी रत्नो दिन्दि हेन्य धिक नी रत्नी यन्ना हिन् गी सामुयाय है साधिक है। विने ते^रेटें निक्रमाध्येत्र ही । मानविक्षेत्र सेर्प्सेटे क्रेर्टें सार्रमाध्ये रस्य रेपायी खेट हिमा . च्रेश.चुंद्र.भ्रुच.भ.जेंश.तर विचयाता क्षेत्रश्राची वर्षेत्र ता श्रेच्ट्र त्यंत्र. कूंच्या व्यया वर्षा मीर्टिन्हें द्रायां भेता विभाया इस भागी समें द्राया दे खुया दु गुरू या दे खुया दे खु चुवेरदाविवान् रार्या देविया मुरायां वे साधिवां विवाधिरान् दियां महाराष्ट्री स्थापित स् उर्'र्र्पितेम'रे मिर्मियरिम'यरिम'यथिम मिर्मिय यः यदः द्वायि युवायादः येव यादे विदेशे देशे देव देव द्वायि यदे विषयः चि.चतु.र्ट्रुब.स्री रितु.सर.बी.स्.स्रु.बे.चनर.त्रम.चेत्री विश्वस्त्यायईब.ततु.लीवा. यर लिय या दे वि ग्रीय हूँ व ग्री यदेव यद्। विश्व यश्चित्र । दे त्य त्य द न या या वी वे विश्व याम्मर्भागी विभार्तेन त्यायतेन याक्रेत् सावन त्यमाम्यय मासुरम्याने मर्जिर्देश्येन यायान्वित्याणी ह्यायाचे साधियाही स्राम्नी मूर्या मित्रा स्रामा मित्रा स्रामा मित्रा स्रामा मित्रा स्रामा स्राम गुर'दे'क्वेद'यवे'क्वेद्र। दे'विवेद'दु'गुद्राहेद'क्वेद'अविद्राहेद'अविद्राहेद'यविद्राहेद देवायदेःवावन द्वरावी भाक्ने दायदे वार्स्टिचाया द्विर भागी। वसवाभाक्नु दागी वास्त्र र मिले नुस्रायाया सेनिसाया स्त्रास्त्री स्राया हिना स्त्राया है निस्रा है। नुस्रा यगाुव हें प्रायदेव याधेव यम ळंद अशहें ग्रथायाय वे हेंव दु द्वारा स्वाय हे राया डिनारेशयर द्वेशिके प्रथाय गुवार्ट्य यदेवायर स्ट्रास्य स्थायुयायरे नाट बनाधिवा यीतःश्चान्त्रं स्वान्त्रं स्वान्तः स्वानः स्वान्तः स्वानः स्वानः स्वान्तः स्वानः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वानः स्व

स्रविष्यं विषयं देव स्वादेश्या देव स्वादेश स्विष्यं स्वादेश स

कर सिंदिय या ने का प्रति । ने का प्रस्ति । या प्रति विष्य प्रस्ति । या प्रति विषय विषय । त्र अर्ट्य. विश्व खेश चेश्व चार्य स्वापाली क्र आर्थ्य र र वर्मे वात्र स्वापाली प्रवा तुःसद्देशयवे देव के क्षेष्ठभाषायात्रविक के । क्षित्र को क्षेपायवे देव के । देसमान्द्रायेगमान्य पुरायाविन है। । सायुमायदे देन ने पुरायायेगमायर चर.च.च्रुष्ट्रश्री विषाचित्रीत्रात्त्राप्ट्रच्यात्रात्त्र्यम् स्त्रीत्रात्त्रात्र्या चु यस सु प्रते प्रदे स्पानिहरू के दे प्रते निकार से प्रते प्रते प्रते प्रते प्रते प्रते प्रते प्रते प्रते प्रत चर्चिकाः सूर्तां सूर्तां वर्षेत्रचार्चे चर्चे वर्षाः वर्षेत्रचार्चे वर्षेत्रचारचे वर्षेत्रचे वर्षेत्रचारचे वर्षेत्रचारचे वर्षेत्रचारचे वर्षेत्रचे वर्षेत्रचारचे वर्षेत्रचारचे वर्षेत्रचारचे वर्षेत्रचे वर्षेत्रचे वर्षेत्रचे वर्षेत्रचे वर्षेत्रचे वर्षेत्रचारचे वर्षेत्रचे वर्षेत्रचारचे वर्षेत्रचे वर्ये वरत्रचे वर्षेत्रचे वर्षेत्रचे वरत्रचे वर्षे साल्या क्रूटायाक्षेट्रायमाण्याटामा त्रुम्यामालय साल्ये क्रां विष्णामा सुरस्याय प्रा रेकिरावम्यायाम् इरक्तिसेससावम्यायसम् गुन्देन्यसिन्धन्तरम् ने केन निर्माय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य गुक हैं न प्येव। । येद के ये प्रमुद देश प्रवे मुक्ता । मुकाद द की मार्थ प्रवे के विवा विषामासुरकायवि धुरादर। हेरि हिरावि हेर्नि प्रवेत् सुरावित स्वापानिकायविषायविष्ठा यदेव महिका भी दें में प्यार पेंद दी प्यार ख्राका स्थायते अदे प्यार दे प्यार विकास वि प्रह्मि हेर् मुं क्विं प्रमाने प्रविद्यानियायायाया मिना क्या विद्याप्त प्रमान प्रमान यादे ही पर्हे द र से दारो विषयम स्वाय स्वायम विषयम स्वायम स्वयम स्वायम स्वयम स्वायम स्वायम स्वयम स्वायम स्वयम स्वय माण्यामा जूरमामी स्वामानामामा ५८१ हैंदियह्मायमण्यापा गुनाहेंचादम्बीर्देनादमाही विदेशियदेनाया महिषासुरवर्रेत। र्दिन द्रमार्त्ते प्ये हुँ त्र प्ययस्मित्र। विक्री मुन्दे न प्यन प्यन पर्देत। केषम्बुद्रषायि भ्रिमाद्रा अर्दे प्रमुब्रायर्केषामित्रषामी देवा देवाद्रयायदेवाया

तस्त्रमार्यतः सक्षामान्याः येषाणी मार्से हिता स्त्रमार्से तेषा स्त्रमार्से तेषा स्त्रमार्से तेषा स्त्रमार्से व वर्श्वरा गुवाहेवायदेवायहेवायवेवायेताहेवायवाद्वायाच्यायवाद्वीया नेवायायदेवा यम्बिक्रासुर्वे वार्ष्यर् सात्रा मृत्रादेशयवर धिक्राहे। दे द्वरायुरायका चमिरमान्त्रीय प्रचमायमाण्या विष्याचित्र स्थित स्थान स् यने विष्युष्ठिन देशायर यह्न व यदे हिन दे यह व की अर्दे यथ। यह विवागुव हेंचा दे.यधुष्युर्यस्था ।यद्येय.यास्थितात्राचार.त्तरः भाष्यक्षत्रासूर्या यवै श्विर दर्भ रह विषेयायमा गुरा हे प्रतिम द्राप्तिम पानम मार सुर बहु *৾ঽঀ*ৢ৽ড়৾৾ঀ৴য়ৼৢ৽ড়ৼ৾৾ঽঀয়য়য়ৼ৸ঽ৾ঀয়য়৸ঀ৾ৡয়৻য়ৣ৾৾ঀ৾ঢ়ৼয়৻য়ৢ৻ঀ৾ঢ়ঀয়৻য়ঀ৾ঢ়য়ৼৼ৾য়য় र्नेबर्च्येंट्रबर्ग्यम्बर्चन्त्र। ब्रेस्युप्तदेन्द्रेतिबन्देन्यविष्यम्यस्ययम्यस्य विषाद्यान्नस्थान्तरायान्त्रियायराद्येत्यसामहिषाधिकात्तरा महिषासाधिकान्त्रीयुरा यदे अळ्ब हे न 'ग्री केंबर न मही हिम 'विष न मनाय मन मही याय से न से न या हो न त्रतः ही मा विश्वामा साधिव प्रति ही वाका सु है वा प्राप्य में वाका साधिव हो । विश्वा निया विवासित्रासुःविवित्यावित्यावातः इस्रायम् वस्त्रम् स्रोत्याने विविधः

विवासित्रम् विवासित्रासुःविविधः

विवासित्रम् विवासित्रम् विविधः

विवासित्रम् विवासित्रम् विविधः

विवासित्रम् विवासित्रम ते_ं यत र्खुत :श्चर्य 'हे 'ग्निय पर्यये सम्बन्धित 'हेर 'धित 'हे। ।गर 'र्ग 'यत रखुँत 'श्चर्य' *ने* 'ग्रम्भ'यदे 'सळ्त्र 'हेन्'पेम'य'ने 'न्ग्'मे। इस'य' इसभ' रुन्'या द्विप'यर 'द्वेन्'य' न्याः भेकः क्ष्मा । याद्या क्ष्मा स्वापाय स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्व

र्यामानम् सेवायम् द्वेत्यात्माधिमाने। त्येमामाख्यास्य स्वाप्य स्वाप्य

दें वा अर्घेट प्रायह् व प्रदर हमाय महिषा पर्दे ५ दी विषासे मारा है था नुःर्यन्ते। क्वैंगान्दरंय्यत्देवाहेवाचे वेयादे याहेयायवे स्वयाव स्वापाविया ८८। क्वांगानिकात्रमायहेनाहेन्ने क्वांगिनिकार्ट्याहेन्यादिः खुवावायायाया विनानिका सुर्येद्र हेरा वसूर्य परि सुर। दे समागी में पितर पेंद्र दे। वस्य मी प्वस्य मुते मोर्बेर्यासेर्यिर्वातरा वेसर्वा देवियोर्बेर्यासेर्यंत्रविर्वाविकायिका वेस्त्रे यायविष्यः विष्यादेषाक्षेत्राचे विष्यादेषायाचे विष्याचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्र ठब दे . चार्थ सामी . ती ता ता प्राप्त वा ता प्राप्त वा ती ता त लट.ज्यां चेश्र सी.पहूंची.तपुरी पहुंची. पहुंची.चेश.हूं येला.ज्यां चेश्र लूट. ग्रम्। र्वे पर्रम्प्रस्य सम्बन्धाः व्याप्त स्वर्षाः स्वर्षे स्रम् त्तत्त्रः क्रिया वर्षा वे वर्षा विषाना स्वाप्त क्रिया वर्षा यानेषायाद्रमा द्रमुखिरायुग्रवायानेषायाचे यदे रादेन यद्दी निषानासुरसायसा नुषार्यते द्विरा यसम्बाद्य स्वरुभागान माने माने माने माने स्वर्ण स्वरूप सुः से ५ 'पदे १ दे तुः पुः पुः पदायायाया से ५ दे । । दे । यह ५ दुः साया सहायुग्रसाया यार्थेन प्रति खुवाखुवा उन महिकार्येन प्रमाय पर्देन प्राप्ती प्रमान के कापति देन प्री न मि रट खुन्र अप्यापट चिना निहे राधिन या वर्नेना या साधि हो। विहेना हे का निर्मा निर्मा है

विषयियये पहेना हेन मी मेषायारेषा पहेन या है। हैं राष्ट्रन केन केरी रेषान पहेना हेब क्षे केश दें ब प्यट खेंग महिब क्षे द्वी पर खेंद केश या प्यटा विद्या हेब प्रवे क्षें हेब'येवे'म् क्षुन'येवे'ळॅन'सस'यय-'येवा'विहेस'सु'न् हे'य'हेन'य'वानब'स'येब'ने। ळॅन' ৢৼঀ৸৻৴৻য়ৢ৻৸৾৻৻ড়ৢ৻য়৻য়৸৻ঽৼ৸৻৸ড়ৢ৾৸য়ৼঢ়ৢৼ৻৸৻ঢ়ৢৼ৻ৼ৻৸য়য়ৢঀ৸৻য়য়৸৻য়য়৸৻ वहिनाहेब'यवे क्वेंनिट की वहेंब स्नट्या ग्री कें ब त्या पर निवास के क्वें के वहेब यह्रयालयात्राक्र्यात्राम्यात्राम्यात्राह्यात्र्यात्राह्यात्र्यात्राह्यात्र्यात्राह्यात्र्यात्राह्यात्र्यात्राह्या रम्प्रवादायांवित्रायायवित्। देवि रेविषाद्मादेवित्राप्यवेषायाधिकाने। बाङ्ग्रदा यदे क्षेत्र स्थाय द्वेषा क्षाया विष्णा विष्ठिषा दिवा ग्रामा वा क्षेत्र यदे क्षेत्र स्थाया । विवानिहर्मा सुरद्धिन सार्वे स्वाप्त स्व हेन्। कार्यात्र प्रहेन्। हेर्याचे हेर्च हेर्च के के अप्तर प्राप्त कार्या कार्या कार्या हिनायते । धुरा धुःसानुवाङ्गा नद्याञ्च न्त्रीयायेनायरावत्वयायवे हुं नर्देवे सेन्यायाञ्चर पर्वः नेषायान्दा भ्रेष्वर्षे प्रति स्वापन्य प्रति । स्वापन्य प्रति । स्वापन्य प्रति । स्वापन्य प्रति । ने वित्र किन या सर्देन नु सार्धेन भाषित हा क्षन परि स्वन समार्थेन पर हैन भाषा वित्र हेबर्यवे क्षायमार्थेनायम हेन्यायाध्यम् ह्या विमानसूरमा विदा हे द्वाया हुद พลง.ะช.กพ.ายยปพ.ก.ชู.มืน.พลพ.ฮู.บ.ชื่า.ว.โข.ชพ.ภูป.กร.ายยปพ.กุร. म्रिन्स्मिन्राधिवाया देन्याद्विवाद्वायीम् प्रदेशान्त्रेवायत्राह्वायायायायाः हेन्यभण्याम्। विभागसम्भागस्य मुनायदे धिम। ने प्यमायहेना हेन की स्वेश में प्रा *ॾ्रि*॔ॺॱॺॺॱਘॸॱॸ॒ॺॱऀॺ॓क़ॱॺऻॱऻॴॸॱॸ॒ॺॱॻॸॖ॓ढ़ॱय़ॱख़॓क़ॱय़ॺॱख़ॱॿॖॻॱऄॸॱऻॱॸ॓ॱख़॓क़ॱक़ॱ चिर्ना वेशर्रे या द्वेषात्र पायर प्रायाधित विरा चन्ना यहेता द्वेता हुता ही या ही वितर युवाक्षातुःविनाहेन्यादेवे क्षित्रः क्षेत्रः क्षेत्रः प्रवादान्यः विषयः विकास्त्रः विवादेन्यः विकास्त्रः विवादे यदे भ्रिमा ने प्रतिवर्त प्रदेश हे व भी ने वर्षे प्रतिवर्ष व वर्षे प्रतिवर्ष व वर्षे न यदेव'य'णेव'यब'साष्ट्रिय'ठेट'। दे'णेव'व'स्क्ष्द्र'यदेव'य'स'णेव'यब'ग्रुट'साष्ट्रिय' तर चीय है। चेरश क्षेत्र क्षेत्र जूबा तर प्रधान क्षेत्र हैं विश्व क्षेत्र क्षेत त्रु मा क्षेत्र त्रु क्ष्रेत् का त्रा क्ष्रिया महार्थिया महिता महि क्ष'तु'क्षक'र्ये'यद्'वुर'वो'क्ष'र्दे'व्य'क्ष्म्य'क्ष'क्ष'व्य'य'दर'। द्यःश्लद्र'यदेक'य'विषय ग्राम्यवग्रद्भेषायवे भ्रिमा वेंद्रा व्येषायमा देवे भ्रिमासम्प्रविष्ठे देना विगाग्वां हैं या पुष्पाय हुव या विगाग्वां है या ग्री यदेव या आधिव विवा विवा गर्या स्वा याश्चीतवरायराव्यूरारी विषा हुँकासेरारेगकार्यायराग्चरामेशार्रराग्चर पविष्युं मात्रुवाषापङ्गव प्राप्त पविषय प्रवास निष्युं प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त तात्रात्त्रवात्तात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा क्रिटाचित्राक्ष्यात्रा च्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा यायादानागानाहें वादाना विनायवे गानाहें वादाने देन प्रमाने मा निनातु की प्रमान ने^भ देनामायमान्त्रेन्छिटास्मायमन्श्ची मस्टान्टारमायायमास्त्री । न्टार्यादेनामा यदी वेषान् केषान्त में नाम में र्ह्ताम्हेश्रसुरित्रे से से नामा सम्माना गुनि हितायहि सुर सूर पासूर गुनास गुना मिर्देशसी निवास मिर्ट हिंद है। मिर्टिय लिया है हिंद है र है र निवास मिर्टिय है र निवास मि यस्यान्त्रियायवे श्वेराद्रा यदाद्रमाद्रा गुर्के हैं यावम्यायवे श्वेर वे त्रा गुर्क ह्निप्तर्यत्रेष्यायम्भागाष्ठ्री गुर्केन्यियदेष्यायराष्ट्रियायदेष्याया बः गहबः श्रे अर्द्ध्रप्ताः गुबः हैयः यदेवः यन्ते वायि गुबः हैयः यदेवः यदेवः य यन्दर्यमा मुद्रायि द्वेरा महिमाया इसायन्दर्शी मासुर द्रार वायाय दे। दे हिद यम। नयाने यह द्वापदे गुन् हेरा है पहेर प्रमायह र्येन नहिमासु है र गुह । स्राप्त्रम्यस्य स्राप्ति प्युवाप्त्रम् प्युवाप्त्रम् स्राप्त्रम् स्राप्त्रम् स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्त वर्ह्मान्त्रेन्त्र। गुन्राह्मिनेश्वान्त्र्रायिः स्त्रायिः स्त्रायिः स्त्रायिः स्त्रायिः गुन् ॅर्ट्रिय प्टेंबा न प्याप्टेंबा न कार्य हो स्वाप्त कार्य का त्रमुखितात्रम्म स्रेर्पित्रक्र्यास्र स्राप्त स्रिम्स् । विश्वान स्रिम्स स्राप्त विषाया दिव वि वि व मे। यह दिवा गाँव हिंदा की वर्दे द राय गाँव हिंदा वा यह रेविंग महिकारी प्रदेश प्राप्त के प्रति । परमायहें का महिकार सुर्युष्य उक् र्यमायि ग्राक हें प ५८.१ ट्रे.ज.लेज.घटचा.च्रिश.शे.झेंट.घ.के.चे.लेज.जूच.त्रु.ची.वे.क्रुंच.वे.क्रुंच.वे.क्रुंच.वे.ले.वे.ले.च्रेच.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे.ले.वे. श्चेप्यहें मान्ने मा देवे कु अळव प्येंदादी दे द्वाप्यें मायवे गाव हिंदा हु प्यहें माना दे ৾বি[৽]ৰ'ৡ৾৾৾৾৾৾৾৽য়ৄ৾৾৽য়৺য়৾৾৽ৢ৾৽য়৾ঀ৾৽য়৾ঀ৾৽য়৾ঀৢ৽য়৾ঀ৽য়৾ঀ৽য়৾ঀ৽য়৾য়৽য়৾ঀ৽য়৾য়৽য়৽ निर्विन देर्नार्येन्यपंत्रगुक्रहेन्द्रन्त्रन्तर्वन वित्रव्यक्ष्र्र्प्यक्ष्र्र् श्रेषुषयदेष्ट्विम। नम्प्रियानाक्षे। ह्वेमणाबर्षेनायनेबयपदेशिकावाक्षिन्यदे ळ्ट्रसमायह्मानम्मायदास्त्रम् महिमायाम् नामायास्त्रम् द्रोत्यान्त्रम् त्रु.याट अवा.वी.कैंट ज़ी.ब.केंट त्रु.क्ट्र अश.यटची.ठहू ब.च्छेश.जूची.चेश.सी.हूचेश. लियाना यदमायह्म महिषाणी वियालयाळ्टा समाविषामायविषाम अवाली मार्टी मार यदे द्वेर। ने न्निन न्यर द्वाणी वनमायह्व महिषार्यमा नेषा सु ह्वेर हा क्ष्र यदे ळ न समास है नमायदे ने मायदे हैं। यन नायहे मारिया विमायि । यमः क्ष्र- 'न्ध्रेन 'ग्रेन क्षेन 'स्रेन 'क्षेन 'यम 'स्रे । इस प्रमन 'ग्रेन हेम प्रमन विषायर वर्दे दाया भेदाव दाया विषा विषा दे वा विषा दे दा दे दा दे दा दे दा वा विषा विषा विषा विषा विषा विषा विषा रटाक्नुदायसायद्यायहें साहिसाग्री लेकाप्या क्षेत्रामा विवासाय स्वयाहे। रटा क्रिंट.तरा.ट्रे.च्रिश.उर्विज.चेश.स्त्रा जूच.चेश.स्.स्चेश.त्रु.ह्रिंट.ट्री ४८.क्रिंट. तमान्नियारह्मान्त्रेमायाञ्चरानञ्चरान्त्रस्यानुनयराह्मिनायरे हिन्ति। रहा कुर्प्यस्यत्वायहें स्वाविधायायत्वायिक्षायी देवा क्षेत्रायायिक्षाया विकास यःक्षेत्रःतुःसःगुवायत्रःहेन्नसायवेःध्वेत्रःत्रेत्र। विवायःस्टर्सायसागुदावङ्ग्वयःसानुसः र्से १देंना वेंनायदेगाुनहेंनामहनस्रायदेंन्नस्रास्त्रसम्पनिहा त्रामठेना त्त्रामिकार्यः सूरायदे प्रवराये अपन्या ने त्या त्त्रामिक मात्त्रामिकार्यः सूर्यः स्थापुः स्विन त्रत्राच्याह्याम् व्यात्राच्या स्वत्यात्राच्या स्वत्याच्या । यद्या स्वत्याच्या स्वत्याच्या स्वत्याच्या स्वत्या न्वागुबर्ह्नान्ता वेवायवेगुबर्ह्नाक्षेत्रहेवागुमा वहवाहेबर्गुः वेबर्ह्या हें भार भारे मित्र भारी रिवे पार हिंगा में लिखा के प्रवार री वह मारे के की से भारें यार्ट्स्यात्रसायाः द्वायात्रात्रा देश्याद्ध्यात्रसायात्रात्राहेन्यायेत्रायाः विवायात्रात्राहेन्या ५८१ इस्रायम् भी ५ मेरिसायर यह से सूट परि दीरा

ने 'क्षर'यने ब'गिरुष'गी 'इस'गावग'यहें न वश सेग' के 'रय'रेय' रुब'गी थ

रक्षेत्रयायाध्या विकार्येत्रयार्श्वयात्रियाचे वार्षे सम्प्राचित्रया विकार्येत्रया विकार्येत्रया विकार्येत्रया स्वारम्यविष् स्विरंशुरंगुष्ट्रियः स्वा विष्यः स्वायः स्वी गानिष्यः ग्रीषायदेषः ग्रीषायदेषः गुःर्टेन्ट्रिन्दा नयाने यहेनाहेबळ्दास्याधेब बद्दी वेसार्स्रेन्याम्दायानुनानेसा मलक क्रियममायाय वहिमाहेक क्रियमिक प्रायमिक प्रित्र प्रायमिक प्रायम हेब देंब बे प्रहेग हेब मामक छेट ग्रीका विकास महासम्बद्धि ग्रीका महासमाना स यायहिमाहेन मुक्तमार्वेन प्रयोगवेन स्थापन प्रमुक्त प्राणिन के । निर्माणिन हो। निषा यर अर्चेत्र 'यश्रुम् न् 'क्षे च च नाना याया की नार्वे न या न यो न द च करा ने च क्षत्र यये 'क्षे र महिषायान्यानः हो हैं मान्दर्येषाम्बर्हेन यदेव दे दे दे दिन्दा महिषाया विषय स्वर्धे व न्यायनेवायिः सें पियम्बायिः श्वेम न्याये श्वेम न्याये श्वेम न्याये श्वेम न्याये श्वेम न्याये श्वेम न्याये श्वेम यर रद्देव परि पदेव रद्देव क्वी सारे नाय के दाय दिन परि देव स्वेत परि परि स्वापित स्वाप व्रेन्यवे क वर्षणाव हैं वन्ता नर्देश ये इस्रमणाव हैं वन्तिव वहें वन्ते वे दें विरा यदेव यस व गाव हिंच यदेव य विश्व यह व यदे हिं र है। यह मिने मारायश दिस इस्राक्षेत्रण्यां वर्ष्ट्रियः विषयाये देवात् प्राप्त विषयाये वर्षेत्र प्राप्त विषयाये वर्षेत्र प्राप्त विषयाये विवानाचारा ने ब्रे प्यार निवासी वर्षे प्रायम निवास वर्षे प्रायम स्वाप्त वर्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् यदे दिस है गुर्वे विषयासुर सम्बी मञ्जा सम्बास सम्मान पर्कसमित्रेसन्द्रम् न्यास्याम्बस्याये सेसस्यन्यस्यम् सुसिन्ते स्यो ग्राब हैं पार्ड अध्येव लेका परि देव ध्येव हो। यह अया मुख्य पेरिक मा अवस्था व বব্ৰ'যম'বেইৰ'যবি'বব্ৰ'বেইৰ'ম'ব্ৰি'ব্দ'বতম'য' ৰ'্ন'ম'স্থ্ৰদম'যবি'ক্ত'ৰ্ম'

लिब्रायदिः द्वीर रहे। रहादम्यायमा देखाद्वब में मार्गहर रहार महासाम् क्वायेसस्य प्रति क्रिन्से स्थाय क्रम् की सम्माय स्थाय प्रति प्रति वित्र वा स्थाय क्रम् यार्सेन्यश्रापित्रायार्वे प्राप्ति प्रापति प्राप्ति प्राप धिव मी। यनेव यने वाधिव ने यनेव यम अर्देव यम क्रिया क्रेन यदे ही मार्थे । विषा नस्रम् यन्नायद्वाकुः स्वायाने त्यायम् वात्वानी यन्नायद्वाकुः सार्यना यद्रा केराणीयर्वायहर्षेष्ठी सार्चन्याविष्ठास्य देशा हेर्नार्श्वरी से क्रिं ग्रीयायर्स्यातास्यातीयात्विरायवास्याते राष्ट्री राष्ट्री राष्ट्रीयाययार्था स्विना য়ৢ৴৻৸ঽ৻৸য়৻৸ঀ৾৻ঀ৾৸৻৸ৼয়৻য়ৼয়৸৸৻ৡয়৻য়ৼয়৻৸ঽয়৻য়ৢ৾৻য়৻ঽঀ৻৸ঽ৾৻৴৸ৼ৻ म्राम्याम् इत्यान्त्री प्रदेश प्राप्त स्थाप्य माल्याम् विश्वाम्य प्रत्याप्य प्रमाप्त हिन मान्नन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रमान्नविष्ट्रम्भारुन्द्रभार्ष्यः द्रमान्यस्य विष्ट्रमान्नि वकुयायमा युमायायुमाद्वराहीयविष्ठात् । विष्ठे सुनाग्वरायान्वमायकुराहे॥ विषायिययोगयायमा गिनिःसुगिन्ने ने इसमाहि सुरायने न यर है ग्रायायम सेरिया यान्तरिक्ति हिरा दिर्मारीयदेव यदे रहाने हिर्मे इन पर हैं वर्षना पर रहाने वह्नार्ने ।वर्देनःकन्रम्थायार्सेन्रम्यादन्नागुरान्तिःस्नानीर्मगुत्रानुःवन्न्रसायवेः र्ट्यार्युयः प्रताविवाविवाया स्वायाप्ति स्वायाप्ति स्वायाप्ति प्रायति । वर्रेन्यम्यरव्ह्न्ययात्रेर्णुः श्वेरा निहे सुनायमाद्यास्य स्वापरावस्य बिटा गिनुसुमायायहेबायरायटाय्युराने। गिनुसुमाम्डिर्मिनुरामुः धिरार्दे। वृषाचिषुम्बायान्ता देवाषायानुवान्तुःयायषाग्रामा वामायमानुवाष्यवषाः क्रिन, क्रिन, क्रेंट का ख़ुवा मार्च मार्च मार्च का क्रिन मार्च क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक

यम् भृष्ट्रेष्ट्रम् चेष्ट्रम् । विष्ट्रम् । विष्ट्रम् । विष्ट्रम् यस्य प्रत्ये सेस्य स्वर

यश्चायर अस्ति।

यश्चायर अस्ति

त्रिया क्वाकार्ल्य प्राची क्या स्वाची त्र मार्थ क्षेत्र प्राची क्या क्षेत्र क

'ইল্'ম'ব্দ'বেইব্'ক্তল্ম'ঝ'ঝল্ম'মবি'মল্'কল্ম'ব্''অদ'র্মম'ম'প্রমম্'ডব্'মট্রির্' यद्रा सरमाक्रमाप्त्रियाय्यार्क्ष्वायराय्य्यरक्षीयावन्द्रवायान्त्रे साधिना नासुरस्यस्य नेस्या देन्ते पदेन यहेन मु पना कन्य हेन नेस हो पर्देन रे । वन कनमारे छेर नेमा ह्वीय साधिम मा छेन से र माये ह्वीय यायम दें मासे र बयर। देखेंब्रेच्चियः स्पेब्रयदेखेर है। देद्वायर्ड्ययाया सेद्यदेखेर है। द्वा वर्रेम्पाया हेतु द्वरामकेंद्र भार्यते खुमाग्री मानमाद्वर यो मानमा मानमाया मानमाया वि र्से विषाञ्च प्रति र मानी मान षा र न त्येन महिषा धेर प्राप्ति न प्रति न प्रति मनी प्रमास स्थित त्रुं नियम् में भाषे प्राप्ते ही मा ने प्यम् हिं के कि मार्गी भारति व्यापना कना भाषा प्राप्ति न यांचेनान्ता हें देशकें त्रियां ग्री सार्येद सार्थेद प्यते दारे देश में प्यापक निया महिला र्षेर्पयायमा नेमाङ्गियानुग्वहेनायान्ने श्विःसाधिन्यास्य यास्य प्राप्त प्राप्त । विना ब्रे.यर्नेथ.यह्र्य.क्री.यची.क्षचीका.क्षेट्.क्ष्य.क्ष्रूटका.क्ष्य.क्षा.क्षय.तपु.का.प्रची.तपा. चालक र नियम सम्मान स्थान विश्व विश्व स्थान व्देन निर्देश स्थान के सामित स्थान के सामित स्थान के सामित स न्न भी नवसासु ने साञ्चा प्राप्त के । विश्व मार्थ प्रमास्त्र प्रमास्त्र प्रमास्त्र प्रमास्त्र प्रमास्त्र प्रमास कुर्य। ४८.८म्रोजाजमा चीर.म्रीमाम्राम्माग्री.मिर.उपची.तर.मिर.कुर.कुर.पट्टी.पर. द्येत्राया हेश्रास्याचीत्रायराद्येत्रायाते हेश्यायाळवाश्राते। हेर्न्स्सायाचे सुराष्ट्राया यद्रा में अश्यद्रा इप्यद्रा वन्कन्थलेशनुयक्षस्यम्बर्गने ৾ঽ[৽]ৡ৾৽য়ঀ৽য়৾৾৵য়৾ঽ৽য়৾য়৽য়ৢয়৽ৡ৾য়ৼয়৽য়৽য়ৢৼয়৻য়ৢ৽য়ৢৼ৽ড়ৢয়৽য়ৄয়৽ৼৼৼৼ৽

यरमाक्रमाण्चिमाञ्चरायरक्षानुषान्। नियासरादरक्षान्नियासम्बद्धान्यस्याद् ৾৾ঌ৾৾৾ঀৢয়৴৻ৢঀয়৾৾৽৻ৼয়ৣয়৸ঢ়ৢ৽য়ৼ৾য়য়৸৸৸ঢ়ৢ৾৽ঢ়ঢ়ৼৣঀঢ়৸৸৸ড়য়৸ঢ়য়৸ৼৢ याम्मभाषाचे मार्चितानु खूटावरुषाणु हिंगायात्रा अनुसामान्यानु खूटासेत्रु वर्वेर.यद्र.प्रथ.द्र्य.त्र्र्य.ता सरस.क्षिय.यश्च.प्रथ.प्रथ.द्य.श्चर.ट्री श्रभस.श्रभस. त्रूट ने द्रा के ने के प्राप्त के यर हैं न या वे 'बेबब पा के 'चे कु 'च 'पेव 'व 'दे 'द प्याप परि 'खें र । दे 'वि 'व 'वे द दे वे 'व अ यर हैं गया से दाय भेव की हि न्नदार अर्दे प्यशा देव दस्य पदि पदेव या गरावे वः यरायाम्रम्भाग्री कृषायरमा भाषा भाषा इसमाक्ष क्षेत्रा ग्राम के निर्मा विषा यसिरमास् विमाननरार्ते विश्वमान्तरार्त्रयास्य स्थानमास्त्रीया म्बिमानीयार्ट्रेब्राट्र्सपदेवर्ध्यार्ट्रेप्ट्रिय्ह्रब्रायात्त्र्याः हो। द्येराब्र् स्रेमार्ट्या सन्भेगसयन्वित्रन्तेत्वे भूतसय्देरः यदः वेषयरः गुर्वरः गस्तस्यये स्वरः ने^भ न्येन्त्रित्वेत्रन्अत्रेनायस्य पञ्चन्यये सेस्यायायायुर्वे सेन्स्य प्रेन्स्य पुराप्तु सूर लट.श.र्यात्रप्रत्याक्ष्यायाञ्चरायाच्यात्रप्राचेयायायात्र्यात्रात्र्यायाच्याया यदिः दिर खुर खेन्यायने व मुयायना च अने छिर दिव र अयदेव या धेव विषाय ह्रव त्तर्भुर वित्रारी शर्मनामश्चर्यात्र्रभुत्या हैता वित्रात्रे में मान त.म्रोट.तप्र.चता ट्र.क्षमा.सप्त.केम.ग्रीमा.सा.चीच्यमा.तपु.क्षेप्री भार्योत.यी सप्ता.

प्राचित्राच्यात्राचित्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्यात्यात्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्या

त्रम् अरुक्षःह्रमः स्थायह्रम् छेन् यन्तर्भात्र स्वाप्त्र स्वाप्त्

यानिक्रमानियायदेवानिक्रमानुकानुकानुकान्य अन्तरम् अस्व सुरानुकान्य सिक्रमानिकान्य सिक्रमानिकान्य सिक्रमानिकान्य क्षिर र्युत यहेब यहिषा र र र व मेथा याचा बाहिब यद सी र क्षेत्र में किया में वा मी वा सी मेथा चुदि'न्गुव'दिन्'गुन'द्विन'ठन। विश्वासुन्य। विन्न'ने। ने'से'दबन्'ने। स्या सिविद्यानी सम्बद्धाः स्वीत्रामी वेत्रास्य द्वार्य द्वार्य स्वीत्र स्वी त्रु हिर है। देश सुर सेवाश सावी वेवाश प्रेर हुं या की शादे दे हैं वि के हिर वी वेवाश धिव वसा है 'क्षर व ने 'नवा की साने 'क्षेत्र की साने हैं ने का परे व से निया है द्रुय.ग्रीट.श.च्रीत्रचेशत्रद्धंतामुश्रादे.ट्या.ग्रीश.ट्रे.च्रीत्रचेशत्र्यी विश्वायाहूटे.ट्री विश्वा निस्तर्ययम्भी बेना याष्ट्रयः ह्री ने स्र रामस्तर्ययम् स्रासिक मी सर्दि र्श्वम्यानिष्ठ्याञ्चर प्रताप्तरम्यते स्त्यानी सामिन्या मिना मिनेन सामिन स्त्या है स्तर तर्दा क्रासिव की यह सिया वीचे वाया राष्ट्र वीचे वाया है र है है दास वीचे वाया हे क्षेत्रपानीवेन्यपियावीवन्यपेर्ट्रहे स्यापायानीवेन्यपार्यन्यायाप्रीन्यप्याप्री नमुत्रायि भुरते। रत्येवययम् द्रिमचे पुर्वाय स्वाय राज्य । चब्रेय त्यव ब्रिया सर्ह्य संभार् सहर प्रमारे द्वेर ख्रीय संस्तर ख्रीय स्मार्थ स विषायह्रिन्त्री विषाक्रिषास्त्रवायासारेनायराक्रिषान्त्रनायताविनासुनाषासुःसुन् तर्वासीरस्तर्रः ईरि.त.जस्मीरावार्वेचसाम्भाषाम् मान्यारा श्री अर्घे हा विद्राविषा अर्घे हाया से अर्था प्राप्त से अर्घे हा विद्राप क्रायर वेषात्र सेराय भीता सर्वे र सेराया । विते के के सार्वे र भी के ले सारे विषा

तक्षर्भात्तर्भण्यस्य विषय्याय स्त्रात्तर्भ्य स्वयस्य स्त्रात्तर्भा स्वयस्य स्त्रात्तर्भा स्वयस्य स्त्रात्तर्भा स्वयस्य स्त्रात्तर्भा स्वयस्य स्त्रात्तर्भा स्वयस्य स्त्रात्तर्भा स्वयस्य स्तर्भा स्वयस्य स्त्रात्तर्भा स्वयस्य स्तर्भा स्त्रात्तर्भा स्त्रात्तर्भा स्त्रात्तर्भा स्त्रात्तर्भा स्तर्भा स्त्रात्तर्भा स्तर्भा स्त्रात्तर्भा स्त्रात्तर्य स्त्रात्तर्भा स्त्रात्तर्भा स्त्रात्त्रात्त्र्य स्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्य स्त्रात्त्त्रात्त्रात्त्य स्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात

गान्धेन निरंगित्र ग्री अने न्स्र निर्माण स्था केन स्थाने हिन निर्मा निर्मा चैयः है। ह्वा मान्दर्म्यात्रत्वेयात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्वेयात्र्याः हिंगा है। न्यायायान्या याता क्षेत्रान्ते राज्ये प्रति प्रवास स्थान्य प्रती विकार्यया स्थापिक विवास मिषाद्याञ्चर प्यतेष प्याप्त प्रमाय अपयासु रेनयायान विवानीया विवासीया श्रीमान्डियानीय रेन र्यायदे हुं। ते_ं न्तुःस्राप्तरकुन्यवाये। नेतान्स्यायवेःक्चेष्यास्रीयर्नेन्यस्यन्ताःक्चेप्तरा देव दशत्रायतः भ्रुप्ताद वावा देवाया स्वीता वा भ्रद द्वावाव मुभुष्य विवास दिवाया वा भ्रवाया ८८.क्ट्र-त.सूर्यास.४८.वी.भक्ष्य.धे८.क्रीस.चीय.ततु.की.क्रीय.तास.क्रीस.तार.मारूय.सीम. मुभागुरायदे भ्रेम विषानेम देना मनुमकार्समका केंगरुम हिन्सेन प्यम वया वित्रिप्तिन्त्रः हित्रासित्र स्त्रास्त्र स्त्रास्त्र हित्या प्रत्य हित्र प्राप्त सन्तर्भा स्तर स्त्रास्त्र निवन भेरे में कर हिन्दि निवास निवास स्वास निवासित स्वास स दग्रागित्रेरायायार्रेयार्येराणुटावराच्चरया प्रायेशानुवादार्येरा। देरावया हिंदि रेपेंदिया हिंदि रहा की अळब छेद री अप पेंदि दे की आ है रिस्ट के हिंदी रेव दे अ यर भेर प्रेमा रे स्र मार के प्रेम हिर प्रमाण का मार के मार है मा पर में मिया बिरमा अत्र तर्रेट्यो हुर्छ्ट अर्घ संभार् हुर्यमान्तर हुर्या तर्मामान्तर मुभःह्नेद्राक्षेद्राह्मेन्यायराध्या देशाम्बुन्याळेंद्राखेन्यार्यदेन्याया यानादाविन ना नुनाया केंद्र र्सेनाया प्रदायविक की या को दाने दे समया के दाने प्रायी र

हिरा हमशही अपमा वर्दे दा थे मेश दे महमा के समा है में मान इरार्थिन द्विषा सेन प्राप्त प्रदेश क्षा स्था विषा परिष् निष्ठिय नेदिर यस्यासळसमाया मञ्जूषारळें रासेन्या केंद्रास्त्राचा विद्वास्त्रीयाया यसम्बद्धाराये अद्यामानमा जेवा में कार्य में कार्य ने किन में क यदेव यर भेंद दर्शिया यदेव यर भेंद व यदेव य भेव दर्शिया दे भेव व भे भेव रेशर्भम्भर्मेष्यदेर्धेम् वेशः भ्रुप्तं विषाः मध्यः मर्गे मुपासवदः दरेशप्ते र्श्चेन धेन है। युन्य पदी याहन्य श्चिष्य दे सुवाय राष्ट्र गवाव विकेश के सिन्दर इस्रान्याची कर क्रुर पर्द में र्वे दिन्द देव निया प्रति स्थापित स्थापि मृचमः प्राप्तुष्यक्रीमः मा प्रस्तुः भक्ष्यः १३८ मिनः भ्राप्तः त्रीरः त्रमः ग्रीरः वास्प्रसः हें र्गेव्यक्ष्मभायमा देर्षुस्यम्बद्धस्य र्वेष्यस्य स्वयं न्वायम्भ्रेष्ट्रिम्ब्रायन्त्रे। व्यम्भ्रेम्यान्त्रेन्त्रीक्षाक्रेक्षाक्रक्षाक्ष्यम्भ्रेम्यम्भ्रेन्यम्भ्रेन् ने^भ क्रमाइसमाप्तेन क्रेंन प्राप्तेन प्राप्त विषाणस्य क्रिया विषाणस्य प्राप्त विषाणस्य विष्य क्रिया विष्य क्रिया विषय क्रिया क्रिय गुरा हैंद्रियेन हैंद्रिय अर्वेद्येन के विष्टाय का निया के वा के वा र्म्याः स्थान्याः स्थानः स्थान्याः स्यान्याः स्थान्याः स ५८। इ.मु.जम। ई्र. ध्रेर.केर.के.य.घमन.२२.व्री १८४.तर.वर्षेष.तर.के.त.चम. निस्ता । निर्देशक्षिर्यक्षिर्यक्षिर्या । देर्नायञ्चरम् अर्यानिस् नासुरसायसागुरासर्दिरे देन दे हिरायकरायदे ध्रिमा हनासानहिसाया नाराध्रिमा तम्दर्भरम्भरम् नम्प्रत्ये । नव्रत्ये नम्परम् मञ्जमार्थमार्थमार्थमा विषेत्राचरायेत्राचेत्राच्याच्या वा सक्षयम्भीयायीयायत्रः द्विमा स्वायायया यर्ट्रमा यर्वे सम्वायान्यः चयायाययेष यासहरायये द्वीया हमायामासुसाया ने हिन स्नियसासु देनायायामारा विवानीया विकार्सेवाकार्श्वमानिकवानीकार्रेक् रस्यायदेर हु। यस्याविवाकायमः वयायका नवायायक्ष्रकाने। वालुमायदेवे अन्यस्य सुनिविक नेनिविक नेनिविक नेनिविक नेनिविक नेनिविक नेनिविक निविक निविक निविक निविक्त निविक्त निविक निविक्त निवि बः क्षर्-र्-र्रम् अळव क्षेत्रा चुप्यये क्षेत्राय केषियाय र अहर् यये क्षेत्र के। युवायाय रे यार्टानी सळव हिंदा ग्रीका नुवार्ड सावका यदेव मुवार हु । यश्वा क्षेत्र र्वेशः श्चरः अः श्चरः परं परं परं प्रति प्रति प्रति । विष्णाम् व यथा दर्ने हे 'हे 'वि द सूर मर्ने द के अवर मिर्या हित पर मु हो हे 'सू स पिद दा गुक हैं निविद्य निविद्य स्थान स्थान स्थान देश के विद्य के निविद्य गुर्केट्च मुं के रिक् में बिकामसुरका हमकामित्रका निकाम निकाम मुनका यक्रवायार्श्ववाया विवार्श्ववायात्रीयाने व्हारायावायायार्सेन्यार्ह्हेन्यार्ह्हेन्यार्ह्हेन्यार्ह्हेन्यार्ह्हेन्या <u> २८.कैंट.तथ.कैं.जब.उचेंश.चें.उचैंट.च.श्रट.त५.चजी</u> ५८.शक्त्य.कींश.चींच.त. श्रेन्यते द्विम् विषार्द्वेन्यायाय हुन्यते मानुग्राया तहन्याय दिन्यते द्वार्याय हुन्यते । मु भेषाया हु 'पार्पेर पर्गोर 'ष्या रहाने 'सळव 'हेर 'ग्रीया मुपाय सेंहर परि हु यमानेमार्झेटायदेखन्यन्युत्व्यूटायरायङ्ग्रम्यदेश्चित्रमायो द्वितायासेन्यदेश २८.उच्य.प्रे.इ. श्रम्म.त्र.चथवी.त.त्राता व्या.च्युय.टी.श्राप्यात्रां.श्री.खेवी.वीर्चेवारा द्वार्यास्त्रिक्षात्रः क्षेत्राच्यात्रः क्षेत्रः क्षात्रः क्ष्राच्यात्रः क्षेत्रः व्याप्तः क्ष्राच्यात्रः क्ष्

यायाग्वावावविः स्विषाविषायेवास्त्राचिषायरायह्रवायान्या स्विष्यायराय लियार्चा अहूर व्याप्ती विषासूची मान्युचा चुरातारा त्याचारा त्याचारा त्याचारा त्याचारा त्याचारा त्याचारा त्याचार युःवयुद्दाविःद्येःवङ्गवःयःद्दा द्देःद्वयः युवावेःयेदिःवेदः क्षेवः सस्ट्रंद्रवाणुदा । विषाः यम्भा इर देव हिर्द् यह्न या धेवा वेषायंदे यम क्री शहर यम् या सेर त.झूर.च.ट्र.तकर.तपु.हीर। रर.तूपु.क्षेताथ्री रर.झ्.वि.क्षे वाकागी.चयाक्याका गुब्रम्बदिः इस्मेन्यग्रीः ह्रेट 'तु 'वर्ड्स्य प्ययाययाययाग्री 'इस्मेड्सेव 'वर्ड्ड् व 'यर 'वर्ड्ड्। व क्र.य.जम्माविषे.तपु.मु.स्या.श्ची.य.वि.क्र्ये ये.जूषे.मी.ला.मी.८८.परं.तपु.जमा.येथा. यमर्देव मानव परे कुर के वाये का प्रमा यमग्री कम क्षेत्र परी व पर पर्देत है। ষ্ক্র'বি প্রবা বাধা বাধি ধারাধা দুর্বা বাধা বাধা বাধা বাধা বি বাধা বিশ্ব বাধা বাধা বিশ্ব বাধা বাধা বাধা বাধা ব ग्री इस द्वीत पर पर्ट्रा विके में द्वी स्वर् हैं स्वर प्राप्त के विकास के त ૽૽ૢૺૠ૱૽ઌૺઌઌ૽૽ૢૺ૽૽ૢૺૡઽૢૻૢ૽૱૽૽ૢ૽ૺૼઌૡઌ૱૱૽ૣૢ૽ૺ૱ૡ૱ૡ૽૽૱ૡઽ૽૽ૼૺૢૡઌ૽૽ૼઌઌઽૢૻ૱ઌ૽૽ૼૺૺૼૺૺૺૺૺઌ र्यः अत्रान्तर त्रुव्यक्षात्रा दे विक्षक्ष स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा त्रिक्ष स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स् याधिक है। दे अञ्चरमणुर यमा विवायमा सर वी यत्र भारत मुक्ति मुमायि द्वीर है। यमः स्टायिक मुकासी यग्नायि स्विस्ति। यमः स्टायिक मुकासा स्वेमायि स्विसः हें मिल्ट यदेवे स्वायोय यथा देवे स्वि र दे स्वर यदे व या महिषा मार प्यट र र प्रविष्ठा स्त्रीत्र त्राचार्त्र क्षत्र त्राचार क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र ग्रे वयाद्मस्य विषय वयापुन देट पुर्वेन प्यट वयाद्मस्य ग्री वयस पुर्ट वन्नेवायां ने। गुन्नाविष्त्रभायर विषायाद्या श्रेष्ठ्रभाग्ने कुन्दर कुट्टा भ्रेष्ट्र । विवायायार्थेन्यायरार्थेन्यासुर्हेन्यायासेन्यरायरायन्यवन्याधेक्ते विवानसुरस्य

स्रैयश्रत्देव्रः इश्रायन्द्रायशा वसग्रायवे ग्वीतः वर्षेयायः स्रायः सक्षर् १६८ मी सामु पारम् या उस से ८ मा मा का मे १ मा साम कि मा साम कि मा परि रि में या सुरा में अप मा महुन से दि साधिन या रि ने या पहें न का समाय रामन परि र मुपासवयायम्या हो नावन निष्यु के सिप्ता स्थान निष्यु व रे विवा वर्षे र्च इससा चहिन व। कैंवास दुवा यस रे विष्टा प्राप्त ग्वा विषय विषादरा रदःरेगायर्गेगायुगषाद्युवार्येदायाध्यवायाद्वरा रदाकुदाधीः ह्वेरा यसां भ्रिया मित्रा के त्या है निष्य कि निष्य कि निष्य के निष्य कि यावरायेर्यायवित्रपुर्धे रेवाकुर्दे स्थान विर्वाहर प्रेर्वेराय प्रदान विर्वाहर प्रेर्वेराय प्रदान विर्वाहर प्रेर्वेराय प्रदान विर्वाहर प्रेर्वेराय प्रदान विर्वाहर प्रवेराय प्रदान विर्वाहर प्रिर्वेराय प्रदान विर्वेराय प्रवेराय प्र न्देशरीं रत्यविव सेन्यर हैन्याय थेन्यन्ता केवा ग्री यन्ना यहेव हेव सेन्या सुर्व्ह्रम्यन्द्रम् विमायन्द्रिसर्येध्येष्ठ्रयन्द्रम् देवे कुःसळ्त्रः कुसन्तुसम्बस्य ग्री प्रह्मा ख्या द्वार सेंद्रा सामित्र प्राप्ति सामित्र में विकाय पुरा है। सिमार्गिद सा वयायर्नेव कुं विवार्वोषायार्मा देवे र्वेवानु विषाक्षेता अळअषावाम वयार्शेमाया श्चार्यास्त्रम्याण्चित्यरास्यार्यात्रेष्वमार्येत्रेत् विसार्यम् स्वास्त्रस्यायेत् ततु.चीयःश्रचतःवर्थेर.क्रंशततु.ह्यंता.कु.क.की.श्रेर.ता रट.ची.श्रक्षं १३८.ग्रीया *ચુંગપા દા સ્ક્રુન 'નું વર 'વિશ્વ સાંખે*ત્ર, તાંતુન, સંચુંગ, સાંચુંગ, સાંચુંગ, સાંચુંગ, સાંચુંગ, સાંચુંગ, સાંચુંગ, तथ। ८८.तूर. ५८५७.वि८.तर. यथे८.थ। ग्रैय.तपु.श्रघप.पट्ट, थ्रेट.शटश.केश.पश्चैह्या. ग्रीभायसम्बाद्यायि प्रविदायास्य सम्बाद्या स्वाद्यायायायायाया विम्रवाद्याया য়ৄ৾৾৾ঀ৴৾য়ৢ৵৻য়৻৲৾ঀৄ৾৾ৼ৵৻৸৴৻৸ৼ৵৻ড়ৢ৸৻৸ৠৢৼ৵৻য়ৢৼ৻ৼৼ৾ঀৢ৻য়৻ড়৾য়৾৻ৡ৾৾ঀ৾৴য়ৢ৾৾য়৻য়ৢ৾ঀ৻৸৻ वर्रेरायार्वेषासेरार् सहरा वेराण्चीरत्यासामाञ्चनात्री वयास्यान्तिकामा

<u>२८ मि अळॅब हिन ग्रीका चुवाया से प्वतेन प्यका स्वायायाया प्यास्य स्वाका ग्री हिन प्यस्से ।</u> वर्रेता रुषात्रेमा भ्रावन्ति। यहार्स्यम्पर्देशस्यवित्तास्यात्र्यास्या गुपासवराञ्चापार्छगार्ध्वेगमास्यासद्दार्छम। देखद्वारममञ्जूदायायमार्वेमास्रेद यवः विराप्ता विषार्या विषार्या विषाया विषया विषय दे'यर'गुब्र'मिवेदे'इस'वेष'से'दर्देद'य'र्र्स्यस्वसंगुष्र'मुव'य'सेद'य'यम्बुग'ह्रे। रट.भक्ष्य.बीथ.बीय.ताविष्यत्रत्यत्येष्यत्रत्य.द्रभ.तथ.बी.यबी.क्ष्यंश.वहुं. मिलेर पहें ने खिया है खिया ने मिला मिला प्रेम हैं में है से है ता है प्राणीय म्बि पर्ने निम क्षेत्र में विम कित्र मी अर्थित प्रसाद स्कन् सेन प्रसाद मान्य यदःश्रेम्भारत्यदःकुन्णेःश्चिमाञ्चन्याणे प्रवास्त्रम्भागे प्रवास्त्रम्भागे देवा स्वास्त्रम्भागे प्रवास्त्रम्भागे प्रवास्त्रम्यम्यमे प्रवास्त्रम्भागे प्रवास्त्रम्भागे प्रवास्त्रम धिवा निवर विषाने वि महेव नु की सेवाबा वा बुवाब गुर ने वि महेव नु की सेवाबा गुव मिल्दिः इसामिषाद्ये मिन्द्रिन स्वाप्तर्देन प्रदेश होना होना स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप यस्य चरक्र से प्यस दे हि मार्ग माने र मु म न मारे मारे से सम्य से सम्य दे र याया देविवर्नु विषायर मुर्वे । विवर्रे । वयाव्युरविष्युग्रायादे द्वर स्त्रिक्त्रीत्। रटाक्निद्रायानिक्रायान्यात्राष्ट्राध्यात्रात्रीत्राक्ष्याः स्त्रिक्ष्याः स्तर्यात्रीया

विभावभार्त्रेनायमाश्रेमभार्ययादेरायहन्यमायवाद्याराज्याश्रीयवाद्या द्रम्याद्रस्यसायुन्यादे त्यानुतायि द्वीता वित्र । वित्र वित्र ह्वी सर्वेदायसा य×ळ५ॱऄ५ॱख़ॺख़ॎॺॺय़ढ़॓ॱॺॺॺॱॸऻढ़॓ॱ४८ॱढ़ॗॕॿॱॸ॓ॱॴॱॾॗॕॺॱॾॖॸॺॱॻॖऀॱॻॿॱख़ॱ
 न्यदे स्ट क्रिंग प्रत्नाका क्रिंप निर्मा क्रिक्षिण ने दे क्रिंप क्रिंप क्रिंप क्रिक्ष क्रिंप क्रिक्ष क्रिंप क्र इसार्थिन नुपदिनायायिक की । हिन्द्रमुक के के के की मानियाय मुक्त ने पाय देनिया मानियाय है ने प्राप्त के कार्य मानियाय मानियाय के कार्य के कार्य मानियाय के कार्य के कार्य मानियाय के कार्य के कार्य मानियाय के कार्य के कार्य मानियाय के कार्य के कार्य मानियाय के कार्य का लुबे.त.चेबाबो चर्चेचेबाकुर्ट. रेट.तू.चेबिकाकी. उत्तचेबाता त्राचिकात्त्र. ૹૻૺ૽ઌઽ૽૱ઌ૽૽૽ૺૡૹઌઌ૽ૢ૽ૺ૽ૹૄ૾ૢ૽ઽૺઌ૽ૢ૽ૺ૽૱ઌૹૺઽઌ૽૽ૺ૽ઌ૽ૺૡઌઌ૽૽ઽ૽૱ઌ૽૽ઽ૽ૺૠૢૹઌઌૢ૽ૹ૽ૺૠૢૼઽ૽ૡ૽ૺઽૺૺૺૺ बनासे ५ 'पे 'मेश' यश मान्न परि 'न ८ वन 'दे 'ह सम्मानी सुर 'ग्री सार हुस परि 'मेश' प न्वम् अर्भः महा अन् । अर्भः महा अर्भः महा अर्भः महा अर्भः स्वर्षः स्वर्धः स्वरंभः स्वर **३**दि तसम्बारा १३ त्या स्थान भी स्थान महिनाबा परि । ज्ञानेबा स्थान । यदिःक्वें के प्यत्र के तृ गीर् अर मिन्न अपदे अना के तृ गी प्यो ने अ के तृ के दे मात्र अना मु श्रे रुट बिटा दे यम निवम यदे देवे क्रू द ग्री क्षेम य यह से द यम वस्न माय दे नवानि तर्वे प्राक्षिवायम् त्य्यू मार्चे स्वायम् विषाण्य स्वीकात्वे न्यम् अस्व ने निषाण्य स्वीकात्वे न्यम् अस्व ने निषाण्य स्वीकात्वे निषाण्य स्वीकात्वे निष्य स्वीकात्य स्वीकात्वे निष्य स्वी चित्रवारा भेर प्रत्यां मुक्त मी प्रस्वारा अवा भेर अद्या विवाया निवस प्रति के स्रक्षात्ववर्यात्रेषान् केर्यान्यायात्रेषान् स्राहेषान्यायात्र्यात्रेषान्यायात्रेषान्यायात्रेषान्यात्रेषान्या नसुस्रान्त्री तसन्तर्भायते नार अना मृत्यम् सार्ययय विनायते राष्ट्रसादे हिन् नार अना ने इसमा सुराहें व सेन देवे त्यवामाय है प्यम सेन भी सम विविधाय है ।

सक्षात्मावना तात्मावसारात् के। सक्षात्मावना तात्मे सम्प्रता क्षेत्र पार्वा सम्प्रता सक्षात्मावना तात्मे सम्प्र सक्षात्मावना तात्मे सम्प्रता सक्षात्मावना तात्मे सम्प्रता सक्षात्मावना तात्मे सम्प्रता सम्प्रता सक्षात्मे सम्प वर्षाः ह्रेनाः प्रषाः श्रेनः द्वेतः तस्त्रम् रायत्रामारः अनाः नुनाः नुनाः प्रवादः विवायते । स्व रे. धेर. ब्रेट. इतु. तसवीयात्राचार. चवी. पे. तथवी. तथा. कूची. तत्र ही प्रीय प्रवर ब्रेचा वर्रे र्ह्मेब कर र्वेर रु सम्बिब याया र्वेर बाब इसायमर यया वसारे र्वा देव गुर अर्वे व रेंग्सु क्षुत ग्री न वेरिकाय हे न्हें च च च वे व न हें विकास र वहें वा ने का संदे विटाइ क्रेब र्यो द्वा मी खुन्य या पहेब ब्रया श्रुयाया धिव ही विया विट्या पश्रुट्य पद्रम्बर्द्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष् द्रममाज्ञीमामानद्वेतामहमानावनातानाममामान्यामानामानामानामानामान्याम् ताम्येवसायरायम्बारात्म्यान् मृत्यक्वसायानुहायराष्ट्रा । यदारदार्म् रट.ची.शक्षथ्य.धेट.ग्रीश.चीय.ता.चियाशातशातीताता.वा.क्ष्र्यायशातीता.वा.क्ष्र्यायशातीता.वा.क्ष्र्यायशातीता.वा.क्ष यरः मुपा दे मुप्तः प्रथाप्यायह या मुद्दा यश वेषा शासु । सुवा यह या मुद्दा । सुवा स्व रेगासेन्यरामुवायवे धुरा रटाकुन्गी हग्रायटान्यासे वर्नेन्यारटासस्य मुकानुवाया सेनाया सुना है। ने विन्य यस रहारे साम सानुवाय दे स्नामा प्यान नवास्त्रेन्यरः व्युवाकेन। यनः क्रुनः ग्रीः नेत्रः व्यन्यन्यः नवनः नवनः नवनः नवनः नवनः व्यवस्यः विष्यः व्यवस्यः विष्यः व्यवस्यः विष्यः विषयः व यासूराधिकायविष्ट्विरा द्विर्देकावर्देदायार्यरास्त्रस्त्रस्त्राचीकाचीवायास्त्रदायायाद्विषाः भायर्सभातपुरवार्षेवाभारम्याना दे.वीयातभारत्ते, रूपरात्रावीयातपुर

धिरा वन रदायम्बायाययाळे या ग्री पद्रमा से दार्हे नायायर पद्रे दायर रदा सक्त कुं न्यूय प्रसेत् प्राया मुना हे। दे विन्यायया निरामना स्तर्भक्त कुं या निराम हिंद चैयत्तर रह्म तर्य मुँचार अवाची प्यर्चा रह्म र्रे चौया हे चिश्रेश चौयात्रश्चार अवा <u> ह्र</u>ीट.त.<u>ह</u>्यान.ट्यान.त्याचा ट्र.चीच.तना.थेच.४८.४८.४स्वान.त.क्षान.त.क्षान.त.क्षान.त. ग्रे केंबार र प्रविव ग्रेंबा मुयाय अर्द्देर या है न वार र प्रमुयाय रे से सा परे वार र दे वार र र वार र र वार र र्देन ब्रियः तृ तर्दे दिया स्टायळेन क्रीया चुयाया येदाया खानुना है। दे विनयाययाना र चनान्त्रकेषात्रम्यविष्यं ग्रीषायायायाय यहेषायि सात्रेषायाने त्रेषायायो विषयी विषयी ञ्चात्री अध्वतः सुनिषा सुन्तु रायदे सारी नायर गुना दे गुनायस यदेव वहेव हेव स्त्रीतः नृत्वयुप्यते द्विम। विवाय नर्देश यें माय माय माय सक्षा की सामुप्य सेन्य साथ विषायर मुवा दे मुवायषा स्नृ मुवे विषाय द्वारा सु मुनु मुवे रहे में प्राप्त में मुवाय के सम्मे क्षेर'र्वामा'स'प्रेम'यर'सेर'र्वामा'रे'हिर'म्रवासामितर'त्रुसम्स्यासुं'म्दि'विमाया विषयि दिषारी के ना से स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य दिषा से याराश्चार्यात्रे प्रदेश क्षूरायारा स्रोताया क्षेत्र प्रवेश क्षेत्र प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश धुरा

र्वेन। बिनायन्देशर्याध्येनपविःकुः अळन्नामानेन। वदेःवाळेनामानवः वसायुदः देनासान्वेनश्चीसाञ्च्यायवेः नृहः र्यायुदः व्येन् प्राप्तेन प्राप्तेन स्वाप्तेन स्वाप्तेन स्वाप्तेन स्व

यम। भ्रुं प्रते भ्रुं में भ्रुं भा में भ्रित्वे भा भी प्राप्त हैं भार्य राष्ट्र मा महाराष्ट्र भा मा प्राप्त के प्रा यटा चुः या निष्ठे शासु रहे प्यरामा क्षेत्र प्रेता वर्षा यह । यह प्रेता प्रस्ता वर्षा प्रमाणक विषय । यह प्रमाणक व त्त्राम् मुष्यायाकुन्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष २६्स.सी.४८.५चस.सुभ्य.१५.५.५ कुर.४४.४८.५ की.४४८.५चस.सी.८५६. शवुःशारुवातानभ्रीरतराविष्टर्यातवुः हिरा रवायाताची चेयाने क्र्याक्षा थीं. ग्वेविनायन्दिमार्याण्येन्यस्या सुन्त्वेवायन्दिमायन्दिमार्यान्दिमार्यान्यस्या षर्षेट्रसत्तृः द्विर् । यथ्रसत्त्राचीयः है। किं.वी. स्नेट. कुवा. यथ्रसत्तर त्वावाता ट्राह्मा म्विविषायहेषामित्रभागान्देशस्य असुद्रभायायायसस्य मश्चिराने पित्रभाग्ठेषा नु'यबुट'यर'श्रे'चु'ह्रे। सु'नुवे'वहेना'य'सु'नुवे'ह्रेना'यवे'कु'धेम'यश'र्से। विदेवे' वुचात्रप्रात्यचिषात्रम् चोत्रेषार्युतः हूँचषाः ग्रीषाः स्टान्यः स्टान्यः प्रवानिषाः प्राप्तः श्रेष्टरक्षे देवे देवस्य प्यत्र कुरुक्त कर प्रवे क्षे रुषाय मन्याय प्यादि । यदे हे त्त्रवात्राच्यात्राच्यात्राच्चेत्र। देनसायाः चुनान्त्रायाः स्विनायाः र्ट्सर्यर गस्त्रा इपर। कु वर्षिर प्रमा वि वर्षे । वर्षे स्पर् र्श्वन्यायाङ्गे विषायर र्रा क्षेराया वर्षा व वर्षेवात्तर। सर्वेट्रायंवे के बार्च प्रायंत्र के बार्च प्रायं के के प्रायंत्र के प्रायंत्र के वार्ष के वार्य के वार्ष के वार तराश्चीराथात्र्यात्राचाराज्ञीतराय्वीरार्त्रा दिःक्षेत्राथायाःश्चीत्रात्वीरा द्वेर र्धेर प्रमावका महरकाया धिक के । विकास रेटिकाया प्यर प्रेटिकायें मानुस्काय थे ।

साक्षी-वीतुः उत्त्वस्य दिन्। क्षि-साक्षी-वीतुः क्षि-प्राप्तवानु स्वाप्तवानु स

हम्बाराम्बुसाय। द्देःक्ष्रराणुयान्ने र्योद्रान्ने रामस्य सम्बन्धाः समित्रः समित्

र्थे ५ डे म द्रम देव देव देव देव देव विश्व प्रति प्रमाणिया हित यार्चेरायायह्रवायायवाते। क्वैंगाप्रयायेषश्चाय्याव्याव्याव्याव्याय्यायेषा यदे र्हेन्य हिन्य न्ना गुक्र मिले र्पेन् केन मान अवा केन र्पेन्या विश्व र्रेम्थ ষ্ট্রিশা'শ্বিণ'শ্বিম'শ্বর'শ্বি'র্মিশ্বম'ঈ্কি'মথে'মের্নি'র্নিম'ম্বি'র্নেন্'শ্বিম'শ্বর্ম'ম্ম पर्सेष तर्रा पर्द्या क्रिया संस्टर प्रयापर सरमा क्रमा ग्रीमा विमासे या स गामिश्चामिश्चर्मेत्रायदेः द्वरामीशम्बर्धर्यायदेः द्वेर् पद्वेशः मिश्वरा यानुवाक्षे। यार्रेवार्येषागुवानिवाक्षेत्रा वारानिवाषात्रीया केषा सर्दिन पंदिः सर्दि स्थिन साथ सामुद्र मानि मासुद्र साथ प्रदर्भ प्राय र स्थित प्रदेश स्थित स विषानामात्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम् विष्टार्यायदेव नुवानु द्विष्टायदे अर्दे स्वष्य रे विषा बया सेंदि हो कि स हि हो ने बार से सुरायदे महुवा चु त्या हो कि साम स्वाम सुर स वेशतकर्त्राक्षेत्रको वक्षायायमा नाम् विनानामानायाम्याया । देखादे टे.र्इर.रेशेर.शि विषयत्तर.र्केर.त.रेश.क्ष्य.क्षी व्हिर.ध..क्षय.क्षेत्र. त्रे_र ५ेले अप्मासुरमा दे प्यरायर्डे अप्ट्रकाय र अप्याप्य स्वित स्वेत्र से स्वित महिसासुः र्येद 'दे। युसाक्त्र प्रदेव भर्। वसम्बन्धान्यत्वत्त्रेरान्। भर्। व्रि.मूब्याः भारत्यत्रम्याः भर्। वसम्बन्धाः सुंगुन्न मिन्न संमित्र यह मिन्न । दर्गेह्म प्रमेव विषय देवा मुंद्र हिं । सर्भित्रम्भारम् गृत्राचि विश्वास्य प्रति श्री । दे प्रति व र् दे पर्यु व र व स्थारम् पर्या वस्त्रमार्श्वम्यासेन्ग्रीमानुन्यवरम्मिन्नेसासुर्येन्ने। वर्षेन्मिन्सान्। सर्ने

इ.किया इया.पर्रियाश्चाशासी.पीय.याखा.पत्य १.८६१.ट्री.ट्रया.प्या शह्य.ह्र्याशा यन्तर्यस्र्या । क्रुन् व्रिते व्रोवायान्ता विषायहुषासु वक्षन् स्वाये व्रिवासी विष् क्षर दिरमायां वे। व्या मामे राये प्राणी विमान विमान मामे विमान मामे विमान मामे विमान मामे विमान मामे विमान मामे हें इंटे.लूट.तम्ब. दर्मे.पीय. क्षमा कि. एय. तर्यातर मूचतत्त्रामा विषा यः क्षेत्रः देशयायविकायदे मिनेग्राक्षेदः ये दिना गुकामिने ये दिने प्रदेशे स्वर्धे दिन् इत्सायसानेसासी विष्त्र। इत्रुवासेससायम्यान्। हे ह्रास्त्राववायेम द्रारे चत्। क्षित्रामान्त्रे सुरू र प्यामान्यात्रे । विषयमान्यान् । विषयमान्यान् । विषयमान्यान् । विषयमान्यान् । ८८.र्स्य त्विय सेट तर त्यी रा १८.यव्य गीय त्वित संशक्त विश्वा । तर्य श्रय यने ब भारति ब भारति व भारति । विष्ठे पर्वे प्रियम प्रति । विष्ठे श्री न भारति । विष्ठे श्री न भारति । विष्ठे श्री न भारति । व्देश हि द्वर कु अर्के व्यवे विद्या विस्रम के से द गुट में प्याप प्रकृश दि चित्र गुत्र मित्र देश नेशती। युषाया चहेत्र त्र श मिर्पे च विषा समित्र चे मुःह्यूयःग्रीभःग्रुवःगविष्यभ्रायाः धवावा विष्वा व्याधवः हो युरः देवे देवः ञ्जनभन्दर्भिदायार्भेन्नभायायार्भस्रभासेदागुदार्थेद्रायाङ्गरान्वेदान् गुन् म्बिदः इसः नेषाबेषा स्रेट मेषा यङ्ग र पर्वः प्येतः ग्री इसः नेषा यदेवः यर स्रेतः ग्रीट प्येतः यःक्षरःवर्त्तेःवेट वो वर्षे यः दरः यरुषः यरः ब्रूट विषः यत् दः यषः केवा यवे ध्रीरः दरः। गल्दाने हिन स्टायमा नेमायमानेमा हिनामा विभाग्यामा विभाग्यामा यसेन्। निःस्वतंत्रेत्रेनाः वुःन्ना निनाः वुनः सेनः केषः केषः से व्यन्ति। विषः स्विः र्नेबर्धेन प्यरप्य वन रेडेट । क्षेर्नेबर वर्नेन प्य निमाण गुबर मिला खेबर प्य महिला यवि, चीशीरश्वाताश्चर दें विंदा तात्र सूर्य स्थान स्था

स्व, यन्या, याक्ष्य, याच्या, व्यक्ष्य, याच्या, व्यक्ष, याच्या, व्यक्ष, याच्या, व्यक्ष, याच्या, व्यक्ष, याच्या, व्यक्ष, याच्या, याच्या, व्यक्ष, याच्या, व्यक्ष, याच्या, व्यक्ष, याच्या, व्यक्ष, याच्या, व्यक्ष, व्यक्ष

लुमा विमानक्षा हमार्ट्रमानेमानराज्ञिमा विमानदानराज्ञिमा सममासमार्टे. चमिरमान्तु द्रमास्त्रमाद्धे द्रेष त्वूचानामान्नान्त्रमान पर्देष नामूचमान्त्रमान ८८ में मुवाक्षे विषयम्बरक्षे विषयम्बरक्षे विषयम्बर्धा विषायवे प्रमाण्डिया शेसका उसायवे पर्दे न या पार्ट्न या दि में वा से न से सम न्येन्नेन्न्न्न्रंथेन्। विकायास्यक्ष्क्रन्त्रीक्षास्यक्ष्ययित्युन्काने त्वेनियमः सहर परि क्षेत्र दिन परि क्षेत्र के सेसमा क्षाया करी किन की सिन की सि वर्वित्त्ववुद्धित्रभ्रम् । विश्वास्य विश्वास्य वर्षे वात्तरम् वर्षे वात्तर वर्षे वात्तर वर्षे वात्तर वर्षे स् वेषाग्रुमार्थेसम्प्राप्तुन्यायमारहेषाय<u>्</u>युमारमात्रेषुरासमात्रेषुरास्त्रेषुरा त.श.उह्य है। वैर.श्रेश्वर,देंधेर.वार्चर,उह्य हैंयावेष क्रीयार्ह्सर,तर हैंचेया त्तु-वेर क्षेत्रक्षी भ्रमायात्र क्रमाङ्गवाराञ्च्यायत्र म्रम्भार्या विवर्ष वह्रवाह्रयान्ववान्त्रेयाह्नितायदाध्यवान्त्रे द्वार्मित्रयान्त्रे द्वार्मित्रयान्त्रे व्याप्ते व्यापते व्याप्ते व्यापते व्या चनाकनमानिसमायायमान्त्री रेवार्नेन सूरानी सेमायान्त्री चिरा द्येरान्। दुरा मेश्रायसूयायदे कु अर्के के वर्षेदे कु क्वयश्य वृह्णायाविव के वि रेवारेव सूर म् भेरात्रे त्यार क्रियाल्या विराधन मार्थियात्र हिं। स्टाय्येय क्रीयाल्येर यः द्वेर्द्रियात्रुटर्नु सेन्यरप्यटर् ह्वेर्या ह्वर्द्भियाया ५८'न्य'प'स्रे'गसुस'५८'स्व'पवे'स्वेर। वेष'बेर।

महिकायाने वर्षेमा स्वापिति है। दे रेवा सेन सेसकान ये है मान नु प्येन। विका

यास्रव कर ग्रीका पहूर या मूर्या है। दे स्था स्थित है से दे खेर है से हैं से हैं से हैं। यर क्रिका क्षे रेवा क्रेन्यवे क्षेकाया समायति क्षेका च्राचायवे न्यान्वाया नमा वामा द्वीरासविदायान्वात्यार्स्तित्वस्त्री विषायात्रमा वर्गरायदान्दिमार्यार्येदान्डेमासा पर्संबर्धी विषायदायर क्रीयायमा क्रम्या क्री मुयाया यया देव क्रीया स्नेट यदा विषा यःक्रुप्तदेःदेव्दन्नन्ययः प्टा क्यादर्द्धिर्याधेषाञ्च अदेः अवादनायमा विषायः वया कुरविवासुदायाधारुवायास्यार्ज्ञिष्या विषयिते विषयित्राच्या यत्ता श्रेन्यायार्भ्वेश्वयायात्रेश्वरायाययायस्त्रम्भवयात्ता सर्ट्रास्त्र चेषाचि मेरे दे त्वेषा विषाता मेराता विषाती मार्च र केषातर त्यावी ता इससा ग्रीः अहुना वसूरा दरा पकरायि द्वीरा रामिता स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वाप वर्ष्धिःर्रवायापाराधेर्पायाधेर्। वेषायविष्यराष्ट्रीषा क्रेयसाक्षीः द्रोषावेषाया र्राचित्रं मुक्षास्य प्राच्या स्थाप्त स्थाप्ते स्थित स्थाप्ते स्थापति स् विषायात्रमा इर्मिन्याञ्चनासानसुस्राचेतराञ्चेत्रास्त्रीत्व हो। यमज्ञीषान्येषाषान् न्षासु द्वी त्रियामेन यम भी त्युवायान् । भी यम हि स्नाने यविष्ठ स्वर् परित्र स्पर्। विषय स्वर्भ। मिन्न सुमामिन स्वर्भ प्रेर स्वर्भ हो। वेषप्रतित्रम्भीषा भ्रेष्यसमी द्रिष्य प्रदेशम् वस्त्रम्भ स्त्रम्भ स्त्रम्भ स्त्रम्भ स्त्रम्भ स्त्रम्भ स्त्रम्भ न्वराधार्यार्यार्ययाच्यापार्धे वराष्ट्रीया विषयात्रया ने प्येन् स्रेम विषयात्रयर मुभा ञ्च. भर अर्घर प्रते र्रो र् ग्वापाय स्रम् यार्श्वामा ध्रमेर स्ते स्ते र

मुन्ना क्रि. ट्रेंच म्नान विमान स्वाय मुन्न म्मान स्वाय मुन्न स्वाय स्वाय मुन्न स्वाय स्व

क्षिमायामित्रमाभ्रायमायायमायम्बनास्यादे । देवास्याचे मा मिले मिट र मा मिला हियायर क्षेत्रायदे हिट हे प्टें में के प्राप्त प्राप्त है । से प्राप्त है । से प्राप्त है । मिले मिट र अरग्री अपमिट प्राये प्रिया विष्या हिया है। है विषय से प्रिया प्रिया है विषय से प्रिय से प्रा से प्रिय स क्रूटमी वेशयार दावेब मीश से दार्मियाय देश हो स्वायाय से दार्मिया यन्ते। देन्त्रभाविगोटार्स्रण्येशाद्यप्यराङ्ग्रीस्यदेन्त्रिटाटेयहेत्यास्यविगोटा रुषाण्चिषायराञ्चरायारराविषाण्चिषान्यायरावया हिरारे यहेषाने हिनारा चलेत्र मुक्ष मुच प्यते स्वार्थ प्यति । दे दि हा दे प्यतः देवा पर मुच प्रमेश यसने द्वर द्वर पर्व किर हे पर्दे करे किर प्याप्त प्रमाय वित्र होते हैं न विरा ने पर्ने न अर्ने प्यमा हिर रे प्रहें के ने हिन प्रेंग या पेन हो न नु मसुर मा यद्रत्ववायाची विवयस्य भावविष्यर सुरायविष्य । हिरारे विह्न क्षुप्त यामिन गोर रुष ग्रीय मार पर क्षिय या या से व्हिय यर वया हिरा दे'यहेंब'दे'हेद'रद्यविब'ग्रीश'ग्रुव'यये'द्वीर। दे'यविब'दु'विंब'रे। ह्यु'अये'ह' म्मरम् मारम् मारम् विराज्येषा नेषान्या वितायविषा मारम् मारम् वितायविषा र् दूर्यते सेना नेम है। पासे प्रमान मान है। स्ट्रिंस प्रमान है। स्ट्रिंस प्रमान है। विन मी मा मुन प्राप्त के प्राप्त र्रवार्ट्र इंट ने नेषाया र प्रवेष क्रिया से प्रवास माने स्वास प्रवास माने त्रु. कव अर्क्षेट्यामा विषानासीट्या लट कि. से. से. से. से. सिन कि. सेट मेर लार्चे बराये क्रांचित्र क्रिया क्रिया क्रियी स्वास्त्र क्रियो

वियाही विद्यार्थ स्वाति स्व ह्येरा हमसाम्या वेसर्केयायायर्गेनायाया कुरवववायुरायाधारुनसाह्याः लरा विषानास्त्रा र्रेब्बेन्स्यास्नाम्नाम्याम्यान्याः रेन्स्रास्नरायदेः धार्वायाम्भियाक्षेत्राचे स्वीतियाचे स्वीतियाचा स्वीतियाची स्वीतिया प्रविष्युष्याम् प्राप्ते प्राप रट प्रविष क्रीश्रास चुप प्रविष्ठी स्वाश्रास चुप क्री में विश्व में क्री प्रविश्व क्री में यमारम्यम्भायायाक्षार्वेषायमानयाची विर्देत्मा कुः सुराह्मणान्यापुः ह्रारा चतुःत्रमान्यभाषायतुः द्वास्त्राचिमानु स्वास्त्राचिमानु बैर.पर.वर्षेर.र्रा दि.लर.श्र.ईंब.त.सुंश.तपु.धेर.ह.पह्य.ज.श.बधु.ग्रोर.रेश. ग्री'न्यर'न्यर'ङ्कर'न्यःक्रेंब्र'ग्री'ङ्गी'अकेर्'प्यदे'न्य्येन्य्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्या चदुःल्'न्वायाःग्रीःश्रवाःचेयायाने स्ट्रान्यावा व्यवसार्ग्याः श्रीः सकेन् 'न्याने विष्याने। हा वः विवः ने इनायनाधेव सेवः सेवः सेवः विवाय विदा क्रिस्मा मुन्यायाधिन पह्रवः क्षेर्यम् वया क्षुक्षे प्रेन्वयान्यस्य मुक्षान्यस्य देवरान्ये मान्यस्य प्रेना रुर्यक्ष्यायदेखें। दर्ने प्यामुस्यावि सेना नेषाळ र साधिन यान विन सेना वेषाम्बुर्यामुक्षाम्बुर्यान्यविष्ठान्यक्ष्वान्यक्ष्यान्यस्याम्बर्धान्यतुन्द्वान्यस्याम् रहार्वादायार्हा इवाविवाद्गास्यार्ह्या विवा देवे के सेवा वेशाव्यास्य मुभायक्षम् विरामिन्यास्य यामारायान् विरामिन्य क्रियाम् सुरम् यमार में दे दिन पत् द के सेवाय वासुस की वालि समुद्र दर्ग में राय वार की की सर

वर्त्रकेष्ट्रयम्बर्द्रा इनाष्ट्रना देनायनार्ध्यम्बर्ध्यन्यस्क्षेत्रयम्बर्धायर्द्रात्रे । वि ब्रञ्जेबा वर्मेयाम्बर्भाम्बर्भाम्बर्भातम्बर्भातम् त्रवःक्ष्री श्रमानेश्वस्त्रीशः रेश्वारायविष्ठा स्रामान्यीः कः नशः सुः सुरायद्रायद्राद क्षिप्तरा कुष्ररात्मायपात्रा इमाल्यमा अर्घेरावेरायहयापाधेवाहे। देवाके केर येत्र र्थेर मार र्थे देवे क निषा दर झेत्र हिना हो द में त्र खेव यथा यथा हुर पवे प्वर् र क्षिप्स्तिःस्रेषाःमेषाःग्रीषायहया हेरायेषास्यायविषाया स्वर्ष्ठिषाःग्रेरामेषास्रीयः तमातमार्चेरायपुःक्रीसरार्थापायाञ्चापुःश्चात्रमात्र्यात्रमात्र्या यः इन्डिन हेर क्रेन थेर प्राप्त प्राप्त क्राया विष्य क्रिन क नेषाग्रीषायहत्य। भ्रमानेषामध्यार्यामङ्गानेषाम्याया ङ्गानेषाग्रीषाम्याया साधित। विक्रवाचीसाचुदायाकेवा विकाग्रीसायवेविवाययमास्याधित यदि द्विम। द्येमः चैदु.क.र्थम.सी.वीर.तदु.चीर.तदु.रूची.ची.दहनी ट्रे.सी.वीदु.रूचीम.रूचीम.बुँमाता <u>२८.चेल.पषुःचार.चचा.ची.लेश.जेश.जेश.कैचाश.चूट.२१४५.तप४.पषुः५७.वि.क.</u> तःशालुषा चक्रिचाचीयात्रक्रचानुषात्रीयात्रक्ष्यात्रात्रात्रयात्रविषात्री । वदिः द्रे. ह्रे यो प्रत्येषा प्राप्तिष्य देते. त्युं. श्री अष्य प्रत्ये । विश्वेष प्रत्येष । देग्रथःशु। १८६४:ग्रेड्गःधे८ हे घः८८ हे म। १६४:४:ग्रुट्यःयर १८६८ यः धेर्य। विर्यः

त्रमान्यर अहूर प्रदेश हे थेरे जर्रे रे जर्मे थे जा सूचे मान माने सामी हिंस. म्बर्यायम् भेत्रायान्ता अञ्चर्यात्रीयान्त्रीयान्तरः क्रम्स्वाद्धराष्ट्रभाक्षेत्राह्म । विद्युराह्म । विसायह्माक्ष्म । विसायहायायाया श्ची अक्टर 'या र्श्वेसमाय र 'विवास राय से समय ग्रीम के वस साम र सहिर है। वा बेवास ग्री यर् नेष इस यर मिनायर द्वीर रें विषम मुस्स यरे र्ने हिस य र्र रेने नुष्यम् ।देण्यत्यक्षवित्यावेर्यस्य मत्यायम् वाष्ठ्राम् मुष्याम् वा र्गेटर्र्यत्रिक्रर्दा इनाम्बन्धेर्युटा वस्त्रभयवेक्वेर्धेरन्दर्वेवकःव्य सु'गुर'पवे'न्रेस'र्य'गसुस'गसर,नु'ह्ये'विट। इन'ठेग'नु'वेट'पवे'कु'सळन्ने। वक्षु मुन्तु मुन्ने स्तिर्वर सिरायदे नान् र गुन्ने संभिन्न । सुदे यन मुन्ने स्तर सेवा यात्राक्षात्रम्भारत्राचुर्द्धवे द्वस्यायास्त्रत्रात्रा धे द्वम्याग्री त्यमा तु व्वत्या हे विरा म्चित्रपान् क व्यवस्थ उत् म्नि विवानी म्निस्य पाउन द्रे म्चे पर्वे पर्वे पर्वे देश देश देश ही द्रे प्याप र्जूरपदेक्षक्षर्भा विदेष्ठम्भवायानहेन्द्रम्भवान्नेषाञ्चित्र् । धार्वाषाद्रम्भ जासूसार्याद्रार्थे साम्रीष्ट्री । श्रियद्यर क्षायार्याचे मुक्ते स्वयर साम्री ये.श्रेर.दर्भेर.वर्र.रेबा.ब्रोक्षा विसंसत्त.क्ष्य.ब्रीका.प्रीट.लट.स्रेशकात्तर.दर्भेरा विस वार्यप्रसाद्राद्धेत्रात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या दिन 'वर्सेना' पवि 'क्कें 'क्कं 'ववि 'क्का पा 'ठक 'न्मा न मुका 'नु रा सु 'हे 'वेनि 'वर्सेना 'पवि 'क्कें माम ' चंदिः इस्रायः उत्रः पुः क्षेः विदा के ब्रांसे सेंदिः क्षेटः पुः कं मारं मी देवा चुः मिर्रायां के सामित्र

वलगान्नेषायान्ता धान्नकाणीकावन्यसानुन्दाक्षायवे केरान्ता सुःग्रुटा वययःत्रुःमिष्ट्रस्यः पद्रिक्षः पद्रिक्षः पद्रम् । कुः क्षेः क्षेष्टिः परः विद्यो । प्राप्ता निर्मा

मुक्तिस्यासि

मिक्ति

मि मूट.र्.ह.स्रर.चनर.त.क्षराजाय.कुवाय.र्। वार्चवाय.क्षरावेवा.व्यायायाया उदान्वदानी में स्थाप क्षेत्र प्रमान स्थाप विषय मान्य स्थाप स्याप्त स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स वेषायान्ता दुवायषांक्षे स्रिवे दिन यायस्यायवे स्रे। के दिन ग्री स्रेट न् सुक यवे इस्माम्बर प्रमुक्षियपर वया विषयप इस्माय विषय के क्रिक् प्रमुक्त प्रमुक्त प्रमुक्त प्रमुक्त प्रमुक्त के क्रिक् पञ्चब्रिंदाम्बेर पर्येर माद मो मी स्वर स्वर स्वर हिंद् स्वर सामा सुक्ष से दिन हिंदू वर्केर.लट.। क्र.चथ.शे.केर.ततु.ट्रह्य.त्र.चथीश्रज्ञत्तर.वय.वय.वंद्रय.त.त.व.व.व. क्षेत्रगुर्ग क्षुकर्याम्डिनार्यादेवःकः निषासुग् मुरायविष्कुकर्यामित्रधार्येत्रपायावनाया य.श्रेर.ह्य । श्चिष्य.वाष्ट्रभाता.श्रेर.ह्य श्चा.चर.भार्त्वर.वाष्ट्रिया.की.व्याची.वार्तिया. क्रि.लुच.खुटा लु.रेचाबा.क्षे.येंबाक्षे.येंबाक्षे.येंबाका.क्षे.क्षेत्रात्यंत्रेच्यात्रेचा.श्रम्टाय्यः वर्षिताक्रीं थे किंद्र व्यथम्यात्री जयारच तत्र वर्षिताक्री त्राचे तत्र ही र । क्रींच मिर्याता लट. भटे. ट्री देवी. तथा. थे. पूर्ट. जाय के भारत क्षी क. मुंच मी भारत के भारत के मिंट. ट्री. कैंट. ट्री. केंट्र यः र्हेनिका उत्राया अर्हित यदे में याना नाया उत्रायी के वित्राती होति होता नुस्ता वाक्षर न् क्षेत्रायास्याचेत्रायसाहेन् ग्री खुन्नसायाकेष्यहास्याचेत्रायदे क्षेत्र। यहायाकेना ने. इंटे. क्रिंट. क्रेंट. क्रेंट. क्रेंट. केंटि त्राचिशक्षरक्षरायश्यक्षरायर यक्षेषरायर । क्ष्यि निष्ठां क्षेण्या विष्या क्षेण्य क्षेण्य क्षेण्य क्षेण्य विष्या विष्या विष्या विष्या क्षेण्य क्षेण्य क्षेण्य क्षेण्य विष्या क्षेण्य क्षेण्य क्षेण्य क्षेण्य विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विष्या विषया विषया

ति_{रं रे}विरायात्रमा देवि इसर्हिना येनायमायसायसारमानुनमा विरायवे प्रस्तीमा युः भ्रुपः ग्रीः युनायाति विदेशास्य । युनायात्र । युनायात्र । युनायात्र । युनायात्र । युनायात्र । युनायात्र । मलक नियर निर्माय देन हिमा निषय या की कि कर हैं यह स्वराय निषय हिक तर्या विषायत्यर्यस्थिषा वाषवार्यर्यस्यत्ववस्थिषाय्या ५८। वहना हे ब की घ र रे वर्गना या निहें का सास्त्र राय राय हे ब राय सेन का स्थित में भ्रुव छेत देशक्षाते के प्रवित्यम प्रमुक्य प्रति। मय हे भ्रे तुष द्वाय प्रष वर्गुयम् विषयम्बर्ग वर्षायम्बर्ग विषयः यवे प्रमाण्या दे त्यामालक की त्यन द्रमाण या द्राप्ती है से स्मार से मार्थि द्राया स यर'यक्षत्र'य'त्र'। म्या'हे क्षे'य'सेद'छेर'स'वेस'यंदे 'वेस'स्यास'र्क्षे'म्येत'योस' मवर्रियट र्रायवेष मुक्षाम्याय राज्याम् वर्षाम् मुन्तर राज्याम् । धिव परि द्विम निर्पिते स्वाकी हिन सेसमा संसाम महिमा हिन में समा परि प्रवित्र मुक्ष मुप्त प्रमार पर्दे न प्राप्त प्रमार हो ने प्रमुप्त मुन्त में प्रमार प्रम प्रमार प्रम प्रमार प्रम प्रमार प् त्त्वी:ळद्र:अ:र्पेट्र:ब्र:व्यट:पेब:बेश:द्वे:प्यट:द्वेदी विवाद:देव क्वेट्र:द्वेट्र:प्रट:देवा:वीश: वर्ष्यायाची विषयाचित्राची विषयाचित्रस्याम्बर्धायाच्याची विषयाची विषयाचित्रस्य विषयाची म्ध्रमः बैट वियान्तरः स्वामी कार्ययान्तरः स्वामान्तरः स्वीतान्तरः स्वीतानत्यान्तरः स्वीतान्तरः स्वीतान्तरः स्वीतान्तरः स्वीतान्तरः स्वीतान र्दे, लट. प्रट. बीका प्रट. श्री. बीक्टरी श्री. प्र. श्री. है. क्षेत्र. प्रट. ली का प्रट. जी का प्रट. जी श्री. प्रती. ही जी है.

क्षेत्रायुःदेः द्वराक्ष्याके यादार वीत्राय विष्यायायाकी यवित् के दिः द्वराक्षया रत्वेषःरत्भेः सेवःसेवःहः सरव्ययः यत्रः वेषःरत्यावसः वर्षः वेतः ध्रिमाने। महावर्षेयायमा देखेदांग्रीमादेखहें माने से वहादी। यदगांनेदाया ह्येन पारमायायवे द्विर से । विदे सूर रया में विर्वे के ने किन में किन से मार्केन या र्सेर सेंदि हे सेंदि है दि ग्रीकादे हिंदाया से परेना हिता। येनाका यर पञ्चवका यदि नायेर विरायर विराउन की भागार रार वी स्वायाय यविन यर भी नुषा विरा भेषा रार म्याप्तरमा देव के क्षेत्र के का क्षेत्र के का क्षेत्र के का कि का चिश्रम्बर्धा विश्वेषायते स्वाकेषायते स्वाकेषायते तर्हे न्यायहे न्याव हे वा वो वयर पर श्रेमशास्त्राप्या देवा वेवा देवा देवा शुर्वा स्टा सूट प्राप्त । युवा २.इ८.८५। नित्य.२.इ८.८५४.४४.५४.१३.५०.८०.ती.ती.ती.ती.सभातर.वी.४४४. क्र्याम् विषयित्रम् भी व्यवस्य विषयित्रम् विषयित्रम् विषयित्रम् विषयित्रम् याक्षात्राक्षराया देवावी वानुवाबायदेवाक्षवायेषायी। ह्रेरावायुवावाया वह्रम्भवा विषाणी म्माना सामान्य प्राप्त प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मिन्न प्रा ५८१ त्रिज्ञी, इश्राताः शत्रात्तरात्रात्तरात्रात्रव्याच्याच्यात्रव्याच्याच्याः विश्वाची, इश्राताः वर वसाने या महिना चूटा यदे क्विंगिर्डमा निमानि सामित्र मा निमानि मा निमानि सामित्र मा न वह्रम् श्रमा नेषाप्ता मुद्राम् अप्ता विष्या मुद्रामा स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्थाप तालुब.प्री चर्चेचेश.उद्देब.शुच.चेश.ग्रीश.र्केर.चर्चेचेश.श्रव्हेट.वश.द्रीश.चर्चेचेश.

र् प्युत्पाद्यम्यात्रविद्यात्रियः विद्याङ्गे। युवानाञ्चन्याद्यस्य विद्याङ्गे। युवानाञ्चन्याद्यस्य *ेन मञ्जूनाबारविद्यासेना नेवा ग्रीबास्टर मञ्जूनाबाना अर्जेट प्रदेश सुरा सेवा नेवा नेवा नेवा नेवा नेवा नेवा नेवा* निम्मिष्णिक्रपिते श्विमाने निम्मिष्णिक्रपिते श्विमाने निम्मिष्णिक्रपिते श्विमाने निम्मिष्णिक्रपिते श्विमाने निम्मिष्णिक्रपिते श्विमाने निम्मिष्णिक्रपिते स्थिमाने निम्मिष्णिक्रपिते स्थिमाने निम्मिष्णिक्रपिते स्थिमाने निम्मिष्णिक्रपिते स्थिमाने अर्द्धेन प्राचार्य माल्ली प्राचित हो स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स वर्गेन्द्री क्षे केवायास्मायाकेयामहियास्य क्षे अस्त न्ये के क्षेत्रा के ने हिन्द्रम्यर्थेन्यवे विषय्यर्थेम्यवे द्विम् विषय्वेन्यर्थेम् ह्वाष्ट्रे मुप्यमा मञ्जूनमायद्देवस्मानिमायार्भेटानुन्यरार्भेन्यरायम्यायार्थस्थरा हे_र दे नुवायमान्। ज्ञनमायदे व सेना वेषाया स्टार्सेट पेंदाय स्वनुवाय दे स्वीत सेना है। <u> इ.चीयःत्रश्चार्यकाराह्र्यःभ्राचः स्थात्राक्त्र्यः हीट.हीट.ह्यूट.त्र त्यीय। चार्षयःश्रीट.ह्याशः</u> यस्रावेग्रायदे सुरा सुराम्या देशे देशे विग्रायं स्रावेग्रायं सुराम्यायः वः देःलटः प्रटायशाह्याद्यादाः प्रीटः द्वीदाः देवान्यववः क्वीकाः द्वीदाः प्रवादान्याः ने अन् छेन छे अया ने अन् छेन स्थान इट ने बन्द होन ने बिया ने स्थान वा वा वा

यह्रय.श्रम.प्रम.से. १३म.ही.श.म.चीयाय.ता.से. त्रू.याय.या.क्र. त्र्य.से.यय.याचीयाय. ताश्रात्रस्य र त्यूर द्वीय प्रति श्वेर। वाय हे वा ब्वाय प्रदेव श्वा वेय स्त्र हिवा इ.भ.शुर्यायतः वार्चे वार्यायद्भवः श्रवाः वेषात्रार्याः वार्चे वार्यायः स्त्रीः वर्त्रे वार्यायहेरः त्रवः मञ्जमायद्वाकारव्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष श्रीयवर दी भट्ट तामा सम्मान्य में सम्मान्य में मान्य विभागत्र केंट प्राप्त निमान विषामुष्ट्रमायदे स्थित देखा वर्षेयायत्र इष्रायत्र विषायासुन्यायदे वन्त श्रायकी त्रप्रवीकाता क्षेत्र प्रशाकीकात विष्यात स्थाय क्षेत्र प्रशाकीकात विष्या स्थाय क्षेत्र प्रशाकीकात विष्य याक्षात्रास्त्रायाधेवार्वे विषाणसूरसायि देवाणरावाद्या हुं प्याखबङ्कावादी या र्ज्यार्चर्यान् विचानिक विचानि लूर्तराच्या चराभवराम्ची चर्ट्रार्ट्रा मुख्यमालीयान उद्देश्यात्र म्मानेमा डिगाउर पु क्रिया प्यापि प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति मा विषा स्वित्ता वार्षा प्राप्ति त.र्ज्ञ.र्य.४भ.मीश.उर्वेर.तर्वेश.तर्थेर.वश्च्यो.१५४२.देशे.वर.उर्वेश.वर्य.सीय.वर्य.सीरा र्यरम् अर्यम्बिम्मिषासुर्ययये यर्पस्यम् सुम्यवे स्वाप्ये स्वापिकः त्वायाध्येषायाः वर्षम्यायाः स्वायाः स्व बेर। श्रेप्यवरारी रदार्यमञ्जूनायविस्तर्रिसेससम्बद्धाराम्यसेसस्य उत्रस्सा वेषात्रेगषासम्बद्धाः ह्यामान्त्रायानु स्राचनान्त्रायानु स्राचनान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रायान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्यापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्रयापत्यपत्रयापत्रयापत्यपत्रयापत्यपत्रयापत्यपत्रयापत्रयापत्यपत्रयापत्रयापत्यप नेषारेगषाक्षासम्बद्धाः इषामान्द्रायान्याः स्वाप्तान्याः स्वाप्तान्याः स्वाप्तान्याः स्वाप्तान्याः स्वाप्तान्या वर्मेवातमा दे समम्द्रेनमासह्य प्राहित वर्मा विस्तार हमायर वर्मेर तालया।

वेष:८८.। ८.व्रि.सृ.यु.क्व...क्य. । विष:यट: त्रवा:यव्यायी क्व.या वर्षे विषार्चनाञ्चनाञ्चरार्चे स्वापेर्यायरायवर्यायश्ची। । यदार्चर्येषु रत्यायायाञ्चनाः बर्रा अर्तुवायायक्षायते स्वा नगार न्यार खूर्स्वाया वहें वायते वियाया ह्या छ वर्तित्तात्र क्रियं कर दें भ्रीतर क्रिट यायधिय खेया हुर श्राप्त हो। यह स्राप्त स्र ग्री पर्ट्र प्राया खें मा हि मा प्रमा प्रायम या प्रायम या प्रायम विक्री पर्ट्र में प्रायम की मा गुर वर्हेन से नेयपियानस्य पुरस्य वर्षेत्र दिन वर्षेया सेवा वर्षेया में देन हे थेन वेषा इस्रायम् रुषा देसाव इस्रामेश रेग्या सम्बन्ध रहेगा उर रुष्ट्री यर हेरियदे વન દી ટ્રે ધ્રમાયતદેવાત ર્શે રાવતા ટ્રમા શું માર્કી તાર ફવા ૨૨.ટે. ક્રી. વર માર્ટ્ય. विभायकन्द्रन्त्रिभायायन्द्रायावेषाः सूरायम्। सरात्रेषाः सूरास्रावकाने विभागीभायम् वा तार्शित्रत्यक्ष्याक्रत्रत्रे विवात्त्यक्षित्त्राच्यात्रात्राच्यात्राच्यात्राच्याव्याच्यात्राच्या दर्ने ने निष्ठभागी खेर्यामा सी पहुँचा निर्याप निर्मा स्था कर मि निर्मा सामित क्रुॅंबर्णवाबमा देवागुर क्रेंग्रियान्य स्वायाम्ययाग्रीयान्य स्वायान्य विषा चित्राया न्यूर्यायातकराताचा ह्यायचर्यायाञ्च क्रार्यायात्राच्या श्रेन्दित्। सर्वायास्यास्त्रविषास्त्री । हिसासुरियापदीयापदीयार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्याय्वेन्यार्वेन्यार्वेन्यार्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्वेन्याय्ये भूषात्वरात्त्रियाक्षेण्या दिस्सूट्स्स्स्स्स्स्स्स्स्स्स्स्स्स् क्षात्म्यात् । वर्षात्राश्चरात्र्यात्रम्यत् विवायत्रात्रः विवायत्रः विवायत्रः ग्रिंगसुर दर देव की विषाने या के प्रमान है। नशुर या वियानु सह राय वे गसुर वर्देवःर्रम्थार्वराक्षायवे द्विरा यदान्नास्याव हिमा सुर्देवा स्वाप्तर विश्वरूषा

क्षायन्तरायक्ष। क्षायम्यार्वेयर्रायह्वायास्य राज्यायक्षाय्याः चर्मानायर मसुत्राय नेषा हो दे भी कुं या दर्गेत्रा नेषा हो या विषय हो । दे स्र यायर। वेषावेराकी के वारकर र्वेषायक कुर्ये रवायर विषा ब्रह्म या र् वर्मवायवास्त्रीम् महायुन्धान्त्री वर्मवायम् वहुन्यायास्त्रीमान्ध्रीमान्त्रीमान् चवः वेषः चेदः भी क्रुरः चवदः यषः कुः द्ये सादवायः स्रारं वाष्यादायः विष्यः वाष्यः वाष् र्वेट्रियान्या इस्रायम् व्ययन् व्ययन् व्ययम् व्यव्यान्यान् व्ययम् तर वैद्। विर्मु श्रेमण मु मा नि दि दि दे दि प्रमेन प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के गल्दायमण्याराष्ट्रमायम् छिता येगमास्म मुमन्ने स्राहेगाने ययरायदे युर-द्रद्यायाः स्रूर-येय्ययाः स्त्रीत्रायाः स्त्रित्याः स्त्रिर-येत्र। युवाद् इंट.जरा.चेषये.वीं र.तप्री ।श्रेश्वरा.धेट.ह.उट.य.खेवी.इंट.। । ष्रिश.पट.ह्या.प्र्यीय थे ने बाक्षेर र्ये बागुर पर्ने बाबि बार र प्रमे वार् विषय के बाबि बागी बार परि र लियाया क्षाप्त्रीयायादे द्विपार्यो विषाप्तर मियायर्गियायम् अह्री युर्वायायदेशः बुविषाः इत्यादार राष्ट्रियाय मित्रा क्षिया हिन् भीषा द्वारा देवा स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व यमार्याः स्वार्भ्याः स्वार्थः विष्याः स्वार्थः स्वार्यः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्यः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्थः स्वर्यः स्वार्थः स्वार्यः स्वार्थः स्वर्यः स वर्षाचा श्वेषाग्री द्वापितः हत्वाषायाषाग्री हारा देवा के वर्षाचा वर्षा श्वेषा दि हि । देवा में वर्षा में वर्षा हें रहारे मा ह्यु वा हो दायी हमा या पहार मा पुरायी राज्य वा वा की हो दा

यवे श्वेर हे इन्मार्स् पर्मे प्रते प्रवे प्रवापने व पर मुवास मुवायर व परि हो। रहा रेगः भूतः हो ५ 'ग्रीः ह गराया ५ जा फु 'ग्रूर प्यये 'इव प्यायी 'श्री ५ प्यये 'श्री ५ प्यये 'श्री ५ प्यये 'श्री श्च से स्वायर श्च्याय यस्त्रवा विकारी वा स्वाय स्व याया नायाने स्थितानु सान्त्र यायायाय युवाना विद्यार्सेना सङ्घीता मुक्ता मासुर या इ.६वासासी भार्यीयाङ्गी शिटायाङ्गितह्रथासप्तार्थात्राचा ह्रियानु रियानु रायु रिया ब्रिमा नियम्बा व्यवस्यवार्श्वेन्यवे यवात्रेम् स्ववार्णे कुन्यान्त्रम्यात्री विद् ययविका विकारी नयेर्नेक्स्रीसर्ह्य करिया कुरायिक ग्राप्त कुराया रा विरायर प्रिरायकाकी विष्वा क्रिंट र्वन महिका कुर मिठिन प्रिवायक रामि र मिष्ठभारतास्त्रसम्बद्धाः मुक्षामुद्रायिष्या विद्याप्य स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व यत्रे मुवायारमार्सेरिकी विकार्सम्बास्ट्वीमाम्हिमामस्रह्माया मेरित्याया मेरि ५नायम् अळव हिन ग्रीकार्के के ना १ने ५ना कुन नहिन के ना हिनका स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वयं स्वर्य स्वर्य स् विषामिशेरका द्रायी श्रीरायात्रकारये या भ्री क्षिताहा सिरालिया वे विषा भ्रीका ये.सेंग.वेंथ.सं.यंग.र्जर र्जूय,त्राशवृत्यंग विंगर्जूय,त्राशवृत्यवंत्राध्यं। त्यार्जूय, र्च अर्घर क्षेत्र र जाता के प्रत्य की प्रत्य की प्रत्य की अर्घर की प्रत्य की प्रत्य की प्रत्य की प्रत्य की प्र चतुःश्रमःनेषान्ता व्रेषाःकृषःचान्त्रःचषःचत्रःचष्रभामिष्रभाष्यःकृषःचान्त्रमायाः र्श्वेमस्त्रीत्। क्रुर्मिश्वाचीस्यस्याम् विम् सर्वेत्रस्यम् क्रिस्यम् क्चिंद्रायायमाद्रम्याञ्चे रहेवादे हिदायहेम्मणयहम्मणयायस्याद्रमात्रुवादेशे स्तित्या यासी स्थान्त्री विश्वस्त्री व

য়ৼৄঀ৾৾৾য়৾ঀয়৾য়ৣ৾৾৾৻৴য়৾য়৾য়৾য়য়য়ৄৼ৻য়ৼ৾ড়ৢ৾৻ঽৼৢঀ৾য়ৼৄঀ৾য়য়ৼৼ৻ৡ৾৾৴৻ৼৼ৻ৡ৾৾৴ ૾ૢૢૢૢૢૺઌૹૹૢૄ૾ૺૼૼૼઽૢઌૹ૾ૣ૱ૣૼૹ૽ૣ૱ૹૢ૽ૼઌૹૢ૽૱ૹૢ૾ઌૺઌૹ૾ૢૼ૱ૢૺૺૼૺઌ૾ૢઌ૽૱ઌઌ૽૽૱ઌઌૢ૱ पन्ने 'खुय'र्स्ट्रेन 'र्य'द्रन' 'यो बास्ट्रम' 'यो खुय'रुन 'र्स्ट्रेन 'स्ट्रेन 'स्ट्र वर्षाणु खुर नेषाणुर रहारे ना सेरायर मुवा हो। यह निवेषा यथा है ह्नर रथानी रूपमी श्री श्रीमिक्टिन दे प्रविक श्रीर सिंदी । रूपमे मायर सिन्दिन या। रटारेगायेसस्याम् देविकार्से विस्पादम् गर्स्याकारेकार्मेसाल्सायदेः सर्ने त्वरायादा संसर्भाया स्त्राम् संसर्भाया स्त्री स्त्राम् स्त्राम स्त्रा व्यार्श्वित्रप्रमुग्ता प्रदेवाहेवाचीवित्रस्यां विषयाचीवावीवावीवा विषाम्बर्धरमा विषापन्ता ने स्राप्तर रेमापमामायाया विषा है विदेश अर्ट्रेन्, श्रेंभ्र. २८. र्ह्रेन्, त्रु. हेर्य, त्रु. हेर्य, त्र्य, हेर्य, हेर् यर विश्वर है। रह हिन श्रीकार हा युवा के रह रिवाय गावाय रह रवाया विषय र्देव मानव मुक्ष म्यूय याप्पर से रेग्य यय से से राने का क्रिक से दिन सुस ५८. ईश्र.श. २५० . त्या. त् मुप्तप्रवे द्विप्राणीश्राण्याञ्च रम्प्ति मुप्तप्राप्ता युवाञ्च दे महिश्रामुप्तप्रवे *ક્રેનસ*ગ્રીશ્રપ્યુવાનફિશ્રગ્રાદ વિદ્યુવાયે છે કે કો યુવાદ પ્યુવાસ્ત્ર ને સ્ટ્રિક ह्रिंबान्यायायायायानित्राया देर्पितिन्यीयायीयात्राचीत्रात्रात्रीत्रामी क्रयायाया यमा ने न्वा ग्राम्य स्कृत हिमा वमा बुन प्रमान प्रमान के नाम निमान प्रमान के नाम निमान के नाम निमान के नाम निमान चुवेर्नुबर्गानुःवश्चरायामानयाच्वेर्नुबर्गार्थन्यळन्यान्गानुःवश्चरश्च। ळन्

अन्दःम्बयाद्यःम्बिशःदेःर्वःद्वनःश्वेषःम्बन्यः विष्यः । देवेःश्वेरः अर्वेदः यः हिःसः यायविवानु विहेषान्त्रेव यान्त्रेन व्याम्यान्त्रेन विषान्यस्य। ने यविवानु मावयानु यास्त्रिः शुरूप्ता भ्रेताः शुरूपिकाः स्वादिकाः स्वादिः प्रवरं मिकाः स्वादिकाः स्वादिकाः स्वादिकाः स्वादिकाः स्व ग्री:ळॅ८.भार्याक्षेत्रासी:प्राप्त त्राप्त क्रिया, क्रि मुप्रप्रे क्रिप्राणीकारमुप्रापर प्याप्राम् मुप्राप्ते दे क्रिप्रायम् स्राप्ता स्राप्ता यर वर्हे न प्रते ख्रिर विषर् दा केंद्र क्विन प्रकारण माया ने रहा प्रकार का चीय। विषयाचि स्थयाया सार्ह्यायम। विष्टि ग्री क्ष्टे साचीय प्रचीम प्रहेम। विषय ताश्चाक्ष्यार्याचीयावर्षिया व्रमानीयमा द्याप्रेश्चरायाचेश्यातान् सिराल्या र्सेन्। त्रुपः महिष्यः मे निष्यः विष्यः प्राप्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः वर्षेत्रक्षी ट्रे.रेषी.रट.क्षी.योचकाची.वीच.तपु.क्ष्रियमाग्रीमानीकान्येकार्यात्र श्चीतिवर्। रद्धारा स्रीति स्री महिषायायन्मामहिषासुः सूरायायन्मायहे समहिषामी मात्रयाद्वाधिस विरा ध्या महिकार्याने मुनायारे हेर्निका ग्रीका खुवा रुक् ज्ञान महिका हूट मिन्न र विकार हा। यह मा वह्रमान्ध्रावस्य स्वाप्त्रम्

र्वेष्म् ळ्ट्रायविष्म्याविषाः हिः स्वायुः विष्म् । देः प्यटः यटः क्रुट्रायः स्वम् छ्ट्रा ग्रीकाळ्ट्रायविष्मुट्रेट्रिः यासूकावेकायविष्याद्रायः द्रायाद्रायः स्वम्याद्रायः स्वम्याद्रायः स्वम्याद्रायः स्व

त्रत्रितर्न् विश्वत्राच्यात्राची विद्वाला का सी त्रत्राच्या स्वत्राच्या के त्र र् सहर् देर। मानवार् वायास्त्र मुरार्ट क्षेम् मुरामित्र महिषास्य र हनायायय। क्रदायायायह्यायायाची क्रदायाद्या हेयायाद्यायायायाया म्रेश्रस्यायरम् । विश्वमानीया रहानीयावयानुवेषार्भेतिने रट या सर्दिन 'तु 'शुरापिर 'र्स्नी कका दे 'या सी 'सु 'पिर 'विकाया सर्दिन 'सुसा 'शु स्वर्ता सिंदि सामित स्वर्ता वित्। रटमिन्हेब्प्र्सूयम् प्याप्तिवायायहेब्ब्य्यरम् मानवयम् वियास्ति वि वित्राप्त मुन्यू र प्रति स्तृया की श्रास्त्र प्रति स्त्री प्रति स्त्र प्रति स्त्र प्रति स्त्र स्त्र प्रति स्त्र विषाचेर। १८ र्ये के प्रवि १ क्षे के हमायर प्रदेश प्रवे हिमाय करित सुका की ळं ५ साधिक या ग्राम दिवा अ से से स्वाया दे हिंग साया दे त्या सर्दे के सुरास धिक विरा हैनायानेशाङ्काक्षासम्यासिकानुः शुरायदे खुवा ग्रीकाहेनिकायाक्षी वहान यदे हिन्। महिकायाक्षीतवादादी हेकासुर्पयायदिखंदासाधिकाकारमा मिक्कान्तर्वे मिका यर द्वायायहेव यस विया दे द्वाय र वी हेव यहू य विषय पर द्वाय हेव विष वर्हेन्यायान्त्रीयायासेन्यविष्ट्वेम। न्यायासाम्यायाम। सुम्मुक्तियासा याण्येष्रायम् वया पर्वेषाणुपाणेषापये स्विमा विषापये वया यणुमास्याप्या यायाहेबाब्याहेबाब्याहेक्यायते स्थान्याचेबास्य प्राप्त देवा स्याप्त स्थान्य विष्ट्र स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य वर्रे न ने वर्षे वयावशुर वयम् अया उद्याया वहेन न अधु मु चरेन मुवानु वर्रे न यदिःर्यमाःह्मामिनाषायदिःमाटः अनाःधिवाव। स्यानाः यदिःर्यमाःहमामिनाषायदिः स्यान्यमाः रटक्रिंट जर्द्य संभ्रेष्टि विषये विषय विषय विषय स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ

यर'गुप'नस'स'गुप'ङ्गस'पवि'चे'क्केंस'य'पुन'रेट'र्'ग्नन्स'पवि'च्चे'क्नेंय'सेर्'यर' हेशःसुः न्यमः प्रतिः स्वन्यः प्रेवन्तः स्टामी हेवः मानवः स्वेमशः प्यमः नमः प्राप्यः प्रहेवः प्रशः विपात्राचित्रात्राचित्राच्याचित्राची ह्या अत्यद्वाची प्रवाची स्वीत्युविष्ठी स्राची हेब'र्'शुर'यदे'हग्रायप्राप्त नग्यायायात्रेब'यदे'स्री'स्नु'यदे'बेब'रेग'र्'। रू ૡૢઌૹૄ૾૽ૺૡ૽ૼઽ૽ૺ૽૽ૼ૽૽ૼ૽૽૱ૡઌૻૹ૽૽ૼ૱ૢૼૹૄ૱ૡ૽૽ૺ૾૽ૹ૽૾ૢ૽ૼ૱ૹ૽૽૽૽ઌૹ૽૾ૺૹૢ૿ૢ૽ઌ૽ૡ૽૽૱ૢૼ૱ૢૼૹૄ૱ यदैःवेषाय। सर्देवःसुस्राश्चीः स्वदःसदोः सस्व देवा रहः वीःहेवः दुःशुरः यदेः हवाषः लट.रचे.ज.चड्डेब.बंब.रट.लेंज.की.चंड्र.चूर.कींर.तद.धूंचे.कींर.ज.श.झी.चंदर,खेंब. द्रवा ह्रमासुर्पयायवे स्वत् स्वतः स्रवे सस्व हित्र द्वा ह्री स्वतायम्यवायम। नया हे अळं ब निवया र द नी अळं ब रिंद द अ हिंदि अळं ब रिंद गुट र हो। यह ना हे ब बर्धेन्द्रबंबेद्यसम्बर्धान्त्रस्व सुसान् न्द्रस्य प्रमान्त्रस्य स्वर्धेन्द्रस्य स्वर्धेन्द्रस्य स्वर्धेन्द्रस्य याधिव है। देवे श्वेर देवे खुवा उव श्वे क्रायर विषाया दर श्वव रेवा हु स्रोहेव सुसा क्षेर्'र्'इस्यायर'म्बमाम् विद्यामसुर्याययार्रार्यार्रा मेनापुः शुरायदे प्युवा विषायषान्ध्रीयानसूर्वायवे न्ध्रीय। सर्देवासुस्रान्धी स्वंदासायान् ही वाद्यादार्यवे सर्देवा सुसाची क्षर सार्टा धरि भी सार्टे सुसाची क्षर सार्टा इयाय है र सार्टे सुसा मुं क्षं न अन्तरम् मुख्या रहामे मुद्राकें हिन स्वर्थित स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या ये ना बुन्न अरु के प्याया ने का का स्वाया के प्राया के कि स्वाया के कि स्वाया के कि स्वाया के कि स र् कुरप्रे कें क्रिक्श दे त्याकी सुप्रे क्रिया र र पेंदि सक्र केरी र हे क मा सुन्य

वह्रम्द्रम्द्राच्याच्याची क्रिक्षाची क्रिक्ष स्थाने विष्ट्रम्द्रम् स्थाने विष्ट्रम् स्थाने विष्ट्रम् क्चे :ळ< :अवे :वर :व्रःषेत्। रमको हेव : तृ :कुर पवे :हवाका : व्याप्य : या देव :यर : पर्वः लेबः देवा प्रता प्रतासुवाक्चे विर्विते प्रताया अर्देव पुत्रः पर्वः क्चे वका ने वा <u>२वे क स्यापित प्रमान्त्र प्रमान्य प्रमान्त्र प्रमान्य प्रमान्त्र प्रमान्य प्रमान्त्र प्रमान्य प्रमान्य प्रमान</u> प्रवित्रः क्षुः क्षेः ह्रमः प्रञ्ञः द्वेत्रः प्रवेरे ह्रमः पः स्थः पुः प्षेत्रः ग्रीः क्षेत्रः सुक्षः मीः क्षंत्रः स्रव्याः ५वेंबियंपिये वाब्द 'ग्रीबार्बी । धिद 'ग्री अर्देब 'सुस्राची 'प्रदेव । सुंवा स्वदा स्वापाद । स मुः इत्यानु मा बुनाया द्रियासु देन सि क्षेत्रेत्र मुद्दा मुद्दा मा बुनाया दिवा स्वाप्त सि सि सि सि सि सि सि सि त्त्रेषःस्यः प्रत्यः अर्देवः देवेः क्षेत्रवातीयः नात्रुपः स्वात्त्रवायः विष्यः स्वात्त्रवायः । देवेः क्षेत्रवात्त यार्झे प्दर्नेनामान्त्रेन होन् ग्री क्षंन्यमार्थेन प्राये हो में भीन स्मेर्टन ने ना बुनामा चत्त्रे ह्यून्यत्तर ह्रूंस्स्य न्यूस्य क्षुस्य स्टाप्युव र्युव स्तुन्य रे ह्यून यह र ह्रूंस्स्य नमुम्रक्चित्रप्तस्य पुष्पत्या मुन्यस्य सेनायि स्वित्र हो वित्व वित्व स्वित्र सेवाय स्वर्ष इस्रायर विषाया निर्वाणिषार्ट्व निर्वाचिना इस्रायर विषाया साधिव है। निर्वाची प्याया ॔ॻॖऀॱइअॱय़ॱॸ॔ॕढ़॔ॺॱॺॖॱॺऻऄ॔ॸॱय़ॸॱय़ॖ॓ॸॱय़ॸॱॾॣ॓ॱॺऻॸॱॸॸॱय़ॕॸॱऄॗॱॸ॔य़॔ऻॺऻढ़॓ॺॱय़ॱॿ॓ॱॸ॔ॸॕॺॱ सुः द्वेद पारिद दु इस्मायर विषाया साधिव है। दवद पेंदे इसायर विषायदे हिंदासा য়ৢ৶ৼ৾৽ৼৼৼ৾ঀ৾৻ড়ৼ৽ৠৢ৾৸ড়৸৾ঀয়য়৸ৼ৾ঀয়ৼৼ৽ঀয়৽য়ড়ঀয়৽ঢ়৸ৼ৽ঀ৾ঀঀয়৽ र्भेः भवेषात्रा र्केरायायार्भेगषायाक्षरात्रस्यायार्भेराविष्टर्मस्यायायरासायित यः ग्राच्यायः म्यायः स्वायः स्वायः स्वायः प्रायत्वेषः द्वारः प्रायत्वेषः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व यःलटः सःलुबः ह्या विद्यायास्ट्या देःलटः स्टार्म्य या नुवाया यहेव द्वारा सहितः यः भेर्'सर्विनारभेव'र्व नेवासुरेवास्या द्वारा वितासुनायहर *૾*ફ્રેમઌ.ત્યનેશન.યેમન.ત્રી.જીંદ.ત્વતુ.જીટ.તુનાત્વાદ્વ.તું.જી.જૂ.૪.તા.ક્ષે.તી.જીટો.શુદ્ધ.તેંના र् 'युर' द्वी 'अषापक्षव 'या प्यव हो । यर मी 'वुव 'र्येर 'या प्यव 'यदे 'यर मा मे व 'र् 'ग्यूर' यदिःबिःस्वा बुदः द्रवेषाः की किरादे दिह्र वाषाः वृद्धि विदः सदः खुया की वार्षिः विदेशयदेः क्रायत्रस्य निष्यं स्याप्तायात् स्यापत् स्यापत र्दें विषात्त्र में अप्ति अपी विष्य अपी विषय के मिल त्र अर्ट्य स्थार हें वेश राष्ट्र है वाश राष्ट्र है राय है राय है राये हैं राये है राये हैं रा यवे इया वर्ते रामेरे वा मुमा दरारी मिन्न के मार्स के विष्ट वा प्यान प्रिया प्राप्त विष्ट वा प्राप्त वा प्राप् चन्द्र विष्या में त्युवा वायदेते । विद्राक्ष विष्या विषय किंद्र साया स्था विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय व र् र्रोक्षेरव्यक्षिक्ष्रां स्वर्ष्य स्वर्ष स्वर्ष्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष्य स्वर्ष स्वर्ष्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ण स्वर्ष स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वरत्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः ळॅ८ आत्राश्राह्म हें अ.ग्री.क्र्र. श्राचीष्ठेश श्री.चीर शर्म शत्र तत्तर त्रात्र हो। ैं धुं अ'निहेश हेश सु'न्यन प्रते कॅन्स र प्रहेन प्रते 'क्षेत्र। सक्त निहे प्यट 'न्ये प्या यहेब ब्रबार्टेब क्रिंग सूर हेवाबायदे बेब क्रेंडि सुर्यु निर्धे निर्धे केष हेब निर्धा

क्षे.ये.ब्रिथ.तर.ये.क्षे क्र्या.ब्रथतात्रमा उट.य.तमाथमार्थे.क्रीट.युर.ट्रेय.ट्र्यमा यन्तेन्तेन्तरत्रवानाङ्गे द्येरन् व वक्षेत्रन्त्रत्यर्द्रत्ये द्रुस्ययः द्रुद्रित् वेषप्रमा निम्मार्थायमायन्षायये में बार्षे मुख्यम् मिष्ठमाये छेषायये छेषा निराधिक या दे के खुरादें। विश्वान सुरुषा देना श्राया सुरा अदा विश्वा हैंदा मुक क्ट प्रति क प्यस्र भी किया प्राप्ति के करा निकाय प्यस्ति करा करा स्थान प्रसामिता डेषाबेर। हेषायन्दाराययार्थे के दे। हेंगा सेराणी वेषाया धेदादा संप्राधित प्राधित प्राधित प्राधित प्राधित प्राधित युवावाळंदासाधिकायराष्ट्रिया विषात्रेरा वुवाबादरार्धे स्वा यन्तरायमा यन्नामहिमान्दायन्नामिनामहिमान्दा नानुनामार्मेनामान्त्रास्या ह्मार्श्रेम्बारायाळ्ट्रास्य वर्षे सारवर्षे सारवर्षे हित्य र केन्ना हित्य स्वर्धा सार्वा हित्य स्वर्ध सार्वा क्दं सेन की समायर मानवा ययर रायाय की विषायन वार हैन विषाय है। हमायद्देन्देन्म्याञ्चात्रुः तुः स्वाय्येन्यायम्याया देवे द्वेद्वित्यायायम्याया वः रटाणुयाच्ची मर्डिप्टायाळ ५ स्थरार्सेट ५ विश्वापिता प्रवाप्य हेवा महिषा ५ ८ । श्चान्त्रायदेत्राहेनायात्वायुष्याचीयार्चेत्रायन्नायादेशान्ता श्वान्त्रनायात्वाळन्या अर्थेट प्रति धुराने। पर्वापित्र पर्मा मुक्तापाय स्वापा स्वीपा स्व र्भे भृषिकारी देखसमञ्चरमाधिकायराचया देखसमञ्चरसरामिता सुसानी कर सर वया दे सर्हि सुसानी कर सर सिर परि मानवा मुर्धि र परि सुरा वियायाम्बर्ग ह्रम्बासूयाङ्गा दे स्टामी ङ्वटायवस ङ्वटायुवायास हिन्यस्त्री हिन्यस विवास विवास हिन्यस हिन्यस हिन्

क्रन्याधिव परि द्वि र है। विषय धिव व र र वि बूर परवा बूर खुरा या श्वि र सर्दिव द्वेर। युन्नशन्त्रिशयाक्षेत्रयाक्षेत्रवाद्वर दे। त्त्वान्त्रिनात्त्वान्त्रिकासुः सूरायदे द्वर वेषादे रट.लीज.बी.ची.चू.च्य.क्रट.शर.श.सूट.चु.ट.ही अ.चेश्च.बी.चीश्च.ती न्यम् नेषानेते 'खुवान्ती' मर्किन न्यम् नेषाने 'ने 'वाळन् स्वम् स्वम् । क्रि.भक्ष्य.भक्षेटमातपु.स्रीमा प्रि.य.मा २०८.मुमाने.क्र्य.मालय.तम. चया ने स्वर सर स्वर प्रवेशन बया च स्वर स्वर से स स स विया व स्वर स्वर स भार्चियाकी त्राच्या है है। हे स्वायन हो। रयह स्वायन स्वायन स्वायन स्वायन स्वायन स्वायन स्वायन स्वायन स्वायन स्व बूद प्राया अर्दे ब सु अ की कंद अ अ संब के दे दे प्राय दिया अर्दे ब सु अ प्राय के प्र मुः स्तर्भायन्वर्षायायात्रा अर्देवासुसासस्व नेतर्भायायात्रीयायात्रास्त्रीयात्री स्वा न्ययायय। ञ्चापानिकायार्थेन्यापान्नाद्वीपान्यप्रमाया हें भावभारादेव सुरादे दायोव या रयारेया छवायारीय भारत याहे भावभावे सिर्देव सुस्रिन विकामसुरमा ने प्रविद्य प्राप्ति महिसान मुन्न वहें ब हे न या स्वर्पाया प्यान स्वर्पाया स्वरप्ताय स्वर्पाया स्वर्पाया स्वर्पाया स्वरप्ताय स्वरप सर्देव सुस्रायम् नामायम प्राप्ति । यद्वा नामित्रमा भी देव भी द्वा भी द्वा भी स्वा प्राप्ति । देव हैं। सु पु प्यत्वा प्रदेव महिषा दरा। क्षा हवा प्रदेव हें वा पाया सरेव सुस ही। स्व स्तर्यक्षस्य प्रत्रा सर्वे सुस्र सक्ष के किन्य प्रत्राविषा विन्त

त्रिश्ह स्मिन्यवित्यान्ता स्मिन्याया विषया वित्या क्षेत्र स्मिन्य स्म

त्रुकार्चकुरिक्षेत्र। विषासूच्यासङ्ख्यामाय्वेष्यक्रियां महिराक्ष्यक्षित्रा विषासूच्यासङ्ख्यामाय्वेष्यक्ष्यक्ष्याम् विषास्व्याम् स्थित्र स्थित् स्यित् स्थित् स्यत् स्थित् स्यत् स्थित् स्यत् स

यद्रा देखेरक्षयायरमाक्षयास्त्रदेश्यवेषा विषयपस्य पर्धेवाकी मञ्जमक्षेत्र प्रमामा प्राप्तिक के विकासिय प्रमास्त्र मा स्वाप्ति प्रमास स्वाप्ति प्रमास स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स् म्रोत्राच्या यात्रस्यत्या विषयात्रस्यत्यत् भ्राम्यात्रस्य विषयः चमिरमान्तुः द्विराने मानिया है। यहेतुः स्था है मानुस्य स्थानिया हो । यार्या तर्वे वा वी खे रें द की तर्वे वा यदे खेर है। का यदु या यका विक्रका वा सुक्षार्या तदे र ैते : श्रेस्रसः संस्था श्रेन : प्रते : प्यतः यमा : पर्सु : महिसः प्यानः : प्रमः ने : प्रति सः मिन्नसः प्रसः । र्यानु क्षे क्षेप्रायाय क्षुयाया सम्माउन् गुर्म सम्माजीय सम्माय क्षेप्राया क्षेप्राया सम्माय सम्माया सम्माय सम्माया समाया सम्माया समाया सम्माय समाया सम्माया सम्माया समाया समाया समाया यन पर्ने निष्ठ में भारत निष्ठ ने तार प्रति स्वर्म निष्ठ में निष्ठ में निष्ठ में निष्ठ में निष्ठ में निष्ठ में N. पर्वे. त. जमा विभाग विभाग प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त श्रायम्यात्रसायक्रितात्रमायविष्यात्रस्त्रम्भ्राण्यात्रम्भा यत्याचेवावात्रम् यातः वनाक्त्रान्तर्थरार्थन्ता । ने प्रतिक क्रे क न्तर्म् यान्ना निर्देशेन्यर स्वान्त्रेन्य्रस्यमा । स्रम्यस्य न्त्रम् न्त्रम्यम् न्त्रम् । विस्यत्त्रम् विस्यस्य ग्रेन्द्रा सरमाकुरायायान्त्रमानीया मरात्रमाकुत्रन्द्रार्थेन्यायादिमा द्रभावेगायह्माह्रेषामुद्री मुद्रायार्य मार्थे स्थानाय मार्थे स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स पर्वे.त.जथ.श्रूशश्रद्धाःशू । <u>चित्राचीसीटरात्तप्रासीसाहीः</u> रूपे श्रात्मूचीत्तर प्रह्मी. हेबॱदन्न्यायायायान्त्रुम्बार्थसस्यान्तिकान्ती स्टान्स्यायस्य स्वर्थस्य स्वर्थस्य स्वर्थस्य स्वर्थस्य स्वर्थस्य

सर्थः तर विश्वेषात्रम् तयाविष्याचिष्यात् । यह के अष्रयाद्भाः । विश्वान्यात्यः त्तर्भुरप्रा भ्रिरेवाकी वार्षिकार क्षेत्रातर में राष्ट्र में साम्यान के स्वार्थ के साम्यान के साम्यान के साम्य व्रेन के अर्थेन अप्न सुर अप्य प्रेने से प्रवन्य प्रेन प्रेन प्रेन प्रेन प्रेन से अप्र अस्य <u> २८.पश्रतातुःजराजराज्ञेशस्य प्रामुह्यस्य प्रामुल्या मेन्त्र</u> इन्दर्गमानिकाया वहिनाहेब्याधाने हिन्यानुमाया विमार्सेन्याधाने स्टिन्या र्'र्पेर्'सहस्रान्द्रित'य'तस्वार्यायत्रेसहस्रान्ववाची'वी विश्वेवस्रित्रे सहस्रान् यक्ष्रवायतिष्ठिरात्रा ध्रेत्रेवासेतायात्रात्रात्रवायात्रात्रेवाचीसार्येत्यरावसाञ्चरसा व्यन्वयानिवयानिकात्रमान्यस्य प्रम्यानिकातिकाति सर्वे स् यट जय है देव इट सेंद से विषय में मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्य मार्थ द्यारी वोशेरयात्त्र रे मूर्यातायवर ता वीय है। यह यया वीर है। रेट तूर नेमानु न्वापायासहन्याधेम्। विमायदे पर क्विमान्धे र्रेयासेन्यदे सेसमाउसा য়৾ঀ৸৽য়ৣ৾৽৸৽ঀ৾ৡ৸৽ঀ৾৵৻৸৾৾৲ৼৄ৾৻ঽ৽ৢৼ৸৽ৠ৽৾৾৽ৢ৾৾৽৻ৼৢ৾ঀ৸৽৸৾ঽ৽য়য়৸৽য়ৼৢ৸ৼ৽য়৾ঀ৸৽ येव परि द्वेर। दर रें येव हो। बर्रे हे नर यथ है रें या वेब रें नब है गानिहें या *૾૽ૢૢ૽*ૹૠૢ૾ૺૠૼૺઌૹૺઽૢૡૡૺૹૺૹૹઌૹઌૢ૽ૢૻ૽ૢઌૢ૿ૢૡઌઌ૽ઌ૽ૺૹ૽૽ૢૼ૽ઽૢ૽ૼઽ૽૽ૢૼ૱ૢૼૡૢઽ૽ૡ૽ૺૹ૽૽ૢ૽ૢ૽ૢૢઌ૽ૡૢ૾ઌ रुषारी योशीत्रात्तरात्रात्रात्री स्टर्स्य में स्वायात्रात्रात्रीय स्वायात्रात्रीय स्वायात्रीय स्वायाय स्वयाय स्वायाय स्वायाय स्वयाय स र्येंदे ख्यांदी विकारी क्षेत्रेंद्यां क्षेत्रेंदिन स्रेटाटी यट मनिम्बरायमा क्षेत्रेंद्या सूट

य.लूट.भुष.प्रे। ।शुश्रय.षु.क्रं.क्र्याय.क्ष्मया.सं.क्षंटा। ।जीय.टट.जूटया.क्रींट.यायया. वर्या विषयान्त्रार्वे द्यायम् देश विषयास्ट्रियायस्य विष्या क्रिक भेर दी जिर देश हैं दूर प्रमाय मिर्म हे हैं हैं दूर मुंग मंत्र मान क्षा कर्म कर है ग्री बिब या क्विनाय वे श्वि र पु रिक माबब या प्रेनिस ब का मासुर का या प्रेक या प्रदा रेर मान्नद्रमें मार्येतात्रमा है देव भेदाये मेम्रास्य द्रमात्रम् र्वे किन मासुस्र स्ट मी सक्षेत्र किन ग्रीस पेरि स्रोन म्हे त्रस मासुर स स निर्मा ग्राँस माति । क्रॅब्रयरि'सर्दे'द्रा सवरविगविगयाम्सुसर्वाच्यर्म्स्बरयरेस्ट्रें र्नेब'र्'पक्रन'प्रशुर'शी'युर'यर्ने'इसस्याणीस'नास्याप्यर'श्चेन'पवे'श्चेर'हे। नर्नेरस्य विषयायम। वर्षेमास्न विषयित्राहेराते विषयित्राची मुन्ति विषयित्राची विषयित्राची विषयित्राचे विषयित्राचे विषयित्र श्रेस्रस्यस्य विष्याची त्रस्य विष्यम् । पर्वेसः विष्यमी पर्वेसः विष्यमी वर्षामुषायगवासुयाय। मुष्ठषायाम् निर्मायामान्द्रायासाधिकालेषामुद्री ।दे स्ट्रेटि स्ट्री राले वः वयापर वियापवे त्रीवयापवस्य पर देवा द्याचीय रच ते हो च दव लेव र्वे विषार्यायम् दे । विषास्थे देवासे प्यरामसुर्याया देवे । यरामिन्यायया हि स्र र वर् य वर् य या । श्चिव य श्चिव स्वयं य वित्य स्वयं । यर य क्या ने य विव स्रमान्यता । स्रमान्यत् प्रतान्त्राचन्ता । विसायसाद्वर्देन्द्रात्वेया न्मेरमायम्यायम् हेर्न्छन् मसुसारहामे सळव हिन् ग्रीसार्येन सेन से सम मस्रस्य वित्र यह मिन्न विषय विषय वित्र ज़र्देब पदे छेट विंदर् खुट यर मुंदी बिषायश इट देव ज़ुप्यमेया दर्वेदश प्रेमे तमा जुर्यत्तप्रसम्परम् स्वरायाः विषायाः विषायाः विषायाः विषायाः विषायाः विषायाः विषायाः विषायाः विषायाः विषाया

वयय। विर्वापुर्वेषायर्शुराज्याकेषा विषयास्यवायार्वेदेखा यह्मम् । विषागुमानविष्मसुम्सायान्तेन्द्रमायहम् ग्रीः ह्रिम्पिर्स्मम् प्रिमानविष्मस् र्'त्रमेवायदे अर्र्सर्ट्रं द्रेन्'र्'त्रमेवा र्मेट्सरमेवायायमा अवर व्यापित यम्बर्भर्न् मुस्कर्भर्भित्राचा केन्द्रन्द्रिन् द्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया गुव यस पत्र संस्वास यापहेव वस इट देव दु यमेय कुस याय देवें दस यदे हिरा द्मायह्म मुंग्लेट र्ये ह्रिन यये अर्दे यट ह्याय छ्म दे यत्नि मनेम रायये हिट र्येदे अर्दे ज्यादे दे पार्थे दे गुर की जेन का कि जर मिन कि निकार के अपने का कि जो कि जो कि जो कि जो कि जो कि ज ग्री अर्दे प्रहें न पाने माम के अर्थ में माम के वस्र १७८१ के १ के १ ते विषय स्थान स् कुषायकुषायविष्ट्रां भेराये प्राप्त प्राप्त स्थान स्थित प्राप्त स्थित । स्थित स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थ मनेमसायमा पर्वसार्थस्य पर्वसारीसार प्रावेश की सार्वर मासवाय समाय राजा यर्चिनास्मेन्यान्यसम्बन्धायमः द्वायान्तर्दिः सळ्नासुसासुः स्वादेशाद्वायान्यसम् ठव वस्तरा उर में जुरा में वह व सके रायर पर्हे र दे। वेश या दश हैं में शिक के र र्येन् स्रमन् प्रतिक्रमिविषयपाद्मस्रमाणीयासु ह्रेन्याया होन् प्रमु ह्यू प्राप्य सर्दे स्यमः वेब या इसमा द्रापित ही रादे पविष्ण में माने माने प्राप्त ही रापित हो प्राप्त है । येवेयायात्राक्षेरायास्वराही वियायदायम् मी सर्मिस्याया हे स्थया इट र्हेन दु रव्येय ळुंय प्यट रे हिट यम। सर्टे के ने सेसम उन में प्रसाय प्रवित यह्नम्यायहेन् नु विष्यायाध्यम् नि ने विषयि विषया ध्यम् मिन्यम् न ह्वी श्चित्रे, क्षेत्र, स्रोत्, तत्राक्षेत्र, खेष, तत्र, द्वीया तश्चित, त्विष, त्विष *૾૽ૢ૽*).શ<u>ર્</u>ટ્ર,કિ.વિ.શુવી.તાલા ક્રિંગ તાલુષ તોજી જાતા.ક્રી.દુ.વાલુષ તત્ર ત્વલે દાય ત્રુપ ટ્રેપીયા ગ્રીજા. ञ्चेनाञ्चुःयः कुरः विवायः पविवादुः पञ्चः परः निष्यः याः यथः विषाः स्वाः हिनाः हनाः यहवानी क्षेटारी निस्तर्थाय इटार्नेव द्वायक्षव यस गावानी क्षेव यदि सर्दे द्वार् दिन र्दे दे दे दे दे दे हैं ने दे त्यीय है। गीय में प्रियाय कर में दे हैं में त्या के के प्रियाय है। भीय के प्रियाय के प्रियाय है। क्षिट यें क्षेत्र यदे अर्दे महिषामा दर्मे हरा मति यदे मिन सक्षिट यें या दर्मे हरा स्वाप न्यस्य प्रते द्वी र है। यदे निवन्य क्षेट पे व्यानु व निविद्य क्षेय निव्य प्रत्य प्रत्य निवन सर्देर् महिषान्वि सामित्र मित्रामित्र मित्र श्रेरिष्यप्रदेख्रिम् न्दर्भे कुर्द्श्वार्धेपर्मेन्यविष्य यास्ययास्य म्रिया दित्विव मिनेग्यस्ययः ह्रेव पर सह्रा विषयासुर य नेटा यह योर्चेयायात्रा दे.यांच्याप्रेयायात्रः क्षेट.त्रागीयावांच्यः स्थात्रः प्रेयात्रः प्रात्रः प्रात्रः प्रात्रः प्र पः इस्यार नेस्यायत् इत्रात्रस्यानेस्रोत्मित्रस्या विस्रात्ते स्राम्यारस्यास्या यद्रा देखद्र्यर्भात्रम् रहाय्येवायम् द्रेमध्यावसम्बद्धाः मुःह्रासुः ब्रुग्याये । सुरः ह्रिंदः या के दायि मात्राया विवेदे । इसाय र विवाय विवाय हर्षेत्रः तर रुवातर वित् विषयविषय। विषयतिष्यं विषयत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व तत्रस्रे दिरादेव लेव तर देवायायया चीय है। वेया ची है देव स्रेट तर देवा सु यह्रम्भः मेश्यायायम् प्रतिमाश्चित्राश्चित्रायायम् यात्रात्रेत्यते ह्वमापुः हिन्याञ्चायते ह्विर हें चिर क्रुव सेसस द्रोय यथा दरे र्वा इसस स्टर सेसस स्मावेसा । इव याधिकाने मानामा । विकासमका सुनाया हिन देन के। । देने दे प्रविन हिन

यास्तराही क्रियमरामालकानुत्रया निस्तराहिता । क्रियमरामालकानुकाया निस्तराहिता । क्रियमरामालकानुत्रया निस्तराहिता । क्रियमरामालकानुत्रया स्वाप्तराहिता । क्रियमरामालकानुत्रया स्वाप्तराहिता । क्रियमराहिता । क्रियमराहिता

त्रित्ता नुर्वेद्द्रायम् वर्षायम् वर्षायम्यम् वर्षायम् वर्षायम्यम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम

की.लुच शुच विषय्त्र विषयः तत्त्वयः विषयः तत्त्वयः विषयः त्यात्त्र विषयः त्यात्त्र विषयः त्यात्त्र विषयः त्यात्त्र विषयः त्यात्त्र विषयः व

व्यापार्श्वन्यायदे त्यसायु त्यु हायदे के दार् सार्वि त्यार्थन्य स्वीत्र दिन दु त्यदा या र्नेबासेन्पुः व्यापाययम् अप्योदे क्षित्रमायके विष्याप्ति । यहेवा हेवायार्ययासेन्यर क्ष'य'कुट'वयेक'छेट'वेष'ठुवे'र्र्रायवेक'छेक'ठे'वेषा'तु'यक्ष'य'र्सेषाषासु'यक्ष्व'यवे' धुरा देख्र देख्र देखराय्युट क्रेम्यावन द्यायमा स्यापाविया देशायाम्या वर्तवेयमः मुकासवयम्बदि क्षुं यायदेव यामिक्षः कर पुष्पामायायामि व से। पर्देशः ৾৾ॻॱढ़ॖॺॺॱॸॸॱॻढ़ॊढ़ॱक़ॗऀॺॱऄॗॖॱॻॱऄॸॱय़ॱज़ढ़ॺॱॶज़ॺॱॺॿॸॱॿॖज़ॱऄढ़ॱढ़ॱढ़॓ऀॸऻॱढ़ॆढ़ॱ रटर्गवय्वर्ण्यार्र्दिशर्यम्बस्यर्भरट्यविष्णुश्चिर्भेत्रेर्र्न्वस्यर्यर्णुरर्रेष् वेषा ने क्रोहेन्सप्रये कुष्मक्रमप्रेन्ता महिस्मामिसप्रश्चनपरिन्दरम्भिरने क्षरकार्मे ने मान्य के प्रात्मे ने स्त्र में मान्य सुनाः सुनाः रिविनाः हेवः या विवासेन वान्यान सुन्या विवासे। विवासे विवासे विवासे विवासे विवासे विवासे विवासे विवासे विवासे विवास विवा भ्रुं पर वया दे इसमा सवर प्रवेगार रेट यम से भ्रुं प्रवेश्वर विषा साविय हैं नर्रे अर्थे इसस्य राज्ये कुं के दायरा हा कुन निक्र प्रेम विकायक नाया यः गराष्ट्रीराक्रुक्षेत्रपादराद्वराष्ट्रवाची विकार्स्स्वरामस्हरा देःह्ररास्टा বৰিৰ গ্ৰীমান্ধ্ৰী'বাবশাৰা'বা'ঝামল ম'বেই'ৰ গ্ৰী'ঞ্ল'বা ক্ৰিম'ন্ধ্ৰম'বি থেৰি 'দ্বৰ'থেঁৰ 'ক্ৰম'ৰ্ন্ধ্ৰৰ' याया नटा भ्रेर पर्देष रेपिन्दे व व व र पर्विट प्रका विव के वीवा न व विव की व वह्रम् वर्ष्टमासु ने द्वर प्रमुन्यासह्त यास्म्यमानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मानुवानुमास्मान्यम्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान रुष्पेन मी। हेर्रायायाळ म्यायदे द्विस सहरायास प्रेने संस्था भ्रे में इसमाने हें ने प्रमान हे स्था विकार्यन मानुस्या हे प्याप हे स्थित हे न वर्चेर. रुचेश.त.वर्ट. लुश्चार्था । क्षे. रच. रे. त.श्चवत. रचे. च. क्रूट. त. रचे. री. विश्वात्र श

इ.स्चामान्ध्रमाना हुंच सूर्यात्रेयाचेना भिष्णात्रमा भावस्चामान्याच्यात्रमा । विष्णात्रमा हुंच म्यात्रमा भावस्चामान्यात्रमा हुंच मान्यात्रमान्यात्रमा । विष्णात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रम्यात्रमान्यात्रमान्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्य

यश्रात्रेक्त्रे विश्वायदेवरम् मुश्चायद्यार्यस्य मुश्चायुवायाद्यायायाद्या यदः ैंधे र द्वे द र्चे को द रक्ष राम को का की माने के वार्त की का की साम प्रवित्र क्रीश मुप्त प्राप्त नाना प्राप्त प्राप्त मुस्राप्त में प्राप्त में प् यः हैंब किर दर्ग विषय प्रत्या हैं गया पर्दे किर ग्रीया है गया पर्दे । वरः क्रीश्राचन्नान्ता विताहवे न्युन्यन्त्रेश्रायान्त्रवा वाष्याच्यान्य वास्त्रः यः सेवाशाधिकायते द्वीता ५८ विते खुंवाके वत्र पर्दे ५ श्वी क्वाप्त द्वीतायश विवासता पर्वाप्रतायिक की भागूपाया द्वावा द्वीं भागे। व्यापार्वे पाया या विया परिवास परिवास परिवास परिवास परिवास परिवास यन्नायहें बर्ग्सें हिंदि ने में बाद मायहें बर्गी खेब खेलायन्ना रहा ये बेब खेला युवाया भारमामान्तर पर्वा यह व हिंद भ्रावेश तर्र हिरा वेश ता है पवि प्रकार क्या लेवा यायन्यास्त्रन्त्रास्त्रां । स्त्रिन्यवे सार्म्य विष्याप्त । विष्याप्त सार्म्य र्वेटमान्हेर्यायमा सक्तान्यममा से के प्राप्त । के मंद्री निर्मा के मंद्री श्री मार्थिया विष्यान्ता क्रायम् वायायाया वर्षे प्राया सुका सुक्ता स्था विष् क्दिर्यम् मे मुष्या भी विषाम् सुर्याया मुष्या स्त्र मे निष्याया समुमायी स्त्री म दे द्वराब नाट बना रहार विव की शासा मुदायर दिन शासिर केंद्र सा से द की शाम है वा शासिर केंद्र सा से द मीयन्यायहें मण्यान्यम्यायन्या द्वमः क्षेत्रः मुक्षः यदिष्यः यद्वमः यद्वमः यद्वमः यद्वमः यद्वमः यद्वमः यद्वमः य यन्नायद्देव निर्माणायार्क्के यर्नेनमार्केन या सम्वित समायन्न ग्री निर्मासाधित यमा देरम्पराव देव पर्वा यह वा वह वा वह वा विका मी विकासी वा वा वा विकासी विकासी वा वा वा वा वा विकासी विकासी व ष्ट्रिन्यर वित्राप्तरम् यन्ना यहेन महिषाया क्रें विष्णा मर्छित प्राप्त स्थापेत् यर वर्देर्यन्त्रे सम्बद्धार्मे । इन्हिन्या । इन्हिन्या विष्या मुद्धा । इन्हिन्य विष्या

यम्भा नेमान्यस्टर्यायमान्नन्यन्त्रायम्यस्त्रा । क्रमायरेयम् क्रीमान्नन् ह्रेषायहन्यायित्युराये यसारे विष्टा द्वापित विष्या प्रमाणित विष्या विष्या विष्या विषय विषय विषय विषय विषय विषय चिष्य, यर्च, चींय. शुर्त्य, ही र । विष्य, त्राच्या की. श्राचीवय की. चीव्य, त्रिरा किरार्टी विकायविष्यम् क्षिकायम् मुकायम् मुकायविष्युम् र्येकित्यन् मानुः वर्देन्यः दगमायाप्ता सुरायेरायदमायेदासायेकायदमायायापा । विकायाक्रमा हासे श्रम् तर्ने त्यात्री त्यात्री विश्वायत्य तर्मीश्वाने विश्वामी विश्वायत्य प्रमाणिश्वामी विश्वायत्य विष्य विषयत्य विश्वायत्य विषयत्य विश्वायत्य विषयत्य विषयत्य विषयत्य यहेब'य'र्सेन्यासम्बद्धार्मन्याय'र्दा विकित्तेन्द्रित्वावदेष्ठेत'हन्यासिहन् विका यम्म। ने द्विरायन्या सेन प्रेसिक्स प्राप्त प्र प्राप्त न्राम्बन्निः न्राम्बिन् न्राम्बिन् न्राम्बन्निः चन्निः चनिः चन्निः च यह्रम्ह्रम्ब्रेन्ट्रम्भूत्रिम् । विमानम्भा यह्नम्ह्रम्म्मभ्यत्रेण्यम्ह्रम्यमञ्जू क्रिया विषयप्रियम मुक्षयन्यायहेष ष्रष्यम्य म्याप्रस्य नुयवयाय नियम् यर्दा इस्यान्त्राक्तिस्रोत्ता विषय्यात्रमा विषय्यात्रमा विषय्यात्रमा लिंबार्डी विशायते प्राया की शादे न्सूर प्रसूच या वा सहर परि की न्सू पार्टी र स्त्रापिते र्षेत्र मृत्र र्थेन यम यङ्गत्र या सेन्या प्रेत्र स्वर यदे द्वेता न्य र्येते स्वर या यहेन या यहेन यदी अर्थेन्द्रमान्द्रमानेमानेमानम् प्रमानामान्याने विषयान्यान्यान्याने विषया ने मिन क्रिया संस्था से बार में विश्व क्षेत्र के विश्व क्षेत्र का स्वाप्त क्षेत्र का स्वाप्त क्षेत्र का स्वाप्त का स्वाप् त्रुक्तिर्थित्रे वित्राचित्रे त्राक्षे कि. ये राज्ये त्रुक्ते विष्णे विष्णे विष्णे विष्णे विष्णे विष्णे विष्णे र्थेब म्बर्म मुल्दब थिब हो क्विर्म यहे यह यह स्वायस्य हमा वह रयः रमा इसम्यादमा वयदायादमा क्रेंबादमा क्रेंबायाध्यायादमा द्वायवे. चैवायाः हे. देवी. देव. तंत्राः ही मा विषा चेमा ही. सेवाना विष्ठवा वावव तर स्वायाः वर्त्तुअयादमा र्क्रियवे द्वायादमा स्वाप्ते द्वाया विषाने मा स्वाप्ते द्वाया विषाने मा नुस्रायार्सेन्याणुः क्रेन् वान्त्रायायेन गुरान्यस्य स्वरायायेन प्राप्तिन प्राप्ति प्राप्तिन प्रा खुषाद्याद्र गुरा यहेवायायद्यायाचेवायिवाची विषाने रा दे द्याद्युवार्केटा र्वे । भगवेशयि स्वायायि स्वायायि । स्वायायि स्वायायि । स्वायायि । स्वायायि । स्वायायि । स्वायायि । स्वायायि । श्चेत्राग्री दित्रात्र्यायात्रयायीयात्रयात्री तित्रात्रात्र्यायात्री तित्रात्रात्र्यायात्री डेबाबेरा यरासरावगुरावावाडेन सुरार्धात्यकरावन्नायेदादी विद्यावेरा यर सर न्या र नाय हैन इस यर ने शय महिन सुपर ना की से से र है। है य चर्रायाकारावाविरावेष्या । कार्झ्यारार्यायश्रुराया । वाक्षासायाये इ.स्थराष्ट्री विराज्यायाँ र.ट.स्थाताविश्वी विराविश्वतात्री श्रमः चर्ग् र चर्ग सुक्ष क्षे पर्दे द र सु हु र ते श हु र त हु म न सु र स । य स र द र दे र से अर र चर्योत्राचार्य्ययमार्द्वेयमार्झ्याचार्द्वेदावरूट्टातावार्झ्यात्वेदायात्वेदाविदा द्वीयाय्येदाया चविष्वतः स्वापिषाणी वर्षे नियाया ह्यु रायर प्राप्ते क्षे क्षे प्रताय के निर्देश ग्रम् भिन्ने मुस्यायम् विषयायन्त्र निष्ठे दिन् हे निष्ठे त्यम् यास्य विषया वर्षार्श्व । सम्विग्रम् वर्षे प्रदेति याने इसस्य प्रविनायाया नायाने सुमार्थे विनान ने द्विर ने । विश्व सैन्य न्युरमा ने प्यर चन्न के संस्कृत नु स्र म्या सुर धे स्'न्रम्किनाधिक'यि स्टिम्निम् हिन्स्र र्ये स्टिम्स्रम् रिन्सिम् दे'दर'र्दे'र्च'मञ्जेम'धेब'बा व्विद'दे'दर'मञ्जेम'धेब'दर्मेष'यवे'ब्वेरा क्वे'स'देर वया वितारे प्राप्त केवा धेवा वितारे प्राप्त का वितारे प्राप्त का वितार के व म्बेन भेर ने मा हिन्ने निर्देश रहे में मुक्त म दे 'दर' व 'दर' महत्र सेद'ग्री 'मुरुम' पेत्र 'द्रमें प्रायदे 'द्वेर। दर'ये देर वा हिंद' रद्यतेष की श्राम्य प्रति हिर्म हम् श्राम्य इत्यर पर्दे देश के प्रम् देश करें तमा तह्याद्रेषाञ्चेत्राचाराज्ञमात्रमाम् वर्षाञ्चेत्। विद्याम्यूरमा पर्माह्या र्थेन धेन प्रमान सुर रेपिन ना धेन प्रवे सुमा वर्नेन से मुमाने। सर्ने प्रमा न्वोःश्चित्रन्वाःश्चर्याः वदेः न्वांकेः श्वेतः खंशा व्यः श्वेतः खंशा व्यक्तवार्थाः खंशः श्वेषा व्यत्वार्थाः व्याः व्यः व्याः व्य वर्नः हो वर्षायवे र्षान्ता अर्वेत्षायवे र्षान्ता वसास्रवि रहा हा द्यायश्चर्यायाद्या वाराञ्चवाचीत्रियावासुरुषा वालवायरावाराञ्चवाचीत्वर्वाः दह्रमः स्त्रमः स्त्रमः क्रिमः क्रमा हिनः स्टामे । वह्रमः स्ट्रमः मी । प्याप्ता । विमानिकः विषा यर वया वित्रिंगी श्वापत्वा इसार्येत् प्रायदिक या नाम हिना यत्वा इसार्येत् येत्र पर्वः भ्रिम भ्रिः साम्या पर्ने द्वा भ्रिसः यसः यसः स्वरः से दः यसः श्री सः सिर् रेशे रा र्वेब र्रोटें श खुं की 'र्सेट प्वर स्वया वर्दे र प्यंते 'स्वेर स्वय क्षेत्र 'स्वर वर्ष में वर्ष प्रेत प्यंते ' क्र.चर्याक्षेष.कर.तर.वजा रेटु.क्र्.चया.चरुषाग्री.सेर.ह्य.श्रर.त.यार.ख्या चया. चरुषाणु सुर र्घे चन्ना धिव प्यते ख्विर। धर चन्ना न्नन् रहेना रे रे र रेटे र्वे हिन् ग्रीषा श्चैत्रह्मान्त्रेरत्राच्या समाग्ररश्चरत्रमायान्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा इ.स.च. हु. त्याचा हु. हु. त्याचा हु. हु. त्याचा क्षेत्र त्याचा क्षेत्र त्याचा हु. त्याच हु. त

यशः देव नाववः द्रायान्य स्वाप्त स्व स्वाप्त स

त्रुवाया इस्रायत्र्वाश्चित्रः श्चेत्रः श्चेत्रः श्चेत्रः विष्यः स्वायः विषयः स्वायः विष्यः स्वायः विषयः स्वायः विषयः स्वायः विषयः स्वयः विष्यः स्वयः विषयः स्वयः स्वय

वर्चे र प्रमानितः सम्मवरायनु बन्दु प्रचलायमा साहे न प्रमानिता वर्षे व वर्षा निता द्वेर्द्रुव्रद्रम्भ्यभायायायह्नायरायश्चरावेरावेटा गुवर्ह्चश्चेर्मभानवनारुमभा यर यर यर के रक्ष र विरे देव हो। दे यर अध्यय वर्ष दुव दु के द य की। विर ह रर मिष्यम्यम्दरम्बिम्पुः सेद्या विदःहः स्टमिष्यम्यम्यसः स्टायिवम्भिसः मुप्रयादे मा निरम् रहा में प्रमा निरम् रहा में प्रमान स्वापन स्वा अ'नुव'या विट'ह'रूट'ने'प्यब'यम'य'यहेब'य'रूट'यहेब'म्रीश'अ'नुव'या विट' हरे 'यन 'यम 'वेट 'ह 'य 'यहे ब 'य 'र ट 'यहे ब 'की ब सा मुयाय। वेट 'हरे 'यन 'यम ' क्रिन्य रहे अ. सुर हे अ. सुर हिंदे त्या की प्रति कर सुर है . यन् वर्षे । वर्षायन् वास्वायन् वर्षान्यवायकासा हेन्यायायहेव वर्षायन् वा मीर्ट्रेबर्स्स्वस्यायायह्वायराय्युरायायरावेसायरावेदी । विष्ठेव चन्ना सवतः यनुकः नुः यस्यायिः क्षें साक्षेन् याने यन् वाकी याक्ष युवाका योकः बेरः याकी यवनः दे दे दे दे विषय परि के प्यद्या की मानस्य खुनाय है नाय प्यत्र स्थार परि खेर है। दे हेन्यायायायहेवावयापन्याचीम्याय्यायायायायायायायायायाया धुरा मलक रणमा नमायरुव ने मिल्य निमार प्रतिक मी मामूय प्रति च ५५५ संस्थान सामित्र स्थान सामित्र स्थान सामित्र स्थान सम्भान सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र मुभार्ङ्गेरायायराम्बर्यायुम्यायाय्येवायाये भ्रिया दे त्यावित्वाये । सञ्चरायत्वात् वर्ष्याविक्षें साक्नेरायाने माराज्ञनायने कासेरापु क्षुवायविक्षासार मानापु विषा ग्राच्या स्वयः प्रत्तु प्राप्त त्या प्रति के साक्षेत्र प्राप्ते ग्राप्त व्या मा मा स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्व यवै भ्रिमा वर्दे न वा सम्वयः पत् व न् । पर्वयः प्रवास्त्र । यदे भ्रम् वा सम्वयः प्रवासे ।

न्दान्त्रम् विष्यास्त्रम् स्वर्थास्त्रम् स्वर्थास्त्रम् स्वर्थास्त्रम् स्वर्थास्त्रम् स्वर्थास्त्रम् वर्रेर पवि श्वेरा वर्रेर का रे वर्ष श्वे में व्यक्त मारे मायरे का सेर स्वर समा ह्रेचिमायर विया वर्देर प्रवृत्धिर बासाविया वर्देर बा नेमायर वासेर स्क्रासम द्विन्ययम् म्या वर्देन्यवे धुमा वर्देन्द्रा सःहेन्ययम् म्या न्यानाः यन्नासन्गुराळन्यस्यास्निमा केस्राग्रीयन्नासन्गुराळन्यस्यास्निम् यदिः धुर। दरः र्ये ग्वापः ह्रे। गरः वगः पदेवः स्रेनः दुः स्रमः सः हें गमः पदे धुरः वेः व्र^३ देर'सर'हेव'व्येव'ग्रि'ह्गका'ग्रीकाश्चु'ग्रु'चदेव'सेद'दु'ङ्क्षुव'य'स्नवक'सु'वव' यदि क्षे केया क्षेत्र मा बुन्य प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान क्षेत्र प्रमान हुन प्रम हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रम हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रम हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रम हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रम हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रम हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रम हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रम हुन प्रम हुन प्रमान हुन प्रमान हुन प्रम हुन प्रमान हुन प्रमान विवासीर मिया पर्नेवसाय देस समायन प्राप्त राष्ट्र राष्ट्र प्राप्त विवास राष्ट्र राष्ट्र विवास राष्ट्र र तराहरात्र विद्या विद्रात्र स्पर्यात्र मान्यात्र मान्य विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या र्ये.चैरात्रयात्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या मृर्ज्ञलर्यार व्याज्ञेश्वर्ययाचित्रायुक्तिम देत्वव्यर्येश्वर्यं येथ्यं हैंयाचीय भेराह्र्ये यायारा युवासावर देवा साया इसमा हिमा द्वीर प्रविभाव कि निहा । किमा से द्वारा यभे देशमान वर्देन याद्म तुः साधिक है। नु पासे यादेश क्षा नुपा से प्यान नुपाया हुँमानमान्यायमारहिषान्वीयायवे हिमानी इसायमन यामा हिमान्याय दे यामिन यिन दें। विश्वानसुरश्यायश्या विश्वरादने या पहेन न सक्ति न स्था स्था स्था स्था चैत्वर्वरात्त्र्यं त्रव्यं क्षेत्रं किंद्वर्या श्रीयवेट रात्त्रं रेत्रि । प्रे क्षेवा सार्ह्ये रात्त्री ।।

श्रेश्वरायक्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षे

श्चरः त्रभावेशः यविष्ठः त्रभावेशः विष्ठः क्षेत्रः विष्ठः क्षेत्रः विष्ठः विष्रः विष्ठः विष्य

सेसस्य मुक्ति पक्षित्र प्रस्ति मधित्य

क्रि.संच.संच.संच्याची पट्ट.संच्याची स्वर्च क्रियाचा स्वर्च स्वर्च त्याच्याची स्वर्च क्रियाचा पट्ट.संच्याचा स्वर्च स्वरंच स्वरंच

दे. त्यूर विश्व की कुर्व शत्त्र श्री त्यूर विश्व की त्या की त्यूर विश्व की त्यूर की त्

राष्ट्रिया प्रमाया स्थानिया स्थानिया

য়য়য়য়য়ৣঀৢ৸ঽৢয়ড়য়য়ৣ৽ঀৣয়ৢ

स्ययक्री, र्वा, क्रेट्की, तर्थि, व्यूक्ट, व्यूक

पःसः त्रेत्। ॥

देवः त्रुभःगुन्दः द्राः व्यक्षभः यत्रः व्यवसः भ्राः । क्षितः त्रः व्यवसः व्यक्षभः यत्रः व्यवसः व्यक्षभः व्यवसः विस्तयः व्यवसः विस्तयः व्यवसः विस्तयः व्यवसः विस्तयः व

वन्यानुवे या भी इसा पत्र

🐐 ने द्वर न्नुन किया न्नुन किया या के हे का यर कुषा । विषय या प्यक कन ग्रीषा য়ৢ৾৾ঀ৾৾৽য়৽য়ড়ৢ৽৾৾ড়৾য়৽ঢ়য়৽ৢঀৼয়ড়য়ৼয়ঀঀ৽য়য়৽য়য়য়য়৾ঀ৽য়৽য়ড়ঀ৽য়৾ঀ৽ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়য়ৼ৾ঀ৽ देः नटःक्षेत्रः त्रमामावरः देः मामेदः याञ्चः स्टराममायायत्रः शुरायदेः स्विता विषा भूचमान्यस्याम् रूपम् पूर्वा कृषा भूचान्यस्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास वेषाः सूर् छेगार् रार्याण्यर र्यात्रेषायदे यात्र य त्तर्ता अष्टिब्राचन्द्राष्ट्रित्राग्रीयान्नेत्राक्षेत्राचीयान्त्रास्त्रास्त्राच्या तत्वम्यत्वम् यत्याक्तम् यत्याक्तम्यात्वे यात्वे यात ह्नेर्णुः नेषाम् मध्यार्या देवा उरार्या अर्थे मुख्यार्या ने स्वाप्त कर्णा के स्वर्या थे नेब इस में व इस व विषय दि तर हैं दि दे व है र दि । व दि है र दिन निराने मा दि सदि निर्णाय विषय सम्मान माने माने माने प्रति प्रति विषय परि प्रति विषय परि प्रति विषय परि प्र दे'य'स्टर्भक्तिश्रीःकृद्'य'स्ट्रियंदिन्दिन्दिन्यस्य प्रस्थायद्रस्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य विषार्यक्षे विषाद्विरे ने विष्कु रिन निष्कु राष्ट्रिय स्थापि सुकारा से वार्य के वारा विष्कुरी द्रियाम्याप्याप्याप्याम्बर्धाम्याम् । द्रियः ह्रमाया ह्यापा स्वमानुष्या ह्या सम्बर्धाः विषान्ने विषान्ति दिषार्था सामान्य समाया व्यवस्य उत् । या तत्वा प्रकार दिन विरान्ति । इ'च'वर्से'च'इर'क्रेंब'अक्टब्संबी विषान्यसूरका वेषान्यसिक्रक्वाहे स्थान

श्राक्षट्ट, यभूभ्यात्राक्ष भ्राक्ष विष्यात्र भ्राक्ष भ्राय्य भ्राय भ्राय भ्राय्य भ्राय भ्राय्य भ्राय भ्राय्य भ्राय भ्राय

वर्देर:श्रूषाया

द्यान्त्र प्राप्तिका स्टान्त्र के स्वार्थ प्राप्तिका । द्वार्य प्राप्तिका स्वार्थ के स्वार्थ प्राप्तिका । स्वार्थ प्राप्तिका स्वार्थ स्वार्थ प्राप्तिका । स्वार्थ प्राप्तिका स्वार्थ प्राप्तिका ।

त्वेष्यः स्ट्रिंद्यः स्ट्रिंसः स्ट

यातक्ष्यः म्ह्रास्त्राचात्रा । भावकात्रात्रः ह्रिः कुत्यः त्रिः विष्यः प्रसः न्वित्रः व्यव्यक्षयः वित्रः वित्र यवित्रः ह्रिः स्वायकाः स्रक्षेत्रः त्यात्रः स्वायः वित्रः द्रिः वित्रः व

> हे 'श्लेर 'येग्नस'यर 'यम्र 'यथे 'इस'र 'ग्नर 'ग्री। । सुर 'ये 'ग्नरस'रे वे 'र्ज्न 'श्लेर 'सहे स'य 'रेस। । र्टे 'सळॅर 'यम 'यरे वे 'ग्निर 'ग्रुर 'यश्लम'य 'रेग। । श्लेस'र गुवे 'यसेर 'म्लेस'र 'यथ'र 'वयर 'ग्रुर 'रेग।

स्यायि म्हित्र क्षेत्र क्षेत्र स्वायि स्थायि स्थाय

र्यः अत्यत्व विष्यः यो प्रत्या विषयः व

श्री । या द्राया स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । या दः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । या दः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । स्वयः द्रयः स्वयः स्वयः स्वयः । स्वयः द्रयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः ।

> यर्भः प्रदेशः वार्ष्यः वार्ष्यः वार्ष्यः । क्ष्यः गावः सिष्यः वार्ष्यः वार्षः याः । क्षाः विष्यः प्रदेशः वार्षः याः वार्षः । । वर्षः प्रदेशः वार्षः वार्षः वार्षः । ।

म्यान्त्रम्यायहन्यात्रः द्वायम्यान्त्रम्याः विकान्त्रम्याः विकान्त्यम्याः विकान्त्रम्याः विकान्

कु'नार कु'सर्केंदि 'र्यूट 'दिर 'द्र्य सेया । विद्रावस्त्र प्रिट 'र्यूट 'र्कें नस' ब्रह्म । विद्रावस्त्र प्रिट 'र्यूट 'र्कें नस' ब्रह्म । विद्रावस्त्र प्राक्ष प्रतिक्र केया ।

> इत्रिंबर्ड्वर्ड्द्रिंविदेव्वयस्य स्थान्। यम्बर्गानेवर्ग्वर्थित्वर्ग्वयस्य स्थान्। सिंवर्ग्वरेवर्ग्वर्ग्वर्गान्त्रस्य । सिंवर्ग्वरेवर्ग्वर्गान्त्रस्य स्थान्।

क्याक्याम्यान्त्रम्याम्यान्त्रम्या । विषयाम्यान्त्रम्याम्यान्त्रम्या । विषयाम्यान्त्रम्याम्यान्त्रम्याः । विषयाम्यान्त्रम्यान्त्रम्याः । विषयाम्यान्त्रम्यान्त्रम्याः ।

मृ्यम्ययाद्मात्रोत् क्रिक् पुः । ।

देवामायम् प्रत्ये क्रिक् पुः मृत्ये ।

देवामायम् प्रत्ये व्याचे प्रत्ये क्रिक् प्रत्ये ।

व्यायम् व्यायम् व्याचे व्याचे व्याचे । ।

न्तुःसायायह्नायावेषायाचा न्नान्तिक्षा नक्ष्मायर्थेषायने क्रियायावेषायहेन्यये क्रुप्तायावेषायहेन्यये क्रुप्तायावेषायहेन्यये क्रुप्तायावेषायहेन्यये क्रुप्तायावेषायहेन्यये क्रुप्तायावेषायहेन्यये क्रुप्तायावेषायावेषाय

र्यायान्तुः अविषाद्याया हिनाने या बयायान्ताकु के प्रविक्षित्वषायम् वापित्कु सक्षरं क्रीयादे स्थरं पहुँदा ततु हीरा क्राया मेयार प्रक्रा क्रिया प्राया मेयार प्रक्रा हिंदा त्यादिया स्था यर्ह्र प्रिं क्रुं अळम र्ये दे। क्रिंग सम्मार प्रविम क्रिंग मुपायम हेरि पारे द्रा माल्या हिर्गीयार्गतस्य चित्रामुन्द्रान्य प्राप्तस्य पर्वा क्राप्त के सक्य की या देन्स्र पहेद्रपिरे भ्रिम् केंबा इसका रूप प्रविद्ये मुक्त प्राप्त हिंदा पर्के वा उत् अ'दर्भि'धेव'हे। हम'कद'त्री'अद्यत'द्रद्र'प्रवादि दे'विं ब'हेद'धेव'यदे द्विरा ठेग ५५:अ'य'५६) मा वि'५५:आ यअ'५५:आ यन्य'५५५:अ'५८'मासुअ' रु'र्थेर्'बेर'प'स्रे'वहर'रे। रे'म्सुस'रे'रे'क्ष'र्पु'स'स्थित'परि'र्धुर। रूट'र्थे' देरावया यदेवायामहिषायाद्यासायाच्याच्याच्याच्या देरावया द्यासायाद्या देव दश्यापदेव याध्येव द्वीषापदे श्वेम दे त्याविक मे द्वासदे श्वापध्येव वासेटा ऀरेॸॱॻॖऀॱख़ॱॸॱऀऄक़ॱॸ॔ॺॕॹॱय़ॸॱॿॴ<u>ॸ॔य़</u>ॖॱक़ॱऒक़ॱॸ॔ॺॕॹॱय़ऄॱख़ॗऀॸऻ ह्रम्बामायकाले का सामुना हो। इतुः स्रोदे न्स्राना धेका का स्रामायका का सामायका के सामायका के सामायका के सामायक ऀतेॸॱॻॖऀॱख़ॱॸॱऄक़ॱक़ॱख़ॱॸॱऒॵक़ॱय़ॺॱॿॖॎॻॱय़॔ऄॱॺॖऀॱॸऻ<u>ॗ</u>ॱऄॖॱऒॱॸ॓ॸॱॿॴ॒॔ॶॴॹॖऀॱख़ॱ याधेक का सायाधिक या शामियाय विश्वे माने। सायाधिक का साथ विश्वे साथ का र्नेषायते सुरा वस्रवायर्रेषायरे केषाउदा हिन्स नेपा वरायते सिव्यायद्वा याधिव है। हिन् श्रीकायने व नाहिकाशी त्रेहिन स्थानुव केरि साधिव या कुकाय राय ह्रव त्तु.स्र्यंत्रम्भः मृत्यत्रम्यायस्यायाय्यम् मृत्यायायः मृत्यायायः मृत्यायायः म्यायायायः स्वर्यायायायः स्वरं प् देव'दस'यदेव'य'कुस'यर'यक्षव'यते'क्षेष्वस'र्राके'य'यद्वा'य'दे। दे'दे'य'वय परि क्विंत्रभारत्वा स्वाप्ति प्राप्ति प

ध्रिमलेषा यदीमा यदीन क्षेत्रका मुक्ता दे विष्क्रित मानवायायये य द्रेग्रयात्रः इस्राम्द्रयायायम् स्त्रामुक्षायते स्त्रुद्राम् । साम्वियासस्स्रम् स्यानुतायर वया इत्वेषायते व विषय क्षा क्षा स्याप ह्रवाय स्व दे महिषाकुषायर पङ्गव यये प्वित यर यहत या निर्वित क नेषादेव दिषायदेव त्रकेशत्रम्भ्यत्रस्थत्रत्रात्रा वर्षेयत्रात्रम्भयत्रात्रस्थत्रात्रियः पर्वः द्विम। इ.प्रेम.तर्षे मार्थम.मेम.तम्मे म.त.म.च म. व्या १ प्रेम.पीय.ह्ता. यरेष.त्रंत्र.वर्ट्या.क्षंत्र.केश.त्रम.त्र.त्रंत्रेम रेम.व्या १. पेथ.क्ष्य. १४४४ यहेत्रत्रश्यानम्बार्ख्याकुषायरास्यायसूत्रायवे ध्रिराहे। दे सूरासायसूत्रायाया र्नेट्रायम् क्रमाम्यार् क्रमाम्यार् क्रमाम्यान्ते व वर्षायम्याम्यान्या यसरमासहर्यये द्विराते। देखेरायमा क्रिमाइसमायहेन नमायति स्था ब्रे.र्य.भ.ज.उर्व.त.जम.चेम.त.र्येष् विम.वम्बरम.त्रु.स.न्य विम.त. चिंदि तद्रमायदेष च्रिमाकी तहूंचा क्षिता हीय क्षिट सालाय मा के मान मा नहीं या ही स वश्रक्षक्षेत्रायह्नायहे। मल्टायहे स्वीया वययवे क्विवश्रव्या स्वाय स्वाय चया रदावेयायमा युगमायदे ने मुद्र सेंदासाधिक यदे। विषासिष्याया इससःग्रीसःदसःयरःचेदी विसःदरः। देखेदःसःह्यसःयसःक्रसः वयःसःदिः स्टर यमा देवे धुरावस्रम वर्षमाणी दे विष्म के देवे के सार्थिय परावस्रम परा द्वाववे ब्रिम्द्रमुखिरायक्षम्यर्क्षायायह्रम्यायदिः श्रुम्यायीम् म्रिम्म्यायीः श्रुम् विष्याने द्वा विष्यान्तरायमा वदीयामञ्जानक्षयान्त्रमाने मणावाहितादर र्नेब न्यायि सर प्रविष क्रियायर यापि हैन या। येने स ने यिक्ष क्रियाय प्रविष प्रवास देःयःवर्षमान्ने विषाचेरःद्री विषायम्यायम्पराग्नीःयुग्रास्त्रीग्रास्ट्ररायमेदायः श्चेत्वर्त्यर्वया रत्युग्रायायायत्रः वेषाग्वारंहेन्द्रतेष्ठात्राये रत्यवेष क्रियायर स्वायक्षेत्र या प्राप्त पर्वायया दे विदेश क्रियायर यह स्वाय विदेश या प्राप्त विदेश या प्राप्त विदेश य त्तुः हिराबे या भाष्टियः है। तम्यायन्तरामवर् सूतुः प्रमाम ह्या साम्याप्त <u> ह</u>्य.ग्री.पट.तप्रथ.भेश.तप्र.श.यह्र्य.त.रटा। ट्रेथ.रश.तप्र.लट.पट.तप्रथ.भेश. यर अपर्हित छिटा। यह्वाप्यशने विदेश ग्री रूट प्रविद से से र मुरायर पर्हित छेश तालुब्रातमा दे.त्यूचात्रच्रेद्राब्रमालुब्रात्युः हिमा विद्धेच वर्षेचातमारे पी.मा रट.कैंट.त.भथ.कट.रेट.विथ.मूट.भा.लुथ.त.द.क्षूश.क्षभ.पट.युखेथ.भुट.त.द.क्ष्त. क्ष्यप्रस्य स्वर्धि द्वेष्ठा द्वर्षा द्वर्षा स्वर्धा विष्य स्वर्ध स्वर्धा स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स क्ष्याध्येषावेषाचेर। देवे स्रायम् देवे स्रायम् र स्युत्यास्य कत्रात्र म्युकास्य स्थान त्तुं क्रूमा में भारत स्थान स् वर्षातात्रमा के में मान्य होता है में मिल के में मिल के मानिक कर में में मिल के मिल द्रयायात्रत्रस्याचारयायम्बातायायास्य विकासात्रः भ्रित्रा वालवायायात्रेयाः । इत्रायायात्रास्याचारयायम् यविष्यात्रे विष्याक्ष्यायम् यह्मष्यायदे ह्या विषय दिवायाते। दे दे या व्यवस्य र म् विष्यायम् विष्याचित्रायम् विष्याचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राच्याचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित मक्रियायते स्थित वर्ते निवा ने मार्ते मात्र निवास क्षेत्राय स्वतायते स्था इ.चे.ज.पर्चे म.त.री ट्रे.ट्रे.ज.बच.त्रव्र.ड्री.बंश.पर्चे म.क्षेंज.लंबे त्रांचे पर्टेट. यदेवि द्वेरा वर्दे र के बुका है। इप्यमेया महिका मार्था देव र का यदेव या कुका यर

यह्रम्यायराम्बुरमायवे द्वीरा यराव द्वेन यह्रमायह्रमायदेश समार्यनायवे खुनमा नवायाक्षयाय्याक्षवायिः क्षेत्रवादः क्षेत्रवादः वायादाः वायादाः क्षेत्रवायाः वायादाः विवायाः विवायः विवायाः विवायः विवा म्नुष्यायह्वाःस्वायावेवायकन्त्रेवायायम् वा विन्त्रिः नुस्य परुवावानिवा नुस् अ⁻क्रेट.त्र.क्र.त्र्रेय.क्री.क्र.क्र.क्र.क्र.क्र.क्र.त्र्यक्ष.त्र्यक्ष.त्र.क्ष.त्र.क्ष.त्र.क्ष.त्र.क्ष.त्र. क्षे. भारेराव्या देश्चरक्रेयाक्रीसाइसारिकायियात्राचायास्य वार्यात्राक्षायाराक्षायाराक्षायाराक्षायाराक्षायाराक्षायारा पर्वः द्विरः है। दे महिषासुर र रिवाद र पर्वे देवाया विषाये देवाय देवाय विषाये हैं महिषासी स्वापित स्वा स्रवत्यान्ववायाकुषायरायहून्यतुः द्वेर। ने याविष्यारे। वालुमायनेषा स्रा द्रवायवे मुवासववायान्ववाया कुषाय र प्रहेन यवे र्झ्ने वर्षा स्वाया विवाय ने ने दे या वयायते क्षेत्रकायह् वा स्तृयाधिकायमा वया क्रमामेवायते खुवका दवावाया सः वि'दरकेंग'गमयायमायह्गायायदेर'कुषायये द्विरावे'वा मान्नियाहे। इसारेगा त्यु.चीय.श्रघत.ज.रेचोचो.त.केश.त.र.चक्षेत्र.त.रेटा रट.केंरे.त.श्रव.कर.रेट.वीय. श्रूट अधीव ततु क्रूब मधा प्रताविव श्री क्रुब कुषा मुराप्य प्रति व स्विव स्वापित गुः क्रें निषा सः ने या यह ना या केना से दाना सः ने या वय यय क्रें निषा यह ना या में सि क्ट्रियंत्रिक्ष्रेराहे। वहवायायायहेबाबश्चरावेत्रेत्र्वेत्र्वेत्र्यायान्त्र्यायान्त्र् श्रेष्रश्रक्तात्त्रवेश्वर्यात्रेद्राचित्रकृत्ति श्राह्म विश्वरात्त्रे विश्वरात्त्रे विश्वरात्त्रे विश्वरात्त्र र्वेषायाध्येषायते.हिमा रेषायामविष्टायरेषायरेषायेषाक्ष्याम्यायक्षेषात्रायः हिष वर्षास्त्रने यायम् वायान्या केषात्रस्य यायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् वर्षायम् क्ष्यः क्ष्रथ्यः प्रस्ति स्वायः क्ष्यं स्वायः स्वायः स्वयः स्वयः

परुव वहार परि द्विरा वर्दे न महें कुष वहार पहुंच मुख्य की दिर्देश पहुंच `क्रॅट'छे**र'ग्रे'**रेस'य'कुष'यर'ङ्गेब'य'य'ङ'ने'र्रट'। ञ्चष'र्रेब'सर्देब'हेंग्बर'ग्रे'रेस' यःकुषःयरःक्षेत्रःयःयःसदेत्रःहेग्गषःकुत्रःयङसषःयवेःत्तस्यःद्वेःसेःवनदःयरःवया निर्देशन्त्रेषात्रेषात्रेत्रात्रेषात्रेषात्रात्रेषात्रात्रेष्ट्रम् निर्देषात्रह्नम् `<u>इ</u>ंट.धेट.ग्री.५भाता.बधिषाक्त्याया.केषातात्रा.हूंयातप्र.हीत्रा स्वाया.वया वावयात्राटा. हेन्**षाणु देशपान्त्रेशस्पु द्रो** देन्। देन्य प्राप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप्त क्षाप दे.ज.वि.य.प्रांच स.प्रांच वे.क्ष्यंच वे.क्ष्यंच विष्यंच विष्यंच विष्यंच विष्यंच विष्यंच विष्यंच विष्यंच विष्यंच विग के क मी के प्राप्त प्राप्त के के प्राप्त के के के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के के प्राप्त के क पर्वः द्विराने न हम्मान्दर्धासामुदार्ची वित्र इस्मेषास्य सामुषासुपर्मेद तर.वीर.तयु.व्रच.कुष.वी.जभाषेभश्यत्रंषे .वीयु.वीयु.वूर.वीश.षेश.वीश.तर.वर्षेष. यर वया इत्ये द्रायठव देवे द्वीरा वर्दे द्रा इसे दे दे द्रार हें द्रायवे यह द वर्डेषाधिव यवि क व षाचेवा केव ची वर्षेव वर्डेषा सु र्येट वर चया वर्डे ५ या देवे धेरा वर्रेन्द्रा संस्थेन यर वया इस्मेन्ट्रेके मंग्री यन्ना सेन्कु संयर न्देस स्'र्हेब'परि'पह्रब'पर्ठेस'पेब'परि'क'वस'होग'केब'ग्री'पह्रब'पर्ठेस'स्'प्वग'परि'ध्रिर' ने स्रायमेयायमा केमाग्रीप्रन्यासेर्पामस्यापस्य प्रतिस्थिरामेनापाळेत्र र्ये पङ्गब पण्यम देवाबाय हो न देवा कुषायम पङ्गब पाय हिन्या वर्ने न प्यवे हिम से । वेषाम्बर्धर्षायवे द्विराद्रा इसायवदाद्वरा इत्वेष्यषा वय सेवि द्विम्षासा चार्य्यकात्राक्ती कुरायद्वात्राक्तवात्री विदाक्तिकात्रात्वा विदाने क्षेत्री विदाने किया विदाने किया विदाने किया कुर महिका भी किया प्रति प्रति

क्षेत्र[ः]धिकालेश्रञ्जायात्रा प्रदायां केषा स्वाधार्क्षेष्रभाषात्रुपाया होत्राया प्रदेशया। स्री वहरित्री स्टावम्यान् रित्यारीयह्रम् यार्क्सायायह् मायायदी ह्रास्या में बिका वर्वित्यम्यरियात्रायहेषायात्रीत्र्यम्यात्रीत्राचित्रा इत्ते।वित्रासीयहर्तात्र न्तुःस्रायसान्नेसास्रान्तुःगस्राम्सान्त्रःनेन्त्रिन्यान्नुःन्नेसायतेःभ्वेत्र। नृतुःसायाः वह्नायानेशयवियान्ति मास्रवस्य मार्ट्सास्य महत्राप्ते प्राची स्रो ल्रम्यम् मानियात्तराङ्गी वर्षे वीतार्यस्य देवास्त्रम्यम् मान्यस्य स्वर्धित्यः सामिन परि द्विराने। दे देवे स्नियमानमा देवा सुपाय स्निय परि वह्या द्वेद प्रयासिन यदे द्विर वितरे अपर्वापिक के अर्थे वा वितरे दे अपराय मार्थे स्थान र्यः साम्यान्त्रः स्त्रीया वर्ष्ट्राचा मान्द्राचे स्त्राम्यान्त्रम् साम्यान्त्रम् साम्यान्त्रम् साम्यान्त्रम् अन्दिशमान्यसार्येन्यसम्बया वर्नेन्यनेविद्धेरा वर्नेन्ना मानुसानेविद्भावसा वयर्द्रमञ्जानङ्गवर्यतेर्व्याचे। नवुःस्यानम्बर्यायम्यस्य वस्रिः सेवस्यमः वया वर्रेर्यनेवे क्षेत्र लेखा वर्षत्र अष्ट्रिया यह स्वत्र मालेश मालू हारेवे भ्रम्यात्रकार्यस्यात्राम्यस्य प्रतिरम्यात्राम्य विष्याम्य विषयः । म्बर्देवः स्रम्यावस्य द्रिमः स्यायस्य प्रते द्रम् स्याय प्रम्याय स्थाय प्रते स्थाय द्रम् वया देवे स्निप्तान्त्र स्वाप्त स्वाप्

विष्यायर्थाः कुषायत्त्रीतः इस्रयानुयाद्वतः क्षेत्रा विष्यायरात्वादेवि देश विषायः सुरः द्वे 'द्वा'यर्डे अ'दरः । विषायः विद्वेर 'षी'द्वा'यर्डे अ'र्के अ'रुक्। ररः कृ व्यान्य प्राप्त के कि विषय के विषय यायमाञ्चेमायदे द्विमा विवाया स्ट्राप्ट्रिम् वायर्क्सास्क्रमा स्विमाया द्विमाया स्ट्राप्ट्रिमाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया विषायहें न प्रते कुष्म अळं न पेंनि ने। यह न न प्रते न न समार न न न न प्रते न न न न न न न न न न न न न न न न न न वया र्रेव रे मावव यार्चे यायर छे र यया रे स्वर यहे र यदे हे र विवास विवास विवास र्वेषाधिवाव। पर्गेर्पये हमाषारे धिवायषान्त्रियाय सामा क्वेरायारे प्रवर्पये धिरा वर्रेर वा गत्रुगमा सेर ग्री हेन रुन ग्री हन में मार्क मार्क मार्च रामणा देवे हुरायर्ट्रामा मन्नम्भास्य । विस्ता मयायण्या म्बि.लुब.तम्मानिय.तपु.कुर.हो। भक्क्.भ्रेम.ख्यातपु.स्यातपु.मुव.लुब.लुब.स्या म्न प्यतः मिन प्रतः मिन प्रतः मिन प्रतः मिन स्वापन मिन प्रतः मिन प्रतः प्रतः प्रमा केंबारुवा देरावया देवे धिराते। अर्के क्षेत्राधेव पवि धिराते। के तेंपाधेव पवि हिरा वर्रेन्स्रानुषान्। सर्के व्यवासा सुषायवि हिरा यर हिनाय स्ट्रान्य पर्रुमार्क्रमारक्षा वितायार्वमार्श्वममालेमार्यात्रात्रीत्राक्षेत्रार्थेत्रार्श्वन सरसः कुषायशः विषात्रम। नावतायः र्र्जुनसम्म । स्वतायः र्रेन्या स्वतायः स्वतायः स्वतायः स्वतायः स्वतायः स्वतायः स हनायाने प्राप्त के में में कार्या के प्राप्त के का विचा है। विदायस्वाया ग्रादा हनायाने प्राप्त का कार्या के प्र

म्चेर्यते भ्रीम भ्रम्या पर्देते सम्यामुषा प्रमिन निष्या पर्मु र से योग्या पर्या प्रमानी यार्षेर्यमायकर्यवेष्ट्विमात्रा व्रवार्षेषारे हेंग्रवायवेदाइस्स्रवाद्यान्यदाक्षेषा विषायक्षुरायायेगवायायवे सुरा वदी याद्यम्बारा वषायाचेन ववार्षे वा विषाया स्थान द्युटः इसमा स्वाद्याद्याद्या विषया प्रद्वापित्र स्याव्याद्या स्याव्या स्वाद्या स्वाद ने भे ने स्वाप्त ने स्वर प्रमुख्य प्रति के प्रमुण मानु हा साक्षर प्रति क्रिका प्राप्त र ब्रिम्प्रमा इस्रायम्याङ्गप्रमा गुर्क्षम्यायाः पर्देशः इस्रयाया विद्यायायम् श्राज्यवाकाण्यस्यस्यानुस्युः होत्युत्रेत्र्विकायविष्ट्वेत्र। विष्ठेव वस्काकुकाविसः विषायायम् रायेषाषायरायर्दिरायाक्षायेषाकाति। सदामुवायसम्बाधायाषद्यामुषा क्रिम.क्रुब.तूर.व्यत्यतु.श्रुव.लूर.त्यु.हीर। ट्रे.क्षर.व.४८.क्षितायलयावातास्थावा याने वित्र हिन हेन्स्य याय दीर ये लिया दुः हो। ने हेन्स्य स्याप्त हेन्स्य स्था स्था क्रियाययान्यवायवे क्रुं सळव क्रुंयाने स्ट्रायहें न प्रवे हिया व्रवाहें या व्रवाहें वायया स्वापाया धेव है। पश्चयक्रेव पक्चर पर्शेर वस्त्र पर्शेर प्रथम प्रथम विषय पर्शेस्य पर्शिक वर्षाणेव परि द्विम। यम्याक्त्रियाययान्सव पाणेव हो। केविषाविष्ठ्या क्रवण पे के ५८१ हिरहे के वर्धे ५८१ वस्य अधिव र्से ग्राम अभिन्य के प्राप्त के वस्य विकास ठेग वदःस्टायार्क्वेन्रायावेद्रायाचेदान्याचे प्रवास्त्राया यार्थेन् प्रवेश्विराने। ने याप्यसेन् त्रस्य न्या नेसामहिसार्थेन् प्रामान विमा ने

मिर्देशत्त्रः क्रुचिश्वीः स्वादर्भात्त्रः स्वित्रा क्रुचिश्वीः स्वादर्भात्त्रः मेर्ट्से स्वादर्भात्त्रः स्वादर्भ *ऀৡ*८ॱॾ॓ॱळे**ढ़ॱॻऀॱॴऒ॔ॻऻॴॱॻऄॱॿॻॴॱॻॖॏॴॱॿॆढ़ॱॻऻ**ऄॱॾॣऀॱढ़ॴॱऴॕॻऻॴॻऄ॔ॻऻॱॻॱऒॸॱॻऻऄॱ म्रीमा विष्ठेम मुहासेससायसान्सम्याधिकाने। महायसानु मसासिकायमिन यासेन्यवे द्विमा वेषावर्गेन्यासे वहन्ते। इस्रायम्न पुरायसामुकावसान्स्रम् र्लर्पियदे हिराने। रटाकुषा क्रीका इसासिकु वर्षे वापदे हिराने। दे स्वरका कु वर्षे ध्रिमा देव गुर वेव पाके कुर वी र्स्सेन प्रमान्स मामि विषय के सेन मि <u> इचाय.५। ४८.भिजाइश्वायश्चियात्वराह्मचात्रात्वराष्ट्री चेवात्रात्वरेयात्रार्टी.</u> हेनिकायासे ५ ग्युटा। ना बुटा यहें का निकासे प्रीप्ता क्षेत्रा से प्राप्त किया है स यक्षेत्रवर्दे। वर्ष्यराज्यक्ष्यम्भित्रविष्यर्भित्रवर्ष्यर्भवर्ष्यवर्ष्य दे'महिषामारासुराधिबाबाकेषाग्रीपरमासेराहिमाषायषाद्वीसान्त्रियाह्वी होमारस्य *ॻॖऀॱक़ॗॕॺॴख़ॴख़ॴॺॳॸॎढ़ॱय़ॖऀॱय़ॺॱॾॣॕॱय़ॸॸॎ*ऻ*ॴॕॸॖऀॱख़॓ॸढ़*ऄॗॸॱॸऻ चिर्म्याया क्रिया वार्या प्राप्त में विषय क्रिया निर्मा क्रिया वार्या क्षेत्र विषय क्रिया वार्या क्षेत्र वार्य ब्रायटार्झेटारेन्द्रेन्स्वयाययायात्वयाङ्गा नेय्येबान्स्ट्रेट्रेन्द्रेन्स्वयायविवायाय्येबायया क्रेंट छेट हें गरायदे गट अग धेर हा दे हें गराय दे राय स्राप्तियःताचारः विवा धिव द्वीषायति द्वीम दर्यो देन मान्य हिर्दे हिन्य प्रविव या साधिव यदि द्वर वस्त्रम्भः स्त्रिम् देरावया ह्रिंदा हेत् हिन्स् म्याये ह्रिंदा कुराये हिन वस्त्रमार्थित्रपविष्ट्रिम्। देम्प्त्रया चत्रेष्ठाव्ह्रिष्ठम्म् स्त्रम् स्त्रम् वस्त्रमार्ने दे स्मिन्यवे स्थित देर मा देव मुत्र स्मिन स्मिन स्वी में स्मिन स्वी में स्मिन स्वी में स्वी स्वी स

यवै द्वि र ते। देवे कु द वादे अर्दे क कु र द वादा वादा विवा के कि के कि के कि चुरायाधेमार्वेषायवे स्थित। तराया सामा वारा वारा वारा वारा वारा के वार्षा कुराया स्थित किन हिन्स यदे क्विन्त प्रतेष प्रहेष प्रति स्वापित स्वाप्त स्वर्ण स्वरं के विषय स र्थेर्यम्बया अम्बुयप्रदेविष्ट्वेमा वर्रेर्मा क्वेंप्रमानिकार्यम्बया दिभाषान्यात्रसायदेवासूरमादिषायम्याची क्विंसाधिनायमान्याची ।देखाविनामे। यट्रेष.यह्रष.श्रम्ष.की.र.त.की.र.तस्यामा.क्ष्य.तथा ह्रीम.श्रेट.ध्रेट.ह्यामात्र. यर वया लेक प्रमा हिंद हिंद हिंद की यह विषय स्था हिंद की यह विषय है से विषय १८१ यर दे केंबारुवा हैंद केंदा सरेंब सुसर् देंच बाय दे नदा वन स्वित पर वर्षात्रियः यस्य दे वित्रस्ति की जीतः वर्षात्रेयः यस्य वित्रयावस्य यतः विष्यात्री यरेवायह्यायह्यायह्याचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राची हैंग्रायि कें प्रिंप्य राम्या देवे कुंदायाय अप्रेंदायवि के रा देरामया यदेन दह्र मार्ट्य किंदान किंदा किंदा किंदि हैं मार्च यायमार्भेर प्रदे श्वेर है। देवे कुर या वेषा केम सेमय पश्चेर भेर प्रदे श्वेर। वेषा बेरक्षवयव्युरद्रिंग्यस्मित्रस्रस्हेर्द्युर्दे

रम्भी क्षेत्र क्ष्मी मुन् भीत्र मुन् राष्ट्र मुम् राष्ट्र मुम् अश्रमान्य प्रायम मुम् राष्ट्र मुन् । न्यां न्यां न्यां क्षेत्र केर येव प्येव प्येव स्थित। स्थित्र सुना स्थित हिन प्रतः सुन स्थान बुद्रां कुद्राक्षेत्रकाद्रवार्यकाद्रवार्यकाद्रवार्वे हिंद्रां कुद्रवार्वे देवा हिंद्रां कुद्रवार्वे वार्वे देवा 'धुर। ने व्यावित्व रो। मुन नियम मुम्य क्ष्य के अक्षय नियम व्यावित्व स्था स्थापन वर्णा चिरःक्वाक्षेत्रभाषान्यवःविवानवरायषाक्षेत्रभायवेःक्वेत्र। नेत्रःवर्णा नेःक्वयः चतुःवच्यानुःश्वेषःपदाः स्वेर। साग्वेचःष। देःक्र्याः स्वा देरः वय। क्रयः वदः स्वा लिब्रायदे हिरा देर वया कुया श्रमाणेब्रायदे हिराबा देर वया चिर मुभग्नात्र तुर द्विर विष्ठा माचिय मक्षम् मान्य मान्य प्राप्त मान्य म लुबंबं अष्ट्राज्य भ्रेषात्रायायायात्र द्वीर विवयम् विवय स्थाया २५८.विय.२४८.जग.उपिरम.क्षेत्रावया.यीर.सैयम.उर्टर.उक्ट.र्ययम.तर.वता वृद्राशेश्वरादे रद्राची क्षेत्र येष दुः कुरायये वृताद्रवदायश वृद्रा दे रद्राची क्षेत्र डिना हो ५ र हो त र प्रति मुद्राप्त र मुद्राप्त र मुद्राप्त र मुद्राप्त र मुद्राप्त र मुद्राप्त र मिद्राप्त मिद्राप्त र मिद्राप्त र मिद्राप्त मिद्र हम्बार्यात्राचीयाङ्गी विदास्रम्बात्री क्षेत्राची क्षेत्राची क्षेत्राची क्षेत्राची क्षेत्राची क्षेत्राची क्षेत्र ध्रिम देमा देवामण देवामणयहास्यामण्यूमायवास्यान्यान्यवास्थिम देमा वया वियत्यर में ह्याया हूब स्ट्रिंग विर स्थया से प्रति धिर

हैंद्र से अध्यय दिन पढ़िया सुं अद्भित हिंदि । विश्व या महाय पढ़िया था हिंदि हैं विश्व या महाय पढ़िया थी । हैंद देव हो। हैंद्र हे के का ये पहार के दिन हैंद्र हैंद्र हैंद्र हैं विश्व य ये ये से स्वय पढ़ित के स्वय थी । से स्वय पढ़िया के स्वय के स्वय के स्वय से अध्य से अध्य के स्वय से अध्य से अध्य से अध्य से अध्य से अध्य से अध्य

चिरक्षियासेस्रस्यान्यते कुं त्रित्र बेराया स्वार हो। हिर्देश हिन्सियाये सेसार्य दें देव कु संभित्र पव देन। देन वया इट सेसस ग्री केंग्रायस विनयाया য়ঀ৾ঀড়ঀয়ৣ৾৽ৼঀ৸৻ঽঀ৻৴৸ৼ৾৻ঀ৻য়ৢ৸৻৴ৼ৻ঢ়ৄৼ৻ঀৼ৻ড়৾ঀ৻য়ড়ৄঀ৾৻ঀ৾৻৸য়৸৻৸ৠৢ৾৴৻ वया ने हे या ह्रेन हिन्य प्याये नेया स्वायि या विष्य प्राये हिन हो। यह निमान निमान इंशरचर या विषास्त्रीया मस्तर स्त्रेम विष्य मे चिर सेसम ग्री स्त्रीया तमात्र्याताता क्रिंट हिन हिन्न पार्य ने मार्रा हिन दुन दुन दुन प्राय मार्थ हिन क्रिक किन दिवायाय के साम वार्षिय याया चित्र क्ष्य कुत कु से स्रास्थित प्राप्ति कि सामित्र कि सामित्र कि सामित्र कि स यरः वया विवाक्तेव कुः रेवाबारुव द्वारा सुया कुषा दे विवाय या दे व्हार द्वीबाय दे हिरा विवयावमा देखांविकारी देखायहरायर हाया हिराहेदाहेवामा सा श्चिर परि मुर कुप सेसम राय से राय से राये हिर हि हि कि मार्य मेम राय मुभामान्त्रेयाये पुराये सम्मान्त्रे प्रमाया सम्मान्त्रेया सम्मान्या सम्मान्या सम्मान्या सम्मान्या सम्मान्या सम विर्त्यम् छम् मुम्मा अस्त्रे विर्म्भम् भी स्त्रुत्यम् स्त्रे प्रत्ये स्त्रिम् प्रमानिम য়ৢ৾য়'ড়য়ড়ড়য়য়য়য়ঀয়৸ড়ৢয়৸ৼয়ড়ড়৾য়ড়য়৾য়য়ঢ়ড়ড়য়৸ড়য়য়য়৸ড়য়য়৸ড়য়য়৸ড়ঢ়য়৸ मावियाङ्गी ब्रुषाविरास्तराचिमायिषायिषास्याद्वीयद्वात्तराचिमारम् ब्रुष्टादिराहेन पर्वः वेषः रवः प्षेत्रः क्षेत्रः वेषः पर्वः श्वेरः है। रवाषः पर्वः क्षेत्रः वार्षेवाषः वर्षुः द्वाः हेवाषः यदि वेषा र पार्शेष षा व्यव प्यव किषा यदि द्विरा धर विष्ठ रो रेष केष प्रसेर

चर्टा चर्रिय वर्ष्ट्र या वर्षे वर्ष वर्षे ततु.पुषाऱ्यायञ्चेत्रपूर्वाषाय्यः वास्त्रप्यायादे चिवा क्रेन् ची देवाषा ठन प्राप्त हेन वि बेद्र निम् नु अस्ति ब्रम्भ मासुम् स्य प्येष्ठ प्यम ख्रम । ब्रिन् ग्री नु स्य प्यस्य प्यस्य प्रमान हीरा पर्टेर मानक्षम पर्टमानिकाम माना माना पर्टा होना के मानी प्यापर्टी सुवा इसराह्मताकुराह्मी द्वारा देवा हुन हिन्दि हैं हिन्दि देवा हिन्दि हैं हैं हिन्दि हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं चया वर्ट्रायवास्त्रीमाना वर्ट्रमास्त्राचिया स्तरमङ्ग्रमान्त्रेमान्त्रमान्यस्या पर्वः म्रेम् । केष्रः म्रीः यस्य म्रीः पर्वे प्रकृतः मर्वे प्रिमः म्रोमः केष्रः म्रीः प्रकृतः म्रामः स्वरं प्र वृद्धः निम् नुः सह न् वृष्ण्यास्य स्वया विषायसेव वाय निम् त्या स्वया व्यूर विवास वायक्ष पर्देश विवेश विवाद स्वाद स्वा द्विन हिनासायवे नेसार याय क्षेत्र निर्मासार मासुर साया दे। विमाळे सामी रेमासा रुस हें दे द्वर मसुरस्य दे विवाक्षेत्र मु रिवास उत्र द्वर स्थाय प्यर मसुरस्य दे ध्रिराते। देन्सराम्युर्यायादेग्वस्त्रायर्ड्याम्वियाग्रीम्वत्यायाः विवाळेत्राणीः द्रेग्रायक्ष्य, देवर देवा तावर विर्टेश विश्वरात्त्र हिर् विश्वराष्ट्र विराधित हिर् र्वासायर बेट हूं। ।लट वि. हुव डि. हु कुष हुट हु कुष हुट हु विसाय हुव स्थाप चिरःक्वाणी सेसस्याम्स्राक्त्याक्त्याक्त्या रदायन्याचिरःक्वासेसस्य प्राप्ते कुः धेन हो। विषायमें ५ पा की प्रवाद दे। विष्ट क्रुव से अषा के क्रिया स्रवास सम्माणी क्रु। विषाय वे चिट किंच भी अभग हे अभग चर्डिंद झूंश तर्र सेंच शरा रे मूंट शरा सामि से शरा अभग पश्चित्रद्भासाध्यस्य द्विराही समायन्य त्यमा चिराम्रमण श्चित्र द्विराही पक्षित्र प्रकृत्या क्षेत्र प्रमान्त्र क्षेत्र क्षेत्र

चता देनाश्वभान्यांश्वरहे के वर्षाश्वराद्यां के प्राप्त के प्राप्त

हीं अ.चेंधेश.श.लुबी चैट.केंच.मुश्रश्चर.देतु.क्षेट.हे.चर.त.लुब.पीट.हुचे.शचव. यिश्रासाल्या यहराक्रियायसम्बद्धार्यः क्षेट्रा हे स्थ्री सालय ग्राट्रा द्वारियासा यविष्यात्रारात्र्री क्षेरा हे क्रवरात्री मिराश्रम्या ग्री की यविष्या मिरा भी स्था यदे द्विम ने त्यावि न मे ने सूम मासुर साया ने हो मा केन ही मे मास उन प्रार हिन क्रेब'मी 'रेग्य रहव'मी 'ग्रुव'ह 'बिग'र्पेर्। दे 'घेग'क्रेब'मी 'रेग्य रहव'र्यर हुवा गुः नियर नु गुराष्ट्र मार्थित मार्थित मार्थ स्थान मिर *ॼॱ*ॿ॓ऺॴॱक़ॖ॓ॺॱॹॖऀॱॸॴॴढ़ॺॱॸज़ढ़ॱढ़ॕॺॱॹॖऀॴॸॸॱऄ॔ॸॱऄॗॸॱॾ॓ॱक़॓ॺॱऄ॔ॱज़ऄॗॸॱॺॴॱॸ॓ॱ इसार्ह्स्टावेटार्ह्म्यायायाये वियानयायळे याचरावया वर्ह्नायाने विश्वेयावराया विया वर्ट्स के मुमाने देश हिंद हिन हैं निमायवे निमायव हिन मुग्यस्थानमाने इसाईराहे के न री पश्चेर परि क्षेर है। यर र्ना ने मारके या हैन पहर है। ने मा मृचमान्यस्यात्रात्रुः द्वीराष्ट्रायाच्यामक्षममासीमानियात्राया क्षिरा है छिषे. र्थिः क्रेन्दिन् क्षेत्र में मार्थाये क्षेत्र स्वार्थी स्वाय मार्थी स्वाय में मार्थी मित्र क्षु विद्यवार्थी निवर र् नुषान्नषाम्बुर्षायासाधिन्यवे द्वीरा देरावया हिर्छिर हिन्षायवे नेषा ±વ.પ્રીય. ગુષ.તવુ.કુંદ. કુ. જુષ.ત્. ચૈંદ. તા.કુંયાતાય. મુષ્યય. જથ. છી. ર્લેવો. વર્કતા તેયા. श्चार्यात्र्वरावेदा देवे स्यापदेव पहेंव या सुनायमापदेव पहेंव हेंदा देने मा

यर अर्घिट बिटा दे र्झेट प्रायादेव बिदायुवादर्वे वाद्वे वादा में प्रायम देवें हमा देवें हैं हैं क्षेर् क्षेत्र प्रतः वेषः रवावर्ष्वेष्णयायादर क्षेषायह् नायर वशुर वेषायवे देवाधेषः यदे भ्रिमा वर्ष महेमाव निरामा स्थान मिलि मिलि मिलि मिलि में विनाक्षेत्रं मु: देन्या उत्तर्य देन्द्रं त्र वा देन्य देन वित्र वित्र देन्त्र वित्र वित् गुः र्हेन र् क्षेट हे केन ये रटा ने ने समय मुक्केट त्ये र् में नाम के त्या है यायार्ह्मेन'तु'क्क्रेस'तु'दवेद'त्रद्मुन'र्सेद'यदे'यस'र्देस'च्छेस'यह्मस्यदे'व्वर'यार्देन' निहेर कुं क्वें पर्ट्र अस्य साधिव या प्रक्षेत्र या पर्वे प्रवेष या नाम हिन वस्य प्रें व नाहेर कुः क्वे. प्रकृषः भ्रवः कुं निरम्भ को निरम्भ क्षेत्र को क्षेत्र प्रकृतः स्वरम्भ को स्वरम्भ को स्वरम्भ को स्वरम् धिव द्वीया दे धिव व हैं द छेद स्प्रायुव परि वाद वा धिव द्वीय परि छेरा ५८ रे दे र व्या यस र स व सुस की की र सम दे से साम की साम दे र व या निसुस्राया ने राम्या मराया देवा प्राया ने वाया प्रमाणिक या विष्या प्रमाणिक विष्या प्रमाणिक विषय विषय विषय विषय र्यायर्षेत्रात्त्रियात् क्षियात् विवायक्ष्यायात्रात्त्रियाः क्षेत्रा क्षेत्रात्त्रेयाः ८८ मुद्र सेंद्र परि यस देस में परि यदि यदि यह अवस्थित है। मह पर परि व यह से महित परि स श्रेव चित्रप्रवासित प्रति द्वीर है। दे प्रवाद वा प्रति श्रे का स्वासित प्रति है वा है वा स त्रु.जभ्राप्त्रभ्राम्च्यायम्भाष्ट्रियायदेःश्चिरात्रे। रगमायदेःश्चान्त्रम्भा पर्वः भ्रेषः तुः वर्षे ८ 'द्रान् भ्रेष्टः पर्वः व्यक्षः देवा सक्षं के देवा प्राप्ति पर्वः भ्रेष्टः । वरः क्षरागुराद्युरायासर्हेराठेग यरावाठेगातारो रेताकेताययेरायरा रेप्यासः

च-द्य-इन्द्रम्थस्यात्रेयाचे स्थापनि स् देन्ययायर वया नर्ति र यदे र न्यु स्वर्याय ये दि र क्रु च ग्री के समादे से समादि हुन यम्बर्भायायायाचीर्भवर्भायायाराष्ट्रिय रे.ला.क्षायाचीराक्ष्यायायायायाया चिर.क्व.मुश्रम् भ्रु.खेम.यर्ट्र र.चीसीरम.त.चीस्म.ट्रेंच.चीक्वच.तयु.ह्वी र.प्रे स्वम. दर्र क्रिंगम्सुम मुह्म स्रोम मार्गे क्रुं र पहें नियदे ने मार्गे र तु क्रिन प्रदेश गल्दायदे द्रम्ययाम् लेग गल्दादे रामसुरस्यये क्षेटा हे द्रा क्षेटि हे द हैनशयदे नेशर्यर ५ मन्दर्भ मन्दर्भ मन्दर्भ मन्दर्भ स्वरं के समित्र स्वरं में स्वरं मित्र स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं धुरा इतर उर्देर भ्राप्ते वायाती द्रार्य स्थान प्रमान स्थान पर्वः द्वे र वे त्रा र्वे न त्रा वि र के पर्वा ग्रामा पर्वे वे स्थाया वि व से र ग्री प्या वृद्। विष्य। देःश्री इत्याविरःक्यास्रास्यस्वरात्रास्यस्वरात्रास्यस्य यर विवार्वि के। क्रेंकि सेर दे। विवार देश विवास सेर विद्या के विवास के विवा र्ट्सम्बन्धयाः देवार्वेषायर पङ्गन्यम। वृत्तः स्रेस्यायमार्ट्याये कुरावृत् क्वाणी स्रमार्गी रिम्मार समार्मे रायदा मुंदि । यदा मुंदि स्वापि स्वापि सामार मुवाया या प्रापि समार्थी । ध्रिमा पर्छमामञ्जूमायदेन महिषासेन भी सेषायाने। महिषासुसेन क्लिकायदे महिषासे ५ भी में भी में में माने महिषासे महिषासे महिषासे से महिषासे महिष्म महिष् र्चे दे दे राष्ट्री दिन दे हैं कार्य के दे पाया के निकाय के साम के कार्य के कार कार्य के कार के कार्य ५अ:श्रेअषायक्षेत्रेत्रे पेष्व चेर याक्षेत्रेत्रम् क्षेत्र यदिवे महिषाक्षेत्र सेत्रे प्रेष्टे वि त्रत्या द्वार्यत्या प्राया मिना पा के कार्या के कार्या के कार्य का

८८. त्राच्यात्राच्यात्राचेषाः विष्याच्याच्याच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या ्रेंब.ध्री टतता.र्ज्ञ.च.क्र्य.रुषी श्रमश.२ष.ता.रेश्चय.ता.रु.क्षेट.ह.ता.सियी. वळवायाधेन हो। दे वार्झे नसुसान्साये छुवा की सावर् राये छुर। वर्मे यानिसा चतः कुः धान्न न ने ने किया से नामा निष्या से निष्या से नामा निष्या से न क्षा क्ष्यायान्ध्रेत्रम्याये क्षेट हे या ध्रमायळ्या या ध्रमाने ने या क्षेम्मस्य म्या यदेः खुंवा क्रीका वर्तु न यदे 'श्वीमा ने 'केंका रहता न हो न का का क्षेत्र 'श्री 'श्वीमा प्रकार का याधेबाने। देखार्स्चेषासुस्राण्यायदेख्याचीसावत्त्र्तायदेखेर। स्रवतात्र्या यः विक्रियान्त्रे श्रेश्वराद्धन्त्रेत्यात्रान्त्रेयात्रान्त्रेयात्रान्त्रेयात्रान्त्रेयात्रा वर्रेर्णु इस्राय उन् क्षे क्षेर हे री क्षेर हे केन येंवे सक्न केर बेर वेस या से रेनास हें विकास्तामी कुर भी किराहे कर केर हो। अळव विराहे भीवा गुर किराहे केवा त्रामाणुष्रेत्रत्रः द्विमा देशाणुष्रायमाचया देश्येष्रयान्ठवाच्ययान्त्रया वमः भ्रीतायमायरेट्रायदे समाया उत्रास्था सम्माय स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स र्ये दे दे प्रेन प्रते क न मानन प्रते प्रेन प्रते हो समा यन्तरायमा वर्तवाक्षिताहे मासुसादी न्रीम्यायाम्सुसार्यामातायान्स्रीम्यायाता मुभग २४ विषय ४८ देंचे पर्वता भवत २ चे तम होता मा १४ वर्षे वा पर १५ हेंचे पर्वत भवत १ वर्षे वा पर १ वर्षे वा पर लयामान्य प्रमानिक स्तर्भे स्तर हे प्रमानिक त्रामानिक स्तर्भ त्रामानिक स्तर्भ स्तर स्तर हिमा ग्वम्या विष्यात्रा विष्या विष्यात्रा विषयात्रा विषयात्र हें देव कूर या झ्वायममा इस रवा सेरायव स्थित रात्रा इस विवाय स्था हित हे 'इसक' पंके दे भी रादर्ग विषादर्ग देव मुख्या यथा क्षेर परे पादर प्रया

चतुःस्चित्र। विषाःस्यायान्यस्यायादाःस्चित्र। क्वितःसः त्याक्षेत्रायक्षत्रः प्रतितः चन्तरः त्रमार्थ्यम् भ्राप्ते विष्ठा वर्षेषात्रेष्रमारा हाया हे या स्वर्षा हिल्ला स्वर्षा हिल्ला स्वर्षा हिल्ला स्वर्षा क्रेब्रम्बब्रम्बस्यस्यस्यमामार्द्धरस्यम्बद्धरम् क्रूद्वः त्रेम्मार्यस्यस्य <u> २६८ मिल्र क्रियं प्रेर प्रति क्रियं मिल्र मिल्र मिल्र मिल्र क्रियं मिल्र क्रियं मिल्र मिल्र मिल्र मिल्र मिल्र</u> यहन्यायम्पर्याप्यस्थात्रे योष्ट्रायम् स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वत लट वि.श्रुच रे.रश्रुचयाता संश्रम्भ कथ सम्मान स्थान पर्वतार्यात्रात्रात्र्रीत्रात्रे हिंदी हिंदा हे के वर्षेत्र सक्व हिंदा बेराया के रिवास ৾৾৾ঢ়৾৾ৼ৾৾৾৾ৡৼ৾ৼ৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾ঌ৾য়ৼ৾ৼৼয়ড়ৣ৾ৼয়৾ৼৢয়৾ঀৢ৾৽ঢ়৾ৼ৾য়য়য়য়ৼ৾৻য়ড়ড়ড়ঢ়ৼ৾ঢ়৸য়ৼ৽য়ৼ विण क्षिर हे किव यें साधिव परि द्विर है। क्षिर हे किव यें धिव व सेसस हुर धिव र्वेषायदुःस्त्री रद्यो युग्यां वे। येयया उव व्ययस्य उर् स्वा प्रस्य रदा वया यर पर्ने न परि दस्य पारु के प्री परि परि हो के के परि सक्य के कि न हो के निसुसार्थेन पायसाविकेना दारी सेससा उदाया निसेना सारी क्षेटा हे के दें निटा विन असमञ्बद्धाः हमायमः हिन्नमायवै मेमामया ५८१ असमञ्बद्धाः विन र्देनम्पर्यतः वेषार्रायार सुरावेषार्देषासुः साञ्चेषायदे। सेसमाञ्च उसाया त्तरं क्षार्या में अर्देश सु बेद त्या दे किया या दे अवाया परि क्षिट हे केद रेंदि सक्दर विता देगार विवासेससाउन प्यदेन सेट दुर्हेनसप्येव विसारया मुसादिसासु बेन यदे। रक्षेत्रभारते त्यारक्षेत्रभारते क्षेत्रहे केव र्येते सक्ष्य केरा वेटा वटार्य के वन्नद्रायम् न्या वेसवारुव रस्यायाद्रसेन्यायादे हिन्दे केव र्येवे सक्व हिन्ती।

बुरपुष्ठामा उन्याप्रीयायपि क्षेटा हे किन पिनिया क्षेया के प्रीयायपि प्रीया देन चया श्रमभारुवायान्त्रीयायादाः क्षेटा हे क्षेवार्यायावा श्रमणारुवायाना यदे हिट हे क्वेब र्ये प्येब दर्वेष यदे हिर है। इस यन् दर्श सम्बन्ध संस्था प्रवेश प्राप्त स्थाप त्तु क्षेट हे क्रिके त्रातक त्याम क्रिया पहीं या सहत में से सम्भात्र स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम हिराहे के दायि देश पहें द्राय सह दाय देश है स्वाप्त के दिला से कि का स्वाप्त स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त स्वाप्त के स्वाप्त स्वाप्त के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स केंग या इसे नाम प्रति हित्ते हैं के ने पेंग्या इसे नाम स्मिन स्मिन हैं। केव र्यामित्रभागुमा सेस्र सार्व त्यान्स्रीम् सार्व स्ट्रीमा सार्व प्रमान सार्व प्रमान सार्व प्रमान सार्व प्रमान क्रुंश ठवा रेर व्या अंसर ठव या र से मारा चार विवा क्षेर हे केव यें प्येव पर्वः द्विमा वेषाय दरा परादे महिषाळेषा छवा देम खया शेसवा छव खसवा ठ८.ज.रश्चमश्रात्र.क्षेट.इ.क्ष्रेय.ह.क्ष्रेय.ह.भ्रा व्यात्र.हिया व्यात्र. क्ष्रिंगशपशानुयासेराग्री प्रकानुर्देश । सळं इ.धेरासी आप्रेशसी प्रचरायरामणा शेसरारुव यान्स्रीम्बायि हिन्दे केव यें प्येव व। हिन्दे से सामित्र मान प्यन मालयर्ग्यात्रिय लटावर्य क्षेट्रा क्षेत्रा क्षेत्राचे केषा क्षेत्रा क्षेत्र सक्षर् हिन स्र प्रहेन ने प्याप हिना रो। श्रेस्य एव से स्वाप हिनाया त्तुःम् देन्द्रेयः भूते देन्त्रेयः भूति भारत्यः मुन्त्रेयः भूत्रेयः भूति भूति । रत्तु क्रिर्जी क्षेट हे क्रुबे त्रुक्त क्ष्या क्रुब त्या क्ष्या वार्ष क्षेट हे क्रुबे त्रु लिब यर वया सक्षर हिर देवे हीरा ही सादेर वया हर क्वा संसम्पर्य देवे ठरपुर्वेद्यि द्वीरा इप्तरपर्देद्वा देक्षिण्डवा दक्षेत्रकारकेद्राव्य दक्षेत्रकार

यदि क्रिट हे क्रेक् र्ये प्येक प्यम् वया अळक क्षेत्र देवि क्षेत्र हि अदे मावया हाट क्वायंत्रस्य निया देव क्षूर्य या क्षेट हे के द्यार हिट हे ति देव का स्वाय क्षेत्र के स्वाय स्वाय कि स डेग्डरपुर्वेद्यवे द्वेरा इपरवर्देद्या देखाव्यव्ययम्बया केंब्यवप्तिग्य यवि क्षेट हे के वर्षे प्रविपयवि क्षेत्र विषा बेर है। हरा है अन्दर्गिक अर्वी अप यहेव.तत्। ।लट.पि.क्च श्रास्चा.तर्जीर.तत्रश्रमत्रात्रथरार्थर्थरार्थर्थर्थर्थर्थर पर्वः श्रेम्रश्च व्याप्तः याप्तः या द्रिम् श्वाप्तः श्रेम् श्वाप्तः श्वाप्तः श्वाप्तः श्वाप्तः या व्याप्तः श्व यान्रीम्यान्यान्यान्यान्याय्त्रित्याः इस्यान्याय्यान्याय्यान्याय्यान्याय्यान्याय्यान्याय्यान्याय्यान्याय्यान्य स्रायान्य स्थान्य स्था म्रायान्य त्यान्य विष्यान्य विषयान्य र्येन्। केर्रायान्रीम्रायदे क्षेट हे केर्राये अळव केन। यने व सेन नु सुरायदे म्रामा १ वर्षा केव र्योदी देशवाबा सेदाया देशवाबाया है ए हैं केव र्येव सक्व हिंद बेरा देशी येग्रभःहे। श्रेस्रश्रञ्ज्ञायान्रीग्रभायविःक्षेटाहे क्वेन्यायेन येन्यान स्वायन सुरायविः शेसराज्य त्यान्स्रीम्सायि हित्से हे केवार्या धिवान में पिवान पानेवासेन नु कुरा त्रवार्षेष्ठायाः विष्यान्त्रियाः विष्यान्त्रियाः विष्यान्त्रियाः विष्यान्त्रियाः गार्नराष्ट्रया दे द्वराद्वराययाप्ययावयाचेत्रयं द्वेरात्रे असमास्यायस्य ठव या द्रीया वा परि क्षिर हो क्वेब पे प्येब ब की हवा पार क्यूर परि बे सवा पर हो या द्रीया वा पर्व क्षिर हे के ब र्ये प्रेब दर्वी ब पर विषय येव पर्व क्षिर है। देश वा बुवा ब पर्व द स लुबेची नुबानतु निर्माहित दें गुर्ने रात्तु मिर्माल कर सालुबे दें मुबान रामिया येव परि द्वेर है। देश मञ्जू नश द्वे रें या देव दु नेव परि हैं ना देर द्वे रें या देव दु कुर त्रु.चर्चेचेश.चेष्त्राची चर्चेचेश.क्री.क्ष.तर.चेर.वेश.ट्रे.ताचेशर.ट्रे.श्र.झें.च्यु. वेषायाळन्या वेषायदेग्वन्गान्तेन्न् गुर्यदेग्वा तुन्यान्नि स्तर्भान्ति विषयायदे छन् भारत्यभार्ये भार्यद्राष्ट्रद्राययभागीः सभायायना तचरा र्ज्ञ विभारत्रे स्त्री मी हे याविष्याचे नहिषाञ्च प्रति कुन् भी प्रति वास्ति प्रति वास्ति वास हिन् सार्थ स्त्र सा श्रेन्यरः चया परेषः यरः श्रेन्यरे वा बुवायः हैवायः यदे दियः श्रुः पः श्रेन्यदे धुरा भागुयाम् देखरायवे दर्भाष्ट्रायाकेषास्म। सरामीमानवा मुगम्माया रटानी मालया मुर्हिना भार्य दे मारा माना प्रकार में माना माना पर्दे हुन। हे केंबारुवा परेवायर सेरायिया जुनाया विषायेवायिया पराजन विषाय है। वर्षिः मुद्रान्ति । वर्षे वर्ष ह्रासायासान्त्रपति । सरावी युवायाची स्री स्वायान्द्रपदे स्यरासेन यावादावीया *વીદા* વિટાત માટે યાત્ર મુજાયા જયા સથયા જરે. તા. ટ્રેયો યા કેયો. વર્કે તા. ટેટા च्यापर्नेन्ग्री क्राया उन् मी प्रकेषाने । सेसमा उन प्यान्सेषामा परि क्रिमा हे किन र्येवे सळ् इ. छेर। यहे ब. सेर. की साम्चर सर रू. च ब. ब. से सब स्वाप्त से मार्थ हुग'यह्य'दर'वय'वर्देर'ग्री'इस'य'ठम'ग्री'पद्गे'य'दे। क्रेस'य'द्रेसेगस'यवे'ह्नेर' हे के ब रें वि अळ ब छिन्। यने ब से न र्णे अ विन यम नु खु अ के से स्र अ उ व व स्र अ उ न यान्रीम्यान्यस्यास्यानस्यान्दायायदेनिः श्री इस्रायान्डन् श्री पर्दे पाने। न्रीम्या बेर 'य'र्दे भेगर्थ 'रें वेट हे 'कें के 'रें वे 'सकं कें हिर 'प्ये कें हिर यो कें 'दे है । के 'दहर

यर वया श्रेमश्रक्त य द्रीयश्रायंत्र हित्त हे क्रिक् में ध्येक का क्री ह्न प्रमायित. तर्रे विश्वस्थान्त्र त्रात्र क्षेत्रस्थान्त्र विश्वस्थान्त्र त्रात्रस्थान्त्र त्रात्रस्थान्त्र त्रात्रस्थान्त र्'विभावभागाराभेसभाउवायारसम्बर्धानिमान्तर्भागारीराध्या देः धेव व के स्वायम कुम यवि के समान्य प्राप्त के वाप दिने का दे धेव व व देव के द र्'र्गूर'पवे'सेसस'ठम'य'र्सीम्स'र्निस'पवे'स्वेर'ने स'विव'ह्रे। विर्'पर' र् दुषात्रषात्रेषायायातुषायाञ्चवार्याकेवार्येर् पर्वास्त्रेराते। क्षीत्रवायषाञ्चरायरा र्'विश्वश्राम्भारत्यात्राचित्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र तमाधिर.तर.रे.विभायमार्थयोषातमाधियो चरुष.श्रुर.ग्रीमाखिर.तर.रे.विभायमा स्रमत्र क्षेत्र त्रित्र हित्ते क्षेत्र हि क्षेत्र में स्रम्भ क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हित यर'र्'विश्वश्वर्यात्रेग्र्याय्यावियायवे द्वीरा ह्यायायित्र्यापे स्वा तमाविद्रत्र दें विषाये श्राम्य त्रवाता देशवीया ये स्थाया क्या प्रधारा ता देशवीया तमाञ्चित। चर्ने अत्रेत्राचित्र प्रमाञ्च प्रमान्य स्थान ठव परेव अर यार् भेग्यायशाष्ट्र पाये श्वेर है। क्षेर हे ग्रासुभार भेग्याय स्वेर क्षे वर्षास्चे प्रतिःस्चिम्। देन्त्र। श्रीःह्रमाय्यमान्नु प्रयम् पुरायदे स्रोध्ययः स्वर्थाप्रयम् व सेसम उव से ह्वाय या देश वा मान वा मित यह है । यह व से हा वर्देर दे। दे धिव व के हम प्यमानु र पर दु निका व का के अव क व व दि की का यवे भ्रिमा वेंब्र गुर ५ धुन या अहें न छेग

 हें देवे प्रसन्तर के अवसन्तर वाद्याचार स्वाप्त के स्वाप्त प्रस्त के स्वाप्त प्रस्त के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स म्बार्याचित्रात्र देशक्षात्रकार्याच्यात्राच्याच्यात्राच्या व्याप्त्रक्षेत्र । यदावाद्याच्या क्रमणी सर संसम्बद्धा त्यान्स्रेन्साय देश क्रिट हे प्येन् वेर प्यास्य स्वन दे। सरस वस्त्रवार्या क्षेत्र हे 'प्रेन्न न द्रीत्रवार्य से प्राप्त क्षेत्र हे 'प्रेन्य प्राप्त क्षेत्र राज्य स्त्र स् विवासात्री हीर क्षेट हे क्रेब र्यायसासालुवासाबसासटमा क्रुमणी सर्व पर पुप्त यायर्वायये हेयां विययम् र् क्षेट हे न्यासुस्रागार्टा यायकुर यां वियवस्य रिसेन्स श्रेन्यन्भ्रम्ययः क्षेत्रः हे मुठेनायुः सेन्द्री । ने इस्रम्ययाम छेना स्रो स्रम्यः ठव परेव सेर यार् सेण्यायेर र्सेप परि रेसेट हे केव में सेर पर वया है र रेसिप यवे क्षेट हे क्रेक् यें अर्र र प्युवा है नुषाया निरानिन हे यहे के के द द है नुषाया वे ब्लिंगयते क्षेट हे से न्यते ख्रिम नट से ने मानवा ब्लिंगयते गुन हें न से समान होन दे विवाद्य र द्वेदायवे द्वेरावा आद्ववा अस्मकामहिकायादेरावया वदेवावहेवा २८.८ह्रं अ.क्षेट्य.तयोजा.यपु.क्रुंच.तपु.क्षेट.इ.म्.तपु.क्षेट्र.पु. विश्वरासूयोगःक्रुंट्य. ८८.तयाताश्ररक्तिमा विषासूयायायायीरयात्तरक्तिमा प्रायमा सूयात्तर्भीया हेन सेस्रमान के प्रत्या के साम के सहित की साम का का मान का का की की समाम की की समाम की की की की की की की की की वः वर्नेन्याधेवाने। क्षेत्रायवे सेस्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रपतिक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्रयक्षेत्र धेव कु क्वें लेव देवी बार वार विवा विवाहिता दिया के बार के बार का का का कि परि द्विरा नावन परा नग मान्युमान रिकामान मेर मेर हे निका पुर्णे र यं से 'यह द्राय में वा दे 'वा सुसाद के साया द से वा साय है है है 'ये दे हैं से दे हैं है । यह है है । यह है है

त्तुः अर्घेट :यअ:पर्वेट :यःपकुट :यःग्वरुष:पंते :म् : वन :मे :कुट :यः स्टरूप:यः सेट रूप:यः सेट रूप:यः सेट :यः य हीर। वियःही ४४.वृस्याग्री.शर्वर.ताश.नेयातायक्रेर.ता.येषशतातु.क्रेप.वियास. ब्नामायामेरायवे भ्रीमा विष्ठामा वर्षु पुनायायमाहेमानेमायानाममायवे क्रुन ब्नियाब्नियायासे न्यात्रा द्वार्या द्वार्या स्वार्यास्य विद्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या स्वार्या स्व यदः क्रुवः लुग्यालुग्यायः प्यार्भेवः येषः क्रेवः विष्व। येष्यः ययः वया व्रवः ইমগ্ৰী'মইন'অম'পৃষ্ণ'য'বক্সু''উবা'ডম'স্ক্ৰী'ববি'শ্বীমা ইম'ষ্ৰথা ইবা'ক্টৰ'ক্ৰী' शर्ह्यर त्वरा नेया तम् र द्वेप कर हुँ। तामर विम क्या सक्र सक्र र प्रायदे हुर। लट्रांक् भेर्या देवु तस्योगाय के रात्रे क्षेत्र खेया माल्या या यो राष्ट्र र्मन्यायर व्या दे कुंब लुन्याय य्याया विषय या येद रेम्म या ये रेस् र है। स्टाय मेया तमा क्रिय. टे. खे तमा ततु . टे तु दु हु . चे मा मा मा ना ना ना मा ना मा ना मा ना मा ना ना ना ना ना ना ना ना ना पर्वः श्वेरः बेरः का क्वेंका क्षेत्रः के वा क्वेंका दुः त्वा का पर्वा विकार वा वा विकार वा वा विकार वा विकार व विर्यासाल्या स्थान विर्याचित्र विष्य ५८ म्याबिट र्धेन निन प्रमुद्द प्राप्ते प्रविन नु। विभागसुदस प्राप्ते प्रवित प्रमाम् र्यायरुव मार विवा कुंब विवाय विवाय मान्य माने या मुर्ग कुंद वा सर्वेत सुर या गाँव हुँ र रेग्राक्षु यायर्रे देव प्रवियास्ट राया दिया सिर्वा यायर् यर्दा ध्रिम्भ्रेखेट यप्देर् क्षेत्र प्याय्ये म्याया स्टिस् म्याये स्वाया स्वाया स्वया नु र्थिन ने। ने स्रायायिका यह माहे मायते हें साह्य स्रासु स् रूप रे पर्देन हें मायते पर्देन हैं मायते पर्देन मायते पर्देन हैं त्तुः श्चिमः भ्रा । त्याः प्राप्तः विषान् । त्र्रीः श्चिमः श्चिमः श्चिमः श्चिमः । व्याः प्राप्तः । व्याः । व्याः प्राप्तः । व्याः । व्याः प्राप्तः । व्याः ।

<u> ह</u>्यमार्यदे प्रदासंसम्बद्धाः स्टर्से स्वायाम् स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्व त्रचार्येश्वाता विराम्रभवात्रात्रात्राक्त्यात्रची धेषात्रराम्यात्रात्राम् वर्षा ऀॿ॓ॴॱॻॖऀॺॱॸऻॖढ़ॕढ़ॱॸॖ॓ऻ<u>ॖ</u>ॻॖऀॸॱख़ॖॖॖॖॖॸॱऄॖॺॴॱॸॣॸॱॾ॓ॱऄढ़ॱऄ॔ॱॿऀ॔ॸॱय़ऄॱऄॺॺॱॸॣय़ढ़ॱ लुब्र प्रतु द्विम व द्विम प्रतु प्रदास्य स्थान विषय प्रते प्रति हिन् स्वा स्थान स्था रें। वर्षः देव संभाषाया हुरिया हिराचे राज्या से मार्था है। हिराया विस्तार स्थायर तम। वैर.क्व.मुभभरदेवदायभार्यरात्र्यं विषय्त्रस्यायद्वा वैर.क्व.मु क्रुंबान्नवायो प्रेम विक्रम विस्वायो समान्य स्वायो स्वायो येवाया । र्धेन्यासु न्वायि सेवा वी र्धेन प्तन वार र्धेन या वेर्याय स्वायस्वायस्य र्वायि सेसस नक्केर्यान्तेर बेरायाकी प्रवर्षी वस्त्र क्षित्र साहित्र साहित्र साहित्र साहित्र साहित्र साहित्र साहित्र साहित्र चर्चिन'राठः र्ह्नेत्रमः गुःवेषाचसुर्याराठे स्रेस्यापक्षेत्र द्वन'त्रस्य त्वाराठे स्रेस्यापक्षेत्र थान्चेन'न्वेष'यान्तरिव ने'न्य्रषात्रिक्तां हें स्वर्थात्रिक्तां हिषा यर हिर हे के दर्श या हो दर्श का परि ही मा हि सा दे राष्ट्र या से कि दर्श के दर्श सा स क्षेर हेते र्वर मेश बेश मधुर शय मर बिम युर हे ही महिश र्य से से पाउस भागिर्म्यश्रित्वाक्षेत्रायि द्वीर। स्राम्यश्रित्र हेर्टे केत्रां या स्वाप्यस र्वात्तर्भ्यत्वीयाविष्ट्रात्तर्भुं अळव्यायेत् हे देया त्रुया द्राया विष्या स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति

दे ख्रेन प्रमार्थ में मार्थ में मार्थ प्रमार्थ के स्थाय में प्रमार्थ के स्थाय में प्रमार्थ के स्थाय में प्रमार यमान्ययापिर द्वेर। वन रदारेनमा ग्री क्वें नमा वेया ग्रीमान क्वें पाया मार्दि ये देशयर विवादविषय देश साधे में विदासे समार्थी हुं साम देश में प्रताद की साम है। र्झे, यथ, त्रुज, त्रीय, त्रीय, त्रिय, त्रिय, त्रिय, त्रिय, त्रिय, त्रीय, हिंच, त्रेयका, प्रमुत्रीय, ग्रे क्षें म्यां विवासी का मित्र क्षेत्र कि स्वा के मित्र के सिंद के सिंद के सिंद के सिंद के सिंद के सिंद के सि भ्रुंदिःशेसस्य पश्चित् यापङ्गस्य भ्राप्ते नामाया मानुष्य स्वापित स्वाप्ते स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप ู้ขึ้าอิเวชเว่ารู้พ.พื้าหาฮุนเรเชาทุพการผู้ปางเวชิงเชามารูปการการสื่อเฉบิ้งเ सुःसर्रे द्रद्रसन्त्रसायञ्च प्रस्ता मान्त्रिया सार्चियात्रसार्श्वेदायात्रस्याचे क्षेत्रप्रसाचे सार्चियात्रसार् र्रेम्यासुःस्राचेत्रायदेःस्रेस्यायक्षेत्राचेत्राचेत्राच्याः स्राचेत्राच्याः स्राचित्रस्याः ब्लैंब अभग भटे .तपु .ही र .हे। ब्लैंब अभग भी .य. मक्ष्मय हो वा कुब .ही .क्रू वी या जमा ৢঢ়৴৴৴ঢ়ৣ৾ঀ৾৾৽য়ৼ৴ঀৼ৾ড়৾৾ঀ৾৻য়য়৻ৼৢয়৻ৼৄয়৾য়য়য়য়য়য়য়য়ৼয়৻য়৻ৼৼ৾ঢ়ৢয়৾ঀ৻য়৾ৡয়৾৻য়ঢ়ৢ৻ म्चिमा दें ना इस्रायन्द हिट र्ये कुर दु सम्बिय दर्श हिर सेस्र सेस्र स्पर प्यर पन्द यद्रायम्यार्थिविषा क्षेत्रिक्षा भीति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स चर-म्रेन्यदे:म्रेन् ने दे:स्याधिक कायम्बार स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप वसारा दे स्मित् द्वेवा विदेश सम् तर्ह्वा संस्था वा वावसारा दे संस्था दिया स्थाप की स्थाप की स्थाप की स्थाप की स चर. व्या देव. क्रुं नृष्टे क्रुं अध्यक्ष प्रमुं निष्टे क्षेत्र क्ष चवुः भ्रिम् अम्बुदान् स्रीतः देमः वया वहुना स्रोस्र स्राचना यवे स्रोस्र स्राचना यवे स्रोस्र स्राचना वि कुर्णे सेससम्बद्धिर वह्ना सेससाराधिक यदि द्विर सम्बद्धा सम्बद्धा देर विवा देवे कुद या क्रेंब सेसमार्येद यवे द्वेर। हममाममा मार्डम माद्रार्येव यो नेमा

युग्रथायकेषाञ्च ५६। वर्षयायार्वेद ५६ वर्षाया वहुनास्ट महिषागाञ्च । तत्रम्भभग्नत्रत्रत्रम्भन्त्रत्रम्भ विषायम्ति। त्रम् विषायस्या कुषायवि'त्राक्षेत्रयम् वया देष्यम् कुषायवि क्वेष्यम् कुषायावि क्वेष्यम् कुषायावि क्वेष्यम् भागुयान सेंहा। देरावया देशासायत्न यार्चियायवे स्वी देशायत्न सायामन स यदःश्रेश्रश्नात्रात्रात्रात्रात्रात्रीत्रा शानुवान्यार्श्वता देळेषाठ्या हिन्गीशाया यनुक्रयार्चियायवे क्वें क्विन्यायनुक्रयायाम्ब्रह्मायवे स्रोत्रस्य स्वायायाम्बर्धायवे स्रोत्रस्य स्वया ট্রিব'শূঝ'ঝ'নব্রু'ন'র্ন্রিব'নবি'ঠ্র'ট্রিব'র'ইল্ম'শূ)'শ্লব'উল'ঝ'ল্রেম'গ্রিব' यासर्विष्सुसानु विह्वाः स्टानिकागाः सुकायवे क्षेस्रकान्यवः स्विन् सा मुनक्रिंदा देळेंबरका हिंद्रश्चेबर्यन्त्र्वायंदेळे हिंद्रश्चेबर्यन ग्रुम। यदावर्षेम् अर्दार्येग्वर्षायात्रुव्यार्वेवायवे क्वेंत्रात्र्वायर्वेमः र्वेदिः क्वेष्वयाचीया मुक्षाम्वर्षे व स्वयाम्य दिवेष्ठेष्ठ स्याप्त दिवेष्ठेषा व्वितः र्श्वेष्म् वर्षाचेषा चीषा वर्षेष्ठा वर्षा विषावित कः चेत्राया चेषा वर्षात्र न्त्रा देषा या पत्र वर्षा यर्चेनप्रवेक्किन् वेनिस्मानम्यने मुर्नेस्सस्य स्वत्रेन् रेरावता रे.सरमाभियात्राकुर्मार्याभियात्राभियात्राहिरा विश्वेच येराम्रममा ह्निया रोग्नाया प्रमुद्धा में विषा में विषा में विषा में का में विषा में का में का में का में का में का में का नु'सादेश'य'पीक'ने। वक'र्र्र्र् प्रचेंस'र्सेव स'त्रेय'ग्रीक्ष'गर्केक'स्र्र्य' र्न्धेर्प्यते क्विं रे प्रिम् म क्विंद केर केम स्वर्थ क्विंप्य प्रमान क्विम स्वर्थ सम्भाग

ધુરા ૬૮[,]ત્રું ટ્રેન્સથા શ્રાવસુપાંત્રે સર્દ્રમાં ૨૮ મો ફ્રેંત્રે ફ્રેંવશ મુંજી ક્રમપ્ર૨ ५५५'यमक्रेस'ये में विमायते हिं'५८'। रटको हिंदे केंप्रमायहे प्रमाविमायते । याया हिंद हिंद हिंग्याया येद प्रते खेरा देर ख्या व्रव रद द्वाप हें याया सिर्ज्यत्रेय्येय्रेय्रेय्ये स्था र्रं या र्रं त्राचार विवा अर्क्षेट्र श्रायदे श्विमा पर रेपे प्रेम माना विवास के प्राचित विवास के प्राचित विवास के प्राचित क हेनिषायानार विवा नार अना यहे बाय र के दाय है जार अना मी यह नाय गाना यदि । क्रिंदिने पुर्वे प्येत प्रेत क्षेत्र क तर तह्र भारत तर् में प्रत्ये के में क्ष्या की तर्मा तह्र में त्रा में प्रत्ये की की भाष्ये में भर्षेत्रात्रुःहिर। विद्वेव वित्ववाची चर्चा भर्दे स्थरा चैच प्रिया वित्ववा धेव वा केंबर ग्री प्यन्वा सेन कंन समा मुयाय दे वाम अवा धेव प्यम विमाने मान से देन्या है। द्वुः सदे व्ह्राच वित्रास्य राष्ट्रीय प्रदेश है। दर्स्य राज्य वित्रा श्रेर्वेशत्तर्वेशवशा देवर्षनेवाश्वाचाववाताः श्रुर्वेरत्वराविद्वेर। यद क्रूमाग्री पर्वासेर स्ट्रासमाग्रीय पर्वा यार अवासी यार अवासी यन्नासन् स्वन् सम्मानुयायवे निमाना स्वन्यमानुया ने सामानिया ने सामानिया ने सामानिया ने सामानिया ने सामानिया ने ब्रम् वी द्वर् प्रविष्ठ की वा बुवाया प्रकृष प्रमेष स्थार हुन स्थार बुवाय प्रविष्ठ वा स्थार वा प्रविष्ठ वा स्थार वं चित्रचन्त्रिक्तेत्र्त्र्त्र्व्याच्यायिः चित्रचन्त्र्यः चित्रचित्रः चित्रः चत्रः चत्रः चत्रः चित्रः चि

यान्ने स्वास्त्र स्वास्त्

देन्त्री श्वेष्वियदेवेद्दरम्बन्नम्यक्षयन्त्रेष्यः स्वाध्याः विष्यादेवः स्वाध्याः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वधः स्वाधः स्वधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वधः स्वधः स्वाधः स्वधः स्

सक्षय प्रमः क्षेत्र ग्राम्य स्यायायम् । या क्षेत्र प्रायः क्षेत्र । या व्यव । या व्यव । या व्यव । या व्यव । या बन्यर ख्रम्ययाम् विव ने क्षेट्य या अर्हेट केन हे न्यायाये यस हे साम निर्मा त्तु.ही र त्रीयत्तु.श्रास्यास्यायत्तु.टीयास्यूयस्यास्यात्रात्रात्यात्र्या पर्झेमसामसार्थेयास्त्रमा स्वाचार्या स्वाचारा है। दे वर्श्वेस्रयाययार्द्धेन् स्त्रास्त्र स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य देन स्त्राम्य देन स्त्राम्य देन स्त्राम्य स् यश्यादेव,त्राव्याव्यवर,त्रावु,श्रुव,श्रुट्यायाद्व,वीच्याः वः हिर्देशस्वरण्यावस्यावियायवर्षेत्र। देरावया सर्वियावस्य यन्दर्यदेन् मायर्डे अन्यायर्डे अस्याये स्थित देन माय्या अर्दे ने प्रायम् परि 'न् मा पर्टेस' भेता त्रापर्टेस सा भेता ने किया परि 'से मा ने 'या वित्त मा किया तार्वेशः वियातक्रुषान्त्रवा रचातक्रुषामाल्यात्रात्राच्या भट्ट्यात्रमात्रवात्रा न्यायर्डेसप्पेनप्येरिश्चेम नेमाचया सर्वेनप्यन्यम्प्रिया शर्ट्य क्रिं र त. सिर्यात्तु र वी. तर्रुषाताक्रुषात्र्या हेरा स्वाया देरावया केंबारुवादेवाधेरा बाबुवाबा दे देरावया बर्देवायाबबायवदा यदे न् मायर्डे अप्पेन प्यदे श्विम। उपमायरे निष्ठा ने ने प्येन प्यम श्वा मान निष् रट.मै.वीय.तपु.६४.लूर.२.वह्र्य.तपु.वह्र्य.तपु.वह्र्य.ताश्रम्य.वीय.वीय.व्ह्र्य. न्यापर्केमण्येन्याम् त्वेम ने न्नाप्त्रेन्यापर्केमने स्मिन्यान्य प्राप्ति ।

र्वेब र्सेट्स सर्देन कुर प्राञ्चरस प्रयो न्या पर्वेस प्रेन प्रयो द्वीर । ह्यास प्राप्त प्रेन र वया देन्द्वर्त्वर्त्वायर्डेसर्र्य्य्यायर्डेस्चीयविस्मित्र्यते स्वर् मृद्धेषायाने राष्ट्रया मारा अमार राजा मुद्दायाये ह्रा वर्षे प्राप्त राष्ट्र व या वर्षे व शूरपाउँ भार्ष्य प्रति प्रापर्वे भार्षे । सर्वे पान्य प्रति प्रिव से प्रति स्था सर्वे । क्रूर्यः स्ट्रियं पर्वे र क्राये र क्रियं क्रिमञ्जा सेन्यर वया सर्वियम्बर्मयन्य प्रतेन्त्र प्रतेन्य पर्वे स्थित। हमसः विषा वर्देन्त्रा देखेन्यम् वया द्यायर्केमध्येत्रत्वयद्यावहेत्रः महिषामा वदः तर झेटरातरा विचत्तर क्षेत्र खेखे। ऋत्तर विजात क्षेत्र जा साविच। लट क्षेत्र या नृगुः सुयः यक्तिं अर्देन यात्र मायन प्राये प्रमायके स्वरा पर्वः हें में दान प्राप्त प्रति द्वापर्वे साधिन पर्वः हिमा सामुयाना दे दे मामा नेराष्ट्रीक्षी अर्रे कुषायत्रीतायसूषामसुस्रामस्यायन्तायते प्रतायर्कसाधिकायाम् विव दे.चस्याम्प्रम्याद्यं हे.हुँद्रियम्पर्यं द्विम् इ.पर्यः विवायम् विवायः थेन्यम् वया अर्देन्यान्न यात्रमायन्यत्यात्र वायर्जेन थेन् न अर्देन्या वित्राया मरारुराव्यापवरायवे र्मापर्वे अधिवायया मुनायवे क्षेत्रावे वा हम्याविवा नुः परः सः मुदार्चे । दिन् । सर्दे हें यस । वस खेर यदे र मा पर्वेस धिन न । दे धिन न्वीषायमः वया अर्देन यान्नषायन् यये न्वायर्डे अध्यन्न न्वायर्डे अध्यन न्वीषा त्रुक्ति स्वायावया वर्ट्रम् वार अवास्त्रप्रिक्षेत्रं क्रीयायायर वर्षेत्रं प्रवेर यनेवायहेवामा निर्मा ने स्टामु सुयाये हमार्थे नु रादे वाये रहेवाया सर्ट्र मृत्याचं साम्याचे प्राप्ते प्राप्ते साम्याचे स्वाप्ते साम्याचे स्वाप्ते साम्याचे स्वाप्ते साम्याचे साम्य

गुनमा नेरावया अर्रेष्ट्रायमान् ग्रायर्डे अप्तायमाये मार्ये प्रायर्थे मार्ये प्रायर्थे मार्ये प्रायर्थे मार्थे मार् धुरा देदेरम्या देखमर्मिं संस्थानम्यर्मिं प्रमानेन स्थान धिव परि द्विमा दे दे माल्या दे हो माले व मी मुन सह व ह्वा पर माले व मी बर ब्रबाह्म हिंग है प्रवाद्या पर्टे वा प्रवेश द्वापार्टे वा पर्टे वा पर्टे वा पर्टे वा पर्टे वा पर्टे वा पर्टे हें हे स्ट्रिस्य विषायेन या निषायेन। सक्त पनि तुराया पनि करें से स्वाका महतःलूर्त्रातुःक्षित्र। चालबालता भरूबाताब्रधात्वरात्वरात्वरावस्यावस्यात्र वया ने र्योन या नाम विना ने र्योन करने ने र्योक न र्ने का यि रिक्रें मा नम र्यो सामाया कर र्शरा। देरावया अर्देवायात्रकायम्दायवे विस्रकायम्बर्धायदेवायरावहेवायवे । यदेव'यद्देव'श्चरष'यवे'द्वा'यर्डेब'र्थेद्र'यवे'श्चेर। देर'वया ब्राटेव'य'व्यापन्द पर्वः न् मायर्डे अ: न् मायर्डे अ: अळं बं के नः पर्वः मावे : अञ्च व : पर्वः मावे : अञ्च व : पर्वः मावे : यो दे विषा वित्राचे अर्देव यात्रकायम् प्रति विस्वा विस्वा वित्र विस्वा वित्र विस्वा वित्र विस्वा वित्र विस्वा वित्र विस्वा वित्र वित्र विस्वा वित्र वित्र विस्वा वित्र वित्र विस्वा वित्र विस्वा वित्र विस्वा वित्र वित्र विस्वा वित्र वित्र विस्वा वित्र वित्र विस्वा वित्र विस्वा वित्र वित्र विस्वा वित्र वित्र विस्वा वित्र विस्वा वित्र विस्वा वित्र वित्र विस्वा वित्र वित्र वित्र विस्वा वित्र वहें ब र्यवे पदे ब रहें ब रहार मार्यवे प्रमायवें का प्ये प्रमाय के बार प्रमाय के बार प्रमाय के बार प्रमाय के ब र्णेर्यवे भ्रेम देमम्या विर्वानि मूर्याये भ्रिमेता हम्मायस्य दे इससा यां दें सायि के सारक के के कि का चित्र प्रमा के निर्देश इंपमावमायेन परे केंन पेरि केंट रेन पीन न न में केंपमावमायेन परे हेंट

'हेर'णेब'र्नोब'यर'मया हेंब'र्येते'हेंद'हेर'खेब'ब'हेंद'हेर'णेब'र्नोब'यते'<u>खे</u>रा वर्देर् क र्सिट्य अर्दे र्ह्ययम्यम्यम्येक यवे रहेक र्ये रहा विक क्षीमा से द्रार्थ रहेन्द्र हेन् क्र्यान्त्र हेरान्या देवानुरा अनुपन्ता अर्दे हेर्ययाप्यायेषायेषायेषार्थे केंबारुवा हिन्यर प्रविव क्षेत्रां केन्यर मेंदि हिन्दे हिन् ब्रिंट्र मिले मुप्त प्रदेश के प्राप्त प्रदेश की कार्य के कार्य के कार्य के प्राप्त मिला येव परि वेष मु रूट पविव मुका से द्राप्त देश दिय विष येव परि हैं दि है द पिव पर वया वर्नेन्यनेविश्वेरा वर्नेन्द्रा ने केंबियन मार्ने केंप्यमापमाये वयर वया वर्नेन्यनेविश्वेमा वर्नेन्मा अर्नेश्वेयमानेमान्यभेन्यमा वया वर्नेन्यान्तिन नेषाधिन्य स्टायिव कुषाधिन नेर्नेषाय स्वर्नेन त्तुः हिरा कृषा कथ हैं वि कथ ही त्वव देशात बार्श्वा वि वि वि वि वि चबुष्रं रे. व्यातर्वी ४. चतुः जीया या. ता. त्रा. श्रीष्ठुः कि रे. ता. व्यातर्वी ४. श्राह्य सीशा श्रीर. डेबाबेरावाक्षायवदादी श्रास्तार्थेनवाच्छातुनास्तर्वासुसातुः हेनवायवे से ह्रीयाप यदे श्वेर देर वया वर्मेन यस कु इस या यकु द सर्म सुस दु हिन साय दे से श्चि र्ल्यायाम् विव दे र्ल्याया विव दे र्ल्याया विव स्थाया स्थाया विव स्थाया विव स्थाया विव स्थाया विव स्थाया विव स्थाया परि दे प्रिंद दे में श्राप्त है मा दर प्रेंदे मालया निर अना मह अने महिताय है श र्ल्य-देवत्त्र्यत्रायह्रम्याम्ब्रम् ट्रमायविट्या, मेशतायषु, रटा। यट उच्चा प्रटामि वियत्तु, हिमालूर विमाहिट तर वक्च न अर्दे न सुस्र नु देने न प्रायदे से हु स्थित । ये प्रायदे न वर्षे न न वर

८८.तमान्ये मह्यास्यारी स्वासान्य स्थान्ति स्वास्यास्य स्वास्यास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास र्वेच.श्रूम.र्येम.र्ट्र्यंत्र.र्यु.स्यां स्त्रु.स्यां स्त्री.स्यां स्त्री स्त्री स्त्रीया श्रूपे स्त्रीया स्त्र वित्राम्याप्रकृषान्तरेष्ट्रात्तान्तरेषान्तरेषान्त्रात्तरेषान्त्रात्तरेषान्त्रात्तरेष्ट्रीयान्तरेषा ही सामानीय है। देव सूर्यामानूर मान्तर मानूर देव स्थान मानूर यानक्चरावर्षेत्रयानारावेन नाराज्ञनार्यरामु खुनायवे स्थापेर पुन्य प्रदेश प्रदेश यासर्वि मुरायाद्रायायवे विविष्याध्येष्ठा विविष्यदेव ध्येष्ठाया वादा वनार्या के विवादाव हरा लूट की या हियाना अपूर्व सीमार्टी स्वायाता वा वा विवादा व तमायनेष्रात्रमाभाषियात्रात्रीम्। त्याप्रम्य तीयमायन्यतात्रमाभाषा ইবি'অ'লাৰম'মবি'মামম'ন্মব'ৰমম'গ্ৰীম'ৰ্মুন'ন্ত্বি'মানৰ'ম্বুম'ন্ত্'মান্দিলম'মবি'ষ্ট্ৰীমা देरावया देवे कुराया क्रेंट हिरासर्वि सुसार् हेंगसायवे प्यामेसासे प्यामेश देरावया देवे कुराया है दावे प्यामिक माझदानु या परि अवसामान माये में अप से र यवे भ्री र प्रा क्रिंट कि र अर्दे न सुस र र के प्रायति न प्रवे प्रायति न प्र त्तु विराम्राम्य स्तु स्तु मा विश्व देते क्रू न या ह्रे र सि सि सुमानु हेनायायदे:ब्रिंसे८'ग्रुटा। देयाङ्गेट'छे८'स्ट्रेब'स्स्यार्'ह्नेवायाबेरायदे:ब्रिय'काङ्गेब यं से 'दब्द 'दे। हेर 'देर सर्व सुसर् दें में मार बना प्येत का दे सर्वेत ' सुअ'र् हेन्यायमा अ'विवायवे द्वीर है। हेरि हेर् अर्दे अस्त सुअ'र् हेन्यायवे हेरि र कुर वार्ये दर्के र वी वार बना यो करना दे र र र कुर वार्ये दर्भ र वार्य र विदाय वे खेरा लट्राय.क्रुच रट्रक्ट्रिट्राय.चिष्ठ्रप्ट्रायमानुष्ठा.चेष्रायदे.त्वमानेष्राम्यादेषाया

विषाचेरायाक्षीप्यविष्ठी निष्याचनार्यस्यित्रक्षेत्रायराक्षर्विष्ठास्त्रीय चिर श्रेमराग्री सर्वेर तमारे ने यो संभाग त्रिय राष्ट्र हिर है। दे अव विश्वारी त्यम नेया परि यस ने मा प्रेन प्राम् विवा क्षि सा विष्ठ भागू मा प्रेन परि क्षेत्र । द में दि मा विवा क्षेत्र भागू मा प्रेन दे अब मिया में दिया देवाया स्वापाय प्रवास के प्राप्त के रावुः हीरा देशाररा की वाजा स्वाया वाजा विचा वाजा होना. केव क्षे देवाय देवाय दर्भ विवाद सव क्षे देवाय देवाय दवाय दि हिरा देर वया विवाःकेषःक्रीयःह्रीदःक्षेदःक्षयःयरःहिवाया विवाद्यवःक्रीयःह्रीदःक्षेदःक्षेदःस्वयःयाः सर्दिरः पर्नेयाज्ञियार्र्यामात्रात्रेराचे यो मानियारी हुट्धराक्रीमारार्यार्र्यामा देवाबादमा हैंम् छेदा अर्दे रायहुबा क्या हैवाबाय देवे हैं वाबा देवाबा वहेबा की प्रवादा चयुः द्विर दिरा वार्षा की वार्य की वार की वार्य वः यटः व्याची प्यन्यासेन प्यस्तिसः वृद्धिः प्रचितः प्यस्ति । वृद्धिः स्वस्तिः प्रचितः स्वस्तिः । यसवासातार्या द्वेषाञ्चिताञ्चर विदायाङ्कात्र्या विसावसाञ्चर । यरः वयं विष्ठा वर्देन या धेव के विष्ठा अन्तर्भायत् वर्षे प्रमा कर्मि त्या की दूर्या से वाकी सिंदा विक्र की का सिंदा है विक्र सिंदा की विक्र सिंदा है। वर कर सेर तमारे अभगता योष्ट्र मुन्य रात्र सुन्य स्था होता सेर हीता सिर हिते यर्द्धान्य में के प्राप्त के प्रा ॱॻॖऀॺॱॻॸॆढ़ॱढ़ॾॕढ़ॱॻॖऀॱॻॺॱख़ॺॺॱॾ॒ॸॱॻॖऀढ़॓ॱॺऻॖॾऀॱॸॕ॒ॸॱॻॖॺॱढ़ॺॱॾॗऀॸॱढ़ऻ*॒ॻॸॱ*ख़ॸ॔ॱऄॸॱ त्रमान् अस्तरात्री हिमा स्रायाची सिंदा ची की रात्राचे में त्राह्म स्वी त्रमा क्रम मान्या स्वापार स्व

चलाचतः भ्रुवायद् नायते भ्रिमाद्दा भ्रमायन् । स्मायन् । स्मायन् । स्मायन् । स्मायन् । स्मायन् । स्मायन् । समायन् बर्यरर्ने नेया है पर्या हिरायद हिरा नेया है पत्रीय विषय है प्राया मार्थ मार्थ स्था है । ब्रिटार्ट्रा विषाप्रटामी र्ह्या स्रिया मी श्वरामी श्वरामी प्राप्त विषा ही वाणी रहें वा माने व लयमा द्वा द्वा द्वा सामा स्वापित स्वाप लट्रायक्रिय अन्तर्भुर्यरेश्वर्रम् अस्रयन्त्रीत्र्याचनान्त्रं वेर्यान्यस्यापद्रा चिष्रयात्यः इष्राचर त्या श्रेष्रया पृष्ठेतः वर्षः द्रतः याः वर्षात्य वर्षात्य वर्षात्यः ५८.५२, १५,८५१ १५,८५१ १५,८५१ १५,८५१ १५,८५१ १५,८५१ इनायमम्यन्त्रायवे स्थमम्यन्त्रेत्रायम्यन्त्रायम्यन्त्रायम्यन्त्रायम्यन्त्रायम्यन्त्रायम् याविष्य दे। देखा ह्या क्रिक् क्षी सहिंद यस प्रस्त से प्रस्त यस या महस्य देश से सम र्नत्रे स्वाप्त्रम्भार्ये वार्ष्रम्भम्यत्रे स्वाप्त्रम्भावनाय्त्रम् । वर्षा वरुव देवे हिरा वर्दे दा दे इस वावस्य द्वापिय स्थापिय स वनायविनात्रवाण्येनयम् वया वर्देन्यादेवि ध्रिमा वर्देन्ता दे ख्रमायससः र्वायदे स्रेस्रम्य वर्षेत्र स्टाक्ट्रिय स्ट्रीस्य स्ट्राच्या स्ट्रिय स्ट्रीस्य स्ट्रीय तार्तु सुरावे वा अपरामा विपासे महितायमा हे मार्ह्याया प्रवास सम्मा र्परादे स्वाप्यम्भार्या प्राप्ति स्रोसम्याय स्वाप्ति वार्षा स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप विषेत्र देशे देशे हिंद्य विषयि स्रायान्य प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त शेश्रश्रायन्त्रयायवे वित्रान्त्र महिष्टिर शेष्टिर शेष्टिर दिरा देरा ह्या देश हर

शेसरायान्यां प्रतिराधित प्रताया विष्टित । वित्राचित्रा विष्टित विष्टित । र्मिनाष्ट्रिन्निक्रियात्रुम्क्षा साम्नुक्रमार्चिम्यवे क्वे प्रमार्चेव से क्वे स्मार्चेव स्मा मुभामर्बेब परे प्रेंब प्रवासि में प्रेंच रावक र में र प्रवासि में प्रवासि में प्रवासि में प्रवासि में प्रवासि में म्राम्यार्म् भ्रीत्रिया वी हिर्म्यायी अर्थित क्रिया या क्रिया विकास विका गांभे तुषायषाष्ट्रिय। ठेषा बेरायभावादा देश द्रावायभार्क्षेत्र सांभेदां में प्रदा स्राया स्था है नियं का ने प्राया है से नियं के स्था है से स्था है याम्डिनायार्क्रेमान्नेनायार्केमान्नेनायार्नेनान्नेनायार्नेनान्नेनायार्वेनान्नेनायार्वेनान्नेनायार्वेनान्नेनाया चैत्रयो चि.ह्यायाग्री स्नेर द्वाराचाद्रचाता क्रुयात्र स्वास्त्रीत स्वासीयायहैया इंट.चेर्युमान्यमान् र्यान्र क्रियान्य व्यास्त्र व्यास्त्र मुसान् व्यास्त्र विष्यान्य विष्यान्य तमावियात्र व्या भार्यीयाता देवा हिमा वर्ट्र थे। क्रुमा हेर हेर हैवा हिया ही भार हैंग्राया दे सहें मुस्तु सुरा दु हैंग्राया मान्या हिया पर रे स्वाया स्वाया हिया है स तत्तवीयात्त्रव्य ये. ह्रिवीयाती. श्री देव। या. वाक्ष्याता क्रुयात्वे प्राया विवास वाद्येयाता. बुषायषाष्ट्रियाकेषात्रेत्रात्रेत्रात्र्याद्वरादे। षाद्रात्रीय्वषादुवायदेश्वराक्चीयाव्या याम्बर्यायदेःश्रेस्यान्यदाद्वस्ययाग्नीयाने स्ट्रम् स्त्रे स्त्रम्यदेःस्त्रेम् नेमानया ने इस्रमाण्ची द्रमादेराकेंगान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तरायास्वरम्भागान्तर्यस्वरम्भागान्तर्यस्वरम्भागान्तर्यस्वरम्भागान्तर्यस्वरम्भागान्तर्यस्वरम्भागान्तरस्वरम्भागान्तरस्वरम्भागान्तरस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्वरम्भानस्वरम्भागानस्वरम्भागानस्यसम्बरम्भानस्यसम्बरम्भानस्यसम्बरम्भानस्यसम्बरम्भानस्यसम्भानस्यसम्यसम्भानस्यसम्यसम्यसम्भानस्यसम्यसम्यसम्यसम्यसम्यसम्यसम्भानस्यसम् क्ष्यामुर्भागुराक्षीत्रुर्भायवे स्वीर्भात्रा देश्यो स्टावम्या या द्या.म.समम.मी.ये.मा.लेय.य्री विम.चे.तर.पेम.तर.चेत्री विम.योमीरम.ततु. क्यामुकामार्द्रम्भायते धुरा यदाव छेम वाद्रम्भाद्रम्भाद्रम्थाद्रम्भादा

ૠુઽઃવ્યાનાનુનાયતે.શ્રુંમના,ટ્વાયા,તું કુનાના,તું,કુના,સાનાનુના,ત્વાર્જીના,કુના, यायह्नाःस्टानिकामाः भेष्यायमानिया द्रमात्रम्याभावता स्मानिकाः <u> चूनायवे प्रमामी हे सार्चिय या महरायवे से स्रामा प्रमाम स्रामा महिला है न</u> यायह्वाःस्टान्तिकागानुकायवेःस्त्रेत्र। देत्रःस्वय। दुकादेत्रःक्रेकान्नेदाःस्त्रेतः क्ष्यामुरायह्नाःस्टानिरामानुरामानुरायदेश्वर। देरावय। इटाययरास्यास्ट्वर यसन् व्यान सम्बद्धान *મું. મધમા*ના વર્તા તાત્રાથ અત્તર જાજા અત્વર ક્ષેત્ર અત્રામ મુખ્યાનું કર્તા અત્રામાન કર્યા. यार्क्रेम'हिन'यार्मेद्रम'सुम'नुपद्मा'सूनमहिमामा'तुमायर वया देम'नु'हेनमा वया देशदे क्विंगुव हैं प्रोध्यय पश्चित्र भी क्विंग्य के विषय कि या *चः* ह्र्चमश्राणुः स्निन् द्रिमासाम्बिमायाने स्निम् सुरु सुरास्नि स्यान्य स्विमायाने स्निमः बैस्तरम्बारायुः हिर् देतावि द्याया द्याय है। यह स्रम्भासाय विष्याय प्राप्त हिर्मास ग्री स्निट द्विया स्राये विदाय स्वयः यद्विया या क्रिया द्वित । या स्वर्धिय स्वयः यद्विया विदाय विद्या स्वयः यदिया यानुषायादे क्षेत्वदायम् वया देषातुषायवदे स्नूत्केषायाचे वायाके वायाके वायाके वायाके वायाके वायाके वायाके वायाक यास्त्रास्यानु त्रह् ना स्टानिक्याना हो न से स्वापानिक वा स्तिन वा स्तिन या स्तिन वा स्तिन वा स्तिन वा स्तिन व <u> क्रमास्तरम्बराधेवाव, प्राथम्बरास्तर्भर क्रमास्तरम्बरायुरा</u> स्रीसा सवतःलय्ये प्रत्यासवतः स्तर् द्वेषा सालयः प्रति स्वरा दिः सामि स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा

हे निष्णे भेर किना साधिव व सेर किना साधिव र ने विषय परि क्षेत्र के वा वरी र किवा प्रें त्राचित्र है। प्रथा नेयाचे क्र्या क्ष्या हो वाता र भय त्राच प्रवास त्राची लाश्रचतः लुषे त्रा वस्त्राका त्राची लाश्रचवा लुषे द्र्ये कायर चया हे नाय द्रम्य वः रटःकुयःकुः सःर्श्वेयःयसःर्केषःठव। देरःष्ट्रया देवेःध्वेरा वर्देदःसःत्रूषःहा ब्रिन् भी मित्र में ना के में भी तसन माय समय ना प्येन प्येन के में विन में ना न्सरमें यस प्रेर प्रेर प्रेर पर के स्रो पर्ने पर्दे ने के निक प्रेर प्रेर के निक प्रेर प्रेर के निक प्रेर प्र विग्'न्सम्'न्ग्'यर्डम्'यर्भः स्थापिः इस्यापिन् म्यापिन् स्थापिन् स्थापिन् स्थापिन् स्थापिन् स्थापिन् स्थापिन् स्थापिन र्<u>ट</u>्रेचल.केष.तत्रा उट्ट्रंब.त.मु.झूट.ही.२.८८.थ्री ' खेळ.४८.केज.८च.पङ्घ.तळ. विषयायनेवयम्यदेवयम्यदेवयदेवयदेवयदेवस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य वेयाचि त्वयान्यस्यान्त्री । वियान्यन्य तह्य वेयाङ्ग्रीन पुन्यास्य प्राप्ते स्विमः। विनः वः श्वित्रये दे। मेरिद्द्द्रियये श्वित्र श्वित्रये श्वित्रये श्वित्रये श्वित्रये श्वित्रये श्वित्रये स्वर्थे द चनानिषा ने धिर्चे पर्योत्सर्भ्य में त्र हिन्। डेस चेन यम्स्सर्ग्ने प्रथम्सर्थि मह वनावस्तरारुन् हेन् हेन् सर्वे स्त्रान्त्र सुसानु हिनाया हिना स्त्रान्त्र सामान्त्र सामान्त्र सामान्त्र सामान्त क्षेत्रक्षियायात्रात्राक्षेत्रयायाविषासुग्धाः स्वाधायायाया हेवायदेः

कुराग्री. दी . चे बा हो जो विद्यार्श्व मार्गी. सैय राष्ट्र मे या देश में या देश हो या देश हो या देश हो या है अ त्रमार्ह्मिट, धेर, ह्रेच मातार टा उहु माता मार्ह्मिट, ही मार्थ मार्थ में मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य ष्राचर्षेष्रत्र्यं होया.रश्ये उत्तयेशत्रात्रार्क्ष्ट्रहेर.श्रेरे शास्यायात्रः क्रिंतायश्रेश्यायशेरशः त्तर्भिम विष्यम् देशायवर्तमम्बर्ग यसम्बर्भम्मिश्राणीयम् ह्मनान्स्रमायस्वारायाः ह्में दाने देन हिन्या हिनायर्था हिनायरे हिना हिनाह्म होने हिनाह्म होने हिनाह्म भूर.टे.र्डर.येथेटम.तपु.हीर.खे.यो भाविय.ही क्ष्म.यचेट.श्रुट.तू.केथ.सूर्यमा यमामान्यामा ह्रिटामुमानु वित्यामा ह्रिटामुमानु वित्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान लट क्रिये में चरेष तहेष क्षेत्र स्त्रीय लिय मार् में साम जात की मार्थ सी मार्य सी मार्थ सी मार्थ सी मार्थ सी मार्थ सी मार्थ सी मार्थ सी मार्य सी मार्थ सी मा तर वता कैंट वर्ष र वर्ष र वर्ष अभिष्य स्थान र हुवान वर्षा वर्ष के सम्बन्ध वर्ष है वर्ष तर तर्ट्र। व्रिमायट्रेम तह्म नेमाञ्चित गाँम तक्षामान मिना क्री. म्न मान्य प्रत्ये प्रत्ये प्रत्य मान्य प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये र्हेन्याक्षक्षय्यम्याप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्व रु:इम्बायविषातुम्किंगारे सम्कुर्याहेबासुग्वहेब्रायविष्ट्वेरार् गुस्बायविष्ट्वेर हेन्यशक्ति स्वायत्यी र ते. प्रायायायालय हो। हे त्येष्ठश्राती अत्यवम्याया हेन्द्र हिन्। सर्थः संभारं ह्रे चे सार्श्वेट त्लाय त्या वियात। सर्ह रेट में बे की रे में ट्या तर त्याता चतुः द्वि र हो। दे व्यद्धिमा श्रीमा तसवामा या वासुमा श्रीमा हिन स्मिन स्मिन स्मिन स्मिन स्मिन स्मिन स्मिन स्मिन त्रास्ट्रें दर क्रिक क्री द्र्वेर राय रायायायाय देश क्रिय क्री व्यव राय रायायायाय देश का क्रिय हो। वस्त्र रायायायाय देश का क्रिय हो। वस्त्र रायायायाय देश का क्रिय हो।

स्रुः श्ची त्याम्यत्रेत्तर्नाम्य स्वाप्त्यम्य स्वाप्त्य स्वाप्त्रेत्तर्नाम्य स्वाप्त्रेत्तर्भः स्वाप्त्रेत्तरः स्वाप्त्रेत्तर्भः स्वाप्त्रेत्तर्भः स्वाप्त्रेत्तरः स्वाप्त्रेत्तर्भः स्वाप्त्रेत्तर्भः स्वाप्त्रेत्तर्भः स्वाप्त्रेत्तर्भः स्वाप्त्रेत्तर्भः स्वाप्तः स्वाप्त्रेत्तरः स्वाप्तः स्वापतः स्वा

स्वार्म् स्वार्म स्वारम स

ग्रे ह्वेन यन्तर विन दे हिंद हेर हेर हेन अयर ये ने अयर प्रेम रहे अर्थ हेन धुः अन्तरम् वया ने म्हेन् छेन मेन स्वर्थिय स्वरं स बिक करे देश दर्देश सुबिक दर्वेश यदि द्विम। दर ये देग विमाय देश विमाय से स्वर् ह्यें र वस प्रमा हिंद हिन् संपर्ध हिरा यदाय हेन हिंद हिन सदे मुसर् वित्। देशन्दिरासुः वित्रायदे गुरासेस्राया हिताया वित्रायदे सक्षत्रे वित्र वित्र स्तराया श्चेत्वन्ते। नेषान्तेषासुन्नेषायते वृत्तास्यसारी ह्वेषायसेन्यते हिम। नेमा वया रे.विर.मुभगत्वयागात्राभ्यभाष्ट्रभावरायीः भवगास्वराभेवराभ्यरात्राहिरा देरावया साम्बुदिः सहसामानमा यामानसामदे संसमा प्राप्त कुराया हीनाया से पा हेशर्चित या नावश्याये सेसरा द्राये कुत या हित हित सदि सुसा दु हिना साय सेसा रवासेन्यवे स्थित। रटानी युन्या ही। हेर्टि हिन्स हेन सुसानु हिन्या पवे सेया रपण्चिषासाञ्चेषापविष्ठुराषेस्रषण्चे श्चेषापार्टार्यवे सस्व १९८१ देषाञ्चेषापविष्ठुरा श्रेमभागी ही यानिश्रमप्ति सक्षेत्र हिन न् पर्हिन में नियमिय से अपर्हेत है या ইনি'ঝ'ল্বম'নবি'মমম'ন্নব'রমম'শ্রি'ষ্ট্রর'ন'র্কম'ড্রা মর্জর'রিন'ট্র'ম'ন্ন' चवा भक्र्य. वे. देव. ही रा देर. चवा विर वसवामा ग्री. ही या ता विर वसवामा ग्री. ही या ता विर वसवामा ग्री. ही या विषारवार्णेर्परावया वर्रेर्पारेविः ध्विरावेषा अष्विवः ह्री देविः कुरायावेषा रपनि सेन ग्रामा देवे सुन ग्री ह्विक पासहस्रामालमा मे दिस विकास पासिन होन बेर्'परे'द्वेर। व'ठेव ब्रेंच'यस'र्द'ब्रेड्'परे'यर'द्वेड्'पर्'वेर'वेर'यर्द्री

र्थिन नि हिन ग्रीयासहस्रामानमान् महिसासूर मे हिसाय नि परि रेन पर्तुर प्रसान क्षेत्रपर्ह्नियिवे श्रीत्र अनेत्रक्तिया श्रम्भावम्य स्वापनि स्वापनि स्वापनि स्वापनि स्वापनि स्वापनि स्वापनि स् याम्याद्रेवाची विमान्नेम्यायायाक्र्यायाच्रेक्ताक्ष्यायाव्यक्र्या र्भेन मन मन्त्र प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक विश्व कर् मर्ग सर्वे नेयासँग्यां वियायते संस्थान्ययाधे न्यते द्वीरा ने के या उत्ता चमिष्याम्भी द्वेष सूर्या पर्याचना तार्र क्षिया । चम्रा चिष्य मुन्ति चम्रा चिष्य सूर्या विषय सूर्या विषय सूर्या वह्नान्दा हेरिक्षेत्रअर्देन्सुसान् हेन्ययाचे वसार्वे वसार्वे क्रिस्कान्यव वि त्तु हिर् टे.क्ट्र क्यो विश्वस्त्र में हुये सूर सत्त्र स्थान ता सविश्वा त्रिये ৾৾ঢ়ৼ৾৾৾৾ঀয়ড়৾৾ঽয়ড়ৣ৾ঀৢ৾৾য়৾য়য়য়৻য়ৣ৾৽য়য়৾য়ৢয়য়য়ড়ৣঢ়ৼ৾ঢ়ৼঢ়য়য়য়ড়ৢঢ়ঢ়ৼঢ়য়য়ড়ড় क्रवायायहूर्ययात्र में टीटात्र मुष्यात्र त्राच्यात्र स्वीत्र व्यव्यक्षेत्र व्यव्यक्षेत्र स्वाचित्र स्वाचित्र स्व র্বির র্মিন মার্স্ত্রিন 'বা আন্দের্যার মার্যার মার্যার মার্যার বিশ্বরি বিশ্বর মার্যার ब्रिट.यंतु.हीर। ट्रेर.वंजा ब्रुंश.बिट्य.ध्रेय.श्रुंट्य.क्रवे.तु.ब्रूंर.व्यंशेंश.टेट.। उत्तेट. भूरियासीयाद्रियात्राच्याचेष्रात्रीयात्राच्याच्यात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्र यर. मुंबर हिंद प्रते हिंद प्रते के किंदा प्रति । के प्र प्रति के प्रति । के प्रति के प इत्यामी द्वेय क्रूट्या द्वेय हीया के त्येत् पुराया विषय प्राया विषय प्रायय प्रायय प्रायय प्रायय प्रायय प्रायय क्ट्रीट.पयु.स.उट्चेय.सेट.ये.ज.ट्यूटस.स्री । ज्याचासीटस.तयु.ही ४। व.कुच चासीट. वर्षायुग्रम्भवर्षे यामान्दर्यमान्स्याये क्ष्रिमायमामेन यामानस्य वे माना मृतिः इस्रायम् । यस्ये प्रायम् । यस्य । यस्य । यस्य । यस्य । वस्य । वस्य । वस्य । वस्य । वस्य । क्टार् क्रिं मार्थियायायार दे क्रिंटायालया वि. श्रुवारी वि. श्रुवारी वि. श्रुवारी वि. श्रुवारी वि. श्रुवारी वि.

ૹ૽ૺ૽૽ૢ૽ૢ૽ઽૢૻઌ૱ૡ૽૽ૼઽૢઌૹ૽૽૽૾૱ઌઌ૽ૺૢ૱૱૱ઌ૽૽ૹ૽૽ૢ૱ૹ૽૽૱ઌ૽ૺૹ૽ૢૼ૱ઌૢૹઌ૽ૺઽૢ यदे द्वेर। यट दे न्यसुस चेया केत्र की त्यस की सार्चेट प्रदे हस यावया से ही द दे वि वः नेप्परक्षायवन्यम्वया न्यवःययः ह्वियार्श्वरं मी वृत्रशेयश्यायन्वः यायमायनेन प्रह्नेन स्नेम स्नेम स्नुम स्नुम स्निम मार्थ स्निम प्रायम प्रमास स्निम स्निम स्निम स्निम स्निम स्निम ट्रे.चोर्सेश.झट.चे.लुचे.तक.ट्रे.चोर्सेश.झटक.त्रु.ट्र.च्रू.छेट.भ्रे.चर्चच.ट्र्मूको ट्रे.चर्चच. व निरम्भेस्र भारते में भू ने वितान में बादि प्रीया प्राया किया प्रीया प्रीया प्रीया प्रीया प्रीया प्रीया प्रीय त्रमार्थत्र संस्थात्र विषयि स्थानिय स् र्ट्सासुर्ह्हित्वेद्रा स्वकुर्याच्यास्यास्याप्याद्रस्याच्यायसम्बन्धाः बेरप्रक्षेप्रविन्ते। सप्तकुन्यविष्ठसम्ब्रियायस्यित्रम् रम्बिक्रिययेन्त्रन् पर्वःमानकुन्यवे प्रस्तः कन् स्त्रेन्यसायमानुन्द्रन्ते मायवे स्त्रे स्तर्भा मायसुपा यानिर्वायानाववाद्मययायाञ्चाद्र देवाचायायर कर्येर ययार् हेर् या से यहर यदे ध्रिराते। र्घरामाणा प्राप्ता हेमा हिंदा यो मिमाया नम्माय स्थाप स्थाप देन । दह्रमः स्त्रमः स्त्रीमा दत्तिमः वी स्त्रमः द्वार्याः स्त्रिमः द्वार्याः स्त्रमः स्त्रमः विष्णाः या ते^ॱॠ८ॱठेग'८८ॱर्येॱइ८ॱठु'देवे'८्रेसगवेत'८ु'यक्केु८'क्री'तुसप्सस्य'ठुग'यवे'यो'वेस' सु मु बिट । अद रेना मिर्र स्थाय क्षा स्यापत् का परि यस कर सेद त्यस दु तर्दे न दिने स ततुः द्विरः है। यार्वायावयापर्वायर द्वायर द्वायदे के अवसमाववा वया अवसमाववा प्रत्येत्रे न्वेषा अवभाववा सन् क्वान् मर्ये नेवर्षे स्थास्य मी स्टान् स्राम् म्रोत्राचर कर मेर यम र् मेर्चिम पविष्य प्राचित भी स्वापित हो से

वहर्तर ह्या अवि प्रवे इस मूजायम मुकारा प्रवे प्रवे पर कर सेरायम য়ৢ৽ৼ৾য়৽ৠৢ৽য়ৼ৽য়ৢৼ৽য়ৢৼ৽৸ঽ৾৽ঽ৾ৼঀ৽ৠ৽য়ৼয়৽৸ঽ৾৽ৠৼঢ়ঀ इस्रामुजिज्यस्र देशस्य प्रविष्यते श्वर प्रविर श्वर प्रविष्य देशस्य स्थाप्य विष्य स्थाप्य विष्य स्थाप्य विष्य स निरंविन दे निरंकित से नियम के निरंपिक की निरंपिक के निरंपिक की निर्मिक की निरंपिक की निर्मिक की निर्पिक की निर्मिक की निर्मिक की निर्मिक की निर्मिक की निर्मिक की निर ব্রিষ্টের বার্বির প্রাক্রির বার্বির ক্রের বিজ্ঞান্ত বিশ্বর বির্বাধির বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর *য়ৢঀ*য়য়ৼয়ৼয়ৼয়য়য়য়ড়ৣ৾য়য়ৼৼ৾ৼৢড়য়য়য়ড়য়ৼঢ়৸য়৸ঢ়৻য়৸ঢ়৻ यसप्रेम् मा रद्यीस द्रिम सुद्रम्म परि सम्प्रिम प्रिम स्वापित सम्प्रेम प्रमान त्तुः ही मा लट्रावः द्वेव पर्वेवः यहेवः ह्वेवः ह्वेवः ह्वेवः ह्वेवः ह्वेवः व्यवेवः विवादिवः विवादिवः विवादिवः र्नु मुर्रायदे यात्र मिर्ने प्रदे प्रस्तर कर् स्रोत् प्रसार्ट कि वार्त्र प्राम्यस्य प्रसार्थ हो मिस्सा मु दिस्सस्य दिस्स स्वित्त स्वाम् विवायस दि दि मा निवाद स्वास्य स्वास्त्र स्वास्य स्वास्त्र स्वास्य स्वास्त्र स्वास्य स नेशःश्चितः नेदेशः सुःश्चितः पर्वः स्रोतिः स्थानः प्रियः प्रमान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्यानः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्यानः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः नरक्ति सेन्यसन्दर्भ में वायसन्दर्भ स्थानिया वि देश'यदेब'यद्देब'क्षेब'क्षेब'क्दर'टु'र्स्नेर'गशुक्ष'देय'र्य'र्द्र्र्घ'शु'र्सेद'वेद'। दे'यश' न्रेट्रिंश्युःर्म्वियायिः इस्राम्वियायसान्द्रियासुः यदेन् नुस्यान्द्रा नेदिः हेस्रासुः विसाङ्ग्रीयः ह्मेंद प्रते भ्रि के प्रति । के प्रति । अप का का का की प्रति । के प ब्रिट्रायदे बुषायाक्के यदे ख्रीराहे। द्येराब। ह्याषाग्री स्नाया सुर्यया स्वाया स्वाया सुर्याया विषये महिषामा नहिषा सुः र्ह्वेट प्याक्षा पुः धिव प्याक्षेत्र । दे त्याक्षित्र हो । या का निष्पा प्याक्षेत्र प्याप्य है ।

क्री. ह्या अत्या कृष्ण क्षेत्र कृष्ण क्षेत्र क्षेत्

प्रत्यम्क्रमश्चे नेश चुर्णे स्थाय क्षेम् के स्वा क्षेम क्षेम स्थाय स्थाय क्षेम क्षे

यास्रराष्ट्रीयम् कम्राणीः श्चित्रयाधे मन्त्रीयाय मन्या न्याय उत्तरे वे श्वित्र वर्षेत्र क्षेत्रायमाम्ममान्त्रायाः मुयान्त्रायाः मुयान्त्रायाः विषान्त्रायमान्त्रायम् विषान्त्रायमान्त्रायम् विष् यादेवि द्विमा वर्देन द्वा दे दसस्य गण्णे देस मुचा की खुर पुर मुक्त प्य के द यरः वया वर्देन यानान्त्रिम ने इससमाणी देश सेवानी सिटा निरामी राज्य स्थित हैन क्कियासेन्यवे क्विमा वर्नेन्त्रा ने क्रसमा क्वीयमा कन सेन्यस न्यस न्यस केन्यस यवगामुः सेर्यसम्बर्धा वर्रेर्यानेविः ध्रीतः विष्णु विष्णुवरावरेर्या धिषां विष्णुवरावरेर्या धिषां विष्णुवरावरेष नेशसम्बद्धियायायायरात्म् वित्राचीयायायरात्म किन्युन्य किन्या केन्य किन्य द्वेयः भ्रेनः यानाम् विन विषाः भ्रेनः ग्राम् येनः येनः येनः विष्णः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स रु'गर्रेर'द्वेर'पेब'पर्व'द्वेर। देर'वया दे'द्वर'बेसब'देब'ब'द्वे'स'रगु'वेंव'य' यानराषु मिर्डिष्ट मिर्टि स्थेर परिष्ट्रिया देरा हाया दे स्वर सेरास है सार्गु गुक 'हु र्वेद 'ग्री' अपदर परुषाया विषया वाय र दु मिर्ड प्रीद 'खेद प्रीद हिया देर वाया ने मुरम्बेसबर्ने बणाुक पुर्विन ग्री कार्चिययायाय सर्जु मुर्चिन प्येक प्येव श्विस वि ब्रेन्। इर्षेस्रयादेव कुर्णे क्षेत्र सेर्यायव प्रवासक विष्क्र क्षेत्र विर्धेस्य देशसम्बद्धियायां देव स्वाविदास्तर स्वाविदास्तर स्वाविदास स्वया विदास स्व शेस्रयानेश्यामानेश्यायाचितायायात्रर्गुमिर्जितामुः श्रीतायायात्रस्थितावा मावियाङ्गी तृत्यी विदाश्रममञ्जूषामात्रमामान्त्रीयात्रमान्यायप्राप्तेत्र

ग्रेन्ग्रे ब्रेन्य के मार्के मारक मा मिर में अभाके निमाय के निमाय के मार्चित प्रकार के मार्चित प्रकार के मार्चित र् नर्डर् नेर् में क्षेत्र प्रें केरा वियय विश्व में वियय विश्व में वियय विश्व में विश मुकार्ट्यासुः र्हेट प्रविकायि स्ट्रीया देशाया देश्वित यायाय या प्रविद्या स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स्ट्रीय स ग्रीःनेषःक्षेतःस्विरःस्वतःने। क्रुवःसविरायरःकन्त्रोनःयसःग्रीसःनर्देषःसुःर्श्वरःन्वीराः व्यन्य क्रम्य भी द्वीय या ध्वेष क्री प्रमिष्य या स्वर्ष द्वीय ग्राव प्रमुख्य या विष्य ब्रिमा नेम्या नियम्भिषायाम् बुन्यास्मिषायने ब्रायमाञ्चरायाः सम्मान्याम् क्षसानु विह्न परि क्विने ने सक्षियागुन यह गराधन परि क्विन हो। ने क्षिन नु क्विन क्विन मु तिगाक्रेव यय मध्य प्राप्त रे दे र विष्त्र । या द्विय है। हे यय यय मविव महिया विषा ब्रियागुकायहगराको प्रवेदायमा कुता व्रिता वित्राचित्र मस्त्र मार्थ प्रवास वित्र प्रवेषायमा क्र्यायवास्त्रीम। यहा वेषानुवानुन वेहासानुषानस्वानायवास्वानेषायवानुन र्नेब्रसम्ब्रायम् वया ब्रम्बुसप्येयम् कर्मेन्यसम्बर्भयम् स्वरम् विश्रञ्जेयः स्रेर्परे श्रीरावेषा या स्राष्ट्रियः है। दे स्ररणस्र राया दे विश्व ह्या व गुै'तुन्'वेर'यश्रेग्'यदे'भे'वेशगुै'श्रे'न्र्रेश'यन्वेर्ययाश्र्मेर्ययाश्रेष्ठ्रा नेर' चवा रगम्बरविद्यवालानेषाणुः से देवः इत्राह्म सुः शुरु रावे व्यानेषाणुः से वेदिर याम्युस्यायम्यायम्हतायापान्नेत्यायये द्वीत्। यतामान्त्रम यनेमान्नेता

ल्रेषाचेत्राचेत्रा देश्वायम्या ह्रेणायायायदेवाणुयातुः स्वरायायारावेषा ब्चैयःसाधिम। नयरानेसायायनेसायायानु दूरायायरानेसाब्चियासाधिसायि स्वीम। ५८ में देर हाया दे दिया प्राप्त प्राप्त ही र प्राप्त के मुन ही की की प्राप्त के प्राप्त द्वेर। महिषायादेरावया मञ्जूषायदेवास्त्रामानेषायामञ्जूषायादेवामुयापुः सूरा यः विषाः श्चेतः साधिवः पदिः श्चेरः है। देः या ना शुनाषाः श्वरः या विषाः श्चेतः साधिवः या ना स्विन देखान् बुन्यान् बुन्यान् देवायर पदेवानुवान् दूराययानुवायवे स्वेर दिव। क्रेंट द्युक क्रिक क्रिया वह्ना विकार्युवा व्याप्युवा स्टार्टिक क्रिया मुत्रा व्यूटा प्रदेश प्रदेश स्त्र विकार क्रिया ब्रूट में काया नेषा क्रीय अर्दे के मुर्ज र प्रायन प्रायम प्रायम प्रायम प्रायम क्री । विष्ठा क्री क श्रेरादे। नेमाञ्चितास्त्राण्यानमाञ्चेताणुर्मित्रीक्तिराद्येष्ट्रिराद्री विष्त्र। इसा चन्द्राच्याचन्त्राच्याचा त्राच्याची त्रव्याची त्राची त्राची त्राची त्राची त्राची त्राची त्राची त्राची त्राची त प्रतर्मात्रम्यात्रात्वर्यस्य विष्या क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य विष्य ग्रीमायर्समायानेमाञ्चीयाध्येषाध्याप्याध्याप्याद्येष्ट्रीमा विष्ठेव यवाक्रवामाग्रीःश्चेयः य'दे'स'यङ्वि'सद्भागविषा'भे'वेषाग्री'दुस'सु'सेद'बेर'व'सी'वबद'दे। दे'स'यङ्वे' सक्रमान्वनायान्वसायिष्रोस्रस्य द्वारित्र संस्थानी स्नेत्र द्वारी स्नेत्र प्राप्त प्राप्त द्वारी देश देश स्वया यविः भ्रिमा नेमः वया नेवे सुन्या र्श्वेषः श्वम्या ग्रीः श्वेष्वः यये प्रिमा नेमः वया देवे कु द्राया क्षेत्रा सुर भागी प्रमाळ मा भागी द्राये ही राते। देवे कु द्राया देवे हेब'र्धेन'यदे'द्वेर। व'ठेग वगळगष'ग्री'ववष'तु'गदेष'सून'वव्वव्ययदे'क'ष' यङ्वि:अष्ठअःमालगःभेषाग्ची:रूषासुःभैर चेरःयःश्चे पद्यतः है। देः अष्ठअःमालगः ने समका ग्री हित्तु से प्रते प्रीय प्रति । ने सम्माना ने समका या नामका प्रति । सेसस्य द्रात्य द्रात्य क्षेत्र द्राया स्था सहस्य स्था सहस्य स्था सहस्य सहस्य सहस्य सहस्य सहस्य सहस्य सहस्य सहस्य लानेयाने समयाना मेरेया सूराय विवादाय का सेना परि ही राने। ने समया केया हैना याचिष्ठभासूर मृतायवि स्विमा चिष्ठभायादेम खया अष्ठभामावना यो भेषादे स्रम्भा याम्बर्यायदे मेस्यान्यते कुन्यमित्र स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्व वया देव कूर या महिका सूर यहा वाया यदे हिं को राये हि राहे। देव कूर ग्री ये रा ग्री निषायाने हिंद हिंदा वा निष्ठ राष्ट्र हिंदा प्रति हिंदा वा हिंदा यर वया देव कुर या हैं र छेर या गहिम हूर मुनय पर र मामुनय पर पिर ही भिषा ताश्वरात्त्राचक्काः विश्वराण्या सङ्घान्या सुर्वा स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वापत स्व कर्म्यर व्ययायाम्बर्धायवे स्रोधस्यायवे क्रुरायाम्बर्धाः स्राप्त विवायवे प्रमास्य लूर.तर.वता य.पर्वेत्.सथमावचा.त.चेष्य.त्र.स्रम्म.रेत्त्.क्रीर.त.रे.लूर. पर्वः द्वीरात्र। सामितः हु। क्वां सम्बद्धायर क्वरास्त्रा व्यासारी विषय हो। यमाळम्बार्गी द्रियामहेबाधेबाधेबाधेस प्रतिस्थित साम्बार् ल.चेंबाताचेंबेथात्तुःश्रम्बादित्रुं केंदिः, कुंड्रिशः झिट बाकी. यची. कची बादे बात्रा श्राप्ते शामि बची. ल.चेबाइषबाचझरत्तर्याचला ट्रे.बाचर्युदाब्रथ्यत्रवाचिवाइषबाग्रीःट्रबाट्रराल्ट्र यदेः धुरा बेजा यर सामुग

८८.र्ज्य तपुरस्थित। स्रेचमायदेषु तद्देवास्य स्वामायदेषातद्देवाला विद्धवा वाटा वनासुर रेंग्नर अळव छेन से समुब यये नावव न्यरे यदेव यये यहेन स्थानी न्यसी वन्ना दे दे दे प्रति के प्रति दगाम्किमारमार्यमारकमार्प्यम् वर्षे मार्थः मिनास्त्रे मार्थः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर वनास्ट र्येन्ट अळंब हिन्दी अध्वर्षाय रायहें ब राये रेव। नट वना हना निकार र न्यर रुष नु प्रदेश या वा सुन भी ने प्राप्त की सुन भी ने प्राप्त ने स्वापा ५८। क्रायरुषा५८। माल्बा५यटारुबाधिबायविष्ट्वीमा महामार्थिमाराही महा वर्गात्रम् मुप्तियायते ह्यार्ये द्वार्ये दिवायते यहे वाक्षे क्षेत्र स्त्रम् स्त्रम् वर्षेत्र स्त्रम् वर्षेत्र वश्चर पर्यो प्राप्त प्राप्त प्राप्त विष्ठ र वि वर्तिःवहेनाः सः मन्यायमः वर्हेन विष्ठेन मामिन्यते समार्गेवायमा ग्रीमारे स्रमः Nपकु , त. कृ य. क्या त. क्या अप . जा क्या त. क्या त. क्या त. क्या त. त. क्या त. त. क्या त. त. क्या त. त. क्या त भ्रुषान्दायने वायदेवा स्वास्त्र भ्रुषायि वायते प्राप्ता विकायि वायते । विष्याया *'*डेग *ने '*२५:पंते'पर'ळन'सेन'यस'ने 'ग्नाम 'त्रम् 'त्रम् 'त्रुप्त पति'ह्रस'र्थेन 'ग्रीस'ह्रेम तर्स्वायतपुर्स्वायत्रम्वायायुग्याययायस्या देवार अवार्रस्या र्थिन 'नु 'यहें ब 'यदे 'यहे मा 'क्षेदे 'नु हें बा मा के ब 'ये ब 'ये वे से वे से 'ये के 'ये ब न मान ' ग्री मान्यार्थे। । यादायारीमा नादा वर्षा मादा वर्षा मादा वर्षा मादा वर्षा वर्ष ८८। यटात्रमास्याम्रेयाप्रदाराच्याः इत्राद्धाः व्याप्रदेशे विषया मिर्देशाम्यात्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र

बेरवा वयायगुरादर्धेयासानुराह्मा देवा झुहनायहेतर्हेनायादरा झु श्चार्यम् यहार्षे मार्थम् स्थाप्त मार्थम् स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप यार्थेर्परेष्ट्वेरा विवायावमा वर्रेर्मा हेनायारेप्रनामेयावहुनामाधेम्यर वयार्थे । यदावित्राचे नदावनाहनायहेत्रहेनायाञ्चताङ्गेरासेदायमावया नदा वनास्नाम्डिनारम्प्रम् उत्राप्त उत्राप्त मार्थः क्षेत्रं मार्थः क्षेत्रं मार्थः क्षेत्रं स्वायायया वर्रेन मा मुन्नावहें महिनाय स्म मुन्यम स्म प्रम स्म वर्षेन पर्रेन पर्रेन स्म पर्रेन स्म पर्रेन स्म पर्रेन स्म स वः इयायम्याद्याप्त्रम्यम् निः देश्येन्यम् मुस्यायायायायान्यम् । विः वः क्रिवःश्रेन्ते ग्रुवःसवदःद्वाःसःइसर्यःग्रुःन्वरःन्यदःध्रेन। यरःवः क्रिण मार ज्ञमा प्रतामु खुरायि द्रास्य स्था स्थित द्रायदे प्रदेश स्था स्था मार ज्ञमा मी यन्नायहें कर्ष्येक 'बेर'यां की 'यहान 'ने। ने 'यान 'बना'यने क'यर 'यहें के 'यते यने क'यहें के ' साधिक परि द्विमा देन माना देवे विकास्या माना पार्टिक प्रसाय साधिक परि द्विमा वि.य.प्री ट्रे.क्ट्रयान्या चार वाची प्यत्वा प्रहें या प्रयास्या वार वाची प्यत्वा वनानी प्रदेश प्रवेश प्रमास्या निरावनानी प्रदेश गुरु प्रदेश प्रिय प्रवेश द्धिर है। मट वन में प्यर्म पर्दे र सम्बन्ध या धिर परि द्विर वित्र प्यर विपय पर्याय र्वे १विन्द्रो देखानुवायार्थेदायराचया हेवे मुस्सारवायमा वद्ना वहें ब र म्यायायायाम् व वह मयासु व व द य द र । ग्रा वह मयायार मयायार व व द यार्थेन्यवे भ्रेम वे न स्थान साम्वि स्था यने न व से मान यह न साम समाय समाय स

म्नियम्प्राणिकास्त्रित्वा । वियास्त्रिस्य प्रत्याक्षित्वा । विवास्त्रिस्य प्रत्ये प्रत्याचित्वा । विवास्त्रिस्य प्रत्ये प्रत्याचित्वा । विवास्त्रिस्य प्रत्य प्रत्याचित्वा । विवास्त्रिस्य प्रत्ये प्रत्याचित्वा । विवास्त्रिस्य प्रत्ये प्रत्याचित्वा । विवास्त्रिस्य प्रत्ये प्रत्याचित्वा । विवास्त्रिस्य प्रत्ये प्रत्य प्रत्ये प्रत्य प्रत्य

यदेवायायदेवायाविकागविकार्थेदा बेरायाकी यहादादी दे धिवाव देवादवायदेवा याधिव द्वीषायि श्विम विश्वाव मे वर्षीयायदेव केषा हे देवा क्षेर्भुरेरे पेषे प्रयम् वया हम् यारे विश्वेष वर्रे र वा रे के या उत्ति व इस्रान्नानी कर क्रूर परे में किन सुराधिया वर्ने प्याना होना में किन से क धिक परि द्विमा वर्ने दिन है कि है न सुर्या महिका सुन् है से में माना पर प्रायम है की से माना प्रायम है यदायर द्वित द्वाप्त वित्र द्वापाय शुरू प्रति । युग्र प्राप्त यो प्रति वित्र प्रति । युग्र प्राप्त प्रति वित्र प्रति । युग्र प्रति वित्र प्रति वित्र प्रति । युग्र प्रति वित्र प्रति वित्र प्रति । युग्र प्रति वित्र प्रति वित्र प्रति वित्र प्रति । युग्र प्रति वित्र प्रति वित्र प्रति वित्र प्रति वित्र प्रति । युग्र प्रति वित्र प्रति प्रमा निषय त्या महार त्या स्थानुय वसाय निषय निषय मिर्ग मिर्ग मिर्ग मिर्ग निषय निषय मिर्ग म ग्रे सेससम्बर्धर म्हरमायदेव पर्देव दर प्रयाय के सारुव। के सारेद प्रेव प्रयाय वि र्नेबरमायनेबरप्येषवर्षिम्। विययायमा वर्नेनवा नेरेवेकुन्गीसेमम ग्रे केंब केंद्र भेद स्वरा वर्दे द्यादेव क्षेत्र वर्दे द द देव कु द ग्रे के बाद में ठब'व्यथ्य उर्'त्वर' सेर'र्'र्मेवायर व्यूरायर व्यापी । विष्र'रे। रे'क्ष्युवे व्यायाने हु र के अहि प्याव गुरा के अडव मार मेवर के अहि नु के वर्ते न ने वेषा देवा क्वें तुरक्षात्वाची करणुर यदे हेर्च हेत्र क्षेत्र के वाक नाम नेवर क्रिंगरेत्र्र्त्रियायम् वया द्यायस्य देवे स्थिता वर्द्र्त्य सेत्। इत्ययम् ড়ঀ৾ঀ৾ড়ড়য়ড়ঀয়য়য়ড়ঀয়ৣড়ড়য়৻ঀৼয়ঢ়ঀয়ড়য়ঀ৾য়ড়য়ড়ঢ়ড়ঀয়য়য়ৼ वया वर्नेन्यनेविः श्वेरा वर्नेन्य सेंगा ने धिव व केंश हेन वस्य उन सर्वेवः

सुसार् हें नामा सेंद्रा धिन र ने नियम स्था वर्षेत्र प्रवेष्ट्रिया वर्षेत्र ना स्ट हिन कैंबाकेट त्राचे ने प्रत्ये के प्र यरः वया वर्रेरः पवः श्वेरा वर्रेरः वा श्वें पुरः इस्रार्गा में करं मुरः पवेः रें वें क्षेर भुक्ति रुवा देर खया देवे श्वेरा हमकायमा मनवर परा देव दया यदेव याधिव व द्यापा स्वापा यर वया दे प्रवाद हिंद हिंद प्रवाद के मार्थ हिरा देर वया दे प्रवाद के मार वित्राधिव प्रविष्यायवे श्विमा हमायामया वर्षेत्राचा देव प्रवासिव याधिव वास्या मिर्मम्मः मेषान्यायाक्षेत्रेर्यसम्बन्धयम् वर्देर्यदेवे स्थेरा वर्देर्मा तिगाक्तेव र द र यवाय बिद र वर्षे वा यदेव गाँव की बार अर्थे । वा बव प्यट । वर्षे वा यदेव केंब केंद्र साधिव यम ख्या दे दे यविव केंद्र साधिव यदे हिमा देम खया वियायायर् विराणी स्वायस्याने यमाने प्रति ने प्रति ने प्रति ने प्रति । म्चिम देमम्बया देन्देन्वामी प्यम्नियाये अन्नवः अर्मे ब्रम्भुमन् स्री स्वर्वे विषयिते । भैपरायरायरायर्थातर्थातर्थातरायरायरायरायरायरायराय्ये वर्षान्दिषासुग्वरूष्वरपदिःयादान्वास्वराधिवाव। दे प्रविवाहितःयादान्यस्य ब्रेन्निम्मरः वयः व्यूरः प्रवे युग्नायः यवतः यरः गुगुर्यायये ख्रिरा ह्नायः तरः ये सामुतान। दे के साठन। दर्मे त्राया ठन में सिताया उन में सिताया सामुताया देवे भ्रीमा वर्देन मा सुर विद्यासक्षेत्र भ्रीमा स्थान विद्यालया । मान्य प्यान टे.क्ट्रसंक्रमा सेट.क्रुचं.छेट.ज.उत्तेच.त्रमं.उद्चा.उच्चेम.ख्टा विरात्त्रः सेचरा व्यान्दियासुग्वस्रवायवे व्यर्वेषाया योवायम् स्यावे साम्याया देवे स्विमा वर्देन

वः हिन्यासहस्याप्यान्यावनायवे वर्षेनाः क्षेत्रस्य हुन्यः हुन्य प्राप्त वर्षाः क्षेत्रस्य हुन्यः अर्भेट प्रवे गुट से अभाभाषानु ब प्यापार्थे दाय प्रवाश वर्दे दा परिवे श्विम वर्दे द बः नेषाचःकूषात्रव। ईंगायर्जनायन्यात्रात्रात्रात्रात्रात्राक्ष्यात्राक्ष्या भार्श्वरची सम्प्रत्व या पर्वे प्राप्त विष्य प्रति । विषय प्राप्त विषय प्रति । म्रीलट रेचे ततु अघर अरूष सीमर्थ सी विश्व ततु सैचरा येश रेट्स सी पर्सेय. र्थेन्द्रम्भायराष्ट्रया रट्कुन्यमानेद्रम्भायरायर्न्द्रयाम्नादावेग वयार् मित्रमायदे रामस्य राष्ट्राया प्रमाय स्थाय वया वयः स्टान्त्रिमान्नावियः यत् चित्रात्रे न्यू स्वाप्तस्याने प्रस्ति । दे विदेर प्रस्कायवे प्यतः द्वा सहर विदेत प्रवेत स्वामायमा स्याप विदेत वः ने प्रतिव हिन किया है र माया ने दे हिन ह नाया नु पर हिन सर हिन हमा यन्तर्तुः व्याप्त्यूरायदेः युग्रमायक्षरायम् नेरः द्वेत्रः मुः अद्देशः स्रायकारदेरः यङ्गत त्रतामा प्रमाय सम्बद्ध प्रमाय स्वापन स्व निस्द्रम्पर्यते द्विर। इतर तर्दे दिन्न। क्रम्भेदिन सर्वित् विस्पर्यते विस्तर्यते । वर्डमार्थेर्परम्मया वर्रेर्पारेवे भ्रीमा वर्रेर्मा केंमा भ्रामित म्हामार्थे दे.लूट.तर.वना न्ह्रेट.त.ट्नु.हीरा वि.कुच क्रूम.धेट.मह्य.टी.वि.व. न्यम् न्यायर्ट्याय्रीन्याः स्रीत् स्रीयाय्या वर्ग्यायनेम् स्रीयाय्रीयाः याध्येत्रात्ते। नेषान् केषान्त्रा झ्यायेत्युराय्त्रपायरेत्त्रत्या

र्थेन्यवे भ्रुमा साम्वयना ने पद्वे न्यायर्डस के सारुना मिन् ग्रीस सर्मन्तु चिषायतःक्र्याक्षेत्रवित्रिंगुषास्त्रित् चुषायतःक्रिषाक्षेत्राध्यया वित्रिंगुषा सर्व, रे. वैयात्तर, क्र्यां धेरात्र, त्रांतर, द्वीरा स्वायात्या तर्रे रे. यो हिर् हीया क्रिंशक्षेत्र सर्दे तु चुर्याय राष्ट्र वा वित्र ग्री का वित्र ग्री का सर्दे तु चुर्याय दे कि का केत शर्ष्य.रें.वैस.तपु.हिरा इ.स्चास.स.चींच.या ट्रेंप.चता ध्रुय.ह्येच.ह्यरस.तपु. वर्गेनायने बाने विन्योभायमें बाने प्राप्त के बाने वा विन्या विन्य नेमानुक्रमण्डमा देनेरावया देना श्रेमाञ्चरमायदे वर्षेनायदेन दे। देवद्वे दे यावित्व से। क्ष्मा से दास प्याप्त वापा विवास करा है या वित्व से किया के वापा के वाप ब्रिन्'ग्रेब'र्नेब'न्य'यर्नेब'य'यर्नेब'न्'नुब्य'यर'वया ब्रिन्'ग्रेब'ब्रिन्'ग्रेब'यर्नेब'न् व्यथ्यते देव द्यायदेव या सर्व दु व्यथ्यते स्वरा वर्दे द्या हिंद ग्री शक्त के दि सर्वि पु नुषायम् वया वर्षे प्राप्ति वि में वर्षे में वर्षे में मानि वर्षे में में वर्षे में वर्षे में वर्षे में वर्षे में में वर्षे में में वर्षे साम्रासर्द्धन्यान्। देवान्सायदेवायायायवेषियायनेवान्ता देसाधिवायदेखें 'वेन'मविषासु'न्द्येर'र्थेन्। केंब'वेन'याने'स्रर'न्द्येर'येन'येन्धेर। न्द'र्येनेर' वया देव दशयदेव यायाय वीवायदेव दरा देखा धेव यदे हेर या हे दाव है श सुर्वे रेनम्ययि क्षेत्र देरावया देयाय मेनायदेव रदा देसा धेव यदे दनाना चि.पर्ने में प्राप्तायायात्रात्राक्ती हिंद् स्ट्रेट स्ट्रिश सी देश हो स्वापा दर्याया यदेब दे द्वावा सु यदेब सूय यावा उस सुर हिंद हिंद स धिव यदे हि र है। दे द्वावा

चि.चेबाचि.जा.श्रा.श्रीट.तयु.झूट.खेट.श्रा.ता.लाब.तयु.खेर.धे। ट्रा.क्षेत्र.टी.क्षेत्र.वि.वा. चमिरमान्तुः द्विमा ज्यामानमान्त्रम्भ मान्त्रम् विष्या प्रमानिक स्त्री ने प्रविक दिन क्रिया क्षा रशव तथा र्डूब रे . भार्श्य प्रत्य विष्य श्रीभारत तथा है विष्य ही विष्य मस्यायान्य प्राप्त । वित्र स्वर्त । वित्र स्वर्त । वित्र दे । त्वा वी । वित्र दे । त्वा वी । वित्र दे । श्रवतःश्रम्भ्यात् श्री विषापतः श्रीत्राप्ता श्रीत्राप्ता श्रीत्र श्रीत्र श्रीत्र श्रीत्र श्रीत्र श्रीत्र श्रीत सवतः लेब न्यते द्विमा विवास्त्री दे स्वमान्य निवास निव वेज। मानियः है। मर्टेर्ट्यः सैयमायमार्ट्मा सीयहेष रायुः यह निमासायः स्वर ब्र[ः] ट्रे. पट्ते चिट अभगतन्त्र नामा स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया क्षेर्याणुन्देर्द्र्यान्त्रम्यायस्यहेन्नानुन्यायम्यानुन्याययद्भेर्द्रम् नावनः चया केंब्र'हेर'धेद'द'याच्छेत'सहस्यान्वम'धे'नेष्र'गी'मवयानु'धेद'र्मेष्र'पते' मुरा देरावया कुयाळ्याळ्याळ्यार्थ्यायाज्यायाज्यायावयायाळ्यात्रेतास्त्रीता यःयाष्ट्रन्यरः सेन्यरः मसुरस्यये स्थित। वयाय्युरान्दर्ये या साधिव विष्य त्रत्यम्यात्रेष्ठम् क्रम् स्यान्यात्रात्रस्यस्याम्यान्यात्रेषात्रीयात्रस्य स्यान्यात्रात्रस्य वया केंगने प्यापित से मान किया केंद्र का कर्म में किया केंद्र का कर्म में किया केंद्र का कर्म केंद्र के सक्राम्बनायो विषाणी मावया द्वापिक प्रमान वर्ते न प কুঅক্তবক্তিমট্রমামানর্বৈ মঙ্মানার্বা অর্ক্বি নেইর মার্লি নেঅন্ত্রি নম আঁর यर म्युट्याया के त्वा प्राप्त विकास के प्राप्त के प्राप्त के के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्

नावना या वर्गना प्यते बार्सिट पाया मिट तार क्षीर तार ना सीट का पाय हो में कि बार की हो हो हो हो हो हो हो हो हो য়য়ৄ৾ৼ৻য়য়৻য়য়৻য়ৄয়৻য়য়৻ড়৾৻ঀ৾য়৻য়য়ৄৼ৻য়য়৻য়ৼ৻ড়ৼ৻য়ৼ৻য়য়৻য়ৢ৾৻ৼয়৻ৠয়৻য়ৢ৾৻য়ৼ चुर'चुर'यरे'क्क्षेत'य'क्षरम्यदे'दर्गेन्।यरेक्'ह्नेन्म'गुर'सर्वेर'यस्स्र'म्यि'यस मूरपिरक्षेत्रप्राञ्चरमपिरवर्षेत्रप्रदेवसम्बन्धस्त्रिक्ष्यपिरविष्ट ने ने ने प्यामी कु स्रोन प्याचे द्वी मानि वर्षी मानि मानि स्वीत प्याचित त्याची त्याची प्राचित त्याची त्याची त्याची प्राचित त्याची प्राचित त्याची प्राचित त्याची प्राचित प्राच म्नू य हो त प्रविवाय देव साधिव या साहित्य साय प्रवित्य प्रवित्र । देव या स्वित्र । देव या स्वित्र । क्रेब र्से यस र द्यु र यदे युग्राय या यह र वीं ग यहे ब रहे ब र स यहे ब र य र ग्रास्ट स यदे हे अ सु त व द अ क ने व्हार पर्दे द या की त व द है। या सु अ जाव क जा है अ छी : मुश्र-र्न्न्रासुरवम्यायवे ध्रिम् विकासी देखार विनायदेव ग्राब हैं पायदे बाय र श्रुप्त विश्व प्रावे । यातकरायात्राङ्गिताञ्चत्राकेत्राकेत्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या वेषा रे द्वरामसुरसागुर यद्य प्येत र्स्चेनसासाधिक पर प्रवासिक में मास्तर दे देवाबाया दुवा दुःयदे त्वेवायये त्युवाबाया ह्वे राय विदावी यवदायदे ययवाया या नेयान्याये द्वेरा क्विं में या स्वापास्य प्राप्त द्वित्य देवेते रहे स्वाप्त मान मु १ ८.८५ तीया वार्त्र तार्र्य राष्ट्र वार्य माधियःब्रेचःयं रश्रीः सम्मित्रं

यायविष्या म्यार्ट्रेक् की चिम्लेस्स्य मान्याय के स्वाप्त के स्वाप

वर्षेत्र भ्रिट भारत्र प्राप्तिय हो। च्रेट हिष्य क्री अभग ज्येय क्रम स्वीय त्राप्त वस्त्रमायदेश्यायान्त्रमायदेश्चित्र। यात्रुनायाक्रेयाच्या हिन्यास्रहेत्रनु हुत याबेशप्तर्हेन् प्रवे कुष्मळव प्येन्ने। प्रनेव प्यान्म हेव प्रतेव के के शहन स्रोहित र्नृत्यूर केर सरमा कुमा ग्री कें मार्चियायाया सर्दे मुन्त सारित कु सक्त ग्री मार्ने प्लूर र्ने. पर्ह्र्ने. ततु. ही प्राप्ति चे अग्रयमा विष्या त्यां विषया विष्या विष्या यायदेवाः स्रम्यमानम् स्राप्ते स्रम्भाना स्रम्या स्रम्या स्रम्या स्रम्या स्रम्या स्रम्या स्रम्या स्रम्या स्रम्य त्मृयात्रायर्वात्वीरावेरा विषयत्त्रास्त्रास्य स्थान्त्रास्य स्थान्त्रात्वीया याम्बिकार्ने मार्चना मुः पर्ने न प्याची प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प् वर्मेनायवे क्रिस्यायह्नाया हो ५ किए। विनानी वर्मेनाया पुरा दे प्रविक कि तथा हो ५ त्तु ही । वि.क्रम त्मूम हिंशकालय मान मान मान का हिंग प्रमुख नि चै.क्ट्र्यमार्थेयोत्रयोगात्रात्रात्र्यत्रयम्भायात्रमात्रयः में क्षेत्रयत्त्रम् वात्रात्र्यम् लयामान्यातियात्रात्रिक्षितात्री वर्म्याः श्रीमाः श्रीमा स्वीतात्रीया स्वीताः श्रीमा स्वीता स्वीताः श्रीमा स्वीता स त्रमानियात्रपुरिया हेराचना विष्राभूतामानुस्त्रपुरानुस् ध्रिमात्रा वर्षेषाः क्षेत्रस्य व्यवस्य स्वतः भट्टाचया चिटायसम्बर्धीः अवसम्बर्धाः सेषासुः शुरू रायदे यस्ति। क्रूस्र रायदे । त्तुः हिर्टी उर्मुयाः क्षेत्रमालया भट्टें तायमायवर ताः सर्मे ही उर्मुयाः क्षेत्रमा धिव यमासामुन यदि द्विरा देरामया युग्मायदि यासर्व यावमायन यासूर

डिन वर्नेना हैं समाधिन न के माहित या सहिन सुसानु सहसाय मानिना परि सहसा नावना यो नेषा यो नेषा यो ना ने स्वापन के स्वाप माल्य पर्य त्वृच क्ष्रिममाल्य प्रमानिय पर्य हिम् भी विष्मू प्राप्त त्वृच क्ष्रिममा द्व सेव पर्ने में रे में साम क्षाय क चोष्याः क्षुत्रायाः यद्वेचाः नवीतः यद्वाः स्वारायाः विचाः स्वारायाः विचाः नवीतः विचाः प्रायतः ध्वेरा ५८:र्येन्देर:घवा युग्रथ:वदे:वा दे:इस:यर:घर:य:पकुर:येन्दे:दग:५८। शवर क्रीयाविषात्तर क्रियात्र प्रदेवातार वी. तृत्र रेवा क्षात्र ही. विषा पर्वः अर्देवः द्र्वेष्यः परकदः द्र्वेषः पर्वः श्वेर। वाबबः प्यतः व्रिदः ग्रीः द्रुयः परवः दे.शु.तबर.तम्बर्ग विर.शुश्रयत्त्वयात्रात्रयात्रम् सूर.बूर.बूर.वातात्राः श्रूष्ययात्र वर्षात्रुः झैवाक्त्रात्वे्याः क्ष्रिंश्वादे क्ष्रिंश्वादे क्ष्रिंश्वादे व्यास्त्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा त्युः भ्रथमायविषाः सुर्याया सुर्याया स्वाप्ता सुरा होरा स्वापा स्वाप्ता स्वापा यमाहेमार्चितानु निरादे त्यदिन त्यास्याञ्चरायवे छित्रानु र्वेन म्याकी निरादे त्यदिन त्या क्रुंबरायर पर्वायति क्षेर ५८। विष्रेस्पियते प्रेविष्क्रिय क्षेत्र क्षे वचर्याधेर्यदेख्रा वार्डेन चुरासेस्र वस्त्रस्य यदे सहस्र न्वा नेस धिव व तर्वोन हैं समाधिव प्रमाष्ट्रिय बेराय से त्वर हो। या दर दे से स्वर स्वर मावना ल.चेबाउचूचा.क्रुंशबाशालवात्त्रतु.हीमा डेमावला डे.वीब.क्रुंसवात्रतु.तचूचा.क्रुंशबा माल्येन निया चियासूर माल्येन त्युत्ता स्थ्येन स्थित स्थित । दर र्येन्द्रम्बया नेप्ट्रम्स्रम्भम्यत्पुन्यस्यम् स्थानित्रम्ययः द्वीत्रम्ययः *'* हुव'ग्रे'द्रसम्प्रेत्र केम 'स्वा'यम 'बेव'यदे 'दर्गेना 'र्ह्रसम्स्र संस्वे दित्र' दि र 'द्रा' । ह्युव

श्रूरामात्राचे तत्र्ये तत्र्ये वा क्षूत्रमात्री मामवि मामक्षमात्रा मामवि मामक्षमात्रा वि वा वि वा वि निर्माण्यात्रिः भ्रिमाने महाराष्ट्रे व्याप्यमान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्र तिमार। देवे ध्वेरप्येन प्रवेश क्रिस्साय प्रस्तापा सुम्रासी साधिन प्रविष्य स्वर् तालुबार्च्या विद्याम्बर्धरमात्राद्धिमा लामावाद्यम द्विबार्स्यमालुबाराद्यात्राद्या क्षुंभभर्दा वयाववारावाच्यावाषायायाच्याच्याच्याच्याक्ष्यभर्देवाच्याक्ष्याच्या यदि दर्वोना ह्रेंस्स देव निर्वार के साचे रा दस निर्वार दिन है। ह्य सेंट लुषेत्रमानियामिता चलाउर्केरायाम् येषावराजुषेत्रपुर्वा क्षेत्रमालुषे याचीषे भूर.भ.लुब.ततु.वर्मुब.र्श्रुषभ.लुब.तब.स.चिच.ततु.द्वीरा द्वी.स.ट्रेर.चता ४८. र्ट्सान्स्यासामुनायवि सम्मान्स्यास्त्रीस्यायर् मा 'न्न्वि न्या स्त्रीमा स्त्रीस्या है। चवात्वीर प्राप्ति वयावयायव त्वत्विषाः श्रीयया विष चिषः श्रीर सामिष्य प्रवे वर्गेनाः र्ह्मेस्स्यसायाध्यस्य दिन्द्वीता न्या ने मुवासवतः ह्या वाविवासता श्चित्राचित्रे व्यत्वयाच्यात् स्वाराच्यात् स्वाराच स्वाराच्यात् स्वाराच स्वाराच्यात् स्वाराच्यात् स्वाराच स यिष्ट्राता दे ने र दिव की त्रमा विषय के मान्य के ने प्राप्त कि र के मान्य क मु अद्रभामानमा भेषा अध्यापित प्रति द्वी मा स्वापित स्वापस्य मित्र प्राप्त स्वापस्य स त्र व्या रट क्रिट ता भव क्रट रेट विष भूर रे विष जावे तर्त तस्य क्रिंश राज्य . ब्रस्व स्ट्रिं प्रति प्रति विष्य स्ट्रिस मार्थिय प्रति विष्य स्ट्रिस प्रति प्रति विष्य स्ट्रिस स्ट्रिस स्ट्रिस

वायर दे त्रियायका सामियात्र ही र । ही सादेर मिया र र र र सावका सामियात्र भवर नवस क्षेत्रशायह वा नव्येत कर क्षत्र की त्वेचा क्षेत्रशा की शाम शाम शाम है। टे.ज.प्र.य.मा स.री स.री मारप्र.सथें स.वेच.ला.चेस.क्ष्य.त्यी चजारवी र.च.प्र.यंत्रयः विभाजुब प्रति त्वेन क्रिंस भाजि प्रमान विष्के स्ति स्व स्ति प्रति त्वेन क्रिंस भाजि । त्तुः श्चित्र वियाय विषा वर्ते देवा विषा वर्षे राया विषा वर्षे राया विषा वर्षे रा यादेवः ध्री रावे का मिया है। दे मिया वर्षे राया विक्रा प्रकार के वर्षे वर्षे के स्था लुष्टा देवता देवता स्टायिष्टा के सामिता विषया वर्मेनाः ह्रीमाध्यमाध्यम् द्वारा द्वारा वया स्टानिक माध्याप्य वया स्टानिक स्टा यांत्रिक्षायर्मेनाः क्रिस्सार्स्यावसाये वायरे द्विमा समाविष्ठेन ह्विस्सिम्साये यांत्रि वर्ग्नमः र्ह्म्यमः प्रवास्त्र विषार्याम् विषायवः वर्ग्नमः वर्म्नमः वर्ग्नमः वर्ग्नमः विषायवः अंतराये या रेट्रा सी. यहेष तायु त्यूचा हुं सरा लुष तथा विष्यु र त्यु त्वर हो। हा यानुगायदे यो मेवाये निवायदे द्वीया निर्देश निर्देश या वानुवायाया कानुवायाया कानुवायाया कानुवायाया कानुवायाया का र्ने ने र द्विव क्वि दिवा के अपने के अ व ने र द्विव क्वि क्रमण येव केष द्वा प्यम ने व प्यत केष कि प्याम है व स्थान स्थान त्र यावचात्रप्रभथनावचालान्त्रभः ने विष्युत्रत्भात्रभः विष्युत्रभः विष्युत्रभः विष्युत्रभः विष्युत्रभः विष्युत्रभः विता सामक्रमसार्वेयात्रसामसामियाती.सदायरार्टे.सूरी चेराद्वियाती.धमसा येष.क्रथ.क्षेत्र.तम्, त्रुव, त्रव, त्रुव, त्रव, त्रव, त्रव, त्रव, त्रव, त्रव, त्रव, त्रव, त्रव, त्रव सु'पह्नब'परि'दर्गेना ह्रेंसम'ग्री'सळव हिन्। हसम'येव देम'बेब छेट'न्सब'यस' देश्वर् देशकार्यचीरायुक्त स्वात्त्र स्वात्त्र

<u> २८८ वीय प्रथम अस्त्रा स्वाप्त प्रभाग में मुक्ते स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप</u> वयानुवायर पहें वायवे क्विया हो नाय के प्रायम के वायव के यवे द्वरंगेशयवग्रस्य र्भेयवेद्यवे स्थित देरा हेरा ह्या देश केश सम्मायहें स यदिःह्नियाक्ष्मां इसमादिया में दिन्यों क्षित्र सम्भायने द्रायदि ही मा नान नामा हनायान्त्रस्याने राम्या नेयाक्रियाम्ब्ययायहनायाय्येन् स्रोटामुटाख्यानु स्रोपिते । म्रीम। नेमानवा नृतुः सामवायम् मानवे मुक् स्रीमास्य मानवे मान्स्र पर्देना स्रुवा ने से पत्नेन पर्व स्त्रीय। ने या वया वया या महिषा व स्त्रीय स्त्रीय स्त्राया गुन तृ'सर्द्ध्र सायासाधिन'पवि'द्धेर। मान्नन'प्या। वयार्यामानिकायदेन'यहेन'ङ्गन' ૄૹૢ૾ૢૹ<u>૽</u>૾ૢૼૹૡ૽ૺૼૹૡૢૼઌઌૡૢઽૻઌ૱૱ઌૢ૽ઽ૽૱ૢઌ૽૽૱૱ઌૢ૽ૺ૱ઌ૽૽૱૽૽ૺૹૢ૽૱ઌ૽૽૱૱ यरुवः मारः विम देः यशः सः यवेः यदे वः वहे वः मुः शक्तवः मविः वयः वस्तुः रः यवेः युग्नशः यायार केर परि द्वीरा इत्यर पर्रे र वा वयार पारिका केर हिर हिर हिंवा स्था याष्ट्र यर सेर यर वया वर्रे र यरे वे से वर्रे र से सुका है। के बार सम र्रायिक्षा सेर्पाने विषावश्चरायश हिर्षि देन पुराप्ता र्रा कुर्पायश ने द्वर रुक्षे पर्देर पर्व श्वेर इन्म श्वेष श्वेर स्वया रहा कुर प्यम प्रदेश से इसम रहा ५८ र र र र विक म ५५ र तु कुर र ये र कु कि व यथ र तु र र य र विष ये व र य र र विक र ये र र विक र ये र र विक र य वया देशमालक क्षेष्टा क्षर द्वायशयेक यदे क्षेत्र। देत्र वया गर क्षेत्र दर्देश ये कुर व क्षेर र जूर पर पर्टर पर पर्टर पर माना माना है निया है निया है र सह र प्यान र विवा दे.यर. प्रमास्त्रीयायमार्यमास्त्रीया वाष्ट्रीया वाष्ट्रीया प्रमासूर्यस्यः

युन्नमायाद्दिमारीप्रदायिकामीमानुवायराम्या देवेय्युन्नमायानुकायदिन्नमा मुन्यो श्रेट्रिन्ययार्ट्ना अळव हिन्यो श्रेष्ठ्र मुन्य देश हिर् । देर ख्या वेषा र्यः क्रिंब अर दे महिषार द मी अळंब हिन मुका अम्मुय ब माबब द्वर पा सुर पायह्व त्र विश्वत्य त्रिम् विषय त्रात्र प्रमा स्ट क्रिन त्रात्र तीवाया क्रमा स्थान स्थान मेमायनम्भायास्याधिकायास्यात्रम्यात्रम्या देवायुग्रम्थायास्या यदे र्ह्ने खुन्यक्रियः पुन्ति न्याया उसासाधिक या केना देवा यस र्यो प्रति प्रति स्थित । हें नेगाकेव यथा दे सूर व र्चे या सूर परे दियर विश्व पत्व गया संधिव परे र्से द युन्य से न भूति । देवे प्रतर ने साम स्वाप्त है न सुन्य से स्पूर्ण से स्वाप्त से स माण्य पार्विमाण्य प्राप्ति विष्याची स्थान वर्षाःह्रेयाःविवा दे त्याविष्ठाः दे। चया स्टायिष्ठ्याः वेराध्वेषाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष् श्रीसमुद्रायाकेषार्येद्रायाक्षीयम् या देषित्रवाष्ट्रीयाकेषाद्रस्य स्वर्था यदः उसायत्वाषाया उसार् पर्दे नियम सी सस्दिषाय विष्ट्री माने विष्ट्री माने परि क्रुन्यमानेराष्ट्रीमानी महिन्द्रात्रा स्राम्याम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्य वर्ग्य रच र द्या सम्बन्ध र र स्था स्ट स्था स्था स्ट स्य स्था स्ट स्य स्था स्ट स्था स्ट स्था स्ट स्था स्ट स्था स्ट स्था स्ट स्था स्था स्ट स्था स्था स्ट स्य स्था स्ट स्था स्था क्रिंगम्मर्भार्त्वात्मरम् मुत्रयम् मुर्जित्यम् १००५ क्रिंगम्मर्भारम् हिर्मान्यमः गुवायागुर्हेर् यम स्थाप्त्री वयाप्तृमायशास्त्राः सुर्याप्ते मृत्या वर्षाः इससारटार्ट्साइसायुवायापटायार्ड्दायराविदायवेष्ट्रीय। स्टावीयुवासादी केसा क्रमश्रीं मोर्वे र से र 'या सूर प्रये ' र यर मे भायतमा पास 'ये व प्रसः सर मे मुक् सेरः

ख्यःग्रह्मा हिन्योवः निर्मान्यस्य स्थान्त्रम् स्यान्त्रम् स्थान्त्रम् स्यान्त्रम् स्थान्त्रम् स्यान्त्रम् स्थान्त्रम् स्यान्त्रम् स्थान्त्रम् स्यत्त्रम्यत्त्रम्यत्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्था

वसारमानी सळव हिन ग्रीसानुयायर प्रदेव यदे क्वेंने नाम वनानी यन नापदेव प्रीक यानामाने विन यहनास्राम्येन प्रतिस्थित। स्थापन स्थापन ने यहनास्राम्येन न यहना सुरक्ष के अधिक दर्ने रायायायहेना सुरक्ष के सार्य प्रवेश देन दे साधिक यर वया यहेगा सु सु मुंभाषी मान के प्रति सु मान विग इ हुन में कूर या अर्केर हुन या र रोग या न या र रे हिया या रे हि र र में या हु यः सेन्यते द्विम् वर्ने क्षेत्राम् विष्य सम्स्या कुषायसम्बन्धायायान् सेन्या स्वर्धायान क्षे.लूर. इर. त. विर्याका. धे। क्रु. क्रुंट. क्रुंट. क्रुंट क्रुं तर तह्र ब ततु हुं ब ता तह वा क्षे का लोब तर वीय ततु ही र हो । वि छव क्षे हे यर वी श्री द्वारायात दे हे लेखा विषय्यवार्यी सैयराय रात्र यह वात्र तह वात्र तह वारा कि.स्वरहिनाः संप्येत चेरायाकी यहार है। यहिनाः संप्येत कायरना यहिता प्येत र निषा यानामालेन ने प्रमानिकार होता स्थापित प्रमानिकार होता स्थापित स भ्रुभाष्येत्र त्रायन्वा प्रदेत्र धित्र न्वीत्र प्रिया विश्व प्रदेवा स्थाप्त्र ग्वात्र प्रत्य धित्र मी'अळब'छेर'ग्रीक'ग्रीवायर'यहेंब'यवे'यहेम'स्'ग्रुब'यहमक्षंपेर्'यवे'स्वेर। देर' वया ग्रीनःश्रवशः र्वे निष्कुरः प्रदेः श्रुवः श्रीवः श्रुवः या देः रहः मीः शक्षवः देदः ग्रीकः ग्रीवः यायवर क्षेत्रान् त्यहें बायते त्यहे वा त्थापे प्यापे क्षेत्र ने त्यापे बात विष्या क्षणावायम् नायाध्यावायम् वाद्याक्षण्याद्याप्तावायम् विवाद्याप्तावायम् वाद्या धेव 'दर्गेष 'य' गद 'वेग यदग 'यदे व 'ग्राव 'यह गष 'धेव 'व प्य पार व 'यदे व 'धेव 'दर्गेष' यदिः ध्रेम हनायानिक्षणाप्या वर्ने निष्ठा क्षेत्रे यन्ना से निष्ठायादे हें हे ध्येया।

वेयःस्वायःग्रीःस्रेचयःवयःचह्रवःपदेःदद्देवाःहःग्वावःचह्ववयःद्वेःस्वयःकवा देरः वसार्ट्सासुग्वरूवायदेग्द्रिवाः सुग्गुवायह्वासायवायवे स्वीतः विवा दर्गास्या धिव विरा गर वन ने प्रत्न परिवास के स्वीत स न्या निष्य के प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति के प्रति प्रति के प्रति प्रति के प्रति प्रति प्रति के प्रति प्रति प मुप्यर प्रदेन प्रति र्भ्ने प्रिन प्रति र्भेन ने र म्या ने प्राची प्रतर प्रदेन प्रति प्रदेश क्षाणिक परि द्विमा साम्विपाना तुसाया महानी सक्षेत्र हिन् ग्रीसा न्याय पर दिहे न परि । वहिनाः संप्रियम वया मध्येष्यम वहिन्यवेष्वहिनाः संप्रिना न मम्मिना सळन् द्विन ग्रीका मुदायम परिने का परि में स्थित की निकासित मुक्ता कि का मार्थी प्राप्त माना निकासित में मार्थी प्राप्त माना निकासित में मार्थी प्राप्त माना मार्थी का मार्थी मा नुः वयः वे विष्वा अधिकाने। दः धैः प्रदे से मा अस्य प्रदे से प्रदे से प्रदे से प्रदे से प्रदे से प्रदे से प्रदे ८'धे'प्रियं सळ् ब'म्बि'धे ब'प्रियं स्थित। विश्वेम विदेश द्विपः से प्री'या ब'ही द'प्री' वन्नन्ते। ने स्वान प्यासक्षाम् विष्येषान्त्र प्यम प्राप्ति प्यम स्वाप्ति । क्षेत्र'र्धेन'यते'स्वेत्र। नेषात्र'राधापत्र'यहेत्र'यते'यहेना'सू'नरा। र'धापात्ररानी' सक्षर् हिन् ग्रीस मुन पर प्रहें र परि प्रहे न स्थान । जन न न परि स प्रीय प्राय । धायानामात्रमात्र्रभायदेन्द्रिमा क्रियानमानामात्रमासुधार्यकेषामामा थिव हो। दे खेर वा दे निविधार्मे का में निविधार्मे का निविधार्मे का निविधार्म के निव ने_{रं} ८[.]भ्यापक्षित्रपद्देवाः सूचित्रसम्पद्धियात्रेत्राचित्रप्ते प्रमानित्रसम्पद्धियाः देत्रसम्बद्धाः ८ प्यट दे विदेश में देशवार यर मुद्रिक है। दे विदेश में सर्वा देशवार प्या

नुःशुरायवे दायावीयवायवे श्वेराते। ने यविष्यान वा वी यनवा वहें नुप्य वन श्राच्चतात्रुये.तपु.सु.म इंस.यन्दे.त.क्षश्रात्तश्राद्यःश्रुवी.क्ष.श्रुवीश्रादह्याःक्षं.विष्ठेशः ग्री'द्रियम्बायाधिकायाविम्बादिन यहिमास्साद्याकेषाग्री'यद्मायहिकास्त्रायाद्यस्या क्ट.र. त्यायान्त्रीयायवे ही रा विक्वान री मह्याक्र मीयान्त्री ही विकासी येव है। यन गायम है। यायम से येव परि दें रा ने राष्ट्रया ने मायन गायी र याय ची.विषाश्चालुष्ये.तृतुःहीराष्ट्री देषायट्या.वृषाःस्या.यी.श्चीशाची.श्चीशाची.वी.विषायायाः स्रिवास्त्राचिषात्र्येवास्त्रिम् देराचया वित्रमानीयात्मा क्रीषात्रमा प्रविष्यः भारति स्थाति क्षाति विष्यति दित्र दि स्वाप्ति स्थाति स्थाति स्थाति स्थाति स्थाति स्थाति स्थाति स्थात यासामितः है। यह सारुष की सायर वा तामा है। या विसाय की सामा विसाय है। या प्राप्त विसाय की सामा विसाय की साम विसाय की सामा विसाय क ५८। देशयद्यामी यत्रमातुः स्पित् स्रोत् त्या यत्या कुः स्रोत् स्रोत् प्यते यत्या महिषार्देन से मिर्डमायदे द्वीरा देरावया हासस्य मुन्तार्ट र र र र र विवासिक स्वास्त्र षार्च्रव,की.वी.वा.वी.वी की.शा.चेश.द्रचा.टट.श्रट.ची.क्षश.चीटश.सी.वी.र.तपु.क्षीश.वी. याचेत्रप्रेश्वरा यदावर्षेत सदसाक्षस्यानिहरावनग्यापत्नाक्षेरस याप्यम्भभावस्याप्यम् गुर्यास्य केषात्रे न्या स्वर्यास्य स्वर्यात्रे स्वर्यात्रे स्वर्यात्रे स्वर्यात्रे स क्रिंग्यंद्रायन्त्राधिन्यद्राष्ट्रीम। नेत्यावित्रामे। यन्त्रान्त्रियांध्रीध्रायमान्नय। यन्त्रा र्थेन्यवे भ्रुमा वर्नेन्या वन्याचीवव्यवायु र्थेन्यम्बया वर्नेन्याने वे भ्रुमा वर्द्दां वद्वाःवश्वःवः क्षेष्ट्रायः विष्या विष्या व्यात्वाः विष्याः बी'रव्यक्ष'यु'र्सेर्'क्रेर्'र्र्युर्'यदे'यर्ग'र्रा' यर्ग'यक्ष'रव्यक'यु'क्के'य'र्सेर्'क्रेर्' र्न्ध्रि'यवे यत्वा विश्वादेव से विश्वापिय स्थित से स्थापिय प्राप्त स्थापिय स्यापिय स्थापिय स्थापिय स्थापिय स्थापिय स्थापिय स्थापिय स्थापिय स्य

शूरप्रदेप्तन्नायाचेन। ध्रीस्रायांत्र्रम्प्यून्त्रप्तायाविनायायाचेन त्रु हिर वर्षा है रेव्या पर्ता हिरा रेव्य स्था के स्व स्था है स्था है इसस्य प्यत्वा व्यस् क्षेष्ठी प्यासे देते देत्वा वी क्षेष्ठी प्यादेव से स्वरं प्यादेव स्वरं प्राप्त प्राप्त प्र ५८:विक पुःष्ट्रव्यायमः व्यक्तुमः यदेः श्चिमः में। । ५६ मः ये यदमा वी यदमा के दः दुः व्यदः इस्रकायाने याराक्षेत्रायापाने विषयासे देते । विः ह्रे प्येत् गुराह्ये न न्यायारा से ह्ये यःश्चार्य्युरःर्रो विषामासुरमा देःयःश्चेतःद्र्वेत्येमभःस्वायग्चेद्रवःरो द्रमः र्ये इस्रम्य प्यत्वा व्यमः क्षेष्ट्रे प्याप्ते प्राप्ते म्याप्ते प्राप्ते म्याप्ते प्राप्ते प्राप्ते प्राप्ते प्राप्ते प्राप्ते म्याप्ते प्राप्ते प क्रम्भायत्वाःक्षुः साधिकः यसः क्षुतायदेः ह्वामाय्यः त्वाः त्वाः सञ्ज्ञाः सञ्जाः सञ्जाः स्वा भायह्रेर.तपु.ह्वेर.रेटा वेषय.वेरमारमान्यम्वेमायरवातमान्त्रमान्त्रीयम्भे त्तुःर्र्थ। रट.क्रिंद्रर्थ.सं.संर्युर्थ.त्रम्भात्राच्यात्रम्भावाः व्यव्यात्राच्यात्रम्भात्राः वरः वयः वयः वये क्षेत्रः वरे दे दे त्यकः द्रा र्यः कुर्वे द्रायः सुः सर्वे व्ययः स्रो व्यवयः वर्वेः क्ष्याची भार्त्य प्रति त्यवारा पुरे र मया पाय येव न मिपाया यवाया वे भार्त्ने न पहें र ख्रुषा वृहानवि क्वें ब के बारा साम बार विष्ट्वे मा नहार में सम्बाद क्षेत्र के बार के ब श्चे पर्देष्यक्षात्राम्बुग्यक्षादे द्रियारी इस्रायान्या श्चे साधिक यर श्चे पायते । ह्रम्बाषाया वर्ष्ट्रभाष्ट्रीय व्यव्या वर्ष्ट्रभाष्ट्रीय व्यव्या वर्ष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्
 इयेप्पट द्वा केवा यक्ष्व यावाद विवा क्षेप्य देवा केत् प्राप्त विवा क्षेप्य देवा केत् प्राप्त विवा क्षेप्य क्षेप यर द्वार् स्वा वर्षा क्षेर्ये वर्षे के स्वा वर्षा क्षेर्ये के स्वा के प्रा हिष्ये के स्वा के स्वा के स्वा के स लट्रियान् स्वर्धिया देवायार् स्वर्धान्य स्वर्धान्य स्वर्धान्य स्वर्धान्य स्वर्धान्य स्वर्धान्य स्वर्धान्य स्वर यर्ने श्चा क्षिः अर्देर वया यद्वा श्चि र्येद क्षेश्च र देव स्त्रे र स्वा स्व र या स्व र या स्व र या स्व र या स

यार्डेन्'मिनिवे हेटान् क्षन् अभागुवायवे मटा बना धेन न रेन् मिने यन्ना हे अभाधन यरः स्वरास्त्रायुपायवे वादा वर्षा वाद्येव दर्वी वाद्ये देशे है न हर्वा वाद्यु न स्वा वाद्यु न ब्र^भ विद्रित्र्यीयक्षेत्रविष्ठ्रभाष्ट्रीयादेव्यक्षप्तरम् यन्नायमःक्षेप्यायम्भवन्यदेःक्षेप्यमःक्ष्यायदेःह्नम्भाषायमःन्नाःनुःयङ्गन्यमः वया वर्देर्यादेवा वर्देरामा र्देशाची मुस्मायनमायमा भ्रीपायमामानमायवा श्चि'त'दे। द्रेंब'र्ये इस्रयायद्या श्चि'स्याये प्रमुव्यये प्रमुव्यये प्रमुव्यये प्रमुव्यये प्रमुव्यये प्रमुव्यय वर्रेर्पारेविः धुरा वर्रेर्वा र्रेकार्ये इसस्य पर्वा क्षेष्ठास्य मुवायवे प्रसूत चु भित्र त्र क्षेत्र त्रावा भित्र द्वे वा प्रदेश सु व्यु वा मुचा का व्यापा विषा बेरखिटा वयाय्यूरण्चे न्वरान् गुरुषादायार व्योवाळेषायन्द्रान्द्रास्य द्वरा क्रियास्त्रम् क्षेपार्दिन्स्रोत्र्वाच्या स्टाक्तिर्त्रम् युवाचीना चेत्रायाः ५८। क्कि.प.र्घेव.श्रेर.रे.वता ४८.केंतु.रेशसी.वीय.वुष.राषु.रि प्रशास्त्र वार्षेत्र कृते वार्ष्य कृते वार्षेत्र क्षेत्र प्रति क्षेत्र बर्म्सा वर्षेयाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः वर्षेत्रात्ताः वर्षे वर्षेत्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्षेत्रात्ताः वर्षेत्रात्ताः वर्षेत्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्षेत्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्षेत्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्यात्रात्रात्रात्रात्ताः वर्यात्रात्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्यात्रात्ताः वर्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा श्रेश्चेत्रम्भूत्रपदेष्ट्रम्भूषाय्यर्त्तम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम्भूत्रप्रम् ग्रिकार्यादेव प्राच्चिमार्द्र मामायेक प्रमुक्त परि स्थित। वर्द्र मा सु सुत सुत स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स ८८.तयावात्रः र्वात्रेष्ठात्रेष्ठा विषात्रम् । १८.वा.क्र्यात्राक्षवात्रकाः सुर सह्र ख्यादी सरमाक्षित्र स्थातिकार्य सम्मान्त्र । सह्र स्थान्त्र सम्मान्त्र सम्मान्त्र सम्मान्त्र । सह्य सम्मान्त्र सम्मान्त्र सम्मान्त्र सम्मान्त्र । सह्य सम्मान्त्र समान्त्र सम्मान्त्र सम्मान्त्र समान्त्र समान्त वेशर्सेन्याणीयम्बर्भायदेशद्रियार्ट्यास्यस्याचन्नायस्यास्रीयरास्यस्य

यर द्या यहात हो या देव दर हाया यर रात्र हो स्वराया स्व यम् साधियः तम् वर्षे व स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः र्नेबासेन नुः सुवायदे हे नामा या निष्या में माने समा सामा सिंहा है। यः द्युना स्रोत 'तुः द्युत प्रयोत क्षेत्र प्रयोत क्षेत्र प्रयो प्रताय क्षेत्र प्रयो प्रयो विष्य र्ट्यार्यः इस्रयायन्याः क्षुः साधिवय्य राष्ट्रीयायवे वयाय स्वार्यः वस्रवास्य देशान्ति । र्याम्मभाक्तिमाञ्चम भ्रिपार्ट्रमाभेटार्ट्रम्भान्या स्टाक्रुवेर्ट्रमासुःग्रुता विषायते. द्विमा विषायते. विषाय क्षेत्र प्रस्वाय प्राप्तिय प्रम्या विषा क्षेत्र स्वाप ८ूर्यात्र्यंभयाकृषात्रया स्रमालटा ही पार्ट्याया महा की प्राप्त नुपन्निम्परिष्ट्रिम् विषयान्ता ने केषान्त्रम् स्रम्पराक्षुयान्त्रम्यासम् वय। रट.क्रिंतु.र्थासी.वीय.व्रथ.ततु.क्रिम। ख्रेशततु.वयातवीयायश्चेशत्रक्षेथ.ततु. য়ৢ৴৸ড়ৢৢঢ়ৢয়৴৻ঽঀৢ৾য়ড়ঀৢ৻ঽঢ়ৢ৾য়য়ৢয়য়য়য়৸ঢ়ঢ়য়৻য়ৢঢ়য়য়৻য়য়ৢ৴৻ড়য় व न वृष्ट्यात्र प्राप्त प्रवास न विषय प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त र्नेबिक्षेप्रयमेब निर्मेषप्रयोधिय। नेराधिया नेर्धिब बा वयाय सुर पर हिन्ती पर्चिमार्नेबर्न्युःसायसायसासायेबावेदा। यार्नेयाम्बर्भारुब्रामुसायसायेबायावेमा र्नेषायदे स्थित देर वया क्ष्माम्बयायमा वयायर द्यूराय विश्वास्ते देव'दर'यर'य'र्रेव'र्ये'हेद'वचेव'क्चे'विर्देष्ठम्य'वे'संयेषद'हे। सर'व्य'दस'यङव' यः सेन् प्रते द्विरः र्ही विषानासुर सायते द्विरा सर्सुर सासेन् केषा हे दि योग सा स्व वी,यहूर वि.ज. संस्थान की दूर त्यार मुर्टिस तार प्राप्त की राजिस है। ज्यास

द्वापन्ने न भी प्रत्ये क्रवामित्रमार्थरायह्रवाक्ष्यायम् । त्याप्तिमार्थराये द्वीर हे। नेषारयार्झेवासरा वर्गेवाक्क्यान्स्याद्रम्यान्ध्रीयायाद्रम्यायविःक्रुयाळ्यान्ध्रीया वाल्या लटा जुर्चारान्त्र तरी राष्ट्रीय स्थार मार्चार्ट्य र मेरिया सामार सामार सामार सामार सामार सामार सामार सामार साम द्व के के विष्या रहें मार्च क्र के विषय रट कुँठ दुषासु चुठ बेब प्राये खेर। बेब प्राये विषा प्रमुख र मुं प्रावे विषा स्त्रा कुषा चञ्चित्राग्रीयावयायेवावयाञ्चयाञ्चयादे देवायायाञ्चे पासे प्राप्त स्वीर । सियाङ्गे। ङः कुंद्रः इस्रायम् । व्याप्यावयायायाः वित्याप्यादे । देवाद्रायम् स्वाप्यायम् । यासार्वित्यायर हुँ र हुँ पार्टेब र्टा हुवा से र पु त्यद्यायर पत्र पत्र हुँ र हुँ पार्टेब र ्रेष्ट्रीयमाय्रेष्ट्रप्रेमालेमाञ्चराम्याम्य प्रमानिकान्त्राच्या स्थानमा वर्त्रभासम्बद्धारमास्त्रेन्द्रम् स्त्रेन्द्रम् स्त्रिन्द्रम् स्त्रेन्द्रम् स्त्रेन्द्रम् स्त्रेन्द्रम् स्त्रेन्द्रम् स्त्रेन्द्रम् स्त्रेन्द्रम् स्त्रम् यदे नेषाचे ५ ५ वर्षा मुः युर्य प्रदेव याये वाषाय या या वाषाय प्रवेता । विष्ठेवा वासे । से प्रवाद हो। ये वाषा द्य मुराया में विषय के देश के विषय के देवःल्टिन्यरः दर्वेट्रशःयदेः ध्वेर। वेशः वेरः यः क्षेः वनदः दे। ध्वेरः येग्रशः स्वाधिशः वर्मेवाक्त्रेनाने त्यार्ह्हेन्यास्यासह्नायास्त्रम्यायास्त्रम्यायास्यायाः वानर्ह्मेन पासी हो न प्रति ही राज हिनाया सारे साय दे ही रा ने सान न रे सार्या हस सा विषायात्रमा विषानुष्यायरायगुरायदाष्ट्रीरा विषायदायरागुरवोवास्चिनाया क्ट्रिन्यः धिवन्तुं । पालवः मीकाः स्रुकाः पदि देवायाः साम्यायकायायदे हे सुवायाः स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स द्वीयायर श्रेपदेर्दरयम। दे सम्बुवर्दयर भ्रेदायास विविधावाहव स्विधाद हाया वक्रामित्रभागिवः क्रिमास्व द्वार्या विष्य स्व विषय स्व व तर.श्र.चेशकायपुरळ्का क्रीशासूर तपुरश्चिं ची.शासूष ताशास्त्र ततर भ्री. ट्रेस्ट्रा तर प्रदेश यथा ने व्याप्तश्रुर निरामान्त्र क्षेम् यापित्र भागित क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त निरामान्त्र प्राप्त निराम हेः क्रमान्ययायया मह्याञ्चायात्वास्त्रम्याच्यान्ययाययात्राम्याया न्ययानविष्यत्वे प्रमुक्ति स्वरं के स्वरं स्वरं मुख्यान स्वरं प्रमुक्ति । ने किन वर्तरन्येकृत्नुवायवेर्देर्याधे अयवेष्ट्वेराया नुषायवेर्देर्वरणुर केरासर्वे त्र व्याचित्र प्रत्येष क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रत्येष व्याक्षेत्र व्याचित्र प्रत्य प्रत्येष विष् तर वि.य. त्रुप्त के देश विषा सूर्या स्वास स विष्ठेम स्रिन्यने अर्चे मुश्रास्य अर्चे म्या स्रिन्य में मुश्रास्य स्रिन्य में धुःगुःश्चरःष्परःश्चेःपःर्देवःभेरःष्ठ्याःभेरःरुःश्च्याःपदेःहग्राःष्परःर्गःष्पेवःचेरःपःभेः वन्दर्भ भूरत्त्रं स्वामाग्रीमार् स्रमाञ्चित्रात्रं स्वान्त्रं स्वान्त्रं स्वान्त्रं स्वान्त्रं स्वान्त्रं स्वान ববি:ক্র্যান্ত্রীঝার্মির মেমাবের্নির মবি:শ্রুন্ত্রীঝান্তর ব্রান্তর্ভাবান্ত্রীর ক্রির্নামাবিত্র र्रेः भूग्रम्भारुवाणीभाभार्यवाणीपुभासुः सर्वेन प्रमाणभवाजीवापमावर्देन प्रविष्धुः नीयर्वाक्षेत्रस्त्रम्वात्राद्धःस्वाद्यात्राद्धात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र र्ये इसस्य लेख प्रत्ये स्वर क्षेत्रा की विषय स्वर मित्र स्वर क्षेत्र प्रत्ये स्वर मित्र स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर

वर्तासानेमानानेमान्यार्स्त्रिनास्यार्स्त्रिमा नेमावर्त्त्र्यायायाना निर्वापुरेके प्रमार विश्व राया धिवार्षे । यह विश्व के नाम के न बिकायिः भ्रिम् विकायिः व्याप्य वृत्राने प्रिकायी इसकाय प्राप्य विका भूचमाजी स्रेचमार्थमार्ट्सामी यस्रेष तपुरायचेतारा हूरे जी स्वतार वीरालटार्यामा लिब यर विवा र दक्ते देन स्वार्थ हैं विकासर मुदा बेब या दे। श्वर स्वार हैं। यर स्वार हैं विकास स्वार हैं विकास स ५८ मुनापरुषा५८ तम्यापाया साधिन प्रति भ्रिमान मूनिषा विदेश वन्या यहूरि.मी.वतात्वीर.मी.व्याप्तीर.मी.व्याप्ति.मी.व्याप्ति.मी.व्याप्ति.मी.व्याप्ति.मी.व्याप्ति.मी.व्याप्ति.मी.व्याप वेषानुः केषा उर्वेषार्यः इस्रयान्त्रवाय्ययः क्षुः नः सेन दे। वेषार्येवया गुः स्रवयः ब्राचक्षेत्र,तयु,तयोवाचकूर्य,श्री,व्यावर्श्वेय,त्यर्थ,व्याव्यश्चेय,त्रर्थ, पर्चेन्द्रम् म्हराह्म स्वरं के स्वरं के स्वरं स् मु। विषा महत्र महत्र सुपर्यो दिवस स्री पर्दे दिया माया पर प्रते स्वापित माया प्रमुद्र प्रोत यम्भाषियात्रपुः श्रिम् भागीयायात्राम्। ट्रम्बा ट्रालयायायाया द्वेर्'ग्रे'ह्माबर्द्यु'स्यप्रयावर्षास्येष्येष्यप्रयास्यात्व्यप्ये द्वेर् सम्मूयक्रेर्या ५६षा मु. म्या क्रा. क्या स्थार स्थीत हुय स्थार स्था स्थार यवे वया वर्ष्य र के शक्षा देर वया देवे हिरा वर्षिर मसुसा मलक प्यटा रट.क्रिंद.रेश.सं.ह्यांथातर.चींव.चुथ.तास्त्रर.लट.स्री.व.ट्यं.वश्य.टट.वींच.वश्य. ८८.उचावातासालाचा १९ ४.ज्.इमा.क्ष्याक्षात्रची स्रमालटा स्रीत्राह्मे प्राप्त स्रीता श्रेर्'र्'व्या रटंक्रिंदर्यश्रांक्र्यश्रायरं गुप्पर्यः भ्रिम् वेश्वर्यदे व्याप्त्यः

अप्रथात्री र प्रहेश सुप्रकार विषय । स्वाप्त का कि स्वाप स्वाप्त का कि स्वाप्त का क वजा रट.क्रिंट.र्टेश.सी.ह्र्चश.तर.चीच.व्रथ.टटा झर.लट.क्री.च.ट्र्य.चश्राचीचा. परुषाग्री मिले सिद्युत्र से द प्यादे मिले सार मिल स्वाद मिल स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स लटा चर्यवाच्द्रेरव्या वयावण्यार्थेर्द्रशास्त्रियाः श्रुरावाद्रेष्रावरुषाव्या वरुषान्दावन्यायम्यहेन्यविश्वेम नेमानया नेषायिन्यानेन्दावन्यायमः वसरमायविद्धिमा नेमामवा नेमायन्नाः क्षेत्रमामावसम्मायविद्धिमा नेमा वया देन्यद्वाक्षुरवर्मेनान्तेद्वात्रीवयावश्चराधेनायविष्ट्वेता विन्नाने दूरियार्थे क्रमशक्रमाख्या स्रमाया स्रीपार्टिक स्रोत्राह्मण स्रीपार्टिक वेषायवे म्वार्य्यू र दे प्यत्वा भ्रेष्ट्र वर्षेवायवे भ्रम्यकायदे र दिषासु प्यक्ष्व यवे प्रवाय वर्हेर्ग्रीःवयावशुरायदार्गायेष्यायरावया रेग्येर्ग्याञ्चरायदाञ्चेगार्रेषावरुषा मुनायरुषाद्रायन्यायरायहेद्रायवेषायमुग्रूरायराद्वायावन्याया दे'र्येद'यवे'ह्रम्थ'ग्रीशदर्देशयें'इअश्चार अर्था क्षेत्र'यदि केद'स्मार केद'द्व वयायगुरायदानगणीवायवे द्वीरा देरावया क्षुम् केंबारवा हेवायवेयाया लुष्तराय वर्षा यर्षेत्रर चीयात्र हिरा ष्रिषात्र विषात्र चिषात्र चीया छी. ह्रम्बर्गीबर्ध्यम् म्याचे बर्धेन द्वास्त्रीय स्वयाय स्याय स्वयाय वया गर हे व प्रवेय ध्येव व परे व प्रायेष प्रवा व प्रवेर व व व प्रवेर व प्यव व प्रवेर च्र-प्रविष्यः मात्रुष्या प्रकृष्य प्रविष्या सुर्गुष्य दिवा प्रविष्य प्रविष्य प्रविष्य प्रविष्य प्रविष्य प्रविष्य स्वानि हिंदि स्वानि विकासी निकासी क्षेत्र स्वानि क्षेत्र म्बिक्के स्थायन् माना वयाय् मृत्र निर्धाया मानिया विक्षान हो। यने वे चित्रक्षेत्रभाषान्त्राच्याः हो। युन्यसायदे याः ह्युत्याः वाष्याः यवाः सः स्वरावसाये दर्गसः यदे द्वे र वे का क्वें का राते हो। वक्ष र यदे र कें क्वें या या पाया विष्टे विष्टे र वे र या स्रवाग्याता क्रित्रायते क्रिक्ष्म प्रात्मा प्रवास्त्रा प्रवास्त्रा स्रवास्त्र न्वीबानि नावबान्नी नेवान्नी हेबान्नी स्वाप्तान्यम विक्रामी क्रींबानी स्वाप्तानी स्वाप्ता धेव की देव की वे साधेव है। देव है सिया पविव साधेव यर पहेंदा बहु या थे याः म्यान्यान्यत् मुरायदे स्वर्धा विषाळ ५ स्वरं स्वरं मुराया प्रायदे राया र सुराया स्वरं स भर्षेत्रात्तुःक्षित्रःत्र्। ।वि.कुच चेत्रात्त्वः भ्रेष्ट्रात्त्रः विश्वत्यात्त्रः दूर्यात्तः स्थायः ग्वम्यमः क्षेप्यम्यम् न्यात्रः विषयम् ग्वम् क्षेप्याम्यम् विषयम् क्षेप्यम् विषयम् क्कि.य.ज.चेर.त.चार.ख्रेच वज्ञजाता.देव.जीचारा.ज.क्वी.य.लुच.य.चार्षच.क्वी.लुच.तर्मा. विचत्त्रपु. भ्रीमा पूर्य ग्रीमा रहूरा मूर्य स्था नावय त्या भ्री चमार पुरा विषा प्रते नाबन 'न्रा नाबन 'सेरे नाबन महिका ने नासिन स्थापन नासे स्थापन नासे स्थापन चरुन्द्रभायमान्नवमायद्भात्रम् । देनः सय। सः वेदे : समायन् । तमा पर्वाः भ्रेष्ट्रस्य पर्वा पर्वा स्थान हिरा वेशरयार्झेन्सेरेरेरवोयाळेंगारेरेरार्वेट्शयायळ्टायाना ह्यार्थायां वेगरा यह्याव्यायम् भीता क्षेत्राप्तेव के युरायमायवन क्षेत्राप्त के प्राप्तेव प्रमायक स श्रीयित्रम्पर्याम् स्वराद्यायात्रम् स्वराप्ति स्वरास्त्रम् स्वरास्त्रम् वयर विश्व के प्राप्त क मः इत्रुत्र् प्रित्याययम् अयि द्वेष्ट्र अयम् यवेत्यये द्वे मावेत्या दे यद्वे मया त्त्रुरः श्रुवः रशः मृत्रेवाशः यद्वेवाशः यद्वेवः श्रेः देवाशः यद्वेवः स्थान्। श्रुवः रशः मृत्रेवाशः य

यस्यानुगरादेशमान्त्राक्षुम्यायेष्यायेष्ट्राद्वेम देसम्बया देशस्यामा सळदाहितः ग्रीमानुनायदे कुं त्वमानमायमायम्यदे श्विम देमानया देन्त्यः सम्मिन्यायम् त्रुक्षित्र। लट्षिक्षे क्र्याच्याच्याच्या द्रुष्ठे सः रूजात्रात्रर वीषावर्षाञ्चरषः यद्रायम्याप्रायम् र्डेन्यमागुर्भे र्ज्जेन्य के देवे के रेवे के रेवे के न्य के न्य के न्य के न्य क्र्यम् र्टर्ट्राम्बेर्रम् ग्रीम् ग्रीर्याद्वेषायर स्रायम् रात्रेर्ट्री विषय्यम् यास्य यदे न्वें रिषायर प्रथम् वर्षा हेषा सुन्यवा यदे रहन साधिव व र र वी हेव वा हव क्रिन्यायान्त्रम्यायान्त्रम्यायान्त्रम् द्वित्यम् वित्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् विषायिः त्वायायहेँ निष्णे व्याप्यू राज्याययम् षायायायहे वाषाये विष्णे निर्देषा र्यः इसस्यायन् माञ्चे स्याधेक यम हिम्मायि हेस्य न्यमाञ्चे या विष्यं चेमा क्रिंब न्याया की अकब न्यूरा हे या खु न्याया परि कं न साधिव का न'से'वहर'रे। रत्वे हे ब वाह्य केवा ब त्या प्यायहे ब तब वियाय र वा शुर्वा विता हे सि व्युव क्रेब्र से र प्यतः दे १ द्वर वासुत्र ययाप्य प्यतः स्रुक्ष वादिषात्रीय वासुतः दतः तवाया विर हेर्नुब र्थेन प्रति द्विम दिव के लिया सेना या किया मी जी में प्रति में के प्रति में यर वया में दर्गयहें दर्भवे वया वर्षे दर्भी वया वर्षे र द्रिया वस्तर सामा वर्षे र वया क्षेत्रमाने दियां प्रमान वा क्षेत्र प्रदे न प्रते विवादि वा विवाद प्राप्त वा न वनाधिकका क्षेत्रदानी प्रदेशमें इसस्याप्य ना क्षेत्रस्य में निस्यापित है स्याप्य निस्यापित बरमी नर्द्र भर्मे इससा पन्ना यस क्षेत्र स्रोति क्षेत्र स्रोति हो क्षेत्र या प्युन ने रान् पन्न स

त्तुः भ्रियालू र प्तुः श्रीमा विषयः लटा श्रीक्रमा स्वाः त्तुः श्चिर्वे व्राप्तुः व्याप्त्यूर उठ्यायायहेव व्या श्चि द्वी श्चिर्वे व्याप्तुः हेया र्या क्कें पर्लिन्यर म्बर्ग हिन् ग्रीन्य परुव वमन्यवे क्वेरा वर्नेन मा ने वर्नेव व्यात् शुरु र देशाययम् रायायहेन न राष्ट्र हिनायर पर्टे न परि र्येना हेना विनायापरि कुर'य'र्नेर्स्ससु'यक्किर'तुस'ग्री'यार अया धित'र्नोस्यर वया रस'यर देवे स्वेरा उर्देरमा मराविकान्नान्याप्ति रोग्रान्याप्ति मुप्पराविका विषायिः श्रुवारमायार नगायमेरियाः स्नवषासुः ववायिः श्रुवायार नगाळेषा छन्। देरावया देवाधिरा स्थाराचेन विक्रिन द्वासावयार्यात्रीसाधुःनार्याः ने वया स्टामित्र मुंगु स्टामित्र मुंगु राये मुंगु राये मुंगु स्टामित्र में प्राप्त में स्टामित्र में प्राप्त में स्टामित्र में प्राप्त में स्टामित्र में स्ट वया क्रिंच र्रोद सरम कुम चक्रुरम र्र येगम व्हेन पर्दे र महिम कुम मुर्ग रर विद য়ৢ৵৻৸৴ৢয়৴৻য়৴৻য়ৢ৴৻৸৻য়ৢ৴৸৴৴৻য়ঀ৸৾য়৸৸৻ড়৵৻য়ৢয়৻য়ৼয়৻য়ৢ৸৻য়য়ৣৼয়৻ धुःगुःरद्यत्वेषःग्रीषास्रेद्रायसःयवेद्रायासःद्र्येद्रषायदेःश्वेर। यदायःद्रेग द्र्यः सर्व क्रूट पर्योत् दे। देवे के महिषामा के साउव सु मु मिषा येव पवि स्व र र र गायासुंग् कर्यायान्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप

कुन्यास्य कन्यी ज्यास्य स्वर्णी स्वर्थ स्वर्णि स्वर्णि स्वर्ण स्वर्ण स्वर्णा स्वर्ण स्वर्णा स्वर्ण स्वर्णा स्वर्ण स्वर्ण

चयायक्विंगालेश्वां ज्ञाण्याद्यायाः ह्या । म्याद्यात्रे म्यायायायाः स्वयाक्वे संत्री । स्वराद्यात्रे म्यायायायाः स्वयाक्वे संत्री । स्वर्थायक्वे मालेश्वां स्वराद्यात्रे स्वराद्यात्यात्रे स्वराद्यात्रे स्वराद्यात्यात्रे स्वराद्यात्रे स्वर

स्वार्ट्डिर्यंत्रेर्याम् स्वार्थित्यत्रेर्ड्ड्रिर्यंत्रेर्याम् स्वार्थित्यत्रेर्ड्ड्रिर्यंत्रेर्याम् स्वार्थित्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वा

सम्बन्धन निर्मेन स्थान यदेव पर्व अळव कि ५५८। क्षे अणुव हैं य यदेव पर्व अळव कि ५ धेव पर्व क्षेत्र सक्षत्रेत्रतिः स्रम्यविषायायस्य विषयायायास्य स्रम्यति प्रतिः मेष्यस्य ५८। विभायविः क्रेंशिंदावाः क्षेत्र दिंदि होत् श्री क्षेत्र भासेत्र या स्था विभा यायाद्दे स्वायादे समामित्र र्यामित्र र्यामित्र र्यामित्र र्यामित्र समामित्र र्यामित्र यार्हेग्रायवे इसासिक पुनि प्राचित्र प्राचित्र हो। दे द्वापार्हेग्रायवे प्राचित्र हो। क्रासिक समर मुग न र्रेन परि रेग रापि से मार्थ का है है न पर्म न सामिक म् इर्रिन् मेर्ने मेर्ने कर्म स्वरं से से से से से से से डेबान्नेम लटावाडिवा वैवायविगान्नेहिंचाक्षेत्र डेबान्नेम लटावाडिवा गुन्हेंचा धेव व र्येन परि गुव हैं व धेव प्रशाद्धिय हेश हो । इट र्ये के प्रव रहे। इस प्रवर यमा नयाने प्यत्रम्यते ग्राव हिन के यहें द्रायम्पद खेना नहिम सुक्रे हो द्राया वेशम्बर्धर्याःवेदा देवाशयश्यादार्श्चायवदाती ब्रूट्यःक्षरम्बुयःयवेगाुनःहेतः सेर्पिरेष्ट्रिरप्रा यर्प्षाप्राप्ता हैर्गिष्ठी मिले सम्बन्धेरपरिष्ट्रिया पर र्ये नुपन्ते। क्रेंब र्ये खूट पन्तर अनुपर्य रिष्टे र है। क्रेंब रे क्रिंप स्वाप राया खूट पन्तर साम्यायायायादावेन इसासिवेदास्यायायाद्वीयायस्यादेव्हारा श्रेकेंद्रपदेधिमा दरमें अम्मुयमा देपदेवम्मुयमुयम् । विविधमे गुव र्हेन परे ब माया मुंबर्हेन पर परे मिल स्वार मिल से वेषा श्रेश्रक्ष्रकाने। यर नगण्य द्विय छेश्रयदे यर नगन्ता ग्रां द्विय यने व तार्ष्रतात्रत्रेयत्तेष्रतार्ट्र्यक्षात्र्येव इत्यद्गीयहूचत्रा है। यद्गीयहूचर्ट्य

श्रामिक्यायदास्त्रीम। स्राम्यानेष स्यादात्राच्याम्याम्बर्धसायास्यादन्तर् स्यानेष्ठमा <u>ञ्च'मित्रभःसुः सूर प्रते '५ पर भिष'५८। १ 'या ञ्च'मित्रमा ज्ञमित्रभःसुः सूर पर्यमापितः </u> गुबार्ह्स्वाधिबायवे श्विमाते। देविबादिबादिवायां श्विम्यायवे नामा वर्षा के दिल्ली बः इर प्रदे कर अयर पर नेयर नेयर प्रवाधिय नेयर में स्वयं में या ने प्राप्त हैं स यः सम्यानुयायमः द्विषायिये द्विम। स्यविः युवाषावाषुस्रायायान् स्वापनादी हेव र्थे परेब पर परेब परे परेब परें के परें के परे गुव हैं पास प्रिय परे ही राहे। दे र्येन। परिः गुक्र हेन पुः पर्हेन करो विष्क किराया है। वाका हिन्य परिः निरावन विष्कृत ग्रे मा क्षर परि स्वरास्य रेस पर्हे ना प्रेमिय पाना दिन हेस स्वरास है हिए ग्रीस पर्हेना भ्रामुबायविष्ट्विम। नम्प्रीनेमानवा गुन्धेन पनेन पायहेनायान नाम स्निम्यवे क्द्रसमायह्मान्म्सायवास्त्रम् स्रिमा स्रिमान्या पर्वमायहमान्या वर्देग्नर अमा की कुर्णे वा क्षर परि कर अस वर्हे मा की सुरापदे किया है राविष यर वया ने सायने बाद हें बाने विया से सार्थ कर समास है या साद है राति। ने सार्हे बा र्ये परेन में अर् र कर्र समास में निमायि दि र र र । इस पन् र पमा स र नियम पश्चन्यते प्युवान्दर प्युवान्ड मुस्रमार्थेना यदे गाुवा हैन मु नेदे ही रासी पर्देना ने वा गुबर्द्ध्विष्ठ व्यक्ष्र प्रवेष्ठ अभावहेषा द्वीषाप्रवे क्षेत्र विषाप्रवे गुबर्द्ध्वा ब्रायटाने या हैं बाब बादहें वा द्वीया द्वाया का देवा परि प्रवास के वा बारी बाद के परि वा तर्मः स्टर्स्र त्रात्रः स्टर्भः श्रम्भः श्रात्याचार्यतः स्ट्रीर्मा विष्णाम्युर्मायमः युवायते स्ट्रीरा र्नेबर्रुः ब्रेन्यं बेरवबन्यान् ग्रीयाबस्यां । नेर्याविष्यं मे। न्युः सप्यन्यस्य

૾ૄૼ૱૽ૼૺૺ૾ૻઌઽૢ૽ઌૺૢૢઌૼૢઌ૽૱ઌૹૺૹૺ૽ૹૣ૱ૹઌૹ૽ૢ૽ઌ૱૽૱૱૽૽૾૽ૢઌ૽૱ૢ૽ૢઌ૽૱ૢઌૢ૱ मेर्'रु'क्र्र'सम्भासिक्षियायिः भ्रिया विवायावमा वर्रेर्'से सुमाने। रेमार्हेन यें यनेवायह्वायह्वायानेवासुःळन् सवाहेषावायये द्विराहे। नेवाहेवाये यनेवायहेवा ता.क्रॅट.च.क्रॅट.च.क्रॅंर.भ.बीच.त्रर.क्र्र.भग.सूर्यश्रतपु.क्रिंप.पे। क्र्यंत्रतपुष.तद्य. यार्ह्मेन संग्विन प्राचिन निवादिन हो निवादिन स्वाधिन स ने द्वर क्रूट पञ्चट पञ्चर पुराया मुयायर क्रिन्स स्तिष्य परि क्रिया विषय याष्ट्रियाः देव। रटाकुरायशः र्हेवायायनेवायेरानुवायेरा स्वायाया नेषार्ह्मेन ये पनेन मुपान र ने वे ने निष्धु मिन मायी माया स्विन्य स्विन मायी हिम वियामायमा लटावाद्य तमान्नमाक्टियान्य नुम्मायमानमान्य वि हेब यदे नेब में ज्या हैंब यदे प्यत प्राप्त हैंच प्यति छेब ने मा प्यति छेव वहेना हेब की केश हैं या देश प्राप्त रेश में मार्थ मान हैं हैं हैं या से किया है हैं हैं या से किया है हैं हैं या से किया है हैं हैं कि किया है कि से कि से कि से कि से किया है कि से किया है कि से चुक कु नम् स्ट त्या हे क क्या प्रदेश हे क कु निया दे विया प्रिया प्रदेश विया प्रदेश विया प्रदेश हेबर्येंदेर्ज्ञिस्बर्क्क्षेक्षरस्टर्वावय्यध्येबर्यकाष्ट्रियर्डकाचेस् इटर्येक्षेयवद्दी वहेवा हेब की केश दें या हैं बाय दे यह द्वा येव वा दे या है बाय दें गांव हैं वा साथ बाद विषा ततु.ह्ये र.रेटा तमार्यमानी वर्षेटमारे स्थितमात्रे र.रेटार्ट्ये रें त्वातात्रमान्त्रेया तत्रिम् युन्यमानिकायाक्षेत्रायाक्षेत्रायाक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायक्षेत्र गुक्रें स्वर्णिन्यवे स्वर्भेन्ति विषायवे गुक्रें स्वर्भन्यवे स्वर्थन्यवे स्वर्भन्यवे स्वर्भन्यवे स्वर्भन्यवे स्वर्भन्यवे स्वर्भन्यवे स्वर्भन्यवे स्वर्थन्यवे स्वर्यवे स्वयं स्वर्यवे स्वयं स्वर्यवे स्वयं युन्यान्यसुस्राययम् स्वापन्य देन देन देन देन देन प्रति प्रतिस्थायस विवाय स्वीपाय स्वीपाय स्वीपाय स्वीपाय स्वीप बरद्दिवाहेबर्पदेर्जे झुकार्रा द्वादायश्यिवायरहेवाकायकाष्ट्रियादविकायाया

ने^ॱसावितातपुरक्षित्र। सार्चातास्र। चारसात्रस्यक्षितात्र्यमात्रात्रप्रक्षित्रस्य चिःस्वासःसूरःपवेःवेसःपः ५८। ह्येःवर्षेःचें स्वासःकेसः ठ्रा देरः घया देवेः द्येर। हन्य देर वया व सूर परिकर सम स्वापर हिन्य परि द्वेर। विय ही। क्रायम् । यथा वाक्ष्रायते क्रायं । स्रायं विषय वाक्ष्याय । विषयं विषय वाक्ष्याय । र्येन प्यर हैं नश्रापाधिक हैं। विश्वास्य प्रति श्विम। इन्हेन श्राह्म श्री है वि त्रि.श्रुचित्रः अर्जन्य राष्ट्रः स्थित्र स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान প্রষ্ঠানের নিক্সান্ত নিক্সার্থ রীবাপ্রষ্ঠান প্রীত্তর বিষ্ঠান বিষ্ঠান বিষ্ঠান বিষ্ঠান বিষ্ঠান বিষ্ঠান বিষ্ঠান বি धेवाया देन्ना द्वेव के वेनि हु त्यहेना हेव येते हिं सम्मान सम्मान सम्मान विषामिशीत्रात्तुःसित् देशायःहूत्वियःदी यहमाध्यामिषात्तुः विषात्तुः विषा तातात्रह्माद्भेषात्र्युं स्विष्क्षेषात्रमान्यात्रात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र चन्द्राच्या प्रमान्या विष्या देशाय देशा स्वर्धित स्वरं के यद्रम्भूर्यते स्वर्भंत्रामिक्रामिक्रम्भूर्यायते मिक्रम्भूर्यायते स्वर्भा ब्रायद्देनाःहेब्रान्ते। वेशर्टे याःहेंश्वाब्र्याप्यराद्दनाः धेवावायाः वायदान्ताः विवादाः वायदान्ताः विवादाः व यार्ह्स्यात्रसायाराद्यायात्राचारावित यदेत्रावह्त्ताः सुर्वा सुर्वा सुर्वा सुर्वा सुर्वा सुर्वा सुर्वा स्वा यदेत्रा वित् सुर्वा स दे'यार्ह्स्यात्रयायार प्रमाण्येत्रायये द्विमा महिषामादेम वया व्यन्तवित्रादे स्तर्यो यर द्वर वी ने अ दें या दें या कर या पर प्राप्त या पर देव पर देव दे व के अ

૽ૢૺૢૡ૽ૺ૱ઌૢઌઌૡઽૡ૽૾ૼૼૼઌ૽૽ૢ૽ૢ૾૱ઌ૽૽ૺ૱૽ૢૢ૽ૺૹૻૻ૱૱ઌઌઌઌ૽૽ૢૼૹ૱ૹઌૡઽ૱ઌ૽ૹ૱ त्रत्रिम् लट्रह्माहेर्मी जेराह्रा वाह्रिया हेरा वर्षा व्याप्ति वर्षेत्र प्रकासानियः यद्रा देखेबब्रस्तर्थरास्यास्य विवय्येषात्र्वा विवयः देश्यादेशेषात्रा ऀॾॣॕॺॱॺॺॱ॓॓॔ॺऀॻॱॻऀॺॱय़॔ढ़॓ॱॺॗऀॸऻ<u>ॗ</u>ॸॸॎॱॸॖ॔ॱॾॺऻॗॸ॓ॿॱॾऀॸ॔ॱय़ढ़ॱख़ॣॸग़ज़ॱॾॗॕॺॱ वयार्थिवायाध्येवायादे द्विराति। वास्वरायदे क्वरायदे क्वरायाद्वी वास्वरायदे क्वरायाद्वी वास्वरायदे व्यवस्था पर्वः द्विरा विष्ठेषः पर्वेरः चया दे स्वरं प्रें प्रदः चिरं वीषायाया स्वरं प्रवास धेव परि द्वेर देशव परिवाहेव हिंदा यथा परिवासिक स्वासिक है। परिवाहेव हिंदी त्रभः मृत्राचार स्राध्या । क्रिश्य पृत्र प्राच्या विष्य क्ष्या विष्य क्ष्या विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विषय यवे नेषाया खुवान् रावरुषाया वहे वाहे वाची नेषा रे वाहेषा वषा यर न्वान्रा वस्वाम्ची विवास्त्रम् यात्रात्रीय विवास्त्रम् विवास्त्रम्यम् विवास्त्रम् विवास तर्वित्रवर्वेत् । स्रेन्याद्रेरः इस्यानम् वस्यान् नुस्यान् नुस् यरः ळ ५ स्था है न थायायायुम्याय देव से ५ ५ छ ५ स्था है न थाया है व ५ वर्षे ५ वेष यर म्ब्रुट्सप्यदे देव मृद्धिक लेवा वुस्रप्य मुक्दि प्यदेव प्यर क्रित्र स्वर् यदे निमान्त्र निमान्त्र निमान्त्र प्राप्त निमान्त्र निमा ब्रायुक्षायागुब्राहेचायदेब्रायमाळ्दास्याहेन्ब्रायवे न्यामान्यायाया वर्ने स्र रेनिकाने। ने विवायर वया ने धिकाक पुरायणाक हैं वा मु धिन यर रहने समार्ट्सियायायीयात्राच्यायात्राच्यायात्राच्यायायात्राच्यायायात्राच्यायायात्राच्यायायात्राच्यायायात्राच्यायाया

क्ष्र- क्षेत्र- क्ष्र- क्ष्य- क्ष्य-

श्रमान्ते प्रतास्त्र प्रकृष्ण अप्तान्त्र प्रकृष्ण अप्तान्त्र प्राप्त प्रकृष्ण अप्तान्त्र प्राप्त प्रकृष्ण अप्तान्त्र प्राप्त प्रकृष्ण अप्तान्त्र प्राप्त प्रकृष्ण प्

ब्रेन्शियहर्यम् ह्या मृत्वहर्श्वरा ह्या धुःमुःसहर्यत्वे मृत्यः हुरा सहर्यत्वे मृत्यः हुरा सहर्यत्वे मृत्यः हुरा स्वर्यत्वे मृत्यः हुरा सहर्यत्वे मृत्यः स्वर्या स्वर्यत्वे मृत्यः हुरा सहर्यत्वे मृत्यः स्वर्यः स्वर्य

 यह्न क्षेट्याश्चार्या वीरायतुः स्वाराया स्वारायतुः स्वाराय स्

रवात्रयात्रम् स्वायात्रम् स्वायात्रम्यस्यात्रम् स्वायात्रम् स्वायात्रम् स्वायात्रम् स्वायात्रम् स्वायात्यस्यायात्रम्यस्यायात्रम्यस्यायात्रम्यस्यायात्रम्यस्यायात्रम्यस्यायात्रम्यस्यस्यस्यस्यायात्रम्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्

'देवायानेयाळ्दायायवदावुवादिंदितत्त्रियायानेयासुर्येदाविरहेदार्टेबाळ्यारुवा र्नेबर्म्सप्यनेबर्यवेखळंबर्छन्थ्येबर्मा नेवेखर्हेण मुन्य्येबर्यवे स्वेमा लेबर्यवेषा सरमाक्रमाग्री अधियामान्याची अधियास्याची स्वाप्ताची स्वाप्ताची स्वाप्ताची स्वाप्ताची स्वाप्ताची स्वाप्ताची स्वाप विषान्च अन्ति अन्ति । दे निष्ठिषाञ्चर मुदायदि स्त्यानी षा अन्ति । यदि स्तरि । ৾՟ঀয়ৢ৻য়য়ঀঀয়য়য়ড়য়ড়ৢয়ৼৢয়ৼঢ়য়ড়য়য়৾য়ড়য়ড়ৢয়ড়ৢয়ড়ৢয়৸ড়ৢয়৸ড়ৢয়৸ড়ৢয়৸ড়ৢয়৸ড়ৢয়৸ वन्नन्ते। ने वहें ब प्रवे हें मायाने ने वामिक्षा सूरान्य पर्व से प्राप्ते ही माया ने प्रमाने के प्रमानिक मानिक मानिक मानिक स्थानिक स्थान पवःनेषान्चः सिवः स्वापेन दे। दे निविषा सूर दर पठ षापवे स्वानी षासिव यवै द्वि र हो। देश गुव हैं व पदेव य द्वर व व सामित व गुव हैं व पदेव र यायाम्बेशाङ्कराम्बरायवाङ्ग्रीमा परायाम्बर्गा देवामानुबर्गायाः सिव्यान्त्र में त्या क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र में देवे सिव्यान्य सुनाम केता प्रते क्षेत्र ने^भ्ने तेगाःकेवायम। सम्साक्त्रसायीःसम्बन्धसायाः स्वासार्हेन्।सासान्द्रमायाः सूम वर्षासिव देव्या भी विषयप्रित्या परिषय देवा ने त्यात के वास्त्र के देव के विषय चवेर ग्री मर्डे प्रेंच महेर न नेया च केया उन्हें स्था सही क मी का सामि के प्रेंच महेरा स्था सही क प्रेंच प् में.म.स्यमान्या दमामहिषानीमात्रमामहिषान्यात्रीमान्या पर्वः द्विमा नेमः वाषा नेषाने वाष्ठिषः स्तूरः न्दः पठषः पर्वः स्त्रीं वषः सार्हे वाषायावारः बिन ने याने मिन्न स्वाद्याय स्वाद्या स् र्ये देर व्या इस सिंदे देश सिंदे के लिक लिक सिंदे हैं से देर वया इस

मिष्ठे म्हर्मा सिष्ठे प्राप्त का मिष्ठे प्राप्त मिष्ठे प्राप्त मिष्ठे प्राप्त मिष्ठे प्राप्त मिष्ठे प्राप्त मिष् इस्रासिब इस्रासिब जाइस्रासिब जर्मा हा निर्मु द्वीर निर्मु स्था सिक्ष स्था सिक्ष स्था सिक्ष स्था सिक्ष सिक्ष सि मुयाका क्रांसिक केंगालका हिंदाक्रांसिक या माना मिंदा इस्रासिब्रायाइस्रासिब्रायमाद्याप्ताद्याप्ताचाराचित्र इस्रासिब्रादेग्रा क्रैर.लीज.ज.भ.उचिज.चतु.पुष.त.लाष.ततु.हीर। षुषाचारीरषाय.लट.चज.उचीर. गर्यस्य प्राप्त स्यासिव स्यासि ने ने या महिषासु सी सूर प्यरा ने या ने वे प्याया प्याय सम साम महिषा सूर प्यवे हुर। मवरालटा। इसामहिराग्नीयाइसामहिरामहिरामहिरामहिराद्या मुभः स्वायान्य वया इसायविषः मुभः इसायविषः ग्रावः ह्वायवः स्टायान्य वया त्तुःक्वानी मार्ट्यायाना स्वाप स्वापात्रुवा स्वापात्रुवानी स्वापात्र्युवानी स्वापात्रुवानी स्वाप ब्रूट प्राया मुंदार देवा का प्राया देवा का अनुका का अनुका अन ब्रैट.य.ट्रे.भीय.ह्य.तपु.ब्रैट.य.त्राय.तपु.व्री.र ट्रेट.वाजा व्याप्तविय.जाव्यात्राप्तिय. इंट.च.बोट.खुवो इंश.भड़िय.बीय.हूंच.लुय.तुर.हीरो टेट.हा.टेर.घवो इंश. चन्द्रियुराष्ट्रिर इत्रायाक्षर द्रा भ्राक्षर प्यत्रेत्या स्वाया स्वया स्वाया स् क्रमायाप्तवगानु क्री रुटापिय क्रिया सूट व्यवासिक प्रतिवादि क्रिया सामिक प्रति लानियाद्वाद्वाद्वात्वाद्वात्वात्वयात्रम्याद्वेषास्यात्र्वेषान्त्वेषास्यात्वेषात्वेषास्य चमिरमानमानु नमान्य मुन्या भूत्र भूत्र मुन्य मन्त्र मुन्य मन्त्र मन्ति मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्य मन्त्र मन्ति मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्ति मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्ति मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त् वर्तवेषात्रेषाञ्चरात्र्वाचात्राचार्त्राणुः श्रूराचात्र्वाचायाचीत्रीत्राचाया विष्रा ब्रूट 'द्र प्यरुष 'बेष प्याच 'द्र 'प्ये 'ब्रूट 'प्याय 'व्रे द्र में ष्याय प्याय विषय होष '

विषा वर्रेत्वा इस्रासिक्रेक्रित्वा न्यायतेष्यायायात्रिषाः सूराससुवायरा स्वया लटा भवमाचीयः रुषे त्राकुषु विवासाय वर्षे त्री वार्कु त्राय हूरे वा समामिष की मा क्रामिव न्युश्य द्वट क्रिय प्रते क्रिय मी क्रामिव क्रामिव प्रते क्रिय क्रामिव प्रता क्रिय क्रामिव प्रता क्रिय क्रामिव इस्रासिक की इस्रायास्य प्रत्य प्रति । दे के से खेन्य हो। इस्रासिक खा म्ध्रमः बैटायेदायदाया क्षाया मित्रायी अधियात स्थिता सामीयाय। हे क्रिया क्या ट्रेम्स्या ब्रिंट्रायामिक्यास्त्रम्य्ये क्रिंग्ये स्थिता वित्र ग्रावास्त्रायदेवायाध्येवायदेःस्त्रीय। याववायाया इसासिवाइसासिवायायदेशः ब्रूट्यानुवायरवाया इसासिन्न इसासिन्न वागुन हैवायवे ब्रूट्य सन्न न्यासिन हिरा दरावण समामिष्यसमामिष्या स्थामिष्या समामिष्या समामिष्या ब्रैट पर्य ब्रैट पर्ने ग्रीब हूँ पर्तय ब्रैट पर्लाब पर्य ब्रिम निर्माने माना समा मविष्यायाम् अपिष्याम् प्रतिष्या स्वायान्त्र स्वायान्य स्वायान्त्र स्वायान्त्र स्वायान्त्र स्वायान्त्र स्वायान्त्र सिविषः इसासिविषः प्राचिषः प्राचिषः प्राचिषः प्राचिषः स्वाचिषः प्राचिषः स्वाचिषः स्वाचिषः स्वाचिषः स्वाचिषः स्व त्र व्या ट्रेन्य महिषा सूर स्वाय प्रते कुषळ के विषा प्रति प्रते सुरा हमायावया क्रियायवेया पर्टेरामा समामनियायसार्यायार्याचार्याचेयाये क्रियास्य क्रिया इसासिक्षेत्रपुरायायाम्बेद्राष्ट्रमान्यस्य पर्देन्यानेवाद्वीमा वर्देन् वः क्रासिवः में अपनिवः स्टाप्त अपन्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स च-८८-विश्वराती नेबादी श्रिक्ष क्या वाची र द्वीत व्यवस्थित

तद्विम् । क्रिंट इश्चा म्याविक् क्रियाचिक क्रयाचिक क्रियाचिक क्रि

त्रुवा तम्याप्त्र द्वाप्त्र विकार्यक्ष स्वाप्त्र क्षेत्र स्वाप्त्र स्वाप्त्

*ऀ*ज़ॱॾॣॸॱॻॱॺॱऄॴॱय़ॸॱॻॸॖ॓ॺॱढ़ॾॕॺॱक़ॗऀॱॻॴॱक़ॴॴॱॷॸॴॱय़ऄॱॾॣऀॱॺॴख़ॖॸऒ॔ॴॴॱ त्तुःदे।वित्रःकेदःत्यवःविवाःग्रेवेषायायेवेदेवःदुःवळदःयःय्यदःक्षेत्रेयायःके। सुदःर्यवायः मु दे विष्य हिंद तयत विषा मंत्रिमाय विषय पर तयत विषय में सु मसुर स्याय सुर स्वास यने म यो या प्राप्त विश्व विश् ्रेनिमार्याः विष्यः पृरक्ताः प्रदेशे स्वार्या स्वार्याः विषयः क्षेत्राः स्वीर्याः स्वार्याः विषयः स्वार्याः स्व र्जेंद्रेर् । इस्रमिव क्रीयत्तर सूर्याया योष्ट्रिय क्रीय क्रीय क्रीय विषय याने सिराने तुराने विष्य सेन स्थानी वेषायर महिषा सूर स्वाराये स्थानी वाषा विषायवमा इसासिव मीषाहासाय विषय प्राची विषय प्राची में प्राची विषय प्राची विषय प्राची विषय प्राची विषय प्राची व ळ्या ग्री भारे ते रेटें र हे रक्षा पान विन भारते भी ने प्रति प्रति स्वी मा विन से विन व्यक्तामित्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यासित्र व्यासित्य व्यासित्य व्यासित्य व्यासित्य व्यासित्र व्यासित्य व्यासित्र व्य धिरा हमसायसा वर्देन दा सुर सेंगसायने सार सूर पर केंस उना देर मया देवे भ्रिमा वर्दे दा सम्सामुसाग्री प्यानेसावासुमार्सेनसाम सुमानमा वया वर्नेन्यनेवे स्वेरलेषा अप्वयःह्री तेगाकेव यथा सम्यक्तियां श्रीयां है क्षेत्रपासिक्षित्रपात्रे सात्रेनापवि पन्नाकन्या ग्रीयापक्षत् क्षापुर स्मिन्या सूरापासिक् ग्रम् नम् अन् अन् क्षे क्षे क्षाया स्रोत्र मार्था प्रस्ता क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्ष ब्रूट दर्गेषाते। ब्रूट यदे सेद यद से मुह त्यागुन हें यदे पेद न है है दाया सिन त्रमार्थ्यम् स्पूर्ति स्पूर्ति । विद्याम् स्पूर्ति । स्पूर्ति स्पूर्ति स्पूर्ति । स्पूर्ति स्पूर्ति स्पूर्ति स अविक क्षेत्र स्प्राच के नाम का चया देरासुरार्सेन्यासाम्बन्धार्याते सुरा वर्देन द्वा इसासिव की सारे मिना

येदः म्बेन्यस्ट्राहे क्षेत्रः प्राप्त क्षेत्रः प्राप्त क्षेत्रः विकान स्थान क्षेत्रः प्राप्त क्षेत्रः कषेत्रः क्षेत्रः कषेत्रः कषेत्र

इस्रसित्रण्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यत्यात्र्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य

त्रत्रात्रे के ने के चिस्रास्त्रः द्विम विद्धव इसामिष्ठेव क्रीयावायर दे स्टायर द्वेष विद्यार्थ स म्डिम्'तु'अष्ट्रिक्'बेर्'चेर'प्रके'यह्य दे। दे'म्सुअ'तुस्मिडिम्'तु'सेद'प्रेर'दे रे वि'सट'दे'देट'वी'कु'द्रट'। दे'देट'सट'देव'ची'कु'येव'यदे'ख्वेर। वि'डेव इस सिव्यक्ति की भारे प्रेरामी रुभासु मायार सामावयायार । दे प्रेरामी रुभासु इसासिव मुभावासरासिक्वावेमान्त्रा देन। वासरादे रेटानी तुसासु इसासिक्वामी वास नुःधेन पर वया दसप्तर देवे द्वेरा वर्दे द्वा विषट केंग रुना दे रेट की द्वासुर्येद्यम् वया देरेद्राचीद्वासुर्वस्य सिव्याच्च विवयः च्याचित्र विवयः विष्ठेग दे देरमी त्रासु इस सिव्य मुक्ता वार्य स्था मानविषा प्यत् । दे देरमी त्रा रुषाणु दस्यासिव जी पावया द्वाप्ति सम्मान्या दे दिरानी रुषाणु दस्यासिव जी या हिंदि मालवायवे श्विमा वर्देद मा दे सेट मी दुष ग्री पेंदि या पेव यम खवा वर्देद यदेव सुरा विकारी वह रामा हिना है। दे रेर मी त्रा मी समाम हिन के मारवा। ब्रिंद्र'ग्रीभ'वि'षट'म्बिय'चर'चया ब्रिंद्र'ग्रीभ'क्रेंस'चसम्बर्ध'ठद्रम्बव्ध'च'मद्विम वि' यर दे क्रिया वस्या अद्याप्त क्षेत्र प्रति स्थित । दर से दे रावया हिंद गाँव ক্রমান্তরা ট্রিন্'ট্রমাদ'মন'লাৰঅ'নম'লআ ট্রিন্'ট্রমাক্রম'লমম'ডেন্'লাৰঅ' यमार विन विष्यर दे के शामस्य उर्गी वर क्षेत्र धेत्र परि द्विर दर्भे दे र

हीरा हीर हीरा हीर हीरा ह

त्याचीश्वातात्वरात्तीः क्रियं त्रुवं क्रियं त्रुवं क्षियं त्रुवं क्ष्यं त्रुवं क्षियं त्रिवं क्षियं त्रुवं क्षियं त्रुवं क्षियं त्रुवं क्षियं त्रुवं क्षियं त्रितं क्षितं क्षितं

त्तुः हिराने। यमार्यात्वेषा ग्रीमा स्वीमा स्वामा है। ग्रीमा चित्रुं देश नेश से 'ग्रीटा यश य व व व व हे श से 'यश ग्री 'च व क व श से स्था ष्टिन यमायनाम्याने यमाग्री यन्त्रातु क्षेत्र होत्याम् विमाने मा ने स्री यम् यर वया दे यम ग्री य वस तु दूर हैं के व कि व स्वेर क्षेत्र दे दे र वया दे यमाग्री तयमापुरे ही प्रमाधिम परि हिम देम हाया दे यमाग्री तयमापु धिम परि धिरा देरावया दे दर्देशार्या प्येष प्येष धिरा देशा देशा सामा प्याप्य प्याप्य प्राप्य प्राप्य प्राप्य प्राप्य प्र वर्षाणु वर्षम् प्रमुद्ध हे । दे व्यक्ति । दे व्यक्ति । दे व दे वे प्रदे व वर्ष व व व व व व व व व व व व व व व व रटाव्यमाद्वमाञ्चेदायदे।याद्वा कीद्वीयविष्यमाग्रीविषायमारटाव्यमाद्वमा श्चैब र्झेब पर्स्वा पर्सेव पर्सेव पर्सेव वर्से की प्रायय पर्सेव पर्सेव वर्से की प्रायय गुःविगपःकेषःउद्या नगेपःधिदायरः वया रदः यत्रषः इतः चेदायने पायत्वेदः ह्ये दुर्भिक परि द्विम अर्गिपिय व्यवस्त्री विषय के विषय के प्रिम परिवास मान रटायन्यास्याञ्चेत्रास्यायस्यायन्त्रेत्रान्तेत्राध्यायस्यायस्यायस्यायस्या यासामिताङ्गी दे.यद्भे विवासाद्ध्यास्तर्भे स्थानियान्त्रे विवासाद्ध्यान्त्रे स्थानियान्त्रे विवासाद्ध्यान्त्रे स्थानियान्त्रे स्यानियान्त्रे स्थानियान्त्रे स्थानियान्त्रे स्थानियान्त्रे स्थानियान्त्रे स्थानियान्त्रे स्थानियान्त्रे स्थानियान्त्रे स्थानियान्यान्त्रे स्थानियान्त्रे स्थानियान्त्रे स्थानियान्त्रे स्थानियान्य भ्रेम। यम्तित्रम्भावाषम् वीत्यकातीत्विनायकाने मेमनी मुक्तासुत्यवकातुन्ने का स्यित्वेद्रयार्भेद्रयम् वया द्रवेश्वर्षात्रव्या विवायमायम् वया विवायम् यायकुःर्येब्रायदेःर्देग्'तृत्यव्ययःतुः ५र्देशसुः दव्विष्यः य्येष्टिः यदेः स्वीरावाः हग्यायाः चैताङ्गी कैंबारराची पर्केंट उचेबारेट्बा बीरा की राजा उचे राजा हो राजा वीरा विरानीयानु पान्ने पानु प्रमुन्या स्री प्रवान प्रवेश स्री पान्ने न पर्ने न प्रवेश प्रवेश प्र

श्चेत्वन्ते। विष्यम्भी वया ग्री विषया ने स्मानि मुस्सु सेन् प्ये स्थित। ने सम्बर्धा विष्यर मी यश्री मिनाय दे दे दे दे मी दुश्व सु मिनाय दे मुना दे दे मा दे दे मा दे दे दे मा दे दे दे हैं । युवर्त्र्याणुः स्नुद्राचिषायित्रं स्वयायि स्वयायि स्वयाची विष् बन्दे। देन्द्रेटमीनुबन्ध्यामाबटमीय्यबन्धीक्षिन्यस्वया देन्द्रेटमीनुबन सु'वि'सर'वी'यस'विवायदे'स्चिर'त्र। साम्वयंत्री । सर'वि'स'री द्वीयदे'यस'ग्री' विगायाध्येवावा रदायत्रवास्याञ्चेवायत्त्रेवात्त्रेत्राध्यात्रवीवायरात्रया देवारदा वचराम्याञ्चेन वच्चेन पर्व स्वेन । नगराम्या वर्नेन ना म्याञ्चेन सुर चेन पर्वः द्यापित प्राची विवाध के बार के बार के बार के प्राचित के विवाध के प्राचित के विवाध के प्राचीत के प् न्यायः प्रत्ये द्विमा ने मार्था क्रा क्षेत्र स्पृतः विकायते प्रते प्रवासन्त्र विकायते । पर्वः द्विरा देराचया द्वीपर्वः यशायक्षम् विराधिः स्प्राप्तः साम्यक्षाम् र उचराक्का हुक यदे या राष्ट्रिक या भाष्ट्रिय या राष्ट्रिय । सावर्ष या गाँक मिल्या गाँक मिल्या । इस्रानेशस्रान्यान्या स्टानेनास्रान्यान्या स्टाक्नुनाम्भान्यान्यास्य यद्रा क्षेद्रिं भेर्ति यद्रा के श्रेण यद्या वहें के क्षेत्र क्षेत्र के व्याप्त विकास रद्रायसम्बद्धाः व्यास्त्रेष्ठाः विद्यान्त्रात्रेष्ठाः विद्यान्त्रात्रेष्ठाः विद्यान्त्रात्रेष्ठाः मृ.लुचे.त.स्थरावजातकी ४.युठ.विष.शूट.श.लुचे.तृत्रीयश.लुचे.लुच.लुच.त्रा.यघर. रे इ दे रेवायान्त्रे न्वनाङ्काया इसमा ग्रीमा गुमानिया क्या नेमान्त्र स्मानेमान्त्र वर्ने । किर विषय की मार्स की रायर की राकी मार्थ ताम की विषय की विनाय दिसार्य पर्दे द्राय सेना साधिक यदि द्विम। समानी खुना सही के साम समासमा

मी'अळ्ब'छेर'ग्रीबायायीय.कुटा। यहेब'बबायध्यायात्रवातात्रवातात्र्यात्रात्रीका गुक् 'निविदे 'क्रा' नेषा से न 'यम 'विषा 'येक 'या सेनिषा 'ग्री 'ग्रुव 'साव या विश्व स्वया प्रश्नुम 'विषा येक 'या सेनिषा 'ग्री 'ग्रुव 'या सेनिषा 'ग्री 'ग्री 'ग्रुव 'या सेनिषा 'ग्री ' र्बेट संज्ञेन प्रवे मुयासवर प्रविने विष्णु ने मिन प्रवे प्रवेत प्रवे मुन क्रवे.मी.भव्तर.जमायर.क्रटे.मेटे.जमात.क्षे.ये.दु.मी.मूंशाझरमामी.प्या.क्षेत्रा. ૹ૽૾ૺૡૢ૽ૺૹ૽૱ૹૺૺઽ૾ઌૠ૽૱ઌૺૺ૾૽૽૽ૢૺઌૢ૽ૺઌ૽ૺ૱ૹ૽૽૱૱ઌ૽૽ૹઌઌ૽૽ૹ૽ઌ૽૽ૹ૾ઌૹ૽૽ૡ૽ૺઌ यदे प्रवाक्तिकार्शी माना प्रवास प्रवास क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रवास क्षेत्र क्षे हेब पुरसेना गुब मिलिय हमा निषा हिन से पर्देन परि दिन निषा साहिय है। होग कुर्यक्री.शहूट.जभायर.कट.मट.जभाट,छेट.वीटवीम.वीचर.वीम.वेम.ह्वी.तम.मुभमा. यमायन्। यदे द्वरायन् रात्त्र प्रति वित्र व कर सेर 'यस'या न्वस प्रति सेसस प्रति सुर 'या हैना हिंग्पिर प्रम प्रहेर प्राम्य प्रति स्व हैंगांर्च्च ने प्यत्राणी में स्वयासाय प्रमान स्वया हे दे सुत्राणी प्यत्राणी में स यचेगळे क्रिंग अर्घेट यस प्रस्कर सेर यस प्रकार है रा देर ख्या देवे कुर য়ৢ৽ড়ৼয়ৢ৽ঀয়য়ৼ৾য়ড়য়ৼৢৼ৽য়ঢ়ৣয়য়৾য়য়য়য়ড়য়য়য়ৢয়য়য়য়য়ৣয়ৼয়য়য়য়য়য়ঀয়য় वनासे ५ त्ये से देश विष्य से १ देश १ विषय से १ विषय श्रेश्वर्यत्रेत्रः स्थितः सिर्वाणी त्रवाता त्रवाणी हे ब्रामेन्य स्था स्था स्था विष्टि स्विः हमाराइसरामार विमा देवे युम्रायाय स्कर् सेर यस हेर मारम्या मिर द्वारा

हें अर्घेट यस पर कर सेर यस या निवस परि सेसम र्यय रूप रे केर रूट क्रू ५ भी क्षेत्र स्ट्रास्य भी प्रवासिय के स्वास्य स्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य सळ्यानिहस्याधिन्द्रावहिनागुम्। नम्बन्यस्यहिन्यस्याधिन्द्रावहिन्यः चर्षयम् । विवादर्वे र.चयु.र्वे वे सामान्य कर मर विषय त्री विषय हो स्वे स यद्रा धर्णु इस्ययर विषयाम्बिष्णा सहस्रम्बन् वन सर्थि गुर् र कुर्पिते न्नित्रासुः धेर विषारे न्ह्रिय क्षेत्र स्ह्री यर ये ना अर्दे व सुरायवना दर्गेषा यमानिय। ट्रिंगस्ट्रिंसर्स्ट्रिंसर्स्ट्रिंसर्स्तिया हिंगस्ट्रिंद्रिंस्सर्सिक्रसंत्रिय त्रमाधियः क्रमां त्रमा श्रीमीषु ख्रिमाता क्रमा वियाया स्थाने मानवा देवा मुरा सम्मुत्रमा सुम्मुक्तिगठमा हिन्गी निमायहिन्गी पन्याय भिमाय भि हिर्द्रमार्थाणेव यदे हिरा वर्द्दा दे के माउवा दे सामिव यम हाया हु गुविनुसासुयद्भायासायीम्यविद्धिम् देमा देमा देसुगुविनुसासुसाविद्याया लिब परि द्विमा ने मानवा ने सु गुरि र त्र मानु परि स्विमा सामुन का मु गु क्रियास्त्र वित्रियो नित्राय हित्रियो प्रव्यय पुष्पेत्र प्रया हित्र दिसारी प्रवित्र प्रवेर ब्रिमा वियमाब्री साया श्रृम्ये राये सम्मित्र साय के सम्मित्र साम्या स्थान विवायमावया क्षुम्विकार्येम्बायायीवायविष्ट्विमा विवायायवा वर्नेनिक्षां वुकानी स्यादिर्भास्यत्रभायाध्येन्यदिः द्वीमा नेमावया स्यादिः स्थाप्तादिः स्थाप्तादे स्थाप्तादे स्थाप्तादे स्थाप्तादे स्थाप्तादे स्थाप्तादे स्थाप्तादे स्थाप्तादे स्थापति स्था ग्वनम स्मृ मु के मार्क म

र्थे प्रेम प्रते सुभा ने प्राप्त केन वुम प्रते प्रम्म प्रम्म प्राप्त प्रम्म प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान त्रम्यते सर्वे स्मापने वाद्वेषाने सर्वे सम्मापन वे सम्मापन वे सम्मापन वे सम्मापन वे सम्मापन वे सम्मापन वे सम्म हेप्यन्यायाध्येवाव। युम्रायये नुषासुप्यन्यायाध्येवानम्बा नेप्यार्ह्स्याहे सार्येन्या याध्येत्रात्ता देवे द्रायास्याचे दर्भायाध्येत्र दर्भायाध्येत्र स्वीता विक्रम व्यापवे विकाय याध्येव वा व्याध्येव द्रवाना ध्येव प्रवास्त्र विद्या देवे सार्वे द्रवाया ध्येव वा वा विद्या विद्या विद्या विद्या लिब प्रकाष्ट्रिय बेरा हा साथा पुसायि विषय पुर्वे के सा है या है विष्ट्रिया सम्मूयाम् नेषानुः केषान्त्रम् दे दे राष्ट्रया दे प्रसायते प्रद्यासार्वे प्रदेशासार्वे प्रसाय नमुसर्भे नाम दुरानाम विन द्वि सामित्र भागाम प्यमा स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स तुमापते तत्रमातु तुमापते तत्रमापाये त्या यमा वामा वामापी तत्रमातु वामापी तत्रमा याधिक या माराबिम नुसायाधित प्रवेश्विम न्दार्यो ने सामा व्यवागी व्यवसानु यमणी त्यापमारा प्रेम परि द्विम देम ह्या यमणी त्यमप्र त्यम त्यापमारा इर.ज्यूचे.तपु.ही में वाषवे.लटा जमाग्री.वचमायी.जमावचायालामा त्राचा वर्षाणु रव्यर्भः वुः क्रेक्षायः ५८ वर्षायम् वर्षायः ५ राष्ट्रायः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर ग्रिशताता विषात्त्रं के क्रूशक्षा शालुष देग्यात्वा विषात्त्रा शालुष देग्यात्वा साम् दिरमायाधिमायविष्ट्विमा मामुयामा नेमानुःकेमारुमा नेपेमायविः कुंदेर्त्रासुर्युस्यासासादेत्रायाधित्रायदेष्ट्विम् ह्वाबाञ्च। यत्विवायान्तेत्रायाः लिब्रायाताः क्रिक्रायां विवादा क्रिक्षा क्रिक्षा क्रिक्षा स्टान् मास्तु विद्वार्थितः विद्वार्थितः यर वया हिन् हिन रह जह लेग हिन नहें मार्थ प्रेम यदे हिमा यदे र साहिया वर्रे न विषयित्वायवे न् सासु विषय मान्य वर्षे न वर्षे व्यानि विवायविवायवेन्यासुन्यः स्राचायवायवे स्रीया सामुयावा ने केंसा क्षा रट.रीय.य.र.क्षर.य.लुय.तर.हाजा ट्रिय.त्.लुय.तप्.क्षेत्रा ध्याया. र्भेः भवेषा मानुपासस्मयाया क्षेपविषयास्यार्केषाठमा देरानया देरीन्धेरा वर्रेरामा रे केंबारमा रहार्यासु सेरायर मया रहार्यासु क्षे पविमायधिमा त्रत्रिम वियासी यात्रामे स्रीत्वियत्त्र स्रीत्र स्वियात्र स्वित्र विया योशीरश्रात्तुःहिरा योष्यात्तरा ट्राक्ट्र्यात्रथी परार्थे ही प्रविधातायात्त्रया त्र व्या रट र्षासुरदेश पतिवर्षा प्रवर्षे राष्ट्री र र र्षासुरवर्षा प्रविवर कुरपा विश्वानसुरशप्रेरे द्वीरा नवरणरा विनाय रहेशर्यणी स्थारे प्रवेना त्रभारवर्त्तराच्या वयविषायार्त्रमार्गुलेष्ट्रप्तिः द्विरा रेराचया वयाववाया यर्द्रमार्याचे मार्वाच्या व्यव्यवन व्यव्यवन व्यव्यव्यव व्यव्यव्यव व्यव्यव्यव व्यव्यव्यव व्यव्यव व्यव्यव व्यव्यव वयमायुःचक्क्रीर्यंदेश्वराहे। यायरायमायमा बेमार्सेन्माग्रीमाब्दार्देनम्ब्रा यविश्वेर। मन्त्रायर। निमायान्त्रियाँ यो नियन्त्रियाँ यो नियन्त्रियाँ यो नियन्त्रियाँ यो नियन्त्रियाँ यो नियन्त्रियाँ यो नियन्त्रियाँ यो नियम् धिरा देरावया मःविद्रेर्भार्याः धेन पविद्वेरा देरावया हेन प्रवेयायन ययाः यङ्गिरुषाग्ची बदाळव पुग्चूरायवे का निप्ति स्थित यवे श्विर देश बरळ्बर्नुणुरयवे क्वेयव्यक्षर्वे बरळ्बर्नुणुरयवे क्वेय्वृह्यवे स्वेर वया क्रे.पर्यः मेथा वेशः अट्ट.जशः वर्षः स्तरः ही रा वावयः यटा

विनायान्दिर्भार्याचीवायम्बन्धा विनायान्याकुः चिन्यविः धुना नेमाबना निर्देशः र्थे बिनायाया कु र्व्येन प्यवे रिक्षेत्रा नेत्र वया नर्देश र्थे खु स्रोन रु स्रोप्य है मा यम्। ह्रेन्युव केव र्सेव नासुम विव त्यायहेव वसाय सम्मी युसाय हे रेन्स मी पुसा सुवित्राणुम्। देःरेम्नीपुषासुवित्रायासाधिकयापम। देःरेम्नीपुषासुन्निग ग्रमा दे:द्रम्भे:द्र्यास्विषायास्राधिषायाम् सम्भिष्ठेष्ठाम्भे:द्रम्भे त्यासु सार्ये दिया गुरा दे दिरावी त्यासु सार्ये दियाया साथित दिविया गसुर सा दे वः विश्वरंभीत्रुअयार्क्षेत्रास्त्रवा दे दिर्माणीत्रुत्रास्युत्रायद्वाया दे दिर्माणी रुषासुःसायन्षायाध्येषायवेःध्वेम। देमाध्या देग्मेरमी रुषासुःवन्षायान्ना दे रेटमी'तुष'सु'स'यद्ष'यम्मट'रुट'येब'यम्मट'विम दे'रेटमी'तुष'सु'यद्ष'य' माण्येनपर्दिश्चेम। हम्मार्श्वासार्द्दम। नदार्द्द्रमा नदार्द्दिम। विचः हैं देन्द्रमी दुषासु यद्याय द्रा देन्द्रमी दुषासु सायद्याय विषाद्रस वनवायित्रयदे द्विमा नावन याना ने केंब्रा उना ने में मिन्या सुरास विनायम वया ने दिन में नुषासु सालियाया पेताय देश ने दावया ने दिन में नुषासु विनायन्ता देन्द्रम्भानुस्सुस्यविनायनात्नुत्रध्येष्वयनात्विन देन्द्रितनीः र्भासुः विवायास्य प्रवायते श्विमा हवाया श्वेषा स्वाया श्वेषा वाया व्यवस्था वाया व्यवस्था व्यवस्था क्रिंग रुवा दे रेट मी दुष सुया देट सम्मध्येव यम वया दे रेट मी यवस युधिव यवै द्विरा दे त्यार्षि कारी दे रिस्पि पुरासु रिस्सिय प्रमा दे रिस्पि पुरासु सा दिम्बर्धानिक्षर्द्रमायम्बर्धिक्यस्य विष्ट्री देशस्य विष्यापर्द्रा दे देरकी र्षासुस्य विवाय विवेश र्रे सारवाय धिवाय देश हो । वर्रे राष्ट्रा वावि सुरा

वः ने देन्द्रमी नुसासुर्वेदसाय न्ता ने देन्द्रमी नुसासुरसार्वेदसाय मृत्युत्येत् र्नेषायर वया वर्रेर यारेवे क्षेत्रा वर्रेर वा विषय केषा उवा रेर वया देवे भ्रुमा वर्दे द्या दे देर मे दुष सुर्वे स्थाय प्रेक्ष वर्दे द्या मर विग ने रेरे में नुषासु सार्वे स्थाया स्थित यदि द्वी रा वर्ने न ता ने रेर में नुषासु ब्रेवसयाधिकयम् वर्षे प्राप्तेविः श्वेम वर्षे द्वा दे में मिन्स सु श्वेयः यविवायध्येवयम् मया वर्देनयनेविश्वेमा वर्देन्स्य क्षाना ने सेमनी नुषासु युःकेषान्त्रम् देत्षायान्तासादेत्षायान्तिषायम् वाष्ट्रम्यान्ता अय्दर्भायान्द्रिभावन्याध्येत्रायवे द्वीरा वर्देन्त्रा न्यान्नाने प्यन्ना सेनाधित वर्षेत्रभायात्रत्भावेत्रभायानातात्रुताधेवायशानुवायमान्य। वर्तेतायात्रेवे स्विम्। वियाही वर्षासावर्षामहिषार्ह्णावमवात्रिष्यं वर्षामा अन्यान वर्षास्य वर्षा बन्दे महिषामार सुर धिब यथा विषय पर्धे द देविषा परि स्थित । पर्दे द बा मार अमा मियनमार्क्स्या नेरामया नेविधिमा वर्नेनमा वेत्सायाधिनायमामया वर्देर्याम् विम अविस्थाया अध्येष्ठायविष्ट्वीम द्विष्ठा आम्मानाम वर्षा अविस्था न्भःगसुस्रायानारम्भः स्वाया सामुन्यानेति क्षेत्रा वर्नेन्द्रा सिन्यर वया वर्ट्रमान्वेदाष्ट्रमा स्वायामययास्ययास्ययाम्यविष्न् मास्त्रस्यासी। यदा विष्ठेम वर्षास्रावेर्या द्वापास्याप्ता देमस्याम् स्याप्तान्ता अष्ठअःभेव चेरायक्षेत्रविताते। तास्यायेव वातात्वितायेव । हिरा देरावया दुशायेन न स्नामीन यद् हो दायेन प्रमानु न पर्वे हिरा हमा मुल्रिंश्चर्यं सार्युट्यं सार्युर्वे स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्यं स्वरंत्र स्वरंत्य स्वरंत्र स्वरंत्य स्वरंत्र स्वरंत्र स्वरंत्य स्वरंत्य स्वरंत्य स्वरंत्य स्वरंत्य स्वरंत्य स्वरंत्य स्

गुन्न मिन्न प्यत् क्षेत्र मिन्न मिन

त्रेन भुःर्द्रम् । त्रमः भ्रेन्यमः भ्रेन्यम् । स्वान्यम् । स्वान्यम् । स्वान्यम् । स्वान्यम् । स्वान्यम् । स्व

<u>२८:२८:२८:५५:२८८:४७४:अर्द्ध्रयम् । कुःय्ययः सुरःयःभिःद्वाशः</u> क्यां क्विंपरा विषयाम्याम् यापिकाया रमार्चे कि विकारी क्विंरे के के दार्गर *ऀ*धुःर्रेयःर्नेदःङ्करःषीःवेषःयःयनेदःयरःशुयःङ्गे। ङ्गःयनःसेनःगुरःङ्गःयनःङ्करःयवेः विषायाक्केष्ट्रेपविष्ट्वेरावेषा हमाषादेवरक्कुषळ्यामुषायषवायादेवस्यावस्या ञ्च. चर अह्ब डिट ब्रु चेश्वराय दर्भ कु. खुट इब खु. हु. चरेव यर बुवाय रेवाय तमारक्ष्मित्रपुरिया भवत्रदित्रात्वा विक्रम मामुख्यार रेमाग्रीमामर यर म्बर्यायर स्ट्रीट या मुन्नुमारी सुर अके द स्वेद खेरा ने राष्ट्रिय स्वाप वेषायाञ्चा वर द्वरायार राधीर्वाषाणी श्रीवा वेषायाळु ग्रीट इवा विवा पु द्वराया न्त्रन्यारी के अक्टर्यं के लेक के रायि कर के रायि के र मञ्जमाधिक प्रति द्विर है। दे के क्वित क्षेत्र विषायाः बूट प्रते वा बुवाषाः धेष प्रते खेरा विषयाः के प्रवाद हो। सु विद खूट प्रते श्रवानियानुसायाञ्चा विदास्ता कुः सुदास्ता विवानुः सूदायदेः धार्वायानु स्रोता चेषायाकुः सुदास्नाप्त्रमात्त्रमात्रमायायायायायायाया ही राष्ट्रमानेषायादेषायादे स्र इंट.य.श्रम.चेश.येष्र.त्र्यम.चेश.सं.वतायदः हुँय तर्वायदः हैर। लटाय हम पञ्च बिरमिनेर पर्सिर यमार याष्ट्र श्रेणी द्वा भग मुख्य मी अर्ज मुख्य द्वा प्रस्थ परि कें इते सेन नेम विषय विस्वार में पर्त्र है दिया सेते सेन नेम वास्तु रहार्ना व यर्टा लुर्चे वर्षा कुराने वर्षा त्रिया में स्वेदा कुराने स्वेदा हो। स्वेदा कुराने वर्षा

च्च नामान्य प्रतिकार्यन क्षा क्षा स्वाधिय । स्वाधिय ৾ঀ৾৾৾ৼ৾৾৾৴৻য়ৢ৾৴৻ঀ৾য়য়৾ঀ৸৻৾ঀ৾৴য়ড়ঀ৻ঽৼ৸৻য়য়৻ড়৾৻৾ড়৾ঢ়ৼঢ়য়ঀ৻ঀ৾৸৻য়ৢ৸৻ঢ়ঌৢঀ৾ बिट्रामित्रायास्त्रायाम् वित्रिक्तः विष्यासु सुरुष्या वित्राचित्रः द्वीति । स्रिविष्ठाम् विष्या ग्रीभानेतिःकः नमासुः शुराधिः कुः स्टान्नायः सान्दा । भान्नामाग्रीः सेनाः नेमाग्रीभा देव:क:नमासुःशुरायंदाइनायनानासुसामानयायाधनान्। ।देःयाक्रेमाहे रेट केनः तःशूर्यात्राच. इ। याचीयात्रव्य. की. टेट्य. त्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र वर्वेर.चयु.मू.वर्ग्यामा.चेर.मा.लथ.तर.चना रमायश्वर.देवु.मु.म.खं.या माविय. हैं नेवेळे पनुन के नमा कुरमा नियाय पार्या क्या विया या सुरा में स्था द्रिरः स्ट्रिन् व्याप्त विष्ट्रिर प्रतिवाग्य है। क्षेत्र प्रतिवाग्य का विष्य प्रतिवाग विष्ट्र विषय प्रवा र्धिरः मरं में : कॅर्'र् 'यें र अ'या अ'मेर्निम्या रे 'रे 'म्यार्थिर कॅर्'र् 'यें र अ'या अेर्'यें र धुरा विकारी देखीयवदादी देखें सगामना सेरा स्ट्रां प्रेरण या पेरिया रु 'वेंद्रशयवे रु शर्णेर् यवे 'धुर 'बे बा सामुन हो। नह मुं मुं मुं सेंद्र 'न'रे 'हेर 'थे' देवाराकी.जवा.पे.चेटरायेरावर.उचेटराताये.की.घरायाये.देवी.विवा.वी.वेराता.२ये. र्भुः पर्वः श्रेरात्रे। देवे के देवे के देवे प्याद्वाका विषये श्रेष्ट्रा प्यादे श्रिरा देवा ह्ररः द्वरायद्वरायते क्या पर्दे द्वराया मान्यस्य राष्ट्रर स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वर यर व्या क उत्र रे रच मुक्ता में में अर नु अप्योव र त्र अपन्त पा स्र र में रे रच

हें रुषायित्र क्रिकेन पुष्ठ प्रयोगित्य क्षा क्षा क्षेत्र प्रयोक्त प्राप्त क्षेत्र प्रयोगित्य चैभ्र.५.४च.बेठ्वे.ल.ठ्वे.२४.चर्स्स्य.त्यु.क्च्री ५.४च.बेठ्वे.तू.द्यु.क.चेस्र.स्.वींच्र. भावियः है। हैं दाविषः नदायि। सामित्रा है सामित्र है सामित्र है। हैं दाविष्ठ सामित्र है। हैं दाविष्ठ सामित्र है। दर्भेर.तपु.ह्येर। लट.वि.कुच क्षे.श्र.ला.ट्येश.चश्रेश.ग्रीश.चश्रेश.चश्रेश.च र्धेरः मारः या छेषा छरः यञ्च षा परि स्केष द्वीर सेषा सेषा या या पुर हिरा द्वारा या प्रीतेः श्रवा.प्रेम.ताक्री.प्रट.टेबोट.तप्र.क्रॅट.त.स्र्वमा.श्रातघट.तप्र.घता पर्टेट.क्र.क्री.म्बे. चियानासीसान्त्राचार में राज्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र विचाङ्गी वर्च्याचाम्यस्याक्ष्याक्ष्यास्य स्वार्ध्यात्राक्ष्याः विचाङ्गी वर्ष्याः वर्षाः वर्ष्याः वर्षाः वर्ष्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्याः वर्षाः वर्याः वर्षाः यःसमितिषा देगानुवेःक्षेयस्य प्रस्थायस्य निर्मे केरियादे विषदेरिया भःश्लीषःविद्या बबःश्चेषःर्त्विषःवःवर्श्वे प्यःगसुष्ठःश्चेषःपञ्चवःविदःगविदःपद्यःगदः म्नीयार्च्यात्वर्यात्वरात्वर्षात्वरात्वर्षाः स्वतःश्रमात्वराणीयात्वरात्वरात्वरात्वरात्वरा सुः शुरुप्यते यत् त्र दिया प्रिना द्वा दिया स्रोति स्रोता स्रोति स्रोति स्रोति स्रोति स्रोति स्रोति स्रोति स्र कुः समान्त्राविष्टिष्टाम् विष्ट्रवाकाः स्वीकाः स्वीकाः स्वीकाः स्वीकाः स्वीकाः स्वीकाः स्वीकाः स्वीकाः स्वीकाः यन्तरायमा धार्वामायाळु सुराइना विना मु दूराय है देवे होना नेमाया हुराया धेरा यसम्बन्धाः भी भी अकेर र प्राविषा प्रमुख्या विषयम् सुरस्य या पर स्वाप्तिषामी विर्नेषाञ्चर यायार्षी वृषार्शे । हिन्याने वे त्याविष्य विष्य हि स्नन्यविर्धेष्ठ भेर दे। युन्य पदे पक्षिमान पहें न यह न यह वा यह या यह या यह सामित है ।

वह्यायमः कुरि। यदिया सम्दि या या कु सम्दि यर वह या द्वी मार्थ स्था स्वामा अः बुदा हो। कुदे विः देवा कुः अः धेव पदे खुराते। अदे विः देवा अः अध्येष्ठ पदे खुरा हें भरी विदेश में विद्या में मुद्दार में प्राप्त का मुन्य का में कि प्राप्त के में कि में में कि में में में में वः क्षर्र्र् । । विर्वार्वित्रयायायायावेषायहेर्। । ठेषायदेवायावयायवुराववे धुरा ब्रैट.युर.क्.क्.यू.वार्चे.श्रेश्वरात्र.टा तय्रार्ड्य.वुट.यु.तय्रायी.श्रूट.तर.क्रैट. प्रत्रात्रा विषया के स्वराहित है से से स्वराहित है से स्व वर्त्राप्ताम्बुसान्त्रीयापञ्चम्बिटाम्बिरापार्यस्यायादायाज्ञमाज्यस्यापदिन्छे। मिबि नेषाम्बनान्त्रनान्त्रवाक्षात्रम् अर्वा केन्याचेन्यवाक्षेत्राच्या विष् चेरानिक्रान्तियाने स्ट्रिं स्ट्रिं स्ट्रिं स्ट्रिंग स्ट्रिंग सेर्याने सारी स्ट्रिंग 'वेट'ने'' तत्र अ'तु' अ' अर्वेट 'च'' भेर 'चे' अंतर अ'ने विष्य केने । विष्ठेन अने नेयाने मिर्वेश देयायायिक स्वार्य मिन्ने दे देवा मिन्ने दे मायायाया निया हिन स्वी प्याया गायाळ ५ सम्बेरा वेषाय ६ माने प्राप्त विष्य दे ५ माने व्यापन विषय है । याळ ५ सम्यासे मार्च दे में ने मिल्र स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्व ने अन् ने श्रम् अन् ने श्रम् वा ने श्रम् यत्री इसस्य यायहेन नस्य स्यार्थिय। युवायि सेवा नियम वी हेन या है वे प्रियं यदि कें हि सदि होट दु सुद्र या सेंद्र यर हा वा पदि हें दि सार हो वा दि तर है। दे वा है दि र वर्षिन् पवि कें यम द्वर ने मादि केन के नम्म या प्रमान्त्र नम्भ मादि प्रमान

क्षेत्रादे ह्रेट रु सुब य पेरि से दर्शेष लेश यव यह यह य सार्के ना यदे ही सा पर व डिन धिर्नम्भाद्मस्रस्ययार्सेस्यम्दिर्स्यासुद्धी । ह्यानवराळायार्म्द्रिकेदिःसवरा च्रा विश्वानश्रुरश्यायश्रा क्षेत्रक्षेत्रं क्षेत्रक्षेत्रं व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्य चवः रेमा मु मिर्र भ द्वापि रेदि भी रेमा मु खायर दे मिर्र भ से प्रेर दे। इस पन्न व्यक्षा महिषामायर ज्ञाहि महिमानी विद्रामी रेमा सुर विद्या पिये हिरा विषा मसिरसात्त्रा हिरा वेसा चेरा हेर्य वेस दे स्थाय विदाय स्था हेर से साम से मा यद्राचर्ष्यम्पर्वः देवाचु विष्या अस्ति । विष्या यः वेशनम्बर्धानमा भ्रमानम्बर्धानमान्त्रः स्वामान्त्रः द्वामान्त्रः द्वामान्त्रः द्वामान्त्रः द्वामान्त्रः द्वामान्त्रः यान्तरायेत्राचे प्रमान्त्राचि प्रमान्त्राचि प्रमान्त्राचि प्रमान्त्राचि प्रमान्त्राचि प्रमान्त्राचि प्रमान्त्र मॅिट 'दसर 'दयर 'च'या रेग 'गुट 'से 'दसेंग 'यंदे 'रेग स 'ह्ग स' दट 'ह्न पदि 'ह्ने स'देदे ' युषानेषाग्रीषासेषायद्येनषायदे द्वनषानि द्वराद्य रावदे रेना मुर्द्धित देषा नेरा र्त्या नेषाचु केषान्त्रम् युषानेषानेषाञ्चन्यामित्रितः संतरे मेना चु र्केट प्यम वया ५८४ पठवः नद्विमादेवे सेमाद्य ५८ देवे छं पवे सेमाद्य देव महिमायवे ध्विस धुः अद्रेराचया क्रांचवे 'सून्यारामें हात्याराच्याराचे प्रेना चुः प्रवे 'सून्यारा र्मिट 'द्रसर 'द्रपर 'परि सं परि 'रेग 'ग्रु 'ग्रिंश 'र्द्रि 'ग्रु ग्रेग 'परि 'श्वेर 'हे। सं परि 'श्वेग्रा र्मिट द्रस्य रायवर प्रवेश रेषा द्वाध्येष का कं प्रवेश रेषा द्वाध्येष दर्भेषा प्रवेश्वेर है। देश्येष व मार प्रति स्वाम मिर द्वार प्रवर प्रति रेग मु स प्रवर दि में मार्थ से र मिन प्रति से र दि । धिव दर्गेषाया मदिवेग बे दिर बेदि रेगा मुद्दि महिना पदि भ्रिम भ्रिस देश है।

के लिया के दे पार्ट्या के का लिया के स्वित्त देवःरेगःचःकःप्रमःश्चेषायःदेवःख्राक्षयःप्रमानवःश्वर। मानवःष्परः। केःसवःदेदः मुःरेन्। मुःद्राप्तारायवे रेन्। मुवे मित्रि सम्बन्धा स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्व युः धेव व कं प्वते रेवा युः धेव द्वेषा प्यते स्वेर हो। कं प्वते हो रेंद् रेगी रेवा युः धेव व क्र.चतु. मेना चे.लाब. देम्बारावु.हीमा वावियाचा रर्गेच.रेबाक्.यवु.हे.वूर.ग्रीबा धार्वम्याग्री खुम्याया सेमायदे स्टेश्चर प्रदेश इस्राया उत्रार्त्त सुम्याये सेमायु हो। स्ट चर्रिकेर्द्धरे देवेर्रेन देवर्भा स्थाप्त स्थाप्त साम्वया साम्यया साम्य रुषात्रे र्देर ग्रीषायी रुषाया ग्री ग्युषाया सेषा प्रदेशके बाद प्रदेश हुषाया रुष रुष्टे हुष रेग मुद्दी के देंद देवे रेग मुस्याधिक यम मयावी विदेद का के पेंद्द शी रेग'द्यः भेद'द्र'म्पट'पेरे रेग'द्यु'स'भेद'द्रेष्य'यर चयार्थे । इप्टेर'ह्रम्थ'स'मुटा वः देरःचया देः धेव वः मारः पर्वः रेगाः ग्रुः सः धेवः दर्गेषः पर्वः श्वेरः है। देः धेवः वः म्पर्यते दे रेंदि भी त्रे मान्य साधिक निर्मेश यदि द्वे मा व्वापते रेंदि यान्यन यादि श देन्यायत्वे। देखा इस्रायम्दाणुःयुदाष्ट्राधुविःदेवान्यादाधवानेवा यम्दादुःर्धेदा वर्वः इस्रायाः उत् । दुः क्षेत्र्रायवेः रेगाः वुः दे। स्टः कुः दे दे व्ययाः वृदः वर्वः रेगाः वुः ध्येतः यायान्नेनिस्यायान्या युराष्ट्री स्रोदान्ति स्रोसायश्चेनायवे खुन्या मेनियान्य ययम ययात्रेषाग्रामक्षायळेषायवि क्षेष्ठिषायुवि खुषावेषाग्रीषाक्षेम्यवि खुषाषार्षेम्यम् सम्याळेषः त्रु.प्रमाचि.प्रा प्रमाचित्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त यवे भ्रेत्र नाम स्रम्भ ग्रम् विम पुरि क्रिन

मर द्वेर मर में प्यय द्वेर कुर दे यथ। विश से मर मर य पवि यः मगर्नेवन्ते। विवासे। इवाययेन्हनावाणीयासम्सनायनुमार्येनेना नेन्ने। वन्दि। रहारेनाः सूर्वानुतानुतानुतान्त्राम्यायहार् नाः तृः सूरायदेः द्वरायात्रास्त्रीतायदेः स्वराय हें स्वरासुपर्वे प्रतेप्तराद्वायर पर्वे स्यर मुवास मुवास मुवाद सुर प्रते स्वा ञ्चू य ने दे र ग्री रह ग्री र श्रीःह्रमायरःङ्क्ष्यायायाश्चिमान्वेषाण्चीयात्रुटान्द्रम्बाषासुर्यमित्रयायविषा माववायटा કૃ.પદ્દય.૮૫૮.૧૧૮થ. છે. કૃષ.૧૪.૮.૨૧.૧૭.૨૧.૭૫. કૃષ.૧૧.૧૪૫૧.૧૫.૧૫૫ કૃ. वहें मन्यर अर्दे मन्दरे द्वायवे द्वाये द्वाये में भागित भागित है भ लुबे.तपु.हीर। रेतर.बे। विश्वश्रात्रश्चिश्रातपु.जश्चुर.झ्बर्ग्ची.कैंर्जारवे.ता. श्चेष्य व्याप्त विष्या विष्या निष्या विरायराण्ट्रीयत्रिक्षेत्रावेषा क्रियहेवान्यरास्वान्तरानेषाक्ष्या ठव। क्रुन्गरेगासाधिवायस्या स्टायिववामीसामुयायियाववाधिवायिय वित्रः रो ङ्गिप्देदेव 'न्परः अर्देव 'क्ची' हेश 'सु'ने 'न्व 'पदे 'न्व 'वेश 'क्षेत्राय 'से' श्रेन 'यर ' वया दे.च्रिशः स्ट.च्रुवे क्रीशः चीयः त्रुं व्याववः त्रुवे त्रुं ही स् विश्वाये व्यावक्री स ने हिंदि रूट याया मर्वेद हो द दुवार्मी विषा ने यह वे खया वश्य के सारका र्मयास्त्राञ्च न्यापाने द्राष्ट्रित ग्रीष्ट्र व्याप्त्य स्वाप्त्य स्वाप्त्र स्वाप्ति । यास्वामासामुदाग्री याम देन सम्बन्धिय भेषमायदे द्विम हिंग्दे मान्य स्वामासिक के सुन्दर्भायत्राद्यम्भ्रम्भ्रम्भायक्ष्मास्य विद्यान्त्रम्भायत्रम्भायत्रम्भायत्रम्भायत्रम् यम्पर्विम व्रः श्रून्यम्मश्रयोयम्मश्रेन्त्रयस्य पर्वः स्त्रेन्यवे स्त्रेन् स्त्रेन्यवे स्त्रेन् स्त्रेन् स्त्र

यदः सक्षानि त्यान् श्वन्ता हिन्दानु सक्षान्य हिना पाणि वाता स्वाप्य प्राप्ति । अष्टियःग्रद्रा ह्रिमासेर्ग्भेर्भेयःस्त्रिस्यःस्त्रिम्स्यःस्त्रिम्स्यः वर् है। ह्याह्म वर्दे वर्हे मायाळ रामा आयो हाम केमा हाम हिमा सुरसूट विवे र्वाट विषाळ्ट्रासाधिवायत्राष्ट्रीराहि। स्रास्यायाचीमार्क्रीयाञ्चाहमायायाळ्ट्रास्यासा र्शेटा द्विःसः स्टायुवाकी विर्टिन्स्टावा त्वाविषा त्वाविषा सु। सूटावावा स्ट्रास्टा र्थर प्रति द्विरा विषाना सुरकाया की येन वा की हु। हुनाया हु। हुना प्रदेश हिना प्रते। ॴ॔ज़ॻॖऀ.ॻऻॶॣॖॱॻॣॶॴॹॱॸ॔ॻॿॗॺॱ॔॔ॱॿॖऀ.ॻॶॴॱॿऀ.ॻऻॖॶॴज़ॎॳॱॹॱॿ॔ॶॴॱॿऀ.ॻऻॶॴऄ॔। यदे द्यर विषाणी खुयाची वार्डीं ये राववा दर्वीषायदे ही रादर। दयर विषादे छंदा त्रेव चि क्वें : क्वें प्रते क्वें प्रते : क्वें प धिव परि द्वि र है। ने प्येन पाना विन हिर हैन केन खेन विश्व परि परि द्विरा हि भार्चीयः झी हूं चाराजूचा नेषाजूर राजार ख्रिच कैं अक्ष्य अक्षेर थाराजु ही र । र र र्ये विषा निष्या अक्षव हिरायार श्रीतावा विष्ठेव विषय र र से स्वी विषय करें यदायक्षयक्षर्भनात्रेयाचे ना ने स्थापनानी स्थिति कुन शी से प्रिति स्थापन विटा अर्क्केन मुन्दे प्रेक्ष प्राये भ्रिमा इटार्यो देस म्या देस्त प्राया में स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्व वहिंब अर्देब सुअ सून छेवा न द र्ये हैंब ये वायर न हें वाय यवे खन अधीव यवे ही रा **इ**'पिरे'ह्रम्ब'मिरेस'परि, प्राचित्र हिंदी हैंदी हिंदी हैंदी हैंद

स्र प्रत्वा देवीं संग्रह । दे वास्र द्रासंहिं वास्र प्रते श्वेर है। दे दे वाद्य द्राप्त स्र धेव परि क्षेत्र है। दे दे त्य है न का बेव है न का परि क्षेत्र परि क्षेत्र दे दे वा विवास है। क्रासिक सेर हिना नहिराय हिंद हिन त्यान हिन नेया सुमा ने हिंद हिन हिनाया बिन हें निमायि कें प्येत किया हियाया विमाय विमाय कें का समामिन स्थाय हिन स्य रटार्रायटार्झेटावेरायार्धरावेषात्रांचया यर्देरायान्यातेन कुरासवियारा कर अर त्यम कूट हिन हैं नमाय दे कें त्या के प्रति की मान के माय के मान के यदे कु न भी के निकायदे अधिक या लेक के कि तथा न निका लेक निका यर वया वर्रे र य देव के र वर्रे र वा वि र क्व र से समार वि कु र की र हिंद कि र हेन्ययःपदेः सिंद्वे संस्थितः सेंद्रः किन्यः प्रद्यनः स्वेषः स्वेषः स्वरः विषा । स्ट्रेनः यदेव्युरिन्द्वेरावेषा अष्टियाङ्गा चिराश्रेस्र स्वार्थियाञ्चेरा स्वार्थियाञ्चेरा क्षेर् नामर र् क्विम पर्व क्वें ध्येष पर्व क्वें र के। क्वें किर क्षेर वानामर र् क्वें पर्व क्षेप यांचेनार्थेन् यदेर्धुराने। क्विरान्यरानु क्वीरान्यरानु क्वार्यन्यदेर्धुराने। वियायमाविषाञ्चरान्वेषाम् ने यद्गायने नाये मुयासवराष्ट्रायायने से माना मिन्यविश्विमा ने याविष्ठामे। इसामिन स्निन्छिषान् मार्थिक स्निन्शिषा ग्रथर दुं हैं ग्रथ प्रवे के श्रोद प्यर ख्या हिंद दुंद ने श्रा थे देंद र यवि श्विमा अप्राप्ता ने देन मान्या ने सायने मानि सार्वे मान्यम् सार्वे मान्यम् सार्वे मान्यम् सार्वे मान्यम् स

म्यान् द्वारायाना विव कुन सम्यान स्ति । स्ति सम्यान स्ति । स् डेगाउरानु सर्वि सुसानु सार्हेग्यायदे द्विरावेव। साव्वताङ्गी देव। इरायसमा গ্ৰী'মইনি'অম'নম'ক্তন্'মন্'অম'শ্ৰীম'ৰ্ফ্লিন'গ্বিন'ম্ব্ৰম'ন্ত্ৰ'ল্বামম'ন্ত্ৰ'ৰ্দ্দিল্বম'মম' वया नेशः हिंद हिन अदेव सुअन् हें नश्यामान विन वर कन अन या निविद्या येव 'तु 'शुरायदे 'शुरा 'शें अभागी 'हें रायस'शी भारेंद्र 'हे त 'सर्व 'सुस'तु 'सार्दे न सार्य ' ब्रिम विवायावमा वर्नेन से सुमाने। नेमार्सेन हिन वाममानु सार्हे वामायवे हिमा ने_{रं} ने हेन्द्रिन हेन्य बेन हेन्य प्रते हें प्येन प्रते हिन हेन सेस्य ग्री सर्वेन यसः इसः म्यायायसः हिन्दि दिन्दि न स्वाया विष्या मक्रियायवासीया दरासीदेरास्या दे हिराहेरायादस्र वेषाणे वायवासीया ने इत्सेम्बरायसम्बद्धार्थे कुत्री केत्र केत्र केत्र केत्र मिन्य प्रति मिन्य प्राप्ति का केत्र यान्यन नेषासाधिक से निष्याये हिम स्वितने या निषय प्राप्त स्वराधिक र्ट्याञ्चयाची स्ट विर मुरायदे अर्वेट स्ट यायदेव यहेव स्ट यायदे स्ट याय अर्देव सुस्रानु म्वास्य न्या ने साने सिंदि सुस्रानु हिंग सामाना दिवा हुर য়য়য়য়ৣয়য়ৄৼ৻য়য়৻ঽৼড়ঽয়ৢঽ৻য়য়৾য়৻ঽয়ৼৢয়য়৾ঽয়ৼৣয়৸য়য়য়য় वियम्पायमा वर्तेन्त्रा इसम्मियायसन्मामम् न् मेन्नम् प्रवे केंस्पेन्यम् वया र्वे । १८६५ मा १५६५ में अस्य अस्य मध्य विष्य । विषय अस्य हिंदिन <u> २.वीर.ततु. र्ह्म्य.त्याकर.२. र्ह्म्यकातर.वता र्यारट.२८.२ वासक्य.२.वीर.ततु.</u>

क्रुंबर्ग्राह्मिकार्माचीर विवा क्रेंग्रह्में अस्व स्रुक्ष क्रीका क्रीका है न हिना त्तावर्गा है.स.रेर.घर्गा क्रूं.यह्रय.सर्थ.संस.संर.कुर्च.रर.तूर्य.कृ.यह्रय.सर्थ. स्याः भूत दिवा विदेशया दूर द्वायाद्वया दुः श्री र प्रेर हिंद रेश सिवाया देश हिर है। हैं र्भामक्षार् क्षार्याचे र्ह्म र्या क्षार्या क्षार्या विष्ठा विष्ठा स्त्रीत स्त्रा स्त्र यथ। रेट.शट.ग्रे.यथर.क्षेत्र.त्र्य्याच्यायश्चरात्री.यंत्र.श्चर्याः स्थायः ग्रेथाः स्वीया ह्र्यान् द्रशायह्यायात्रात्रेषाक्षयायभ्रातात्री । यदावाद्या स्टाय्यायाक्षायञ्चा चर्वः नेषायाः स्वारा सक्ताः सक्ताः स्वारा हे स्वारा है । स्वारा स सू'_{किले}शयंते'स्'न्ट'र्ये'न्ट'र्यायायह्न्यायंते'चन्द्र'यंत्रेर'त्रश्यान्हें'र्ये'यायह्न्य यवे द्वर द्वर द्वर दे। र एप्या की मार्डि र्वे प्या की प्रसु प्यवे की स्वयं से ही र की प्रसु चयु नेमानास्तर स्रयु सस्त्र स्रेन न्यु पर्हिना यान् मेरिमानास्त्र स्रोत स्रिना स्रिना स्रोत सक्षर हिन ने त्या क्रीं व त्येव पाव हिन क्षा है न त्ये दे व हिन पान है न क्षा व विकास शुःर्रूटःपवेःद्वटःवेशःक्रेशःरुद्या क्रदःस्रमः वया महः खुवःवःश्रेशः वेशः तालुष्ट्रात्रुद्धिम् विचायान्त्र्या स्वाषान्त्रम्था स्टावी सूटालुयाया से प्रसू पर्वः विषापाधिकापर्वः श्विम। बेमापाविक् श्विनः तुन् वर्षे स्रीपर्वे स्विनः विकासी वि वः ने महिषाक्रिकाक्रिका स्टाणुयायार्थेषा ने वाणेव स्टाणी स युवावार्वेन वेषाये प्रते क्षेत्र वित्रायावश्वेदान क्षेत्र क्षेत्र के त्र अर्दे के र्वे । १८८७ व इंट वी मानवा नु या की प्र सु परि क्षा पा संद अरे असं के दि । क्रेमां ने में प्राप्त हो। हामानाया पर दिस्म माम स्वाप्त स्वाप के स्वाप के स्वाप के स्वाप के स्वाप के स्वाप के स

लटा झै.स्वा.उह्रब.स्वाना.रटा ञ्च.चेश्वा. ञ्च.चेश्यासी. ञ्चटा पद्रा. रेयटा वेश क्रूया क्या क्र्यास्त्रम्या स्ट्यामानयान्यास्यानस्यान्त्रम्यान्यान्त्रम्या ने महिषामी प्रह्मा पुराने महिषामी मानवा द्वासा प्रमान हो। यायान्युन्यायान्त्रेया क्षन्यायास्त्राहेसायन्त्रिसासुन्युनेसान्नेम। यान्नेया सर्देनः सुसामी :क्र्या साया मुद्रासाय विष्या साया विष्या प्राप्त है सासी दिया में त्तुःक्ट्रायातात्त्रायात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्राच्याः विष्याच्यात्रात्रात्रात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्रात्या वार्वरार्यवे अर्देव सुमाळं र मार्टा विरागी अर्देव सुमाळं र मान्विमासु मारेमा यम् इया वर्षे मार्मे सुरा विषय सुरा देवा के सा बेमा दूर है। स्ट्रिं सुसाळद्यासाधीन यदि द्वीराहे। सर्देन सुसाह नायाधीन यदि द्वीराहे। सर्देन सुसा ५्कृरप्रेन्ष्वप्रपु अर्थे ५ प्रेन्थि राष्ट्रिय देश्वर ५ मा अर्दे ब्रम्य प्रेन्थि राष्ट्रिय देश्वर देश सर्वि 'शुरु' तु शुरु र परि 'ह ग पा तु 'स 'पि त्यरि 'द्विरा युग्रम ग्विम पा की प्यति हो। म्वामायि देयान्यवानी वामायाया स्वाप्त्री वित्ता स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति धुः अदिराम्या अपरा देखिरास्टारेना पेंदाया अप्येवावा । विद्वाणी नाववा र्यट्या मिरा के अप क यः संभित्र यस दे दित्र ग्रीस दे प्रहेत्र यः संभित्र हैं। विसम्मसुत्र स्पर्यसम्मुत छित्। यस चु चुे द नम्भुक्ष मुकेन का ध्येक यादमा स्थानी स्ट मीका स्ट मी की की मुकेद यादमा र्भेर से रट वीष रट य से रेवाय सेवाय की रेवाय यथ वाय प्रति से रावित रो

इ. उ मे ज. ५ ४ ४ ४ ६ ५ ५ ४ ४ १ में विश्व विष्य विश्व व वेजा नेप्परक्षेप्यवन्यम्बया वर्षेययमा वेजनेप्रहेगम्बर्णेः वास्त्रन्णेः निर्मास्ति स्वाप्ति हो विष्या दे विष्या है प्यह्य नियम अस्य प्रमुच प्रमुच स्वाप्ति हो स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वा श्रेन्यर व्या रद रेग सेन यदे ही र ले जा सामिय है। हैं पहें ये स्मेर्य सीसा इक्रायवे द्वक्र विषादे। दे विष्युय द्वेद श्री क्ष्यं क्षायवे द्वि र है। क्षेय विषय द्वापाय शर्ट्य क्रीयातीयार्ज्ञ्य त्राचीयात्र क्रिययातीयार्ज्ञ्य तह्यात्र यटा शर्ट्य द्या त्राच्या विषाणुषार्ह्मे प्रदेव न्वरास्ति मुनायते क्षेत्र न्दा है प्रदेव न्वर सर्वे नेवर स् ૺૄૼૺૼઌઽૻૺૼૢૢૢૢૢૢઌઌૻઌ૽ૼ૱ૡઌ૿ૣૢઌ૽૱ૢ૽ૺૺૺઽૢ૽ૺૹૼૢૹૻ૱ૹ૱ૹ૽ૺ૾૽ૹઌ૽ઌૡ૽ૺૡૢ૿૱ૢૹૢ૽ૺૹૡ૽ૺ૱ૹૺ कृ.यह्रय.टेयट.शर्ट्य.ग्रीय.कृ.यह्रय.टेयट.शर्ट्य.श.स्वाय.तपु.ह्री४.ऐ। म्रवा.क्रय. શું અર્કેદ વસાવર હત સેર વસાશું અજ્ઞેવ છે ત્ર શું અર્કેદ વસાવર હત સેર વસા सर्हेन्यर्यते श्वेरिते देयरे प्रेस्य स्याप्त सर्वेन्यर्यते । धुर। ८८:येंदिरावया देशदेगिहेशाङ्करादरायरुषायदेख्यामुषागुरासाहेगिषा महिकासूट कुतायवे खुंवा मुका गुट का है मका यवे खुरा हमका महिका गा देर खा ने वा गुर्वे हें वा परे महिका सूर से न परे से स्वाप्त हो न से हिन से से पर पर र क्षर् सेर्'यस'याष्ठ्रेष'ङ्कर'सुय'यि र्ह्वे से श्वेर्'यदे रहे म। इन्माषामहिषाया देर वया देशक्रेंशर्दिशसुर्हेग्रायदेः वृग्रायाचेग्रकेत् मुं अर्वेदायमान्य कर् श्रेन त्वभार्त्रम् यात्रात्वन त्त्रित्रिम् हो। क्रम्भिन क्रमान्नि त्त्रिम् स्त्रिमान चु प्यामा स्वार् केंद्रा मान्द्र हो मा केंद्र ही अही र प्यस्य र कर से र प्यस्ते र प्यस्ते र

यदिः ध्रेरितः के क्राहित् सेत् त्वावाधिक यदिः ध्रेरा विकारे। वेवा के का की सर्वेतः यस्य प्रमाण्य प्रमाणी सामित के वर्षी सम्माण सम्भापन स्थान स्थान सम्भापन सम्भाप यने संभी का वर कर सेर यस ने वे यावया मुंधि का के निकार में का या के प्राप्त क र्नेषायर प्रश्नराया दे पर्दे दावा दे या सूर पार्दे बाद सामा स्वापयर प्रश्नर ने नेषायाधिवावायमा चुरायाखंदायाधिवायशासुयायशिक्षेत्रावेषा वर्देदा त्तव.वीर.रभा त्तर.बे.हूर.वीष.ताम.योशीरश.ता.क्षेत्र.योधेश.क्षेट.कथ.वी.चेश.ता. लिबाबा रत्यी सूरायायाळ दासायी साथा विया हे सायाये विया का सूर्व या या रायदे र चुर्व विट्रां हे स्निर् श्चराश्चरायायाया विष्ठा दे विद्रवाद्वर स्वर्धवार राष्ट्रवार विष् सुः हैं तहें ब नियम अर्दे ब त्युवा हो निया है तहें ब नियम अर्दे व ेंट्रप्रहें ब नियम अर्दे ब त्युया हो नियों कर्ना अप्याया का स्वाय के प्रहें ब स्वाय के प्रहें ब यानियाङ्गी क्षायानिवादे हिंतह्बार्यरायाह्यान् वानियाङ्गी क्षायाह्या क्षायाह्या हिंतह्बार्यरायाह्या वर्गुवान्चेन्ग्री :कन् साधिकायवे खिरा ह्ये रास्टान्सासु ह्ये विदेतान्य सर्वे वर्गुवा वेदणी कदायां प्रता रहत्यासु है वह नद्यायां स्वर्णेदायम ने साम्वर है। ૺૄૼૺૼૼૼૡ૽ૺ૱ૡઌ૽ૼ૱ૡઌ૿ૣઌ૽૱ૢ૽ૺૺઌ૽ૺૹૼૺૢૹ૱ૹ૱ઌ૿૽ૢ૽૱ૡઌ૽ૺ૱૽ૣૼૡ૽ૺ૱ૡઌૼ૱ૡ૽ૼ૱૱ त्रवार्य नेया में या कार्य के स्वर्ध के स्वर्य वर्चे र सर्देन 'सुस्र भेद सर्देन 'भेन प्रवे 'से र मुना ने र स्वया ने र र मे मुक्केट संभिक्ष प्रवेष्ट्र मृत्र मुक्के प्रमुक्त प्रवेष्ट्र प्रवेष <u>ॸ</u>ॸॱॺॊॱॿॖॖॖॖॖॺॱऄ॔ॸॱॴऄॺॱय़ऄॱॻॸॖॺॱॸॗॖॺॱॸॖॱॹॗॗॸॱय़ऄॱॺऻॖऄ॔ॱऄ॔ॱऄॴॴॴॶॗॸॱय़ऄॱऄॗॸॱ

ने_१ देवे म्रुक सेंह संभित्र यदे यदन मा क्रेक 'तु 'शुर यदे मर्डि 'वे 'सेससस्पित यदे 'ध्रेर ' हें देवे मुक्त केंद्र अ धिक पवि पद्मा के क 'दु 'शुरु पवि हे दे दे वि के प्वित 'दु 'स्व ' यवै मर्डि में से सम्पर्ध द्वार प्रवि में देवे मुक् सेंद्र साधिक यवै यदि यद मा में कर्तु मुक् यवि निरारे विहेन सेसमा नुराधेन यवि द्वीरा निर्नापार सिराधित सक्त निराधार धरा वः विद्वेग हम्बायायार्क्षयायर स्टामी यहेव हिर्याणी प्ययानु सुराये मानवा *चुःसर्देवःसुस्रायायास्रायञ्चुःपवेःनेषायासर्देवःसुस्रा*चीःस्वनःस्वेतसस्वनःहेन। स्टा सुर्पन्यायवे स्वर्भवे सम्बन्धेर बेरा निर्माणिया स्वर्भे वर्षे हैंग'य'सर्ळेंब'ग्रु'स्थ'पेब'वेद'सळंब'हेर'रे'स'पेब। सळंब'हेर'ध्रे'स'पेब'वेद' मकूर्य वि.वे.माल्य ततु हिम। स्वाया वर्षेमयाता देमावता देल्तर की माल्य संस्था मुं क्षर् संग्रामहात्वेग देवे पहें बाह्महर्षा मुं प्युवार् मुं स्वरं मानवा सुराहे बाह्महर्षा सुराहे यासेन्यविद्धिम् ध्रिसानेम्यवया नेवियह्बम्ह्रम्बर्गीय्ययन् गुरम्यविषावया युः अर्दे ब्युः र से दः प्रवे द्वि र है। देवे प्युवा की वार्के र्वे र युः र प्रवे वालवा युः सर्दे व क़ॗ॔ॸॱऄॸॱय़॑ढ़ॱॺॖऀॸॱॸॖ॓ऻॎॿॸॱय़ॱॴढ़ॕॺॱक़ॗ॔ॸॱॴॵॺॱय़ढ़ॱॺॖऀॸॱॸॖ॓ऻॎॿॸॱय़ॱऄॣ॔ॴॹॗॸॱ थेब्रयदेख्विराने। नेप्त्र्यूनानुःष्परान्वाधिब्रयदेख्विराने। नेम्म्बराष्परान्वाखाः नेष्ट्रस्यायाश्चानश्चानवेष्म्याध्येष्ठावित्। स्त्वीहेष्ट्रश्चरप्रेष्ठाष्ट्रम्बषाध्यत्र्वा यायहेबायासायीबायवे स्वीता यदावास्त्रम सदामी स्वार्मे स्वर क्रेवर्र्क्ष्राये भेर्रित्यर अभार्त्य अभुक्षेष्ठ भेरित्रे रेट्रिव अभावहेव यर

याधीन भी सर्देव सुस्रामी कंना सरि सक्व हिना बेराया से प्यवन हो। इयाय है रासर्देव सुस्राधिन सर्देन साधिन यायाना ज्ञेन यदि द्वि र ५८१ क्षु सि हमाय र दिहेन यदि हिना त्रात्त्री अर्ट्र मुस्ये में क्षेत्र साधित्र देवे व्हेन स्ट्रम में प्राप्त मुल्या चुःसर्देबःसुस्रायाःसेन्यवेःस्त्रेम्। महिस्यानेमः मया नेःसर्देबःसुस्रामीः स्त्रामानः विन अर्देव'सुस'म्ची'ळॅद'स'म्बब'मविष'म्बर'स्यर'स्थर'स्थर' द्वीरा दर'र्से'देर' वया ने क्रन्याम् विम ने हे सासु न्यमाय के क्रन्या साधि स्पर्ध हो न न स्पे देरावया रूप्याची मर्डिपे ब्रु से ह्वायाय से प्रबु प्रेर वेशया धेर प्रेरी महिरायादेरावया देरम्पीहिर्देशस्यातात्रात्राह्मेरात्राह्मेरा इस्मरा ग्रुअय'य'देर'वया देवे'वहॅब'ङ्गद्राणी'युय'तु'शुर्यंदे'अर्देब'शुर'येदे'श्वेर' हें देव वह्ना खुव दुं सूर पव सर्व स्वर्म सुर से देव स्वर है। मुक्त से नाय सर्व र मूरासाधिक परि द्विरा हमायाञ्चा रहामी खुमायाजी रहामी हेव पुरायदे हमाराप्य प्राप्त वार्ष कार्य के प्राप्त के प्राप्त के कार्य के कार्य के प्राप्त के प्राप देःस्टायास्त्रित्तुत्युस्यवेःक्षेत्रमादेःयास्यात्रक्षुताम्हात्तुत्तत्तुत्त्त्त्त्त्त्वेभायासर्दिनः सुस्राभी क्रिन सदे सक्त हो र में मुन सेंट संयोधन सदे प्रमा मेन पुर सदे निवर्धामञ्जूनभारुकायायमाञ्चराविता सरायुयाची मर्डिकेरी सरायासर्देकातुः वित्। स्टामी हे ब 'तु 'शु सम्योत हमा बाया या ना व्याया या सम्योत हो वा स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्व धेव परि पर्वाक्तिव प्रमुक्त प्राप्त क्षेत्र प्रवास क्षेत्र प्रमुख स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वा

कुष्पिर्द्धाः न्यास्त्राद्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर चिन्'र्ह्या चिन्'ग्री'सर्देन'स्रुस'ग्री'क्षंन'स्रिव'स्रिक'र्सेन' स्ट'मी'ह्युक'र्सेन'स'धिक' यवःयन्त्रामुक्'न्'स्यदेखेःङ्गानुद्ययेषानुःक्रिरादेषानुःक्रिरादेषानुःक्रिरादेषानुः लेज.मी.मार्श्चर.मंद्र.पट्रेथ.तद्रथ.मद्राभातवत्रा पट्या.स्र.स्यायायाट.लट. र्राच्यायात्रीम्यायावे हिनाययाची स्राप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप लेवाम्भी मिस्रु प्रमानिक मिन्ने मिन्न यद्रायक्षय्ये द्वेटारी त्रीत्रा हियाहियाहियारे त्या त्रा क्षेत्र क्षेत्र हियारे व्या त्या व्या यर र मी हे ब र मूर्य र पेटे र में मूर्य का भी ह नाका यह ना या यह व या रहा। रहा मिहेबर्र्णुरप्रेषेर्केषणीह्मप्रथप्रर्ग्णाह्मप्रथप्रहेब्रप्रवेषाञ्चराव्या र्शे स्रेर वर्हेन धेर केश हेश र धना है। केन नाम वाया यम युर कर साने मान सुर स यद्राद्भिष्मिक्षान् निष्मिष्मिष्मि द्रमेष्ट्रियम् । मर्द्वित्र द्रियः ह्रियम हेम द्रयम यम येगम सुर्येद यर से सेसम से । सिक्र मिनिक्ते। मानुमारायहें न प्राप्त असेन अस्त अस्त अस्त स्थाप्त प्राप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत ने^भ धिन 'श्च 'श्वर 'य' ञ्चन 'यम 'कन्यायात्रीक 'यदे 'से 'श्चेदे 'श्चुन 'ग्ची मा शुनायादहें क 'नयह' शर्ट्य.के.चे.कैट.ज.श.ट्य.से.चे.ट्यूय.ततु.हीरा श्रृ.क्वेंट्र.की.वार्चेवयात्रह्य. धिन् अर्देब् गुट ळ्न् अप्याक्ष्र न्त्र्या अद्यवि न्नून् रहेवा अर स्वी मु न्त्र्य वा मुन्य रहेवा अ यदे हिनाय न सुन वेष सुरदेन यदे हिमा ने धिव वहिनाय न सुन वेष धिव यया ब्रे.मावियः हे। मूट्रे.केट.ज.माह्मासीयन्यत्याचीयमारह्यं र्यट्राक्रीः <u> इ.भ.घच.उचन,सी.वी.५.तपु.चाचेचाना,यहूच,ला८.भटूच,झैट.ज.भ.ट्रन,सी.वी.ट्रीना,</u> तत्रिय श्रीकेत्रकृत्णेषित्रियाम्बर्मात्रामान्याम्बर्मान्यामान्यान्याने श्चेति'कुर'ग्री'र्केर प्रापरे 'स्वाप्तर हेंब्रायन हेंब्रिस्य वास्त्रस्य स्वास्त्रस्य स्वास्त्रस्य स्वास्त्रस्य शर्ट्ये.रे.यथु.पक्की.तयु.यमुजातामाचारीत्यात्य.त्रु.ह्येम। क्र्यात्राभ्यात्यातामाचारावा ८८। अर्देव सुरा कंद्र सामित्र भागाधिव विषा बेरा धराव हेन क्षु से हमा हेना स त्त्री हिर्यात्यमात्रम्। यत्मायहेत्रामहिर्याक्षयाः अर्दित्रासुर्याची स्त्रतास्य स्त्राम्या चु से देश चे रा दर र्थे से तब दे हैं। के तदि कार्र के सुसा के के र्थे ता से के सुसा यनगर्यायायात्रा अर्देवासुआक्ची ळदासासळवासे दायाधिवाबेटा ह्रेवारी हेंग वहें ब स्थेन सुमाया सहें ब सुमाया सहें ब सुमाया सहें ब सुमायी सहें ब सुमायी सहें ब सिमाया सहें ब सिमाया सहें ब यायाध्येत्रायदे इसामावना गारा चु "र्वे सायदे ख्रिमा युनासामहिसायाध्य स्थाप स्थाप ने इं क्षे के दिन के में है का प्राया क्षे के दिन परि देन क्षेत्र का स्टान के कि के में सुसाम्ची स्दर्भ स्त्री यनमायहें नामिन्याया यानिनामिन्या में स्त्रीय सामाया स्त्रीय स्त्रीय सामाया स्त्रीय स्त् ब्रूट प्राया अर्दे ब सु अ की कंदा अर केंद्र प्राये कि है। दूर में मु के कि मार्थ र क्रायन्दरायम् नेषायान्यान्यान्त्रीक्षायाञ्चरायदे जूरायान्यस्य उद्गेषा यानेविष्णुवासरिक्षस्याचिक्षकाचिक्षस्यानेविषायानेवासरिक्ष्मस्यानेवासरिक्षस्यानेवासरिक्षस्य यदाने वाक्षेप्त क्षुप्ति केषाया यो का का विका हे का का या क्षुप्ति केषाया वा किना सम चिवायात्रयाः स्त्राच्याः स्वायाः विवायायाः स्वायाः स्वायाः चिवायायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स त्रमुर्यात्रेयायाः मित्रामित्र्याम् । विश्वानित्राम् । विश्वानित्राम । विश्वानित्राम

अर्दे हिंग्नर यश्चि देवा है। युर्दे द्वा की अर्दे कि की अर्दे की विश्व के निष्य के

ह्वा प्राचित्र मृति स्व प्याप्त स्य स्व प्याप्त स्व प्याप्त स्व प्याप्त स्व प

सक्षर् हिर्देश क्षेत्र। सम्मुयन् दे देरम् मया दे ग्राम हित्य पदेन परम् मान मर्द्वित्र मुम्म न स्वाप्त स्व विषान्नषार्ह्मन्यवे सर्दे साधिन यवे द्विमा वद्देमा वद्दमा द्विषा द्वा दे इन्नायानेशर्यां मुन्यायायहन्य मुद्रान्य राष्ट्रियाय हिन्य स्तर्वा स्तर्वा स्तर्वा स्तर्वा स्तर्वा स्तर्वा स्तर ध्विराने। ने सर्देन परि से सें र्रेन प्येन परित्र परित्र से दिन इ.रोबर, सेर.पर्वेयतर विवा ट्रेश्ट्र्यत्र हि.सूट्री, मी.ट्रेय्ट्र्य सेर. वर्डेबाधेबायवे द्वेरा विवायावया वर्डेन वा नेबाने स्वानु वर्नेबाबबावकन यर वया वर्रे र य देवे ही य वर्रे र वा देश वेष के व ही य अस्य र पहें व वसायकर्यम् वर्षा वर्रेर्यानेविः श्वेम वर्रेर्वा नेषाने कुषायम्य सूर्वायमः चयार्था । वेर है। सर्ने पहें पहें परें का की सर्वे का की सर्वा है विषय म्बिः हिंद रेत या दर्मे दश्य म्याप्त मिलिय स्था नेया ये दार हिंदा यदे सदि स्था स्था सक्षक कि र हा से राज्या सक्षेत्र के रेवे रिक्ष प्राप्त के रिका स्थापन के स्यापन के स्थापन के स्य यन्दिषाणु पङ्गव मुदेषार्री वित्र मुक्षव व्यवस्था यद्नियाने वित्र वित्र यद्नि बः देवे द्रे प्रे मण्णे पङ्गब मुवे मर्चि मण्णे रायते मुब हिं पायदे बाय स्वा वर्रेर्यादेवे धुरा वर्रेर्मा गुनमनिवे समाने भारे हे धिन यर ख्या वर्रेर्या यायास्त्राष्ट्रिताः मृत्याचु देवे दिर्गाद्र गाुन हिंचायदेन यादे स्मित्र हिंवे दिस्य यहून यहून चुवि मर्कि र्या प्रमा गुका है च प्यते क प्यते है साधिक प्यवे खिरा क्षेत्र साथा अर्रे दिय दिया प्रमुब प्रमुब पुरि मुर्च कि स्वर प्रदेश में दिय प्रमुब दिव मुंग मुर्च ।

र्वि: ब्रेन् प्यते: श्चिरिन हिते 'नु विन्याया क्षेन प्यते: श्चिर हो। व्यन्ति हित्य प्यान्तः न्वेरियाम्बियम्याप्ये श्वेरा नेयामर अमाना मानिया हिन्याये सार्ने त्यारे माना प्रवी ने यार्विक मे। गुक्र मिलिवे इस ने कार्येन यम क्रिक यवि सर्दि यक्षक प्रवि मिलिवे यरः वया देवे प्रक्षत्र चुवे मुर्जे विरम् शुरुष्ये गुत्र हिंच प्रदेत पर्ये प्रवे खेरा देर वया संभगन्त्रात्रेर्ट्रम्गान्यानेत्रेत्रसम्भगनेत्रेत्रियङ्गन्त्रित्वर् यदःग्राबःह्नियःयदेबःयाध्यवःयदःश्विरःबेखा देखा नेषान्चःह्विषःख्वा यदेवःग्रायः वह्रम्यविःह्मायविःवेम्युवार्येन्यम् वया सेस्रमञ्ज्ययविःह्मयन्माया देः भेष प्रतिः श्रीमा वियायायमा यहारिष्य मे। गुवामिविवः इसा भेषा भेषि प्रमः क्रेंब्रयदि'सर्दे'न्द्रा न्या नियन्न ने प्यन्न पर्येद्रय दे स्रेंब्रयदे सर्दे स्राह्म स्राह्म स्रोहे स्राह्म स्रोहे स्राह्म स्रोहे स्राह्म स्रोहे स्र विषायषागावावषायञ्चरषायवे क्वेषायेवायवा दे द्वेषषा ग्री वहें द ग्रुवे देव श्री राष्ट्र भ्रिम विया है। इस प्रमेण प्रमा वहिन मुह्त सामहिन इस मार्गी। प्रिने रटाक्नुः श्रे नेषायषागुष्व षषायञ्चटषायवे भ्रिः रेवायवे प्रायठव वर्गेषायवे केट्र र् नम्बरम्य स्थाये स्थाये द्वीरा यह विषेत्र ग्रीम निष्ये में स्थाये स्थाये हिन ही है गुब मबिव इस नेषा भेरा भेरा महिब मवे सार्दि सहिव महिव महिव मिर् में प्राप्त महिब है ब लिब खेबा बेरा द्वा वेषा च क्राच क्रिया च वा गुवा गुवा गुवा गुवा गुवा के साथे प्याप्त हिंदा प्राप्त र सर्नेनेशप्रमानीकिन्नु प्राचिष्यानु यानु यानु यानु यानियानु यानियान्यम् यानियान्यम् यानियान्यम् यानियान्यम् यानियान्यम् यानियान्यम्यम् यानियान्यम् यानियान्यम्यम् यानियाम्यम्यम् यानियास्यम् यानियास्यम्यम् यानि वितेषिर्द्धमा वर्षायह्रम्यमा निष्य प्रति वित्र वर्षे निष्य वर्य वर्षे निष्य वर्षे निष्य वर्षे निष्य वर्षे निष्य वर्षे निष्य वर यह्रम्यायाप्त्रीमायाज्ञेनार्थेप्यमावया वर्षेष्यापेत्राह्ये वर्षेष्या वर्षेष्या

म्बितः इस्र मेर्या गुःर्ने का श्चे प्रस्व र्ने विषा गुःरोस्य रस्य पर्ये राय स्वया वर्ने राया देवे भ्रिमा वर्देन द्वा ५ फर मया थी। । यर विष्ठ वाद मे। वेष मय क्रिम येवे बर क्षय दे की रात्राची बीचाया सार हिया सूचीया की सार्ट्स की सार्ट्स की सार्ट्स की सार्ट्स की सार्ट्स की सार्ट्स सद्रावया सक्ष्यं क्षेट्रदेव हैं रा देरावया नवुन्यायदेव सेट्र्र्र्द्याय ह्रव पर्संय विद्यान्त्र व्याप्त मार्थेय प्रत्य स्थित प्रत्य स्थित प्रत्य प्रत बेर्यादेशर्देवाधेवायरावया वर्देर्यादेवाधेरावावा बाव्याक्षा देर्देशर्देवा क्चि'सर्दे'स्रिक'यर'वया दे'द्रमम्'द्यु'य'र्देक'द्रस'क्चि'व्विद्र'यर'क्चुर'विदेसर्दे'स्रिक'यदे' *'* हुर हे। सुर पें त्थे पें दे प्राणुट रस्ट प्रतिब की श ह्रें द रास रायद दिया सुर यक्षेत् । विश्वासर्भात्मम् वर्षाम् प्रमास्य । वर्षाम् । म्बर्णता रे.एम.र्रेष.ब्री.मर्रे.ल्रब.त्र.व्या रे.ट्रिम.पक्षेय.क्षेत.क्षेत्र.व्या सर्रे धिव परि द्वि र है। देश न बुन्य पर्देव से द दिश पक्षव पक्षव प्रति न से रिंग्सर चैनायमायहेन,तपुःहिर। स्वानास्त्रुचरा। विरायराम्नामायाः ૡ૾ૻઽઽ૽૾ૻઌ૾ૢૺૹૹૢૠૢ૽ૼૼ૱ૹૢ૽ઽૡ૽ૹ૽ૼઽ૾ૼૹૹૢઌૹૢઌૹૢઌૻૹઌ૽૽ૹ૽૽૾ૼ૱૽૽ૢ૽ૺૹ૽૾ૼઽઽૢ च'स'र्र्र्र्र्व'क्चे'सर्रे'न्'ह्रम'पेब'यरे'द्धेम। वर्र्पवे'युग्र्याण्ये सळव'हेर्'ग्र्स् मु इसम्मानवार्ये ५ दे। इसम्मानम् मानुगमा गुरम्मानम् वार्यः मानुगमा स्था दिन्गी मञ्जूनमा वेषायावमा इसासिव मी प्रमायाञ्चरायर प्राचीयाधिक परि दिन् दे वासुस्र की देस रदे दे से प्रति दे । वा बुवास दे या इस यह वास की वा बुवास । रट.प्रविष.ग्रीम.ग्रीय.त्येयेचमम.त्यु.चार्चेचमा चार्चेचमा.रट.प्रविष.ग्रीम.म.ग्रीय. यक्तिंतेरणीः मञ्जामान्यत्रेत्रा वर्षामान्यस्थान्यत्रेत्रा वर्षामान्यस्थान्यत्रेत्रा वर्षामान्यस्थान्यत्रः वर्ष

त्रअः स्वाभावि : द्वाने देवे : द्वाने देवे : त्वाने देवे : त्वाने देवे देवे : विभाने स्वाभावि : द्वाने देवे देवे : विभाने स्वाभावि : द्वाने देवे : विभाने स्वाभावि : विभावि : विभाने स्वाभावि : विभावि : विभाने स्वाभावि : विभाने स्वाभावि : विभाने स्वाभावि : विभावि :

कुष्म् भ्रम्भ भ्रम्भ निष्म निष्म निष्

ब्रेम। लट,ट्रेयु,यट,क्र्य,वि,श्रुवे क्य,चेय,ट्रेट्टर,यह्र्य,त्यु,यह्वा,क्षेत्र,क्षेय,क्षेय, क्रि.रिश्चमश्रात्यात्रीक्षेत्रात्रात्यरमात्रात्रात्री शर्ट्रात्यश्चरात्रात्यात्रीत्रात्यात्रीत्रात्यात्रीत्रा हुरा वियःह्री सिर्ग्यालकार्ट्रकानिकारायुग्यर्थान्यान्त्री सर्ट्राम्बकायकार्थस्य वर्वाचिरावन्द्राचित्र। देशकार्यात्र्वे स्वास्त्रेशाचीशास्त्राचे वार्या वसार्ट्य क्षमानु प्रदेश माध्येम की विकाने मा प्रत्या केंस करा नु सम विषा सुर र्पे ख़र दा विका धिक प्राये ख़िया देर खा सुर पे ख़र दे कि विका वार विन हिन्युर ये स्टर्निय केना धेन ना हिन्युर ये स्टर्मिय केना धेन ने किन यदेख्वेम क्षिमानेमानया हिनानेनिनिनिनिनिनेनायायाहिनाने न्राटेंन्स्यान्त्राच्चरान्यां अन्तर्मेषा ने अधिन कार्तिन ने न्राचिन ने निषाः त्तुः हीर। २८.तू. रे.च्या हिं र योष्य संदेत र सेंट सेंदा संवे स्तु संवे हिं र योष संवे या से से से से से से से मुनपरि क्विर है। विर रहार्रे अवसम्मुनपरि क्विर इपिर नुस्तर है। वः तीरातमा तह्याः हेवा श्रीत्वायाना च्याः स्वाया श्रीत् । विद्याया स्वाया भ्रीप्यम् प्यम् स्था पर्देन् यानेते स्थिम् नावन यह । यह ना स्थापिन प्यम् प वया सुरायाहरूप्पिन्यार विवा यनवासुर विवाधिक यदि द्वीरा दर्नेन वा द्विन रम्बीख्रायमा वन्नावन्नमार्थेन्त्र्वन्यस्थायमन्यस्था वर्नेन्यः रेविद्धिमा मानमाप्ता समायहें माये यह माद्धा द्वा हु। हु। मानमाप्ता मानमाप्ता हुन हुमारा गुः खुयायासाय वियानवे क्षेत्राय राष्ट्रया है सामुद्रा से हिंदी सुद्रा से हिंदी सुद्रा है साम र्धेन धेन प्रेन क्षाया के जा प्रमाणिया वर्नेन में में स्थापस प्रमाणिया मुभायहेनाः सन्ति अर्चे निर्मा अर्थाः सिन्य माना वर्ने न्याने विस्ता ने सामा से सम यास्त्राक्के प्रमाणि मुन्न मिल्या स्माणि स्

यान्द्रेष त्रभान्तम्यभारत्तः स्टब्स् ने यान्यस्थित् क्रिस् विष्णः क्षेत्रम् विष्णः क्षेत्रम् विष्णः विषणः व

इस्यन्तु क्षेत्रा स्वाप्त द्वाप्त प्राप्त द्वाप्त प्राप्त विष्य स्वाप्त प्राप्त विष्य स्वाप्त विष्य स्वाप्त विषय स्वाप्त स्वाप्त विषय स्वाप्त स्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

क्रेन्यरहें न्यायि निर्देश स्थायि निर्देश स्थायि स्थाय स्थायि स्थाय स्थायि स्थाय स्था

यद्भित्रः विश्वासी विश्वासीरश्चात्रः त्योवात्त्रभ्वात्त्रः हित्रः स्थिति । । । । । विश्वासीर्थं विश्वासीर्थं विश्वासीय विश्वा

製むい

देशर्देब्रस्मिव्ययस्य कुष्यंग्रेया ।
देशर्देब्रसिव्ययम् द्वित्रस्य स्वाप्त्रस्य स्वाप्तः द्वित्रस्य ।
स्वाप्तः स्वाप्तः द्वित्रस्य स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वापतः स्वापत

वित्रक्षात्रकात्रम्य वित्रकात्रकात्रम्य । वित्रकात्रकात्रम्य वित्रकात्रम्य । वित्रकार्य वित्रकात्रम्य वित्रम्य । विव्यक्षित्रम्य वित्रकात्रम्य ।

> निर्मुरम्बर्थान्यार्श्वरादित्या । विद्वर्भार्म्यात्रात्रात्रम्थाः भ्रेत्यात्रम्भूद्रम्थाः । वेषायम्द्रम्यात्रम्भूम्यवे भ्रेत्याः । वेन्याः भ्रेम्यवे सम्बद्धाः ।

> र्म्यात्वरायस्य पाक्ष्याः मुक्षाः मुक् सुरः चरः स्वतः प्रस्ताः प्रस्त्र स्वतः स्वाः मुक्षाः मुक्षाः मुक्षाः मुक्षाः स्वतः स्वाः मुक्षाः स्वतः स्वाः म स्वतः स

स्वित्रात्रात्राम्यात्रात्र्व्याः स्वत्रात्रात्राम्यात्रात्राच्यायाः स्वतः स

द्या श्री मा । । विदेश श्री मा विदेश श्री मा स्वाप्त स्वाप्त